ଆଉ ଖେଳି
ନ ପାରନ୍ତି ପାଣ୍ଡ୍ୟା

▶ପୃଷ୍ଠା ୧୨ ଦେଖନ୍ତୁ...

- RNI REGD NO: 42041/83
- www.sakalaepaper.com
- /sakalanews
- /sakalanews
- www.thesakala.in

ସକାଳ
THE SAKALA

PRINTED AT BHUBANESWAR ■ JEYPORE ■ SAMBALPUR ■ PANIKOILI

♦VOLUME- 43 ♦ISSUE-308 ♦THURSDAY ♦07 MAY 2026 ♦PAGE-12 ♦₹ 7.00 | BHUBANESWAR | ♦ବର୍ଷ-୪୩ ♦ସଂଖ୍ୟା-୩୦୮ ♦ଗୁରୁବାର ♦୦୭ ମେ ୨୦୨୬ ♦ପୃଷ୍ଠା-୧୨ ♦ଟ.୭.୦୦

Admissions open for CHSE, CBSE (XI), NEET & JEE -2026-27

TETRAHEDRON ACADEMY PVT. LTD. NEET & JEE COACHING TANGI, CUTTACK

TETRAHEDRON ACADEMY PRIVATE LIMITED

Tangi, Cuttack-754022

Mentor
Mr. Tridib Behera
(Trideb Sir)
CHAT WITH US ON WHATSAPP : 7008222977

We expect 150 MBBS Admissions in 2026
We expect 100 students to score more than 600 in NEET 2026

693 SUVAM BEHERA, BALESWAR, M. : 9123066603
692 DIBYARANJAN SAMAL, JAJPUR, M. : 9692036713
688 BIKSHWABID NAYAK, JAJPUR, M. : 9558959878
681 SUSHREE PRIYANKA, DHENKANAL, M. : 9777153555
677 JYOTI PRAKASH GIRI, BALESWAR, M. : 904002674
677 SAI PRAKASH BASTIA, JAGATSINGHPUR, M. : 9777090684
673 SANDEEP KU. ROUT, KEONJHAR, M. : 7749823914
671 ADYASHA MOHAPATRA, CUTTACK, M. : 8249136458
668 AYUSH DASH, CUTTACK, M. : 9439440407
665 SIBA SANKAR PATRA, BALESWAR, M. : 6371756580
664 MADHUSMITA PANIGRAHI, MAYURBHANJ, M. : 9439845940
662 BISWARUPA ACHARYA, KENDRAPARA, M. : 6371780995
660 SMRUTI RANJAN SWAIN, JAJPUR, M. : 8018868766
660 ABINASH SAMANTARAY, JAGATSINGHPUR, M. : 9853385091
659 BIKASH BARIK, PURI, M. : 9439254073
656 SUBHANKAR DAS, BALESWAR, M. : 9040009768
655 RAJESH PRADHAN, BALESWAR, M. : 8457895059
652 DEBENDRA JENA, CUTTACK, M. : 9938981959
652 DEBAPRASAD DAS, BALESWAR, M. : 9040165239
652 DIBYAJYOTI NAYAK, CUTTACK, M. : 9778171571
652 SUBHASHREE BHUYAN, CUTTACK, M. : 9937339439
651 RAMAKRUSHNA BISWAL, ANGUL, M. : 7684000422
650 MANORANJAN BARIK, KENDRAPARA, M. : 9556233735
650 RIDHIRANI PANDA, ANGUL, M. : 7008146953
648 PRIYANSU PRITAM SWAIN, JAJPUR, M. : 7008399671
648 SUBHASHREE P. SAHU, ANGUL, M. : 9937018265
643 ADARSHA AMLAN, CUTTACK, M. : 9861012314
642 NIHAR RANJAN SAHOO, JAJPUR, M. : 9937514307
640 BINODINI MOHAPATRA, JAGATSINGHPUR, M. : 9438279824

FRESHER STUDENTS ADMITTED TO MBBS

SATYAJEET SWAIN, M. : 9439830875, JMCH, PURI (2024)
ABINASH SAHOO, M. : 9692121982, PRM, BARIPADA(2024)
DIPTIMAYEE (SC), M. : 8249355019, GMC, SUNDARGARH(2024)
SWASTIK (SC), M.: 9777071130, DDMC,KEONJHAR(2024)
SATYAJIT (SC), M. : 6370706476, PRM, BARIPADA(2024)
ABDUL MATIN KHAN, M. : 7325903584, MKCG, BERHAMPUR(2023)
JIJNASU PARIDA, Mob. : 9938736055, FMMCH, BALASORE(2023)
PRADIP DAS(SC), M. : 6370349510, MKCG, BERHAMPUR(2023)
RAJESH, M : 6370895135, RIMS, RANCHI(2025)
SUBHANKAR, M. : 9310679902, SJMCH, PURI(2025)
PRIYANSHI, M. : 7735776269, FM, BALASORE(2025)
SUBHAM, M. : 9937533036, PRM, BARIPADA(2025)
LOKANATH, M. : 8084711270, PRM,BARIPADA(2025)
SWARNAPRAVA, M. : 9348538749, PRM,BARIPADA(2025)
ARPIT, MAYURBHANJ, PMP MCH, TALCHER(2025)

2025 : 127 MBBS ADMISSIONS

AIIMS	SCB, CUTTACK	MKCG, BERHAMPUR	VIMSAR, BURLA	PRM, BARIPADA	FM, BALASORE
5 STUDENTS	11 STUDENTS	17 STUDENTS	6 STUDENTS	10 STUDENTS	7 STUDENTS

2024 : 71 MBBS ADMISSIONS

AIIMS	SCB, CUTTACK	MKCG, BERHAMPUR	VIMSAR, BURLA
5 STUDENTS	8 STUDENTS	9 STUDENTS	6 STUDENTS

2023 : 54 MBBS ADMISSIONS

AIIMS	SCB, CUTTACK	MKCG, BERHAMPUR	VIMSAR, BURLA
2 STUDENTS	9 STUDENTS	13 STUDENTS	5 STUDENTS

OUR INCREDIBLE ACHIEVERS IN AIIMS

SUSHREE SANGITA SAHOO, Mob. : 9810975701, AIIMS DELHI (2021)
KAMALAKANTA, Mob. : 8249906661 (1st Preparation), AIIMS BBSR(2024)
RAHUL, M. : 6372741832, AIIMS RAIPUR(202
OMM PRAKASH, M. : 6372521307, AIIMS GORAKHAPUR(2024)
SWAGATIKA, M. : 7381845430, AIIMS GORAKHAPUR(2024)
DEVASIS SAHOO, Mob. : 9861492793, AIIMS BBSR(2021)
ASHIRBAD BISWAL, Roll No. : 3605030545, Mob. : 7846821473, AIIMS GORAKHPUR(2023)
ANUPAM NAYAK, Roll No. : 3605010259, Mob. : 7205755502, AIIMS KALYANI (2023)
ADITYA NARAYAN, M. : 8260333635, AIIMS MADURAI(2024)
SATYAJIT NAYAK, Mob. : 8260601336, AIIMS RAIPUR(2022)
SOURAV RANJAN, Mob. : 9337135920, AIIMS KALYANI(2025)
AMIT ANSUMAN, Mob. : 8260552053, AIIMS KALYANI(2025)
G.S. TANISHA, Mob. :6370203229, AIIMS KALYANI(2025)
SOUMYA RANJAN, Mob. : 9853490176, AIIMS DEOGHAR(2025)
ASHUTOSH (SC), Mob. : 9438110102, AIIMS BBSR (2025)

JEE (MAIN & ADVANCE) RESULTS

TARINI, IIT VARANASI, M. : 9827400190
SAMIR, NIT ROURKELA, M. : 9437926225
SAILENDRI, NIT ROURKELA, M. : 9938484890
BISMAY BIBHOR, IIT PATNA, M. : 7077212667
TAPAS, IIT KHARGPUR, M. : 8093064525
ADITYA, IIT DELHI, M. : 8606949749
JANMEJAYA, IIT MADRAS, M. : 8249878451
GOUTAM, IIT PATNA, M. : 6372019170
PRIYANSHU, IIT BBSR, M. : 9090513914
AMAN, NIT ROURKELA, M. : 6371238431
SRIMAN, NIT ROURKELA, M. : 7894053139
SANTOSH, NIT ROURKELA, M. : 9777080531
OMM PRAKASH, NIT ROURKELA, M. : 9937398951
TRUPTI, NIT ROURKELA, M. : 70084 32499

JEE RESULTS -2026

99.5 %ILE DIBYA RANJAN SAMAL
98.64 %ILE RAJESH KU. PRADHAN
98.51 %ILE ADITYA MOHARANA
98.05 %ILE CHINMAYA MOHANTY
97.42 %ILE PRINCE ZENITH SAHOO
97.37 %ILE SUBHANKAR DAS
97.16 %ILE ADITYA MOHANTY
97.04 %ILE SUVAM BEHERA
97.2 %ILE SATYAJIT SAHOO
97.00 %ILE ANURAG DEY
95.93 %ILE SANTOSH MAHARANA
95.5 %ILE AMIYADEEP PATRA
95.5 %ILE MAHAPRASAD SENAPATI
95.5 %ILE SOMEN MOHAPATRA
95.4 %ILE DIBYAJYOTI SWAIN

OUR CHSE RESULTS - 2025

581 ABINASH PANDA, R. NO. : 312CZ142, MOB. : 8926374475
580 ANANYA ANUPRITA, R.NO. : 321CZ001, M. : 6372522094

578 ANUNJAYA, R.NO. : 312CZ044, M. : 9937820270
575 HARAPRASAD, R.NO. : 312CZ052, M. : 9777635809
574 ANANYA, R.NO. : 321CZ018, M. : 9178552089
574 PRIYADARSHINI, R.NO. : 321CZ020, M. : 8456010982
574 RUTUPARNA, R.NO. : 321CZ025, M. : 8908000397
573 ASHUTOSH, R.NO. : 312CZ009, M. : 7008710810
573 SWARNA PRAVA, R.NO. : 321CZ002, M. : 9348538749
572 SOUMYAK, R.NO. : 312CZ015, M. : 6372996292
572 SANDEEP, R.NO. : 312CZ021, M. : 9438775269
572 SAI ARPIT, R.NO. : 312CZ118, M. : 8917543238
571 PRIYANKA, R.NO. : 321CZ016, M. : 8328937059
570 SWAYAM, R.NO. : 312CZ039, M. : 9583495922

100% RESULT

Above 95%	Above 560	Above 90%	Above 89%	Above 88%
14 STUDENTS	51 STUDENTS	199 STUDENTS	236 STUDENTS	285 STUDENTS
Above 500	Above 80%	Above 75%	Above 70%	Above 60%
536 STUDENTS	714 STUDENTS	902 STUDENTS	1023 STUDENTS	1120 STUDENTS

ONE YEAR NEET COURSE STARTS ON 18TH MAY, 01ST JUNE , 21ST JUNE

The NEET Qualifying Test will be held on 10TH , 17TH, 24TH, 31ST MAY & 8TH JUNE 2026
The Exam will be coducted from 1:00 p.m. to 4:00 p.m. (Reporting Time : 12:00 noon)

Visit our Website : NEET : www.tetrahedroncoaching.com

WE FOCUS ON CONCEPTS, NOT ON SYLLABUS COMPLETION ONLY
- We turn average students into toppers.
- We build strong foundation for NEET & JEE
- We teach our Students from the concept level to higher level.
- Maximum problem solving approach on each subject in the class room.
- Doubt clearing classes by expert faculties from 3p.m. to 9p.m.
- 100% monitoring on Self Study of students.

Name of the Exam Centre :

TETRAHEDRON OLD CAMPUS, TANGI, CUTTACK
MOB. : 8093064525, 8093064500, 8093064522

TETRAHEDRON COACHING, ARUNODAYA NAGAR, CUTTACK
MOB. : 8093064572, 8093064508

TETRAHEDRON HIGHER SECONDARY SCHOOL
TETRAHEDRON WOMEN'S HIGHER SECONDARY SCHOOL
TETRAHEDRON RESIDENTIAL COACHING FOR NEET, JEE & CBSE (XI)

Tetrahedron Tangi : 8093064522, 8093064525, 7008222977 Tetrahedrongroup

୧୭ ବର୍ଷ ପରେ ପରିବାରକୁ ମିଳିଲା ନ୍ୟାୟ

୮ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା କ୍ଷତି ପୂରଣ ଦେବା ଲାଗି ରେଳ ବିଭାଗକୁ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ

ମୁମ୍ବାଇ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ନ୍ୟାୟାଳୟର ଚକ୍ର ବେଳେବେଳେ ଧୀର ହୋଇପାରେ, କିନ୍ତୁ ସତ୍ୟର ବିଜୟ ସୁନିଶ୍ଚିତ। ଏହାର ଏକ ଜ୍ୱଳନ୍ତ ଉଦାହରଣ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି ମୁମ୍ବାଇରେ, ଯେଉଁଠାରେ ଜଣେ ୧୬ ବର୍ଷର କିଶୋରର ମୃତ୍ୟୁ ପାଇଁ ତାଙ୍କ ପରିବାରକୁ ଦୀର୍ଘ ୧୭ ବର୍ଷ ପରେ ନ୍ୟାୟ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି ବମ୍ବେ ଉଚ୍ଚ ନ୍ୟାୟାଳୟ। ରେଳବାଇର ସମସ୍ତ ଯୁକ୍ତିକୁ ଖଣ୍ଡନ କରି କୋର୍ଟ ପୀଡ଼ିତ ପରିବାର ପକ୍ଷରେ ରାୟ ଶୁଣାଇଛନ୍ତି। ୨୦ ଜୁନ୍, ୨୦୦୯ ମସିହାରେ ଆରୋଗ୍ୟରାଜ ଚେଟିଆର ନାମକ ଜଣେ ଶ୍ରମିକ ଯୁବକ ନିଜ ସାଙ୍ଗ ସହିତ କାମ ଅନ୍ୱେଷଣରେ ଗୋରେଗାଓଁରୁ ଚର୍ଚ୍ଚଗେଟ୍ ଅଭିମୁଖେ ଏକ ଭିଡ଼ ସମ୍ପନ୍ନ ଟ୍ରେନରେ ଯାଉଥିଲେ। ଅପରାହ୍ନ ପ୍ରାୟ ୨ଟା ୧୩ ମିନିଟ ସମୟରେ ଯୋଗେଶ୍ୱରୀ ଷ୍ଟେସନ ନିକଟରେ ଚଳନ୍ତା ଟ୍ରେନରୁ ସେ ଖସି ପଡ଼ିଥିଲେ। ସେହି ରାତିରେ ଚିକିତ୍ସାଧୀନ ଅବସ୍ଥାରେ ତାଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥିଲା। ପୁଅକୁ ହରାଇବା ପରେ ବାପା ରାୟପ୍ପା ଓ ମାଆ ଭିକ୍ଟୋରିଆ ଚେଟିଆର କ୍ଷତିପୂରଣ ପାଇଁ ଆବେଦନ କରିଥିଲେ, କିନ୍ତୁ ୨୦୧୬ରେ ରେଳବାଇ ଟ୍ରିବ୍ୟୁନାଲ ଏହାକୁ ଖାରଜ କରିଦେଇଥିଲେ। ରେଳବାଇ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଥିଲା ଯେ, ଯୁବକଜଣକ ରେଳ ଧାରଣା ପାର ହେଉଥିବା ବେଳେ ଦୁର୍ଘଟଣାର ଶିକାର ହୋଇଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ଉଚ୍ଚ ନ୍ୟାୟାଳୟର ବିଚାରପତି ଜିତେନ୍ଦ୍ର ଜୈନ ଏହି ଯୁକ୍ତିକୁ ଗ୍ରହଣ କରିନାହାନ୍ତି। କୋର୍ଟ କହିଛନ୍ତି ଯେ, ଯୁବକଙ୍କ ପାଖରେ ଏକ ବୈଧ ଟିକେଟ୍ ଥିଲା, ଯାହା ପ୍ରମାଣ କରୁଛି ସେ ଜଣେ ପ୍ରକୃତ ଯାତ୍ରୀ ଥିଲେ। ବିଚାରପତି କହିଛନ୍ତି ଯେ, ଏହି ଘଟଣାର ସମସ୍ତ ପ୍ରମାଣକୁ ତଳ କୋର୍ଟ ଅଣଦେଖା କରି ଏକ ବଡ଼ ଭୁଲ କରିଛନ୍ତି। ଯେହେତୁ ମାମଲାଟି ୨୦୦୯ରୁ ପଡ଼ି ରହିଛି, ତେଣୁ ଆଉ ସମୟ ନଷ୍ଟ ନକରି ଉଚ୍ଚ ନ୍ୟାୟାଳୟ ନିଜେ ସମସ୍ତ ଦସ୍ତାବେଜ ଯାଞ୍ଚ କରିଛନ୍ତି। ରେଳବାଇ ଯୁକ୍ତି କରିଥିଲା ଯେ ଯୁବକଙ୍କ କ୍ଷତରୁ ଜଣାପଡୁଛି ସେ ଟ୍ରେନରୁ ଖସି ନାହାନ୍ତି, କିନ୍ତୁ କୋର୍ଟ ସ୍ପଷ୍ଟ କରିଛନ୍ତି ଯେ ରେଳ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ କିମ୍ବା ଟ୍ରିବ୍ୟୁନାଲ ଡାକ୍ତରୀ ବିଶେଷଜ୍ଞ ନୁହନ୍ତି ଯେ ସେମାନେ ନିଜ ମନଇଚ୍ଛା ମତ ଦେବେ। ଶେଷରେ, ବମ୍ବେ ଉଚ୍ଚ ନ୍ୟାୟାଳୟ ଚେଟିଆର ପରିବାରକୁ ୮ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କାର ସର୍ବାଧିକ କ୍ଷତିପୂରଣ ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହି ଅର୍ଥରାଶିକୁ ଆସନ୍ତା ୧୨ ସପ୍ତାହ ମଧ୍ୟରେ ପରିବାରକୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରିବାକୁ ପଶ୍ଚିମ ରେଳବାଇକୁ କୁହାଯାଇଛି।

ଆସାମ ନିର୍ବାଚନରେ ଡିଜିଟାଲ୍ ରଣନୀତି

ମିମ୍, ଏଆଇ ଓ ଭିଡିଓ ମାଧ୍ୟମରେ ବିଜେପିର ପ୍ରଚାର

ଗୌହାଟୀ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି):୨୦୨୬ ଅସମ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନ କେବଳ ରାଜରାସ୍ତା ବା ସଭାସମିତିରେ ସୀମିତ ରହିନାହିଁ, ବରଂ ଏହା ସ୍ମାର୍ଟଫୋନ୍ ଏବଂ ଡିଜିଟାଲ୍ ପ୍ଲାଟଫର୍ମରେ ଏକ ଭିନ୍ନ ଯୁଦ୍ଧର ରୂପ ନେଇଛି। ଭାରତୀୟ ଜନତା ପାର୍ଟି (ବିଜେପି) ଏଥର ସୋସିଆଲ ମିଡିଆକୁ ଏକ ଶକ୍ତିଶାଳୀ ଅସ୍ତ୍ର ଭାବରେ ବ୍ୟବହାର କରି ନିଜର ପ୍ରଚାରକୁ ଏକ ନୂଆ ସ୍ତରକୁ ନେଇଯାଇଛି। ବିଗତ ଦୁଇ ବର୍ଷ ଧରି ବିଜେପି ସମର୍ଥିତ ଡିଜିଟାଲ୍ ଅଭିଯାନ ମାଧ୍ୟମରେ କଂଗ୍ରେସ ନେତାମାନଙ୍କୁ କ୍ରମାଗତ ଭାବେ ଟାର୍ଗେଟ୍ କରାଯାଇଛି। ବିଶେଷ କରି ବିରୋଧୀ ଦଳର ନେତାମାନଙ୍କୁ ବଙ୍ଗୀୟ ମୁସଲମାନ ଭୋଟରଙ୍କ ସହ ଯୋଡ଼ି ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ବିଷୟବସ୍ତୁ ପ୍ରସାରିତ କରାଯାଇଥିଲା। ଏଥିପାଇଁ କେତେକ ପ୍ରମୁଖ ମାଧ୍ୟମ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇଛି। ନେତାମାନଙ୍କର ବିଭିନ୍ନ ଆଭାସୀ ଚିତ୍ର ପ୍ରସ୍ତୁତ କରି ପ୍ରସାର। କୌତୁକିଆ ଢଙ୍ଗରେ ବିରୋଧୀଙ୍କୁ ସମାଲୋଚନା। ଇନଷ୍ଟାଗ୍ରାମ୍ ରିଲ୍ସ ଏବଂ ହ୍ୱାଟସଆପ୍ ମାଧ୍ୟମରେ ଭାବପ୍ରବଣ ବାର୍ତ୍ତା। ଏହି ଡିଜିଟାଲ୍ ଅଭିଯାନର ମୁଖ୍ୟ କେନ୍ଦ୍ରବିନ୍ଦୁ ଥିଲେ କଂଗ୍ରେସ ନେତା ଗୌରବ ଗୋଗୋଇ। ତାଙ୍କର ଛବିକୁ କ୍ଷତି ପହଞ୍ଚାଇବା ପାଇଁ ଏଡିଟ୍ କରାଯାଇଥିବା ଭିଡିଓ ଏବଂ କୃତ୍ରିମ ଚିତ୍ର ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇଥିଲା। ତାଙ୍କୁ ସଂଖ୍ୟାଲଘୁ ତୁଷ୍ଟିକରଣର ପ୍ରତୀକ ଭାବେ ଚିତ୍ରଣ କରାଯାଇଥିବା ବେଳେ ବିଜେପିକୁ ଅସମୀୟା ପରିଚୟ, ହିନ୍ଦୁ ସ୍ୱାର୍ଥ ଏବଂ ସ୍ଥାନୀୟ ସଂସ୍କୃତିର ରକ୍ଷକ ଭାବେ ଉପସ୍ଥାପନ କରାଯାଇଛି। ଆସାମ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ହିମନ୍ତ ବିଶ୍ୱ ଶର୍ମାଙ୍କ ତୀକ୍ଷ୍ଣ ବୟାନ ଏହି ଡିଜିଟାଲ୍ ଅଭିଯାନକୁ ଅଧିକ ବଳ ଦେଇଛି। ଅନୁପ୍ରବେଶ ଏବଂ ସୀମା ସୁରକ୍ଷା ଭଳି ସମ୍ବେଦନଶୀଳ ପ୍ରସଙ୍ଗକୁ ନେଇ ସୋସିଆଲ ମିଡିଆରେ ଏପରି ପରିବେଶ ସୃଷ୍ଟି କରାଯାଇଥିଲା, ଯାହା ଭୋଟରଙ୍କ ମନରେ ଏକ ସ୍ଥାୟୀ ପ୍ରଭାବ ପକାଇଥିଲା। କଂଗ୍ରେସକୁ ସଂଖ୍ୟାଲଘୁଙ୍କ ଦଳ ଭାବେ ଦର୍ଶାଇବାରେ ବିଜେପିର ଡିଜିଟାଲ୍ ଟିମ୍ ଅନେକାଂଶରେ ସଫଳ ହୋଇଛି। ୨୦୨୬ ଆସାମ ନିର୍ବାଚନର ଫଳାଫଳରେ ଏହି ଡିଜିଟାଲ୍ ରଣନୀତିର ବଡ଼ ପ୍ରଭାବ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ହିନ୍ଦୁ ବହୁଳ ନିର୍ବାଚନ ମଣ୍ଡଳୀଗୁଡ଼ିକରେ କଂଗ୍ରେସ ସଂଘର୍ଷ କରିଥିବା ବେଳେ ବିଜେପି ନିଜର ଭୋଟ୍ ବ୍ୟାଙ୍କକୁ ସୁରକ୍ଷିତ ରଖିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଛି।

କାନାଡାରେ ପଞ୍ଜାବୀ ଯୁବକଙ୍କୁ ହତ୍ୟା

ନିଜକୁ ଦାୟୀ କଲା ଗ୍ୟାଙ୍ଗଷ୍ଟର ରୋହିତ ଗୋଦାରା

ଲୁଧିଆନା,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): କାନାଡାର ସରେ ସହରରେ ଜଣେ ପଞ୍ଜାବୀ ଯୁବକଙ୍କୁ ଦିନ ଦ୍ୱିପ୍ରହରରେ ଗୁଳି କରି ହତ୍ୟା କରାଯାଇଛି। ମୃତ ଯୁବକ ଜଣକ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳରେ "ସାମ୍ କାନାଡା' ନାମରେ ପରିଚିତ ଥିଲେ। ଏହି ହତ୍ୟାକାଣ୍ଡ ପାଇଁ କୁଖ୍ୟାତ ଗ୍ୟାଙ୍ଗଷ୍ଟର ରୋହିତ ଗୋଦାରା ଏବଂ ପବନ ସୌକିନ ସୋସିଆଲ ମିଡିଆ ମାଧ୍ୟମରେ ନିଜକୁ ଦାୟୀ କରିଛନ୍ତି। ଆକ୍ରମଣକାରୀମାନେ ୭୬ ଆଭେନ୍ୟୁରେ ଥିବା ଏକ ଅଫିସ୍ ବିଲ୍ଡିଂ ଭିତରେ ପଶି ସାମ୍‌ଙ୍କ ଉପରକୁ ଅତର୍କିତ ଗୁଳିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ଦ୍ୱିତୀୟ ମହଲାରୁ ବାହାରକୁ ଆସୁଥିବା ବେଳେ ତାଙ୍କୁ ଟାର୍ଗେଟ୍ କରାଯାଇଥିଲା। ଗୁଳିମାଡ଼ ପରେ ସାମ୍ ରକ୍ତ ଜୁଡୁବୁଡୁ ଅବସ୍ଥାରେ ପଡ଼ି ରହିଥିଲେ ଏବଂ ଡାକ୍ତରୀ ଦଳ ପହଞ୍ଚିବା ପୂର୍ବରୁ ତାଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥିଲା। ରୋହିତ ଗୋଦାରା ଦାବି କରିଛି ଯେ ସାମ୍ ବିରୋଧୀ ଗ୍ୟାଙ୍ଗ୍‌କୁ ଆର୍ଥିକ ସହାୟତା ପ୍ରଦାନ କରୁଥିଲେ ଏବଂ ଲରେନ୍ସ ବିଷ୍ଣୋଇ ଗ୍ୟାଙ୍ଗ୍ ବିରୋଧରେ ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ର କରୁଥିଲେ। ସୋସିଆଲ ମିଡିଆ ପୋଷ୍ଟ ଅନୁସାରେ, ସାମ୍ କାନାଡାରେ କ୍ରିକେଟ୍ ସଟ୍ଟାବାଜି ଏବଂ ମ୍ୟାଚ୍ ଫିକ୍ସିଂର ଏକ ବଡ଼ ନେଟୱାର୍କ ଚଲାଉଥିଲେ। ଏହି ଟଙ୍କା ସେ ବିରୋଧୀ ଗ୍ୟାଙ୍ଗ୍‌କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ବ୍ୟବହାର କରୁଥିଲେ। ଗୋଦାରା ଚେତାବନୀ ଦେଇଛି ଯେ, ଯିଏ ବି ତାଙ୍କ ଶତ୍ରୁଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବ, ସେ ଦୁନିଆର ଯେକୌଣସି କୋଣରେ ଥିଲେ ମଧ୍ୟ ତାକୁ ଖୋଜି ହତ୍ୟା କରାଯିବ।

ଓହାୟୋ ଗଭର୍ଣ୍ଣର ହେବେ ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ସମର୍ଥକ ବିବେକ ରାମାସ୍ୱାମୀ!

କଲମ୍ବସ (ଆମେରିକା),୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ଆମେରିକୀୟ ବ୍ୟବସାୟୀ ତଥା ଡୋନାଲ୍ଡ ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ଅତି ନିକଟତର ଭାରତୀୟ ବଂଶୋଦ୍ଭବ ବିବେକ ରାମାସ୍ୱାମୀ ଓହାୟୋ ଗଭର୍ଣ୍ଣର ନିର୍ବାଚନ ପାଇଁ ରିପବ୍ଲିକାନ୍ ପାର୍ଟିର ଟିକେଟ୍ ଜିତିଛନ୍ତି। ଏହି ବିଜୟ ସହ ସେ ଏବେ ନଭେମ୍ବରରେ ହେବାକୁ ଥିବା ସାଧାରଣ ନିର୍ବାଚନରେ ଡେମୋକ୍ରାଟ୍ ପ୍ରାର୍ଥୀ ଏମି ଆକ୍ଟନଙ୍କ ସହ ମୁହାଁମୁହିଁ ହେବେ। ବିବେକ ରାମାସ୍ୱାମୀ ୨୦୨୪ ଆମେରିକା ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ନିର୍ବାଚନ ଦୌଡ଼ରେ ସାମିଲ ଥିଲେ, କିନ୍ତୁ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ସେ ଓହରି ଯାଇ ଡୋନାଲ୍ଡ ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କୁ ସମର୍ଥନ ଜଣାଇଥିଲେ। ରାମାସ୍ୱାମୀଙ୍କ ଏହି ଟିକେଟ୍ ବିଜୟ ପରେ ଟ୍ରମ୍ପ ତାଙ୍କୁ ଜଣେ 'ଅତ୍ୟନ୍ତ ଶକ୍ତିଶାଳୀ ପ୍ରାର୍ଥୀ' ଭାବେ ବର୍ଣ୍ଣନା କରିବା ସହ ଖୋଲାଖୋଲି ପ୍ରଶଂସା କରିଛନ୍ତି। ପ୍ରାଥମିକ ନିର୍ବାଚନ ପ୍ରଚାର ସମୟରେ ରାମାସ୍ୱାମୀ ନିଜ ଦଳର ପ୍ରତିଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱୀଙ୍କ ଅପେକ୍ଷା ସିଧାସଳଖ ଡେମୋକ୍ରାଟ୍ ପ୍ରାର୍ଥୀ ଏମି ଆକ୍ଟନଙ୍କୁ ସମାଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ଏମି ଆକ୍ଟନ କୋଭିଡ୍ ସମୟରେ ଓହାୟୋର ଜନସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଥିଲେ। ସେ ଏବେ ଓହାୟୋକୁ ଶସ୍ତା ଏବଂ ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ ସହଜ କରିବା ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ସହ ନିର୍ବାଚନ ଲଢୁଛନ୍ତି। ଓହାୟୋରେ ରିପବ୍ଲିକାନ୍ ପାର୍ଟିର ସ୍ଥିତି ବର୍ତ୍ତମାନ ବେଶ୍ ମଜବୁତ ରହିଛି। ଗତ କିଛି ବର୍ଷ ହେବ ଓହାୟୋରେ ରିପବ୍ଲିକାନ୍ ପାର୍ଟିର ପ୍ରଭାବ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି, ଯାହା ନଭେମ୍ବର ନିର୍ବାଚନରେ ବିବେକଙ୍କ ପାଇଁ ଲାଭଦାୟକ ହୋଇପା ।।

ଇସ୍ତଫା ଦେଲେ ଶର୍ମା

୧୨ରେ ଶପଥ ସମ୍ଭାବନା

ଗୁଆହାଟୀ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ଆସାମ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନରେ ବିଜେପିର ବିପୁଳ ବିଜୟ ପରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ହିମନ୍ତ ବିଶ୍ୱ ଶର୍ମା ବୁଧବାର ନିଜ ପଦରୁ ଇସ୍ତଫା ଦେଇଛନ୍ତି। ସେ ରାଜ୍ୟପାଳ ଲକ୍ଷ୍ମଣ ପ୍ରସାଦ ଆଚାର୍ଯ୍ୟଙ୍କୁ ଭେଟି ନିଜର ଏବଂ ମନ୍ତ୍ରିପରିଷଦର ଇସ୍ତଫା ପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ନୂତନ ସରକାର ଗଠନ ହେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରାଜ୍ୟପାଳ ତାଙ୍କୁ କାମଚଳା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଭାବେ କାର୍ଯ୍ୟ ଜାରି ରଖିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି। ଆସନ୍ତା ୧୨ ତାରିଖରେ ନୂଆ ସରକାରର ଶପଥ ଗ୍ରହଣ ହୋଇପାରେ। ଏଜିପି ପକ୍ଷରୁ ମଧ୍ୟ ହିମନ୍ତ ବିଶ୍ୱ ଶର୍ମାଙ୍କୁ ପୁନର୍ବାର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ କରିବା ପାଇଁ ସର୍ବସମ୍ମତ କ୍ରମେ ସମର୍ଥନ ପ୍ରକାଶ କରାଯାଇଛି। ଶର୍ମା କହିଛନ୍ତି ଯେ, ପରବର୍ତ୍ତୀ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ନାମ ଆନୁଷ୍ଠାନିକ ଭାବେ ଘୋଷଣା କରାଯିବ। ଆସାମରେ ପୁଣିଥରେ ହିମନ୍ତ ବିଶ୍ୱଶର୍ମା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଭାବେ ଦାୟିତ୍ୱ ନେବା ପ୍ରାୟ ନିଶ୍ଚିତ।

ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆ ଯୁଦ୍ଧରେ ଲାଗିପାରେ ବିରାମ

୪୮ ଘଣ୍ଟାରେ ଶାନ୍ତି ବୁଝାମଣା

ଆମେରିକା-ଇରାନ ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ଆଲୋଚନା

ୟୁରାନିୟମ୍ ସମୃଦ୍ଧୀକରଣ ବନ୍ଦ କରିବ ଇରାନ

କଟକଣା ହଟାଇବାକୁ ଆମେରିକା ରାଜି

ୱାସିଂଟନ୍/ତେହରାନ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ଚାଲିଥିବା ଯୁଦ୍ଧର ସମାପ୍ତି ପାଇଁ ଆମେରିକା ଏବଂ ଇରାନ ମଧ୍ୟରେ ଚାଲିଥିବା କଥାବାର୍ତ୍ତା ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ପାକିସ୍ତାନ ମଧ୍ୟସ୍ଥତାରେ ଚାଲିଥିବା ଏହି ଆଲୋଚନା ବେଳେ ଅନେକ ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ସହମତି ହୋଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଆସନ୍ତା ୪୮ ଘଣ୍ଟା ମଧ୍ୟରେ ଏନେଇ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଶାନ୍ତି ବୁଝାମଣାପତ୍ର ସ୍ୱାକ୍ଷରିତ ହୋଇପାରେ ବୋଲି ସୂଚନା ମିଳିଛି। ଏହି ଖବର ପ୍ରସାରିତ ହେବା ପରେ ବିଶ୍ୱ ବଜାରରେ ଅଶୋଧିତ ତୈଳ ଦର ୮% ହ୍ରାସ ପାଇ ବ୍ୟାରେଲ ପିଛା ପ୍ରାୟ ୧୦୦ ଡଲାରକୁ ଖସି ଆସିଛି।

ଆମେରିକାର ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଟ୍ରମ୍ପ ଏନେଇ ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମରେ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି। ବୁଝାମଣା ନେଇ ଆଶାବାଦୀ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି। ତେବେ ବୁଝାମଣା ନହେଲେ ଇରାନ ଉପରେ ପୁଣି ବୋମା ବର୍ଷା କରାଯିବ ବୋଲି ସେ ଧମକ ଦେଇଛନ୍ତି। ଯାହା ଜଣାପଡ଼ିଛି ଅଗାମୀ ୪୮ ଘଣ୍ଟା ମଧ୍ୟରେ ଏହି ବୁଝାମଣା ହୋଇପାରେ। ଆମେରିକାର ପ୍ରତିନିଧି ଷ୍ଟିଭ୍ ୱିଟକୋଫ୍ ଓ ଜାରେଡ୍ କୁଶନର୍ ଏବଂ ଇରାନ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ୧୪-ଦଫା ବିଶିଷ୍ଟ ଏକ ଚୁକ୍ତିନାମା ପ୍ରସ୍ତୁତ କରାଯାଇଛି। ଏହାର ପ୍ରମୁଖ ସର୍ତ୍ତଗୁଡ଼ିକ ହେଲା- ଇରାନ ନିଜର ୟୁରାନିୟମ୍ ସମୃଦ୍ଧୀକରଣ କାର୍ଯ୍ୟ ବନ୍ଦ ରଖିବ। ଏହା ବଦଳରେ ଇରାନ ଉପରୁ ଆମେରିକା ଆର୍ଥିକ କଟକଣା ହଟାଇବା ସହ ଫ୍ରିଜ୍ ହୋଇଥିବା ବିଲିୟନ ଡଲାର ଅର୍ଥରାଶିକୁ ମୁକ୍ତ କରିବ। ଉଭୟ ଦେଶ ଏହି ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଜଳମାର୍ଗ ହର୍ମୁଜ ପ୍ରଣାଳୀରେ ଯାତାୟାତ ଉପରେ ଲଗାଯାଇଥିବା ପ୍ରତିବନ୍ଧକ ହଟାଇବେ। ଆମେରିକା ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଡୋନାଲ୍ଡ ଟ୍ରମ୍ପ ହରମୁଜ୍ ପ୍ରଣାଳୀକୁ ବଳପୂର୍ବକ ଖୋଲିବା ପାଇଁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିବା ନୌସେନା ଅଭିଯାନ "ପ୍ରୋଜେକ୍ଟ ଫ୍ରିଡମ୍' କୁ ସାମୟିକ ଭାବେ ବନ୍ଦ କରିଛନ୍ତି। ଆଲୋଚନାରେ "ବଡ଼ ଅଗ୍ରଗତି" ହୋଇଥିବା ଦର୍ଶାଇ ସେ ସୋସିଆଲ ମିଡିଆରେ ଏହି ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।

ସୂଚନାଯୋଗ୍ୟ ଯେ, ଗତ କିଛି ଦିନ ହେବ ଇରାନୀ ଆକ୍ରମଣ ଯୋଗୁଁ ଏହି ଜଳମାର୍ଗରେ ଅନେକ ଜାହାଜ କ୍ଷତିଗ୍ରସ୍ତ ହୋଇଛି, ଯେଉଁଥିରେ ଏକ ଫରାସୀ ମାଲବାହୀ ଜାହାଜ ମଧ୍ୟ ସାମିଲ ଅଛି। ଏହି ପ୍ରସ୍ତାବିତ ବୁଝାମଣା ଅନୁସାରେ, ତୁରନ୍ତ ଯୁଦ୍ଧ ବିରତି ଘୋଷଣା କରାଯିବ ଏବଂ ଏକ ୩୦ ଦିନିଆ ପର୍ଯ୍ୟବେକ୍ଷଣ ସମୟ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ଏହି ସମୟ ମଧ୍ୟରେ ଯଦି ଆଲୋଚନା ବିଫଳ ହୁଏ, ତେବେ ଆମେରିକା ପୁଣି ଥରେ ସାମରିକ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିପାରିବ। ଫେବୃଆରୀ ୨୮ରୁ ଲାଗି ରହିଥିବା ଏହି ଭୟଙ୍କର ସଂଘର୍ଷ ଯୋଗୁଁ ସାରା ବିଶ୍ୱର ଶକ୍ତି ଯୋଗାଣ ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ ହୋଇଥିଲା। ପାକିସ୍ତାନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଶାନ୍ତି ଆଲୋଚନା ଏବେ ଏକ ନୂଆ ଆଶା ସଞ୍ଚାର କରିଛି। ଯଦି ଆସନ୍ତା ୪୮ ଘଣ୍ଟା ମଧ୍ୟରେ ଇରାନ ଏହି ପ୍ରସ୍ତାବରେ ସକାରାତ୍ମକ ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ଦିଏ, ତେବେ ଏହି ଯୁଦ୍ଧର ଅନ୍ତ ଘଟିବ ଏବଂ ବିଶ୍ୱ ଅର୍ଥନୀତି ପୁଣି ଥରେ ସ୍ଥିରତା ଫେରିପାଇବ।

ବିସ୍ଫୋରଣରେ ଥରିଲା ପଞ୍ଜାବ

ଖଲିସ୍ତାନୀ ସଂଗଠନର ସମ୍ପୃକ୍ତି ସନ୍ଦେହ, ତଦନ୍ତ ଭାର ନେଲା ଏନଆଇଏ

ଚଣ୍ଡିଗଡ଼,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ପଞ୍ଜାବର ଦୁଇଟି ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ସହର ଜଳନ୍ଧର ଏବଂ ଅମୃତସରରେ ମାତ୍ର ୩ ଘଣ୍ଟା ମଧ୍ୟରେ ଦୁଇଟି ରହସ୍ୟଜନକ ବିସ୍ଫୋରଣ ଘଟିଛି। ଏହି ଘଟଣା ପରେ ସମଗ୍ର ରାଜ୍ୟରେ ହାଇ-ଆଲର୍ଟ ଜାରି କରାଯାଇଥିବା ବେଳେ ଜାତୀୟ ତଦନ୍ତକାରୀ ସଂସ୍ଥା (ଏନ୍ଆଇଏ) ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚି ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ କରିଛି। ଏକ ଖଲିସ୍ତାନୀ ବିଚ୍ଛିନ୍ନତାବାଦୀ ସଂଗଠନ ଏହି ବିସ୍ଫୋରଣ ପାଇଁ ନିଜକୁ ଦାୟୀ କରିଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ପ୍ରଥମ ବିସ୍ଫୋରଣ ରାତି ୮ ରେ ଜଳନ୍ଧରସ୍ଥିତ ସୀମା ସୁରକ୍ଷା ବଳ (ବିଏସ୍ଏଫ) ମୁଖ୍ୟାଳୟ ନିକଟରେ ହୋଇଥିଲା। ଏଥିରେ ଜଣେ ଡେଲିଭରି ବଏଙ୍କ ସ୍କୁଟର, ଟ୍ରାଫିକ୍ ସିଗନାଲ ଖୁଣ୍ଟ ଏବଂ ନିକଟସ୍ଥ ଦୋକାନର କାଚ ଭାଙ୍ଗି ଯାଇଛି। ବିସ୍ଫୋରଣ ପରେ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ସେଠାରୁ ଦୌଡ଼ି ପଳାଉଥିବାର ଦୃଶ୍ୟ ସିସିଟିଭି କ୍ୟାମେରାରେ କଏଦ ହୋଇଛି। ଏହାର ଠିକ୍ କିଛି ସମୟ ପରେ ଅର୍ଥାତ୍ ରାତି ୧୦:୫୦ ରେ ଅମୃତସରର ଖାସା ସେନା ଛାଉଣୀ ଅଞ୍ଚଳରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ବିସ୍ଫୋରଣ ଘଟିଥିଲା। ପ୍ରାଥମିକ ତଦନ୍ତ ଅନୁସାରେ, ସେନା ଛାଉଣୀର ପାଚେରିକୁ ଲକ୍ଷ୍ୟ କରି କୌଣସି ବିସ୍ଫୋରକ ପଦାର୍ଥ ଫିଙ୍ଗାଯାଇଥିଲା। ଘଟଣାର ଗୁରୁତ୍ୱକୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ସଂସ୍ଥା ଏନ୍ଆଇଏ ପଞ୍ଜାବ ପୁଲିସ ସହ ମିଶି ତଦନ୍ତ କରୁଛି। ଫରେନସିକ ଦଳ ଘଟଣାସ୍ଥଳରୁ ନମୁନା ସଂଗ୍ରହ କରି ପରୀକ୍ଷା ପାଇଁ ପଠାଇଛନ୍ତି। ବିସ୍ଫୋରଣରେ କେଉଁ ପ୍ରକାରର ରସାୟନ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇଛି ଏବଂ ଏହା ପଛରେ କେଉଁ ସଂଗଠନର ହାତ ରହିଛି, ସେ ନେଇ ଖୋଳତାଡ଼ ଚାଲିଛି। ସୀମାବର୍ତ୍ତୀ ରାଜ୍ୟ ହୋଇଥିବାରୁ ଏହି ଯୁଗ୍ମ ବିସ୍ଫୋରଣକୁ ସୁରକ୍ଷା ସଂସ୍ଥାମାନେ ଅତି ଗମ୍ଭୀରତାର ସହ ନେଇଛନ୍ତି। ସମସ୍ତ ସାମରିକ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଏବଂ ସର୍ବସାଧାରଣ ସ୍ଥାନରେ ସୁରକ୍ଷା ବଢ଼ାଇ ଦିଆଯାଇଛି। ପୋଲିସ କମିଶନର ଧନପ୍ରୀତ କୌର କହିଛନ୍ତି ଯେ, ସିସିଟିଭି ଫୁଟେଜକୁ ଆଧାର କରି ସନ୍ଦିଗ୍ଧ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ ଚିହ୍ନଟ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ରୟାସ ଜାରି ରହିଛି। ପଞ୍ଜାବରେ ଶାନ୍ତି ଭଙ୍ଗ କରିବା ପାଇଁ ଏହା ଏକ ଯୋଜନାବଦ୍ଧ ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ର ବୋଲି ସନ୍ଦେହ କରାଯାଉଛି। ଖଲିସ୍ତାନୀ ଗୋଷ୍ଠୀର ସ୍ୱୀକାରୋକ୍ତି ପରେ ମାମଲାଟି ଅଧିକ ଜଟିଳ ହୋଇଛି। ଦେଶର ଆଭ୍ୟନ୍ତରୀଣ ସୁରକ୍ଷା ପ୍ରତି ଏହା ଏକ ବଡ଼ ଆହ୍ୱାନ ହୋଇଥିବାରୁ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଓ ରାଜ୍ୟ ସଂସ୍ଥାଗୁଡ଼ିକ ମଧ୍ୟରେ ସମନ୍ୱୟ ରକ୍ଷା କରି ଦୋଷୀଙ୍କୁ ଧରିବା ପାଇଁ ଜୋରଦାର ଅଭିଯାନ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଛି। ବର୍ତ୍ତମାନ ପରିସ୍ଥିତି ନିୟନ୍ତ୍ରଣାଧୀନ ଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରାଯାଉଛି।

ଭାରତ କିଣିବ ଆଉ ୫ଟି ଏସ୍-୪୦୦

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ଭାରତ ନିଜର ଆକାଶ ମାର୍ଗ ସୁରକ୍ଷାକୁ ଅଧିକ ସୁଦୃଢ଼ କରିବା ପାଇଁ ରୁଷଠାରୁ ଆହୁରି ୫ଟି ଅତ୍ୟାଧୁନିକ ଏସ୍-୪୦୦ ଏୟାର ଡିଫେନ୍ସ ସିଷ୍ଟମ ବା ବାୟୁ ପ୍ରତିରକ୍ଷା ପ୍ରଣାଳୀ କିଣିବାକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହେଉଛି। ଏହି ନୂତନ ଚୁକ୍ତି ଏବଂ ପୂର୍ବ ଚୁକ୍ତିକୁ ମିଶାଇ ସମୁଦାୟ ପ୍ରାୟ ୧ ଲକ୍ଷ କୋଟି ଟଙ୍କାର କାରବାର ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି। ପ୍ରତି ସ୍କ୍ୱାଡ୍ରନ୍‌ରେ ୮ଟି ଲଞ୍ଚର ରହିବ ଏବଂ ପ୍ରତି ଲଞ୍ଚରରେ ୪ଟି ଲେଖାଏଁ ମିସାଇଲ୍ କଣ୍ଟେନର୍ ରହିବ। ଏହାର ଅର୍ଥ ହେଉଛି ଗୋଟିଏ ସ୍କ୍ୱାଡ୍ରନ୍‌ରେ ପ୍ରାୟ ୩୨ଟି ମିସାଇଲ୍ ମୁତୟନ ରହିବ। ଗତ ବର୍ଷ ମେ ମାସରେ 'ଅପରେସନ୍ ସିନ୍ଦୂର' ସମୟରେ ଏହି ପ୍ରଣାଳୀ ନିଜର ଶକ୍ତି ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିଥିଲା। ଏହା ପାକିସ୍ତାନ ସୀମା ଭିତରେ ୩୦୦ କିମି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଲକ୍ଷ୍ୟଭେଦ କରିବା ସହ ୫-୬ଟି ଯୁଦ୍ଧ ବିମାନ ଓ ଗୋଟିଏ ଗୁପ୍ତଚର ବିମାନକୁ ଖସାଇ ଦେଇଥିଲା। ଏହି ମିସାଇଲ୍ ଶବ୍ଦର ଗତି ଠାରୁ ୩ ରୁ ୧୪ ଗୁଣ ଅଧିକ ବେଗରେ ଶତ୍ରୁ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରିପାରେ। ଏପରିକି ଅତି ଦ୍ରୁତ ଗତିରେ ଆସୁଥିବା ହାଇପରସୋନିକ୍ ମିସାଇଲ୍ ମଧ୍ୟ ଏଥିରୁ ବଞ୍ଚିପାରିବେ ନାହିଁ। ଭାରତ ୨୦୧୮ରେ ୪୦,୦୦୦ କୋଟି ଟଙ୍କାରେ ୫ଟି ସ୍କ୍ୱାଡ୍ରନ୍ ପାଇଁ ପ୍ରଥମ ଚୁକ୍ତି କରିଥିଲା। ବର୍ତ୍ତମାନ ସୁଦ୍ଧା ୩ଟି ସ୍କ୍ୱାଡ୍ରନ୍ ମିଳିସାରିଛି, ଯାହା ପଞ୍ଜାବ, ସିକିମ ଏବଂ ରାଜସ୍ଥାନ ସୀମାରେ ମୁତୟନ କରାଯାଇଛି। ବାକି ୨ଟି ସ୍କ୍ୱାଡ୍ରନ୍ ଆସନ୍ତା ୬ ମାସ ମଧ୍ୟରେ ମିଳିବ ବୋଲି ରୁଷ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇଛି। ରୁଷ-ୟୁକ୍ରେନ ଯୁଦ୍ଧ ଯୋଗୁଁ ଯୋଗାଣରେ ବିଳମ୍ବ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଏବେ ଏହି ପ୍ରକ୍ରିୟା ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ ହୋଇଛି। ଭାରତ ବର୍ତ୍ତମାନ ୬ଟି ସାଟେଲାଇଟ୍ ବଦଳରେ ୫୨ଟି ସାଟେଲାଇଟ୍ ବିଶିଷ୍ଟ ଏକ ପ୍ରଣାଳୀ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରୁଛି। ଡିଆରଡିଓ ପକ୍ଷରୁ ସ୍ୱଦେଶୀ ଜ୍ଞାନକୌଶଳରେ 'ପ୍ରୋଜେକ୍ଟ କୁଶ' ଅଧୀନରେ ନିଜସ୍ୱ ପ୍ରତିରକ୍ଷା ମିସାଇଲ୍ ବିକଶିତ କରାଯାଉଛି।

ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ନିର୍ବାଚନରେ ଏସ୍ଆଇଆର୍ ରହସ୍ୟ

ବିଜୟ/ପରାଜୟ ବ୍ୟବଧାନରେ ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ ଭୂମିକା

ଆଇ-ପ୍ୟାକ୍ ସହ ସମ୍ପର୍କ ଛିନ୍ନ କଲେ ଅଖିଳେଶ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନ ଫଳାଫଳ ପରେ ଏବେ ଭୋଟର ତାଲିକା ସଂଶୋଧନ (ଏସ୍ଆଇଆର୍) କୁ ନେଇ ଚର୍ଚ୍ଚା ଜୋର ଧରିଛି। ତଥ୍ୟ ଅନୁସାରେ, ଏହି ପ୍ରକ୍ରିୟା ମାଧ୍ୟମରେ ରାଜ୍ୟର ଭୋଟର ତାଲିକାରୁ ପ୍ରାୟ ୯୧ ଲକ୍ଷ ଭୋଟ୍ କଟାଯାଇଛି, ଯାହା ନିର୍ବାଚନ ପରିଣାମକୁ ପ୍ରଭାବିତ କରିଥିବା ଅନୁମାନ କରାଯାଉଛି। ରାଜ୍ୟର ସମୁଦାୟ ୨୯୩ଟି ଆସନ ମଧ୍ୟରୁ ହାରାହାରି ପ୍ରତି ନିର୍ବାଚନ ମଣ୍ଡଳୀରୁ ୩୦,୦୦୦ ଭୋଟ୍ କମିଯାଇଛି। ଏହି ସଂଖ୍ୟାଟି ବିଜେପିର ବିଜୟ ବ୍ୟବଧାନ ସହିତ ପ୍ରାୟ ସମାନ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି। ବିଜେପି ଜିତିଥିବା ଆସନଗୁଡ଼ିକ ମଧ୍ୟରୁ ୧୨୮ଟି ଆସନରେ ବିଜୟ ବ୍ୟବଧାନ ୩୦,୦୦୦ ରୁ କମ୍ ରହିଛି। ୨୦୨୧ ତୁଳନାରେ ଏଥର ବିଜେପି ଅଧିକ ଆସନରେ ବଡ଼ ବ୍ୟବଧାନରେ ଜିତିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଛି। ଶାସକ ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସ ମାତ୍ର ୪୪ଟି ଆସନରେ ୩୦,୦୦୦ ରୁ କମ୍ ବ୍ୟବଧାନରେ ଜିତିଛି, ଯାହା ଦଳର ପୂର୍ବ ପ୍ରଦର୍ଶନ ତୁଳନାରେ ଯଥେଷ୍ଟ କମ୍। ପ୍ରାୟ ୨୫ଟି ଆସନରେ ଭୋଟ୍ ବ୍ୟବଧାନ ଏତେ ଅସ୍ୱାଭାବିକ ଯେ, ଏହାକୁ ନେଇ ଆଗକୁ କୋର୍ଟରେ ମାମଲା ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି। ଏହି ନିର୍ବାଚନରେ ବିଜେପିକୁ ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସ ତୁଳନାରେ ପ୍ରାୟ ୩୨ ଲକ୍ଷ ଅଧିକ ଭୋଟ୍ ମିଳିଛି। ବିଜେପିକୁ ୨,୯୨,୨୪,୮୦୪ ଭୋଟ ଓ ଟିଏମସିକୁ ୨,୬୦,୧୩,୩୭୭ ଭୋଟ୍ ମିଳିଛି। ହାରାହାରି ଭାବେ ବିଜେପି ପ୍ରତି ଆସନରେ ଟିଏମସି ଠାରୁ ପ୍ରାୟ ୧୦,୯୬୦ ଭୋଟ୍ ଆଗରେ ରହିଛି। ଯଦିଓ ଭୋଟ୍ କାଟ୍ ପ୍ରକ୍ରିୟାକୁ ନେଇ ଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱ ରହିଛି, ବିଶେଷଜ୍ଞଙ୍କ ମତରେ ଯଦି କଟାଯାଇଥିବା ଭୋଟ୍ ସଂଖ୍ୟା ବିଜୟ ବ୍ୟବଧାନ ଠାରୁ ଅଧିକ ହୋଇଥାଏ, ତେବେ ହିଁ ତାହା ଫଳାଫଳ ଉପରେ ପ୍ରକୃତ ପ୍ରଭାବ ପକାଇଥାଏ।

ଏହି ବିଜୟ ସହ ଭାରତର ପ୍ରାୟ ୭୮% ଜନସଂଖ୍ୟା ଏବଂ ୭୨% ଭୌଗୋଳିକ ଅଞ୍ଚଳ ଏବେ ବିଜେପି ଓ ତାହାର ସହଯୋଗୀ ଦଳଙ୍କ ଶାସନ ଅଧୀନକୁ ଆସିଛି। ମମତା ବାନାର୍ଜୀ ଏବଂ ଏମକେ ଷ୍ଟାଲିନଙ୍କ ଭଳି ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ନେତାଙ୍କ ପରାଜୟ ବିରୋଧୀ 'ଇଣ୍ଡିଆ' ମେଣ୍ଟ ପାଇଁ ଏକ ବଡ଼ ଶକ୍ତ ଧକ୍କା ସାବ୍ୟସ୍ତ ହୋଇଛି। ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ଏବଂ ତାମିଲନାଡୁ ଭଳି ରାଜ୍ୟରେ ବିଜେପିର ଅଭ୍ୟୁଦୟ ବିରୋଧୀ ଦଳଗୁଡ଼ିକ ପାଇଁ ଏବେ କ୍ଷମତା ନୁହେଁ, ବରଂ ନିଜର ଅସ୍ତିତ୍ୱ ବଞ୍ଚାଇବା ଏକ ବଡ଼ ଆହ୍ୱାନ ପାଲଟିଛି। ଗାଙ୍ଗେୟ ସମତଳ ଭୂମିରୁ କନ୍ୟାକୁମାରୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବିଜେପିର ଏହି ସଫଳତା ଭାରତୀୟ ରାଜନୀତିର ଏକ ନୂତନ ଦିଗକୁ ସୂଚାଉଛି।

୨୦୨୭ ଉତ୍ତର ପ୍ରଦେଶ ନିର୍ବାଚନ ପୂର୍ବରୁ ସମାଜବାଦୀ ପାର୍ଟି ମୁଖ୍ୟ ଅଖିଳେଶ ଯାଦବ ନିର୍ବାଚନ ପରିଚାଳନା ସଂସ୍ଥା ଆଇ- ପିଏସି ବା ଆଇ- ପ୍ୟାକ୍ ସହ ଚୁକ୍ତି ବାତିଲ କରିଛନ୍ତି। ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ଏବଂ ତାମିଲନାଡୁ ପରେ ଏବେ ଉତ୍ତର ପ୍ରଦେଶରେ ମଧ୍ୟ ଏହି ସଂସ୍ଥାକୁ ବଡ଼ ଝଟକା ଲାଗିଛି। ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ କୋଇଲା ଦୁର୍ନୀତି ଏବଂ ଅର୍ଥ ହେରଫେର ମାମଲାରେ ସଂସ୍ଥାର ସହ-ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ବିନେଶ ଚାନ୍ଦେଲଙ୍କୁ ପ୍ରବର୍ତ୍ତନ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାଳୟ ଗିରଫ କରିବା ପରେ ଏହି ସମ୍ପର୍କରେ ଫାଟ ପଡ଼ିଛି। ନିକଟରେ ଶେଷ ହୋଇଥିବା ନିର୍ବାଚନରେ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ମମତା ବାନାର୍ଜୀ ଏବଂ ତାମିଲନାଡୁରେ ଡିଏମ୍‌କେର ଶୋଚନୀୟ ପରାଜୟ ପାଇଁ ଏହି ସଂସ୍ଥାର କାର୍ଯ୍ୟଦକ୍ଷତା ଉପରେ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠିଛି।

ପୁଣି ଜିତିଲେ ୮୨ ବର୍ଷୀୟ ଶୋଭନଦେବ

କ୍ରମାଗତ ୧୦ମ ଥର ବିଧାନସଭାକୁ ନିର୍ବାଚିତ

କୋଲକାତା,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନରେ ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସ ପରାଜିତ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଦଳର ବରିଷ୍ଠ ନେତା ଶୋଭନଦେବ ଚଟ୍ଟୋପାଧ୍ୟାୟ ଏକ ନୂତନ ଇତିହାସ ରଚିଛନ୍ତି। ୮୨ ବର୍ଷ ବୟସରେ ସେ କ୍ରମାଗତ ଭାବେ ୧୦ମ ଥର ପାଇଁ ବିଧାୟକ ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଶୋଭନଦେବ ବାଲିଗଞ୍ଜ ଆସନରୁ ବିଜୟୀ ହୋଇଛନ୍ତି। ସେ ହେଉଛନ୍ତି ବଙ୍ଗଳାର ଏକମାତ୍ର ନେତା ଯିଏ କ୍ରମାଗତ ୧୦ ଥର ବିଧାନସଭାକୁ ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ସେ ବିଜେପି ପ୍ରାର୍ଥୀ ଶତରୂପା ଚଟ୍ଟୋପାଧ୍ୟାୟଙ୍କୁ ୬୧,୪୭୬ ଭୋଟ୍‌ରେ ପରାସ୍ତ କରିଛନ୍ତି। କୋଲକାତାର ସମସ୍ତ ଆସନ ମଧ୍ୟରେ ଏହା ସର୍ବାଧିକ ବିଜୟ ବ୍ୟବଧାନ। ୧୯୬୦ ଦଶକରୁ ରାଜନୀତି ଆରମ୍ଭ କରିଥିବା ଶୋଭନଦେବ ୧୯୯୧ରେ ପ୍ରଥମ କରି ବିଧାୟକ ହୋଇଥିଲେ। ସେ ମମତା ବାନାର୍ଜୀଙ୍କ ଅତି ନିକଟତର ଏବଂ ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ସଦସ୍ୟ। ନିର୍ବାଚନ ପରିଚାଳନା ଏବଂ ଗଣତି ସମୟରେ ଅନିୟମିତତା ହୋଇଥିବା ସେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ବିରୋଧୀ ଦଳରେ ରହିଲେ ମଧ୍ୟ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ସେବା ଏବଂ ଅଞ୍ଚଳର ବିକାଶ ଜାରି ରଖିବେ ବୋଲି ସେ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇଛନ୍ତି।

ଫୋଗଟ୍‌ଙ୍କୁ ନୋଟିସ୍

ପୃଷ୍ଠା ୧୨ ଦେଖନ୍ତୁ...

- RNI REGD NO: 42041/83
- www.sakalaepaper.com
- /sakalanews
- /sakalanews
- www.thesakala.in

ସକାଳ THE SAKALA

PRINTED AT BHUBANESWAR ■ JEYPORE ■ SAMBALPUR ■ PANIKOILI

VOLUME- 43 ◆ISSUE-308 ◆THURSDAY ◆07 MAY 2026 ◆PAGE-12 ◆₹ 7.00

ବର୍ଷ-୪୩ ◆ସଂଖ୍ୟା-୩୦୮ ◆ଗୁରୁବାର ◆୦୭ ମେ ୨୦୨୬ ◆ପୃଷ୍ଠା-୧୨ ◆ଟ.୭.୦୦

ନିର୍ବାଚନୀ ହିଂସାରେ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ଅଶାନ୍ତ

ଶୁଭେନ୍ଦୁଙ୍କ ପିଏଙ୍କୁ ଗୁଳି କରି ହତ୍ୟା

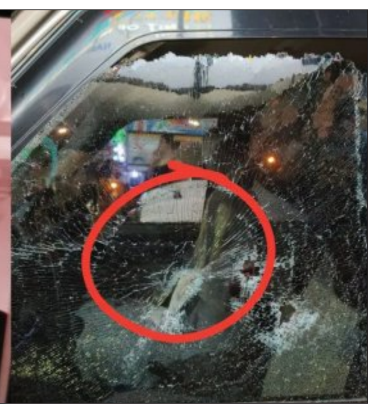

■ କୋଲକାତା, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନ ଫଳାଫଳ ପ୍ରକାଶ ପାଇବା ପରେ ହିଂସାକାଣ୍ଡ ଅସମ୍ଭାଳ ହେବାକୁ ଲାଗିଛି। ପରିସ୍ଥିତିର ମୁକାବିଲା ଲାଗି କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ପୁଲିସ ଫୋର୍ସକୁ କୁହାଯାଇଥିବା ବେଳେ ଆଜି ରାତି ବିଜେପି ନେତା ଶୁଭେନ୍ଦୁ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପିଏ (ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ସହାୟକ)ଙ୍କୁ ଗୁଳି କରି ହତ୍ୟା କରାଯାଇଛି। ଏହି ଖବର ପ୍ରଚାରିତ ହେବାପରେ ସମଗ୍ର ରାଜ୍ୟରେ ତୀବ୍ର ଉତ୍ତେଜନା ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି। ନିହତ ପିଏ ହେଉଛନ୍ତି ଚନ୍ଦ୍ରନାଥ ରଥ।

ମିଳିଥିବା ଖବର ଅନୁଯାୟୀ କୋଲକାତା ଠାରୁ ପ୍ରାୟ ତିନି କିଲୋମିଟର ଦୂର ଉତ୍ତର ୨୪ ପ୍ରଗଣାର ମଧ୍ୟମଗ୍ରାମରେ ଆଜି ରାତି ୲ରେ ଏହି ହତ୍ୟାକାଣ୍ଡ ଘଟିଛି। ବିରୋଧୀ ଦଳର ନେତା ଶୁଭେନ୍ଦୁଙ୍କ ପିଏ ଚନ୍ଦ୍ରନାଥ ତାଙ୍କ ସ୍କର୍ପିଓ ଗାଡ଼ିରେ ଘରକୁ ଫେରୁଥିବା ବେଳେ କେତେକ ଦୁର୍ବୃତ୍ତ ମୋଟର ସାଇକଲରେ ତାଙ୍କର ପିଛା କରିଥିଲେ। ଚନ୍ଦ୍ରନାଥ କାରର ଆଗ ସିଟରେ ବସିଥିବା ବେଳେ ଦୁର୍ବୃତ୍ତ ତାଙ୍କ ଉପରକୁ ଆଖିବୁଜା ଗୁଳିମାଡ଼ କରିଥିଲେ। ଗୁଳି ତାଙ୍କ ମୁଣ୍ଡ ଓ ଛାତିରେ ବାଜିଥିଲା। ତାଙ୍କୁ ନିକଟବର୍ତ୍ତୀ ମେଡିକାଲ ନିଆଯାଇଥିଲା। ସେଠାରେ ଡାକ୍ତର ତାଙ୍କୁ ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ। ତେବେ ତାଙ୍କ ସହ ଥିବା ଅନ୍ୟ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ମଧ୍ୟ ଗୁଳିମାଡ଼ରେ ଗୁରୁତର ଭା।ବେ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଖବର ପାଇ ପୁଲିସ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚି ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ କରିଛି। ହତ୍ୟାକାରୀ ଫେରାର ହୋଇଯାଇଛନ୍ତି ଏବଂ ସେମାନଙ୍କୁ ଧରିବା ଲାଗି ପୁଲିସ ପକ୍ଷରୁ ବଡ଼ଧରଣର ଅଭିଯାନ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଯାଇଛି। ସଂପୃକ୍ତ ଅଞ୍ଚଳରେ ବ୍ୟାପକ ପୁଲିସ ଫୋର୍ସ ମୁତୟନ କରାଯାଇଛି। ଗୁଳିକାଣ୍ଡ ସମ୍ପର୍କରେ ଖବର ପାଇ ଶୁଭେନ୍ଦୁ ମଧ୍ୟ

ଦୁଇଦିନରେ ଗଲାଣି ୫ ଜୀବନ

ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି। ଚନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କୁ କିଏ ଓ କାହିଁକି ହତ୍ୟା କଲା, ତାହା ଜଣାପଡ଼ିନାହିଁ। ସେ ଦୀର୍ଘ ଦଶ ବାର ବର୍ଷ ହେବ ଶୁଭେନ୍ଦୁଙ୍କ ସହଯୋଗୀ ଭାବେ କାର୍ଯ୍ୟ କରି ଆସୁଥିଲେ।

ରାଜ୍ୟ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନ ଫଳାଫଳ ଘୋଷଣା ହେବାମାତ୍ରେ ରାଜ୍ୟରେ ବିଜେପି ଏବଂ ଟିଏମସି ମଧ୍ୟରେ ସଂଘର୍ଷ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଯାଇଛି। ଦୁଇ ଦିନ ▸ପୃଷ୍ଠା-୭

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ନବୀନଙ୍କ ଚିଠି

ଅପରାଧୀଙ୍କ ଆଗରେ ଶାସନ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଏତେ ଅସହାୟ କାହିଁକି ?

୩ ବର୍ଷର ଛୁଆ ଆଗରେ ଗର୍ଭବତୀ ମାଆକୁ ହତ୍ୟା; ରାଜ୍ୟବାସୀ ବିଚଳିତ

ସମସ୍ତ ଅପରାଧୀଙ୍କୁ ତୁରନ୍ତ ଗିରଫ କରାଯାଉ

ଶିଶୁକୁ ମିଳୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଚିକିତ୍ସା, ଆର୍ଥିକ ସହାୟତା ଓ ପୁନର୍ବାସ ସୁବିଧା

■ ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିସ): ହିଞ୍ଜିଳି ନିର୍ବାଚନମଣ୍ଡଳୀ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଖରିଡ଼ା ଗାଁରେ ୨ ବର୍ଷର ଶିଶୁ ଆଗରେ ଜଣେ ଗର୍ଭବତୀ ମା'କୁ ନିର୍ମମ ହତ୍ୟାକୁ ନେଇ ଗଭୀର କ୍ଷୋଭ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତା ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ। ଏପରି ଜଘନ୍ୟ ଘଟଣାରେ ସମସ୍ତ ଅଭିଯୁକ୍ତଙ୍କୁ ତୁରନ୍ତ ଗିରଫ କରିବା ପାଇଁ ନବୀନ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀଙ୍କୁ ଚିଠି ଲେଖିଛନ୍ତି। ୩ ବର୍ଷର ଶିଶୁକୁ ଯଥାଶୀଘ୍ର ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଚିକିତ୍ସା, ଆର୍ଥିକ ସହାୟତା ଓ ପୁନର୍ବାସ ସୁବିଧା ଯୋଗାଇ ଦେବାକୁ ଚିଠିରେ ସେ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

ଚିଠିରେ ନବୀନ ଲେଖିଛନ୍ତି ଯେ ଖରିଡ଼ା ଗ୍ରାମରୁ ଆସିଥିବା ଏହି ଜଘନ୍ୟ ଅପରାଧ ସମ୍ପର୍କରେ ଗଭୀର ମର୍ମାହତ ହୋଇ ଆପଣଙ୍କୁ ଚିଠି ଲେଖୁଛି। ଗଣମାଧ୍ୟମ ଏବଂ ଭାଇରାଲ ହେଉଥିବା ଭିଡିଓ ଅନୁଯାୟୀ ନିଜର ୩ ବର୍ଷର ଝିଅ ସାମ୍ନାରେ ଜଣେ ଗର୍ଭବତୀ ମହିଳାଙ୍କୁ ତାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀଙ୍କ ଭାଇ ନିର୍ମମ ଭାବେ ହତ୍ୟା କରିଛନ୍ତି। ପୀଡ଼ିତା ଜଣକ ନ୍ୟାୟ ଦାବିରେ ନିଜ ସନ୍ତାନକୁ ଧରି ତାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀଙ୍କ ଘର ସାମ୍ନାରେ ଧାରଣାରେ ବସିଥିବା ସମୟରେ ତାଙ୍କ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ ହୋଇଥିଲା। ନିଜ ମା'ଙ୍କ ମୃତଦେହ ପାଖରେ ବସି ୩ ବର୍ଷର କୁନି ଝିଅଟି କାନ୍ଦୁଥିବାର ଦୃଶ୍ୟ ସମଗ୍ର ଓଡ଼ିଶାବାସୀଙ୍କୁ ବିଚଳିତ କରିଦେଇଛି। ରାଜ୍ୟର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ତଥା ଗୃହ ବିଭାଗର ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ମନ୍ତ୍ରୀ ଭାବରେ ମୁଁ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛି କି ଆପଣ ପୁଲିସକୁ ସମସ୍ତ ଅଭିଯୁକ୍ତଙ୍କୁ ତୁରନ୍ତ ଗିରଫ କରିବା ପାଇଁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଅନ୍ତୁ। ଏଥିସହିତ ଏହି ଅପରାଧର ସାକ୍ଷୀ ଥିବା ସେହି ୩ ବର୍ଷର ଶିଶୁ କନ୍ୟାକୁ ତୁରନ୍ତ ସରକାରୀ ସହାୟତା, କ୍ଷତିପୂରଣ ଏବଂ ଥଇଥାନ କରିବା ପାଇଁ ବ୍ୟବସ୍ଥା କରନ୍ତୁ। ପୀଡ଼ିତା ଜଣକ ଯେତେବେଳେ ନ୍ୟାୟ ପାଇଁ ଧାରଣାରେ ବସିଥିଲେ, ସେତେବେଳେ ପୁଲିସ କାହିଁକି କୌଣସି ପ୍ରତିରୋଧମୂଳକ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିନଥିଲା, ସେ ନେଇ ମଧ୍ୟ ତଦନ୍ତ କରାଯାଉ ବୋଲି ନବୀନ ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ଏହି ଘଟଣାରେ ଅପରାଧୀମାନଙ୍କୁ ଯେପରି ଆଇନ ଅନୁଯାୟୀ କଠୋର ଦଣ୍ଡ ମିଳିବ ଏବଂ ଭବିଷ୍ୟତରେ ▸ପୃଷ୍ଠା-୭

ତାମିଲନାଡୁରେ ଟିଭିକେ ସରକାର ଗଠନକୁ ନେଇ ଅନିଶ୍ଚିତତା

ସଂଖ୍ୟାରେ ସନ୍ତୁଷ୍ଟ ନୁହନ୍ତି ରାଜ୍ୟପାଳ

୧୧୧ ନୁହେଁ; ୧୧୮ ସମର୍ଥନ ଆବଶ୍ୟକ

ସମର୍ଥନ ଦେବାକୁ ମନାକଲା ଆନ୍ନାଡିଏମ୍‌କେ

ଆନ୍ନାଡିଏମ୍‌କେ ସହ ଡିଏମ୍‌କେର ଗୁପ୍ତ ଆଲୋଚନା

■ ଚେନ୍ନାଇ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ତାମିଲନାଡୁ ନିର୍ବାଚନରେ ଟିଭିକେର ବିରାଟ ବିଜୟ ସତ୍ତ୍ୱେ ସରକାର ଗଠନ ନେଇ ଅନିଶ୍ଚିତତା ଲାଗି ରହିଛି। କୌଣସି ଦଳ ବା ମେଣ୍ଟକୁ ସ୍ପଷ୍ଟ ବହୁମତ ମିଳିନାହିଁ ଏବଂ ନବଗଠିତ ଟିଭିକେକୁ ସର୍ବାଧିକ ଆସନ ମିଳିଛି। ତଥାପି ଆବଶ୍ୟକ ସଂଖ୍ୟା ଠାରୁ ଏହା ଦୂରରେ ରହିଥିବାରୁ ରାଜନୈତିକ ଅନିଶ୍ଚିତତା ଦେଖାଦେଇଛି। ସରକାର ଗଠନ ପାଇଁ ୧୧୮ ବିଧାୟକଙ୍କ ସମର୍ଥନ ଦରକାର ଥିବା ବେଳେ ଟିଭିକେ ଜିତିଛି ୧୦୮ ଆସନ। ବିଜୟ ଦୁଇଟି ଆସନରେ ଜିତିଥିବାରୁ ଟିଭିକେ ବିଧାୟକ ସଂଖ୍ୟା ୧୦୭ରେ ସୀମିତ ରହିଯାଉଛି। ଆହୁରି ୧୧ ବିଧାୟକଙ୍କ ସମର୍ଥନ ଯୋଗାଡ଼ କରିବା ଲାଗି ଟିଭିକେ ପକ୍ଷରୁ ଉଦ୍ୟମ ଜାରି ରହିଛି। କଂଗ୍ରେସର ୫ ବିଧାୟକ ସମର୍ଥନ ଦେବାକୁ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଆହୁରି ୬ ବିଧାୟକଙ୍କ ଅଭାବ ପଡୁଛି। ତେବେ ଏଭଳି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଆନ୍ନାଡିଏମକେ ସମର୍ଥନ ଦେବାକୁ ମନା କରିଦେଇଥିବା ବେଳେ ଅନ୍ୟ ଛୋଟ ଛୋଟ ଦଳଙ୍କ ସହିତ ଟିଭିକେ ନେତାମାନେ କଥାବାର୍ତ୍ତା ଚଳାଇଥିବାର ଖବର ମିଳିଛି।

ଟିଭିକେ ମୁଖ୍ୟ ବିଜୟ ଆଜି ରାଜ୍ୟପାଳ ରାଜେନ୍ଦ୍ର ବିଶ୍ୱନାଥ ଆର୍ଲେକରଙ୍କୁ ଭେଟି ସରକାର ଗଠନ ପାଇଁ ଦାବି ଜଣାଇଥିଲେ। ସେ ୧୧୨ ଜଣ ବିଧାୟକଙ୍କ ତାଲିକା ରାଜ୍ୟପାଳଙ୍କୁ ଦେଇଥିଲେ। ଏଥିରେ କଂଗ୍ରେସର ସମର୍ଥନପତ୍ର ବି ରହିଛି। ଆସ୍ଥା ଭୋଟ ବେଳେ ସେ ସଂଖ୍ୟାଗରିଷ୍ଠତାର ପ୍ରମାଣ ଦେବେ ବୋଲି ବିଜୟ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇଥିଲେ। ମାତ୍ର ରାଜ୍ୟପାଳ ତାଙ୍କୁ ସରକାର ଗଠନ ପାଇଁ ଆମନ୍ତ୍ରଣ କରିବାକୁ ମନା କରିଦେଇଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟପାଳ କହିଛନ୍ତି ଯେ ବିଜୟ ଯେଉଁଦିନ ୧୧୮ ବିଧାୟକଙ୍କ ତାଲିକା ଧରି ଆସିବେ, ସେହିଦିନ ତାଙ୍କୁ ସରକାର ଗଠନ ପାଇଁ ଆମନ୍ତ୍ରଣ କରାଯିବ। ରାଜ୍ୟପାଳଙ୍କ ଏଭଳି ଆଭିମୁଖ୍ୟ ପରେ ଆସନ୍ତାକାଲି ହେବାକୁ ଥିବା ଶପଥପାଠ ଉତ୍ସବକୁ ସ୍ଥଗିତ ରଖିଛନ୍ତି ବିଜୟ।

ଇତିମଧ୍ୟରେ ବିଜୟଙ୍କୁ ସମର୍ଥନ ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ତାମିଲନାଡୁରେ ରାଜନୀତି ସରଗରମ ହୋଇଉଠିଛି। ଡିଏମକେ ହାତ ଛାଡ଼ି କଂଗ୍ରେସ ବିଜୟଙ୍କୁ ସମର୍ଥନ କରୁଥିବାରୁ ଡିଏମକେ ଏହାର ସମାଲୋଚନା କରିଛି। ପୁଣି ଡିଏମକେ ସହ ମେଣ୍ଟ କରିଥିବା ଅନ୍ୟ ୪ଟି ଦଳ ସିପିଆଇ, ସିପିଆଇ(ଏମ), ଭିସିକେ ଏବଂ ମୁସଲିମ ଲିଗ ମଧ୍ୟ କଂଗ୍ରେସ ରାସ୍ତାରେ ଯାଇ ଟିଭିକେକୁ ସମର୍ଥନ କରିପାରନ୍ତି ବୋଲି ଶୁଣାଯାଉଛି। ଟିଭିକେ ନେତା ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଆଲୋଚନା ଚଳାଇଛନ୍ତି। ସେମାନଙ୍କର ୮ ଜଣ ବିଧାୟକ ଅଛନ୍ତି। ଏମାନେ ସମର୍ଥନ କଲେ ଟିଭିକେ ତାଲିକା ୧୨୦କୁ ବୃଦ୍ଧି ପାଇବ। ଆସନ୍ତା ୮ ତାରିଖ ସୁଦ୍ଧା ସେମାନଙ୍କ ଆଭିମୁଖ୍ୟ ସ୍ପଷ୍ଟ କରିବେ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି। ଦୁଇଟି ଆସନ ଜିତିଥିବା ଭିସିକେ ମଧ୍ୟ ଆଭ୍ୟନ୍ତରୀଣ ଆଲୋଚନା ଜାରି ରଖିଛି।

ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଆନ୍ନାଡିଏମ୍‌କେର ୪୭ ଜଣ ବିଧାୟକଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ପ୍ରାୟ ୩୦ ଜଣ ବିଜୟଙ୍କୁ ସମର୍ଥନ ଦେଇପାରନ୍ତି ବୋଲି ଚର୍ଚ୍ଚା ଚାଲିଥିବା ବେଳେ ଏହାକୁ ଦଳ ପକ୍ଷରୁ ଖଣ୍ଡନ କରାଯାଇଛି। ଦଳ ▸ପୃଷ୍ଠା-୭

ବନ୍ଦରଭିତ୍ତିକ ବିକାଶ ପୂର୍ବ ଭାରତର ପ୍ରଗତିକୁ ଆଗେଇ ନେବ: ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ

ସମନ୍ୱିତ ହେବ ପଶ୍ଚିମ ଉପକୂଳର ଦକ୍ଷତା ଓ ପୂର୍ବ ଉପକୂଳର ସୁଯୋଗ

■ ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିସ): ଭାରତର ବିକାଶ ଏକପାଖିଆ ହୋଇ ରହିପାରିବ ନାହିଁ। ଶିଳ୍ପ ସମ୍ପ୍ରସାରଣର ଆଗାମୀ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ପୂର୍ବ ଉପକୂଳ ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ ହେବା ଆବଶ୍ୟକ। ପଶ୍ଚିମ ଉପକୂଳର ଦକ୍ଷତା ଓ ପୂର୍ବ ଉପକୂଳର ସୁଯୋଗ ସମନ୍ୱିତ କରି ଶିଳ୍ପ ସମ୍ପ୍ରସାରଣ ନିମନ୍ତେ ଗୁଜରାଟରେ ଶିଳ୍ପପତିମାନଙ୍କୁ ଆହ୍ୱାନ ଦେଇଛନ୍ତି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀ।

ଆଜି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୁନ୍ଦ୍ରା ବନ୍ଦର ପରିଦର୍ଶନ ଅବସରରେ ବିଭିନ୍ନ ଶିଳ୍ପ ପ୍ରତିନିଧି ଓ ଶିଳ୍ପପତିମାନଙ୍କୁ ସମ୍ବୋଧନ କରି ଦେଶର ଅଭିବୃଦ୍ଧି ରଣନୀତିରେ ଢାଞ୍ଚାଗତ ପରିବର୍ତ୍ତନ ପାଇଁ ଆହ୍ୱାନ ଦେଇଛନ୍ତି। ବିଶ୍ୱର ଶିଳ୍ପ ଇକୋସିଷ୍ଟମର ପ୍ରତିଯୋଗିତାମୂଳକ ପରିବେଶରେ ଭାରତ ଯେପରି ଦୀର୍ଘକାଳୀନ ଭାବେ ଦକ୍ଷତାର ସହ ଅଭିବୃଦ୍ଧି ▸ପୃଷ୍ଠା-୭

'ବନ୍ଦେ ମାତରମ୍'କୁ ଅପମାନ କଲେ ଜେଲ୍

■ ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ଜାତୀୟ ସଙ୍ଗୀତ 'ଜନ ଗଣ ମନ' ଭଳି ଏବେ ଜାତୀୟ ଗୀତ 'ବନ୍ଦେ ମାତରମ୍' କୁ ମଧ୍ୟ ସମାନ ମର୍ଯ୍ୟାଦା ମିଳିବ। ଏଣିକି 'ବନ୍ଦେ ମାତରମ୍'କୁ ଅପମାନିତ କଲେ କଠୋର ଦଣ୍ଡ ସହ ଜେଲ୍ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ କ୍ୟାବିନେଟ୍ ବୈଠକରେ ଏହି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନିଆଯାଇଛି। କେନ୍ଦ୍ର କ୍ୟାବିନେଟ୍ 'ଜାତୀୟ ସମ୍ମାନ ଅପମାନ ପ୍ରତିରୋଧ ଅଧିନିୟମ, ୧୯୭୧'ରେ ସଂଶୋଧନ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତାବକୁ ମଞ୍ଜୁରୀ ଦେଇଛି। ବଙ୍କିମ ଚନ୍ଦ୍ର ଚଟ୍ଟୋପାଧ୍ୟାୟଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ରଚିତ 'ବନ୍ଦେ ମାତରମ୍'କୁ ଜାତୀୟ ସଙ୍ଗୀତ ସହ ସମାନ ମାନ୍ୟତା ଦିଆଯାଇଛି। ଯଦି କେହି ଜାଣିଶୁଣି ଏହି ଗୀତ ଗାନ କରିବାରେ ବାଧା ସୃଷ୍ଟି କରନ୍ତି ବା ଏହାର ଅସମ୍ମାନ କରନ୍ତି, ତେବେ ତାଙ୍କୁ ୩ ବର୍ଷ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଜେଲ୍, ଜରିମାନା କିମ୍ବା ଉଭୟ ଦଣ୍ଡ ମିଳିପାରେ। ଯଦି କେହି ଦ୍ୱିତୀୟ ଥର ଏହି ଅପରାଧ କରନ୍ତି, ତେବେ ଅତିକମରେ ଏକ ବର୍ଷର କାରାଦଣ୍ଡ ଭୋଗିବାକୁ ପଡ଼ିବ। ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନରେ ବିଜେପିର ଐତିହାସିକ ବିଜୟର ଠିକ୍ ପରଦିନ ଏହି ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯାଇଛି। ଗତ ବର୍ଷ 'ବନ୍ଦେ ମାତରମ୍‌ର ୧୫୦ତମ ବର୍ଷ' ଅବସରରେ ସଂସଦରେ ଏହାକୁ ଜାତୀୟ ସଙ୍ଗୀତ ସହ ସମାନ ମର୍ଯ୍ୟାଦା ଦେବା ପାଇଁ ଦାବି ଉଠିଥିଲା।

ମହୁ ସଂଗ୍ରହ କରିବାକୁ ଯାଇ ପଥରରେ ଫସିଲା ନାବାଳକ

୮ ଘଣ୍ଟା ପରେ 'ଅପରେସନ୍ ଶିବୁ' ସଫଳ

ଅଗ୍ନିଶମ କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ନବୀନଙ୍କ ଶୁଭେଚ୍ଛା

■ ଓଡ଼ଗାଁ, ୬।୫ (ସମିସ): ମହୁ ସଂଗ୍ରହ କରୁଥିବା ବେଳେ ନୟାଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲା ଓଡ଼ଗାଁ ଥାନା ଶରଧାପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ଚୋରଖୋଲ ପାହାଡ଼ରେ ଜଣେ ୧୩ ବର୍ଷୀୟ ନାବାଳକର ମୁଣ୍ଡ ପଥର ସନ୍ଧିରେ ଫସିଯାଇଥିଲା। ପ୍ରାୟ ୮ ଘଣ୍ଟା ଧରି ଜୀବନମୃତ୍ୟୁ ସହ ସଂଘର୍ଷ କରିଥିଲା ନାବାଳକ। ଓଡ଼ଗାଁ, ନୟାଗଡ଼ ଓ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀର ଅକ୍ଳାନ୍ତ ପରିଶ୍ରମ ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକଙ୍କ ସହଯୋଗରେ ଶେଷରେ ସଫଳ ହୋଇଛି "ଅପରେସନ ଶିବୁ'। ଉଦ୍ଧାର ପରେ ନାବାଳକକୁ ତୁରନ୍ତ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଯୋଗେ ଓଡ଼ଗାଁ ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରକୁ ନେଇ ଚିକିତ୍ସା କରାଯାଇଥିଲା।

ଶରଧାପୁର ପଞ୍ଚାୟତ କାଣୀପଡ଼ା ନିକଟ ଗଜେନ୍ଦ୍ରପଲ୍ଲୀ ଗ୍ରାମର ଶିବୁ ପ୍ରଧାନ (୧୩) ପରିବାର ପେଟପାଟଣା ପାଇଁ ପ୍ରତିଦିନ ପରି ବୁଧବାର ସକାଳେ ଚୋରଖୋଲ ପାହାଡ଼କୁ ମହୁ ସଂଗ୍ରହ କରିବାକୁ ଯାଇଥିଲା। ଭୂମିଠାରୁ ପ୍ରାୟ ୧୫୦ ମିଟର ଉଚ୍ଚରେ ଥିବା ଏକ ସଂକୀର୍ଣ୍ଣ ପଥର ସନ୍ଧିରେ ପଶି ସେ ମହୁ ସଂଗ୍ରହ କରୁଥିଲା। ଦୁଇଥର ସଫଳତାର ସହ ମହୁ ସଂଗ୍ରହ କରିବା ପରେ ପୁନର୍ବାର ଭିତରକୁ ପଶିଥିବା ବେଳେ ଶରୀର ସନ୍ତୁଳନ ହରାଇ ତା'ର ମୁଣ୍ଡ ପଥର ସନ୍ଧିରେ ଫସିଯାଇଥିଲା। ▸ପୃଷ୍ଠା-୭

ବାସନ୍ତୀ ଭିଲ୍ଲା ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟରେ ନିଆଁ

ନାତୁଣୀ ସହ ଜିଅନ୍ତା ଜଳିଗଲେ ବୃଦ୍ଧ ଦମ୍ପତି

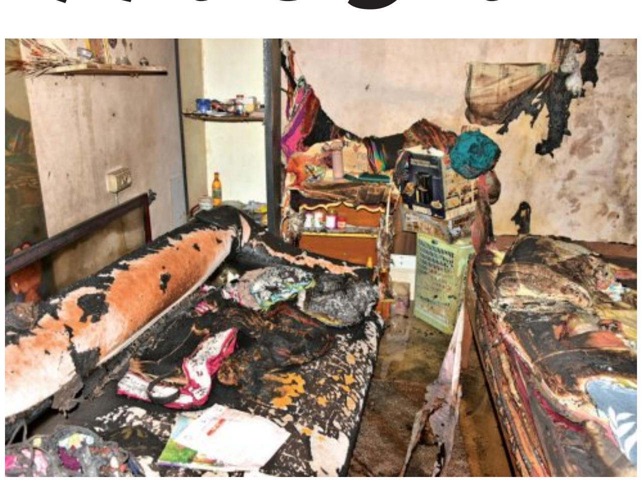

ଇଲେକ୍ଟ୍ରିକ୍ ପ୍ୟାନେଲ୍ ବୋର୍ଡ ବ୍ଲାଷ୍ଟରୁ ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ

ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟରେ ନ ଥିଲା ଅଗ୍ନି ନିରାପତ୍ତା ବ୍ୟବସ୍ଥା

■ ଭୁବନେଶ୍ୱର ୬।୫ (ସମିସ): ଲକ୍ଷ୍ମୀସାଗର ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ବାସନ୍ତୀ ଭିଲ୍ଲା ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟରେ ଭୟଙ୍କର ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ଘଟିଛି। ସର୍ଟସର୍କିଟରୁ ହୋଇଥିବା ଏହି ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ କେବଳ ଆସବାବପତ୍ରକୁ ନଷ୍ଟ କରିନାହିଁ; ବରଂ ୩ଟି ଜୀବନ ନେଇ ଯାଇଛି। ବିଳମ୍ବିତ ରାତିରେ ଘଟିଥିବା ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ଏକ ସାଧାରଣ ପରିବାରର ସ୍ୱପ୍ନକୁ ମାଟିରେ ମିଶାଇ ଦେଇଛି। ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟର କେୟାରଟେକର, ତାଙ୍କ ପତ୍ନୀ ଓ ନାତୁଣୀ (ପୁଅର ଝିଅ) ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି। ମୃତକମାନେ ହେଲେ ବିଶ୍ୱନାଥ ବେହେରା (୭୦), ସୁଲଭା ବେହେରା (୬୫) ଓ ତେଜସ୍ୱିନୀ ବେହେରା (୧୦)।

ସୂଚନା ଅନୁସାରେ, ଖୋର୍ଦ୍ଧା ସଦର ଥାନା ବ୍ରଜମୋହନପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ଷଢ଼େଇଗଡ଼ ଗାଁର ବିଶ୍ୱନାଥ ଦୀର୍ଘ ୧୪ ବର୍ଷ ହେବ ବାସନ୍ତୀ ଭିଲ୍ଲା ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟରେ କେୟାର ଟେକର ଭାବେ କାମ କରୁଥିଲେ। ୪ ମହଲା ବିଶିଷ୍ଟ ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟର ତଳ ମହଲାର ଲିଫ୍ଟକୁ ଲାଗିକରି ଥିବା ଗୋଟିକିଆ କୋଠରିରେ ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ତାଙ୍କ ପତ୍ନୀ ସୁଲଭା ରହୁଥିଲେ। ସେପଟେ ବିଶ୍ୱନାଥଙ୍କ ନାତୁଣୀ ତେଜସ୍ୱିନୀ ତୃତୀୟ ଶ୍ରେଣୀ ପରୀକ୍ଷା ପରେ ଖରା ଛୁଟି ଥିବାରୁ ୪/୫ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ଜେଜେ ଓ ମାଆଙ୍କ ପାଖକୁ ବୁଲିବାକୁ ଆସିଥିଲା। ସବୁଦିନ ଭଳି ମଙ୍ଗଳବାର ରାତିରେ ବିଶ୍ୱନାଥ, ପତ୍ନୀ ସୁଲଭା ଓ ନାତୁଣୀ ତେଜସ୍ୱିନୀ ଖାଇପିଇ ଶୋଇଥିଲେ। ରାତି ପ୍ରାୟ ୩ଟା ବେଳକୁ ହଠାତ୍ ସର୍ଟସର୍କିଟ ହୋଇ ଲିଫ୍ଟ ପାଖରେ ଥିବା ଇଲେକ୍ଟ୍ରିକ୍ ପ୍ୟାନେଲ ବୋର୍ଡରେ ବ୍ଲାଷ୍ଟ ହୋଇଥିଲା। ପ୍ୟାନେଲରୁ ନିଆଁ ବାହାରି ଧୀରେ ଧୀରେ ସିଲିଂକୁ ଲାଗିଥିଲା। ସିଲିଂରେ ଥର୍ମୋକୁଲ ଭଳି ଦହନଶୀଳ ପଦାର୍ଥ ଥିବାରୁ ନିଆଁ କ୍ଷିପ୍ର ଗତିରେ ବ୍ୟାପି କ୍ଷଣିକ ମଧ୍ୟରେ ଲିଫ୍ଟ ସାମ୍ନା ସିଲିଂକୁ ପୋଡ଼ି ବିଶ୍ୱନାଥଙ୍କ ଦୁଆର ମୁହଁରେ ରଖା ▸ପୃଷ୍ଠା-୭

ରେକର୍ଡ ସ୍ତରରେ ଏଲ୍‌ଏନ୍‌ଜି ମୂଲ୍ୟ

୨୦୦ ଟଙ୍କା ବଢ଼ିପାରେ ଘରୋଇ ଗ୍ୟାସ୍ ସିଲିଣ୍ଡର

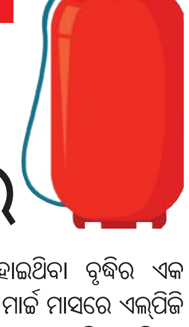

■ ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ସାମଗ୍ରୀର ଦର ବୃଦ୍ଧି ସହ ଯୁଝୁଥିବା ଖାଉଟିଙ୍କୁ ଆଗକୁ ଆଉ ଏକ ବଡ଼ ଝଟ୍‌କା ଲାଗିବାକୁ ଯାଉଛି। କାରଣ ପୁଣି ଥରେ ଦେଶରେ ଏଲ୍‌ପିଜି ସିଲିଣ୍ଡର ମହଙ୍ଗା ହେବାକୁ ଯାଉଛି। ଏଥର ଆଉ ୫୦ କି ୧୦୦ ଟଙ୍କା ନୁହେଁ। ଗ୍ୟାସ୍ ଦର ଏକାଥରକେ ସିଲିଣ୍ଡର ପିଛା ୨୦୦ ଟଙ୍କା ବଢ଼ିବାକୁ ଯାଉଥିବା ଜଣାପଡିଛି। ରାଜ୍ୟ ଚାଲିଥିବା ବିଧାନସଭା ନିର୍ବାଚନକୁ ଆଖି ଆଗରେ ରଖି ସରକାର ଦର ବୃଦ୍ଧିକୁ ଅସ୍ଥାୟୀ ଭାବେ ସ୍ଥଗିତ ରଖିଥିଲେ। ଏବେ ନିର୍ବାଚନ ଶେଷ ହୋଇଥିବାରୁ ଏଲ୍‌ପିଜି ସିଲିଣ୍ଡର ମୂଲ୍ୟ ବୃଦ୍ଧି ଘଟିବା ସୁନିଶ୍ଚିତ ହୋଇଯାଇଛି।

ସୂଚନାଯୋଗ୍ୟ ଯେ, ଚଳିତମାସ ପ୍ରାରମ୍ଭରେ କେନ୍ଦ୍ର ସରକାର ବାଣିଜ୍ୟିକ ସିଲିଣ୍ଡର ମୂଲ୍ୟରେ ୯୯୩ ଟଙ୍କା ବୃଦ୍ଧି ଘଟାଇଥିଲେ, ଯାହାକି ଗୋଟିଏ ଥରରେ ହୋଇଥିବା ବୃଦ୍ଧିର ଏକ ରେକର୍ଡ। ଏହା ପୂର୍ବରୁ ମାର୍ଚ୍ଚ ମାସରେ ଏଲ୍‌ପିଜି ସିଲିଣ୍ଡର ପିଛା ମୂଲ୍ୟ ୬୦ ଟଙ୍କା ବୃଦ୍ଧି ପାଇଥିଲା। ବାଣିଜ୍ୟିକ ସିଲିଣ୍ଡର ମୂଲ୍ୟରେ ହୋଇଥିବା ଏହି ବୃଦ୍ଧି ଯୋଗୁଁ ଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ ବାହାରେ ଖାଇବା ମହଙ୍ଗା ହୋଇଯାଇଛି। ହୋଟେଲଠାରୁ ରେଷ୍ଟୋରାଁ ଏବଂ ଠେଲା ଗାଡ଼ି ଜଳଖିଆ ସବୁ କିଛି ମହଙ୍ଗା ହୋଇଯାଇଛି। ଏଥିସହ ଏଲ୍‌ପିଜି ସିଲିଣ୍ଡର ଯୋଗାଣରେ ସମସ୍ୟା ଖାଉଟିଙ୍କ ଉପରେ 'ବେଡି ଉପରେ କୋରଡା ମାଡ଼' ସଦୃଶ ହୋଇଛି। ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆରେ ବୃଦ୍ଧି ପାଉଥିବା ଉତ୍ତେଜନା ଦେଶରେ କେବଳ ତେଲ ସଙ୍କଟ ନୁହେଁ, ଏଲ୍‌ପିଜି ଗ୍ୟାସ୍ ସମସ୍ୟା ମଧ୍ୟ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ଯୋଗାଣ ପ୍ରତିବନ୍ଧକ ଯୋଗୁଁ ସମ୍ପ୍ରତି ବିଶ୍ୱବ୍ୟାପୀ ଏଲ୍‌ଏନ୍‌ଜି ମୂଲ୍ୟ ଗତ ▸ପୃଷ୍ଠା-୭

ସିଟି କଟକ

ମା' ବୁଢ଼ୀ ଠାକୁରାଣୀଙ୍କ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ସମ୍ପନ୍ନ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): କଟକ ମହାନଗର ନିଗମ ୩୩ନଂ ୱାର୍ଡ ଅନ୍ତର୍ଗତ କାଳିଗଳି ପୂଜା କମିଟି ପକ୍ଷରୁ ମାଁ ବୁଢ଼ୀଠାକୁରାଣୀଙ୍କ ନବମ ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଆଡ଼ମ୍ବର ସହକାରେ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହି ଅବସରରେ କଳସ ଶୋଭାଯାତ୍ରା, ମହାଯଜ୍ଞର ପୂର୍ଣ୍ଣାହୁତି ଏବଂ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ପାଇଁ ପ୍ରସାଦ ସେବନର ବ୍ୟବସ୍ଥା କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ଉତ୍ସବର ଅନ୍ୟତମ ମୁଖ୍ୟ ଆକର୍ଷଣ ଭାବେ ନୂତନ ଲକ୍ଷ୍ମୀ ମୂର୍ତ୍ତି ପ୍ରତିଷ୍ଠା କରାଯାଇଥିବା ବେଳେ ମା'ଙ୍କ ଭବ୍ୟ ବେଶ ଦର୍ଶନ ପାଇଁ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁଙ୍କ ପ୍ରବଳ ଭିଡ଼ ଜମିଥିଲା। ଶେଷ ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଆୟୋଜିତ ଭଜନ ସନ୍ଧ୍ୟା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିବେଶକୁ ଭକ୍ତିମୟ କରିଥିଲା। ଉକ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ କଟକ-ବାରବାଟୀ ବିଧାୟିକା ସୋଫିଆ ଫିର୍ଦୌସ, ମେୟର ସୁବାସଚନ୍ଦ୍ର ସିଂହ, ମହାନଗର ଶାନ୍ତି କମିଟି ସଭାପତି ଦେବେନ୍ଦ୍ର ନାଥ ସାହୁ, ସମ୍ପାଦକ ଭିକାରି ଦାସ ଏବଂ ସ୍ଥାନୀୟ କର୍ପୋରେଟର ସତ୍ୟରଞ୍ଜନ ତ୍ରିପାଠୀ (ଚନ୍ଦନ) ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଏଥିସହ ଅଶୋକ ମହାନ୍ତି, ଶ୍ରୀମତୀ ଦାସ, ସ୍ମୃତି ପଟ୍ଟନାୟକ ଓ ପୂଜା କମିଟିର ସଭାପତି ପ୍ରଭାତ କୁମାର ତ୍ରିପାଠୀ, ସମ୍ପାଦକ ବିଶ୍ୱନାଥ ଶତପଥୀ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ମା'ଙ୍କ ଆଶୀର୍ବାଦ ଭିକ୍ଷା କରିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ବୁଢ଼ୀଠାକୁରାଣୀ କାଳିଗଳି ଯୁବକ ସଂଘର ଚତୁର୍ଥ ବାର୍ଷିକ ପୂରଣ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ସଂଘର ସଭାପତି ତପନ କୁମାର ଦାସ, ସମ୍ପାଦକ ଜ୍ଞାନେଶ ବିଶ୍ୱାଳ ଏବଂ କର୍ମକର୍ତ୍ତାମାନେ ଉତ୍ସବକୁ ସୁଚାରୁରୂପେ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ।

ଅଦାଲତଙ୍କ ତାଗିଦ ସତ୍ତ୍ୱେ ସୁଧୁରୁନି ସ୍ଥିତି

କାଠଯୋଡ଼ି ଓ ମହାନଦୀ ପଠା ଏବେ ଆବର୍ଜନା କୁଣ୍ଡ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ):

ଐତିହାସିକ କଟକ ସହରର ଜୀବନରେଖା ଭାବେ କୁହାଯାଉଥିବା ମହାନଦୀ ଓ କାଠଯୋଡ଼ି ନଦୀଶଯ୍ୟା ଏବେ ସଙ୍କଟରେ। ଜାତୀୟ ଗ୍ରୀନ ଟ୍ରିବ୍ୟୁନାଲ (ଏନଜିଟି) ଏବଂ ମାନ୍ୟବର ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ବାରମ୍ବାର ତାଗିଦ ଓ କଡ଼ା ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ସତ୍ତ୍ୱେ ନଦୀପଠାରେ ବେଧଡ଼କ ଭାବେ ଆବର୍ଜନା ପକାଯାଉଛି। ବିଶେଷ କରି ସହରର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରାନ୍ତରୁ ବାହାରୁଥିବା କଂକ୍ରିଟ ବର୍ଜ୍ୟବସ୍ତୁ ଓ ପ୍ଲାଷ୍ଟିକ ଅଳିଆରେ ନଦୀ କୂଳ ପୋତି ହେବାକୁ ବସିଲାଣି। ସବୁଠାରୁ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟଜନକ ବିଷୟ ହେଉଛି, କେବଳ ବେସରକାରୀ ଗାଡ଼ି ନୁହେଁ, ବରଂ କଟକ ମହାନଗର ନିଗମର ଗାଡ଼ିଗୁଡ଼ିକ ମଧ୍ୟ ନଦୀ ପଠାରେ ଅଳିଆ ପକାଉଥିବା ସ୍ଥାନୀୟବାସିନ୍ଦା ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ଯୋବ୍ରା, ହାଡ଼ିଆପଠା ଓ ଗଡ଼ଗଡ଼ିଆ ପଠା ନିକଟରେ ଏଭଳି ଦୃଶ୍ୟ ସାଧାରଣ ହୋଇଗଲାଣି। ଗ୍ରୀନ ଟ୍ରିବ୍ୟୁନାଲଙ୍କ ନିୟମ ଅନୁସାରେ, ନଦୀପଠାର ୫୦ ମିଟର ପରିଧି ମଧ୍ୟରେ କୌଣସି ପ୍ରକାର କଠିନ କିମ୍ବା ତରଳ ବର୍ଜ୍ୟବସ୍ତୁ ପକାଇବା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିଷେଧ। ମାତ୍ର ପ୍ରଶାସନର ଆଖିବୁଜା ନୀତି ଯୋଗୁଁ ଏହି ନିୟମ କେବଳ କାଗଜକଲମରେ ସୀମିତ ରହିଛି। ନଦୀଶଯ୍ୟାରେ ଅଳିଆ ପକାଇବା ଓ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ସେଗୁଡ଼ିକୁ ସେଠାରେ ପୋଡ଼ିବା ଦ୍ୱାରା ପରିବେଶ ପ୍ରଦୂଷିତ ହେଉଛି। ଏହା କେବଳ ଜଳର ଗୁଣବତ୍ତା ନଷ୍ଟ କରୁନାହିଁ, ବରଂ ନଦୀରେ ଥିବା ମାଛ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜଳଜୀବଙ୍କ ପାଇଁ ମରଣଯନ୍ତା ସାଜିଛି। ପୂର୍ବରୁ ଏନଜିଟିଙ୍କ ଅସନ୍ତୋଷ ପରେ ଏକ ମିଳିତ କମିଟି ଗଠନ ହୋଇ ଯାଞ୍ଚ କରାଯାଇଥିଲା। ବାଲିଯାତ୍ରା ସମୟରେ ମଧ୍ୟ କଠୋର ସର୍ତ୍ତାବଳୀ ରଖାଯାଇଥିଲା। ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ ନଦୀ ପଠାରୁ ବେଆଇନ ଜବରଦଖଲ ଉଚ୍ଛେଦ କରିବା ଏବଂ ଅଳିଆ ପକାଉଥିବା ଗାଡ଼ି ଜବତ କରିବା ସହ ଅପରାଧୀଙ୍କ

ବିପଦରେ ଜଳଜୀବ ଓ ପରିବେଶ

ମାମଲା ରୁଜୁ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ରହିଛି। ମାତ୍ର ବାସ୍ତବ ସ୍ଥିତିରେ କୌଣସି ପରିବର୍ତ୍ତନ ହୋଇନାହିଁ। ନଦୀର ସୁରକ୍ଷା ଓ ସହରର ପରିବେଶକୁ ସନ୍ତୁଳିତ ରଖିବା ପାଇଁ ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନ ଓ ସିଏମସି ତୁରନ୍ତ ଦୃଢ଼ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ଦାବି ହେଉଛି। ଯଦି ଏହି ସମସ୍ୟାର ସମାଧାନ ନ ହୁଏ, ଆଗାମୀ ଦିନରେ କଟକର ଏହି ପ୍ରାକୃତିକ ସମ୍ପଦ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନଷ୍ଟ ହୋଇଯିବାର ଆଶଙ୍କା ରହିଛି।

ଏସ୍‌ସିବିରେ ଅଗ୍ନି ନିରାପତ୍ତା ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିର

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): କଟକ ଏସସିବି ମେଡିକାଲ କଲେଜ ଓ ହସ୍ପିଟାଲର ଟ୍ରମା କେୟାର ସେଣ୍ଟର ପରିସରରେ ରୋଗୀଙ୍କ ନିରାପତ୍ତା ଏବଂ ଆପାତକାଳୀନ ପରିସ୍ଥିତିର ମୁକାବିଲା ପାଇଁ ଏକ ଅଗ୍ନି ନିରାପତ୍ତା ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସଫଳତାର ସହ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ନୋଡାଲ ଅଧିକାରୀ ଡାକ୍ତର ଅମୀୟ କୁମାର ଗୌଡ଼ଙ୍କ ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନରେ ଆୟୋଜିତ ଏହି ଶିବିରରେ ହସ୍ପିଟାଲର ବିଭିନ୍ନ ବିଭାଗର କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ସଚେତନ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଅଗ୍ନିଶମ ବିଭାଗର ଷ୍ଟେସନ ଅଫିସର ବିଷ୍ଣୁଚରଣ ଦାସ, ବିକାଶ ସାହୁ ଓ ସୌମ୍ୟରଞ୍ଜନ ସାହୁଙ୍କ ସମେତ ଲିଡିଂ ଫାୟାର ଫାଇଟର ତ୍ରିଲୋଚନ ଗୋଛି ଏବଂ ଅନ୍ୟ ସଦସ୍ୟମାନେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ସେମାନେ ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡର ପ୍ରତିରୋଧ, ଜରୁରୀକାଳୀନ ସ୍ଥିତିରେ ରୋଗୀଙ୍କୁ ସୁରକ୍ଷିତ ସ୍ଥାନାନ୍ତର ଏବଂ ଉଦ୍ଧାର କାର୍ଯ୍ୟ ସମ୍ପର୍କରେ ବୈଷୟିକ ଜ୍ଞାନ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ବିଶେଷ କରି ଅଗ୍ନିନିର୍ବାପକ ଯନ୍ତ୍ରର ସଠିକ୍ ବ୍ୟବହାର ନେଇ ଏକ ପ୍ରାୟୋଗିକ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରାଯାଇଥିଲା। ଉକ୍ତ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିରରେ ଡାକ୍ତର, ନର୍ସିଂ ଅଫିସର, ପାରାମେଡିକାଲ କର୍ମଚାରୀ, ତାଲିମ ନେଉଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଏବଂ ସ୍ୱେଚ୍ଛାସେବୀମାନେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ଏଥିସହ ବୈଷୟିକ ଦଳ, ଡ୍ୟୁଟି ସିଏମଓ, ହସ୍ପିଟାଲ ମ୍ୟାନେଜର ଏବଂ ଫାୟାର ଆଲାର୍ମ ବ୍ୟବସ୍ଥା ସହ ସମ୍ପୃକ୍ତ କର୍ମଚାରୀମାନେ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ।

ସିଏମ୍‌ସିର ୮ଟି ଷ୍ଟାଣ୍ଡିଂ କମିଟି ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଓ ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ନିର୍ବାଚିତ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ଚୌଧୁରୀ ବଜାରସ୍ଥିତ କଟକ ମହାନଗର ନିଗମ (ସିଏମସି) କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ବିଜୁ ଭବନ ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ ଆଜି ପୂର୍ବାହ୍ନରେ ୮ଟି ଷ୍ଟାଣ୍ଡିଂ କମିଟି ପାଇଁ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଏବଂ ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ନିର୍ବାଚନ ସର୍ବସମ୍ମତିକ୍ରମେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହି ପ୍ରକ୍ରିୟାରେ କଟକ ମେୟର ସୁବାସ ସିଂହ କଣ୍ଟ୍ରାକ୍ଟ ଷ୍ଟାଣ୍ଡିଂ କମିଟିର ସ୍ଥାୟୀ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଭାବେ ରହିଥିବା ବେଳେ ଡେପୁଟି ମେୟର ସୁଶ୍ରୀ ଦମୟନ୍ତୀ ମାଝୀ ଟାକ୍ସେସନ, ଫାଇନାନ୍ସ ଏବଂ ଆକାଉଣ୍ଟସ ଷ୍ଟାଣ୍ଡିଂ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ଭାବେ ପୁନଃନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ସେହିପରି ୱାର୍ଡ ନଂ-୩ର କର୍ପୋରେଟର ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ରାଉତ ପ୍ଲାନିଂ ଏବଂ ଡେଭେଲପମେଣ୍ଟ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ, ୱାର୍ଡ ନଂ-୧୦ର କର୍ପୋରେଟର ମୋନାଲିଶା ଦାସ ପାର୍କ ପ୍ଲାଣ୍ଟେସନ ଏବଂ ଏଜୁକେସନ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ଏବଂ ୱାର୍ଡ ନଂ-୪୪ର କର୍ପୋରେଟର ପ୍ରଦୀପ୍ତ କିଶୋର ଖୁଣ୍ଟିଆ ପବ୍ଲିକ ୱର୍କସ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଭାବେ ପୁନଃନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଅନ୍ୟାନ୍ୟ କମିଟି ମଧ୍ୟରେ ୱାର୍ଡ ନଂ-୧୭ର କର୍ପୋରେଟର ଏ ଶ୍ରୀଦେବୀ ଲାଇସେନ୍ସ ଏବଂ ଅପିଲ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷା, ୱାର୍ଡ ନଂ-୨୪ର କର୍ପୋରେଟର ଦୀପ୍ତିମୟୀ ମୂଳିଆ ପବ୍ଲିକ ହେଲଥ ଓ ଜଳ ଯୋଗାଣ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷା, ୱାର୍ଡ ନଂ-୪୬ର କର୍ପୋରେଟର ପ୍ରଳୟା ବେଉରା ଗ୍ରିଭାନ୍ସ ଏବଂ ସୋସିଆଲ ଜଷ୍ଟିସ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ଏବଂ ୱାର୍ଡ ନଂ-୫୧ର କର୍ପୋରେଟର ରାକେଶ ସ୍ୱାଇଁ କର୍ପୋରେସନ ଏଷ୍ଟାବ୍ଲିସମେଣ୍ଟ ଷ୍ଟାଣ୍ଡିଂ କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଭାବେ ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଛନ୍ତି। ସିଏମସି ଉପାୟୁକ୍ତ କଳ୍ପତରୁ ବେହେରା ମୁଖ୍ୟ ନିର୍ବାଚନ ଅଧିକାରୀ ଭାବେ ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟ ସମ୍ପାଦନ କରିଥିଲେ। ଏହି ନିର୍ବାଚନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ବହୁତ ସରଳ ଏବଂ ନିର୍ଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱରେ ସମ୍ପନ୍ନ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ନବନିର୍ବାଚିତ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଓ ଅଧ୍ୟକ୍ଷାମାନେ ମେୟର ଏବଂ ସମସ୍ତ କର୍ପୋରେଟରଙ୍କୁ କୃତଜ୍ଞତା ଜ୍ଞାପନ କରିଥିଲେ।

ଷ୍ଟିୱାର୍ଟ ସ୍କୁଲ ଗ୍ରୀଷ୍ମକାଳୀନ ହକି ଶିବିର ଉଦ୍‌ଘାଟିତ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): କଟକ ମିଶନ ରୋଡ଼ସ୍ଥିତ ଷ୍ଟିୱାର୍ଟ ସ୍କୁଲ ଖେଳପଡ଼ିଆରେ କଟକ ସ୍କୁଲ ହକି କ୍ଲବ ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ୨୦୨୬ ବର୍ଷର ଗ୍ରୀଷ୍ମକାଳୀନ ସ୍କୁଲ ହକି ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିର ଉଦ୍‌ଘାଟିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହି ଉତ୍ସବରେ ବିଭୁଦତ୍ତ ଦାସ, ସମରେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରମାଣିକ, ସର୍ଦ୍ଦାର ଗୁରଦେବ ସିଂ, ସର୍ଦ୍ଦାର ସମ୍ରାଟ ସିଂ ଓ ଡ. ରଶ୍ମିରେଖା ସେନାପତିଙ୍କ ସମେତ ବହୁ ବିଶିଷ୍ଟ ବ୍ୟକ୍ତି ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଜାତୀୟ ଖେଳ ହକି ପ୍ରତି ଆକୃଷ୍ଟ ହେବାକୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ। ନ୍ୟୁ ଷ୍ଟିୱାର୍ଟ ସ୍କୁଲର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ରେଭେରେଣ୍ଡ ମୋଜେସ ମହାନ୍ତି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର

ଉପସ୍ଥାପନା କରିଥିବା ବେଳେ ଷ୍ଟିୱାର୍ଟ ସ୍କୁଲର ଅଧ୍ୟକ୍ଷା ଡି. ମାର୍ଟିନା ଏବଂ ସମ୍ପାଦକ ବିକ୍ରମ ଏନ୍. ଆଡମ୍ସ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। କଟକ ହକି ରିଭାଇଭାଲ୍ ଇନିସିଏଟିଭ୍‌ର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ବିଶ୍ୱରଞ୍ଜନ ସାସମଲ ସ୍ୱାଗତ ଭାଷଣ ଦେଇ କଟକର ହକି ଐତିହ୍ୟର ପୁନରୁତ୍ଥାନରେ ବିଭିନ୍ନ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଶାରୀରିକ ଶିକ୍ଷା ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କ ଅବଦାନକୁ ପ୍ରଶଂସା କରିଥିଲେ। ଉଦ୍‌ଘାଟନୀ ସମାରୋହରେ କଟକ ସ୍କୁଲ ହକି କ୍ଲବର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏକ ବନ୍ଧୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ମ୍ୟାଚ୍ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ଏହି ଶିବିରରେ ବକଲି ବାଳିକା ବିଦ୍ୟାଳୟ, ସୟଦ ସେମିନାରୀ ସ୍କୁଲ ଓ ଗୁରୁ ନାନକ ସ୍କୁଲର ଶିକ୍ଷକ ଏବଂ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ସଂଯୋଜକ ରେଭେରେଣ୍ଡ ଏଫ୍.ସି. ନର୍ଥ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ।

୮ରେ କଂଗ୍ରେସ ପକ୍ଷରୁ ମଶାଲ ଶୋଭାଯାତ୍ରା

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ମହିଳା ସଂରକ୍ଷଣ ବିଲ୍‌କୁ କେନ୍ଦ୍ର କରି ବିଜେପି ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ ଏନଡିଏ ସରକାର ଦେଶରେ ସୃଷ୍ଟି କରୁଥିବା ବିଭ୍ରାନ୍ତିର ପ୍ରତିବାଦରେ କଂଗ୍ରେସ ପକ୍ଷରୁ ରଣନୀତି ପ୍ରସ୍ତୁତ କରାଯାଇଛି। ପ୍ରଦେଶ କଂଗ୍ରେସ କମିଟି ସଭାପତି ଭକ୍ତ ଚରଣ ଦାସଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ୍ରମେ ଆସନ୍ତା ୮ ତାରିଖରେ ହେବାକୁ ଥିବା ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ମଶାଲ ଶୋଭାଯାତ୍ରା ପାଇଁ କଟକ ନଗର ଜିଲ୍ଲା କଂଗ୍ରେସ କମିଟିର ଏକ ପ୍ରସ୍ତୁତି ବୈଠକ ଓଏମପି ଡାକବଙ୍ଗଳା ପରିସରରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ନଗର ଜିଲ୍ଲା ସଭାପତି ଶାନ୍ତାୟନ ମିଶ୍ରଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଆୟୋଜିତ ଏହି ବୈଠକରେ ବରିଷ୍ଠ ନେତା ବିଶ୍ୱଜିତ ଦାସ, କର୍ପୋରେଟର ସନ୍ତୋଷ ଭୋଳ ଓ ଅଶୋକ ସ୍ୱାଇଁଙ୍କ ସମେତ ବହୁ ନେତୃବୃନ୍ଦ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ବୈଠକରେ ନେତୃମଣ୍ଡଳୀ ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଥିଲେ ଯେ, ୨୦୨୩ରେ ସଂସଦରେ ବିଲ୍ ପାରିତ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସୀମା ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ ଭଳି ଚାଲାକି କରି କେନ୍ଦ୍ର ସରକାର ଏହାକୁ ଲାଗୁ ନ କରି ଓଲଟା କଂଗ୍ରେସକୁ ମହିଳା ବିରୋଧୀ ସଜାଇ ମିଛ ପ୍ରଚାର କରୁଛନ୍ତି। ଏହି ମିଛ ମୁଖା ଖୋଲିବା ପାଇଁ ଆସନ୍ତା ୮ ତାରିଖରେ କଟକ ସ୍ୱରାଜ ଆଶ୍ରମଠାରୁ ଏକ ବିଶାଳ ମଶାଲ ଶୋଭାଯାତ୍ରା ବାହାରି ନଗର ପରିକ୍ରମା କରିବ। ଏଥିରେ ପ୍ରଦେଶ କଂଗ୍ରେସ ସଭାପତି ଯୋଗଦେବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ରହିଛି। ବୈଠକରେ ବିପ୍ଳବ ଶିଳାଦିତ୍ୟ, ହରିଶଙ୍କର ରାଉତ ଓ ଶିଶିରକାନ୍ତ ମିଶ୍ରଙ୍କ ସମେତ ବହୁ ଯୁବ ଓ ଛାତ୍ର କଂଗ୍ରେସ କର୍ମକର୍ତ୍ତା ଉପସ୍ଥିତ ରହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ସଫଳ କରିବାକୁ ସଂକଳ୍ପ ନେଇଥିଲେ।

ସୁନା ନିଲାମ ନାମରେ ମହିଳାଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ ଓ ଲୁଟ୍

- ଅଭିଯୁକ୍ତ ଗିରଫ, ୫୪ ହଜାର ଟଙ୍କା ଜବତ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ସୁନା ନିଲାମ ବାହାନାରେ ଜଣେ ମହିଳାଙ୍କୁ ନିଛାଟିଆ ସ୍ଥାନକୁ ନେଇ ମାଡ଼ ମାରିବା ସହ ଟଙ୍କା ଲୁଟି ନେଇଥିବା ଅଭିଯୁକ୍ତକୁ କଟକ ସଦର ଥାନା ପୁଲିସ ଗିରଫ କରିଛି। ଅଭିଯୁକ୍ତ ଜଣକ ହେଲେ ସଦର ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଶାସୋଳ ଗ୍ରାମର କେଶବ ସାମନ୍ତରାୟଙ୍କ ପୁଅ ଆଶୁତୋଷ ସାମନ୍ତରାୟ (୨୭)। ପୁଲିସ ତାଙ୍କ ନିକଟରୁ ଲୁଟ୍ ହୋଇଥିବା ୫୪ ହଜାର ଟଙ୍କା ଓ ଏକ ହୋଣ୍ଡା ୟୁନିକର୍ଣ୍ଣ ମୋଟରସାଇକେଲ (ନଂ- ଓଡି-୦୨-ଏଜେଡ-୨୯୩୦) ଜବତ କରିଛି। ଅଭିଯୋଗକାରିଣୀ ସାଗରିକା ମହାନ୍ତିଙ୍କ ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ, ଅଭିଯୁକ୍ତ ଆଶୁତୋଷ ତାଙ୍କୁ ମାତ୍ର ୫୪,୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ ୯ ଗ୍ରାମ ନିଲାମୀ ସୁନା ଯୋଗାଇଦେବାକୁ କହି ପଟିଆ ନେଇଥିଲେ। ଆଶୁତୋଷଙ୍କ କଥାରେ ପଡି ସାଗରିକା ବାଟରେ ଏକ ଏଟିଏମରୁ ନଗଦ ଟଙ୍କା ଉଠାଇଥିଲେ। ତେବେ ରାସ୍ତାରେ ଏକ ନିଛାଟିଆ ସ୍ଥାନରେ ଆଶୁତୋଷ ବାଇକ୍ ରଖି ସାଗରିକାଙ୍କୁ ଆକ୍ରମଣ କରି ତାଙ୍କ ନିକଟରୁ ବଳପୂର୍ବକ ୫୪ ହଜାର ଟଙ୍କା ଲୁଟି ନେଇ ଫେରାର ହୋଇଯାଇଥିଲେ। ଘଟଣା ସମ୍ପର୍କରେ ଅଭିଯୋଗ ପାଇବା ମାତ୍ରେ ସଦର ଥାନା ଆଇଆଇସିଙ୍କ ସମେତ କଟକ ଯୁପିଡିର ବରିଷ୍ଠ ପୁଲିସ ଅଧିକାରୀମାନେ ଘଟଣାସ୍ଥଳ ପରିଦର୍ଶନ କରି ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ। ପରେ ପୁଲିସ ଅଭିଯୁକ୍ତ ଆଶୁତୋଷକୁ ଗିରଫ କରିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଛି।

ନିଖୋଜ ଛାତ୍ରଙ୍କ ସନ୍ଧାନ ମିଳୁନି

କନ୍ଦରପୁର,୬।୫(ସମିସ): କଟକ ସଦର ଅନ୍ତର୍ଗତ ବୟାଳିଶ ମୌଜା କଳପଡ଼ା ଗ୍ରାମର ଅଂଶୁମାନ ପରିଡ଼ା ନିଖୋଜ ହେବାର ୧୦ ଦିନ ବିତିଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଅଦ୍ୟାବଧି ତାଙ୍କର କୌଣସି ସନ୍ଧାନ ମିଳିପାରି ନାହିଁ।

ନିଖୋଜଙ୍କୁ ଠାବ କରିବା ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ପୂର୍ବରୁ ପୁଲିସ ପକ୍ଷରୁ ୨୦ ହଜାର ଟଙ୍କା ପୁରସ୍କାର ରାଶି ଘୋଷଣା କରାଯାଇଥିଲା। ତେବେ

୨୦ ହଜାରରୁ ୫୦ ହଜାର ଟଙ୍କାକୁ ବଢ଼ିଲା ପୁରସ୍କାର ରାଶି

ବର୍ତ୍ତମାନ ଏହାକୁ ବୃଦ୍ଧି କରି ୫୦ ହଜାର ଟଙ୍କା ପୁରସ୍କାର ରାଶି ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ ବୋଲି ବୟାଳିଶ ମୌଜା ପୁଲିସ ପକ୍ଷରୁ ଘୋଷଣା କରାଯାଇଛି। ସୂଚନାଥାଉ କି, ସ୍ୱର୍ଗତ ସୁରେଶ ପରିଡ଼ାଙ୍କ ପୁଅ ଅଂଶୁମାନ ପରିଡ଼ା ଏକ ଇଂରାଜୀ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ୭ମ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢୁଥିଲେ। ଗତ ୨୭ ତାରିଖ ସନ୍ଧ୍ୟାରୁ ବଜାରରୁ ନିଖୋଜ ହୋଇଯାଇଥିଲେ। ଅଂଶୁମାନର ଉଚ୍ଚତା ୫.୧ ଫୁଟ ଏବଂ ରଙ୍ଗ ଗୋରା ହୋଇଥିବା ବେଳେ ନିଖୋଜ ସମୟରେ ନାଲି ରଙ୍ଗର ଟି-ସାର୍ଟ ଓ କଳା ରଙ୍ଗର ପ୍ୟାଣ୍ଟ ପିନ୍ଧିଥିଲେ। ଏହାମଧ୍ୟରେ ପୁଲିସ ତାର ସାଙ୍ଗସାଥୀଙ୍କୁ ପଚରାଉଚରା କରିବା ସହିତ ବିଭିନ୍ନ ଅଞ୍ଚଳରେ ଖୋଜ ଖବର ନେଇ ସାରିଲେଣି। ହେଲେ କେଉଁଠି ତାର ସୁରାକ୍ ମିଳିପାରି ନାହିଁ। ତେଣୁ ପୁରସ୍କାର ରାଶିରେ ବୃଦ୍ଧି ଘୋଷଣା କରାଯାଇଛି। ନିଖୋଜ ଅଂଶୁମାନଙ୍କ ସମ୍ପର୍କରେ କୌଣସି ସୂଚନା ପାଇବା ମାତ୍ରେ ତୁରନ୍ତ ବୟାଳିଶ ମୌଜା ଥାନା ମୋବାଇଲ ନମ୍ବର ୮୨୭୦୦୪୦୮୯୩ କିମ୍ବା ୮୨୮୦୪୦୫୬୯୪ ରେ ଜଣାଇବା ପାଇଁ ଥାନା ପୁଲିସ ପକ୍ଷରୁ ଅନୁରୋଧ କରାଯାଇଛି।

ଲୁଟ୍ ବେଳେ ଚୋର ଗିରଫ: ୩ଟି ମୋବାଇଲ ଜବତ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ରେଳଯାତ୍ରୀଙ୍କ ସାମଗ୍ରୀ ଚୋରି ରୋକିବା ପାଇଁ ଆରପିଏଫ୍ ପକ୍ଷରୁ ଚାଲିଥିବା ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଅଭିଯାନରେ ଜଣେ କୁଖ୍ୟାତ ଚୋରକୁ ଗିରଫ କରାଯାଇଛି। ରାଜାରାଣୀ ଏକ୍ସପ୍ରେସ୍‌ରୁ ଯାତ୍ରୀଙ୍କ ଭ୍ୟାନିଟି ବ୍ୟାଗ୍ ଚୋରି କରିଥିବା ଅଭିଯୋଗରେ ପୁଲିସ ଚନ୍ଦନ ଦାସ ଓରଫ୍ ବିକି (୩୩) ନାମକ ଜଣେ ଯୁବକକୁ କାବୁ କରିଛି। ଅଭିଯୁକ୍ତ ଜଣକ ପୁରୀ ଜିଲ୍ଲା ବାଲିଆପଣ୍ଡା ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଗୌଡ଼ବାଡ଼ ସାହିର ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଗତକାଲି ବିଳମ୍ବିତ ରାତିରେ ଆରପିଏଫ୍ କର୍ମଚାରୀମାନେ ରାଉରକେଲା-ଗୁଣୁପୁର ରାଜାରାଣୀ ଏକ୍ସପ୍ରେସ୍ (୧୮୧୧୭) ରେ ଢେଙ୍କାନାଳରୁ କଟକ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଯାଞ୍ଚ କରୁଥିଲେ। ଆଜି ଭୋର ପ୍ରାୟ ୫ଟା ୩୦ ସମୟରେ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତି ସନ୍ଦେହଜନକ ଭାବେ ଟ୍ରେନ୍ ଭିତରେ ବୁଲୁଥିବାର ଦେଖାଯାଇଥିଲା। ପୁଲିସ ତାଙ୍କୁ ଅଟକାଇ ଯାଞ୍ଚ କରିବା ପରେ ତାଙ୍କ ସାର୍ଟ ଭିତରେ ଲୁଚାଇ ରଖାଯାଇଥିବା ଏକ ମହିଳା ଭ୍ୟାନିଟି ବ୍ୟାଗ୍ ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇଥିଲା। ଅଭିଯୁକ୍ତ ଜଣକ ଶୋଇଥିବା ଯାତ୍ରୀଙ୍କ ସୁଯୋଗ ନେଇ ଏହି ଚୋରି କରିଥିବା ସ୍ୱୀକାର କରିଛି। ଉଦ୍ଧାର ହୋଇଥିବା ବ୍ୟାଗ୍ ଭିତରୁ ୩ଟି ଦାମୀ ମୋବାଇଲ୍ ଫୋନ୍, ଇୟରଫୋନ୍, ପ୍ରସାଧନ ସାମଗ୍ରୀ ଏବଂ ନଗଦ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କା ମିଳିଛି। ଯାଞ୍ଚରୁ ଜଣାପଡ଼ିଛି ଯେ ଅଭିଯୁକ୍ତ ଚନ୍ଦନ ବିରୋଧରେ ପୂର୍ବରୁ ପୁରୀ ସମୁଦ୍ରକୂଳ ଥାନା, ବାଲିଆପଣ୍ଡା, କୁମ୍ଭାରପଡ଼ା, ଅନୁଗୁଳର କଣିହାଁ ଏବଂ ଜୟପୁର ସଦର ଥାନାରେ ମୋଟ ୯ଟି ମାମଲା ରହିଛି। ଅଭିଯୁକ୍ତକୁ ପରବର୍ତ୍ତୀ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ପାଇଁ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଜିଆରପିକୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରାଯାଇଛି ଏବଂ ବିଏନଏସର ଧାରା ୩୦୫(ସି) ଅନୁଯାୟୀ ଏକ ମାମଲା (ନଂ- ୯୯/୨୦୨୬) ରୁଜୁ ହୋଇଛି।

ଅଧିକାଂଶ ପାର୍କରେ ମୌଳିକ ସୁବିଧା ଶୂନ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ):

କଟକ ସହରବାସୀଙ୍କ ବିନୋଦନ ଓ ପ୍ରାତଃ ଭ୍ରମଣ ପାଇଁ ନିର୍ମିତ ହୋଇଥିବା ପାର୍କଗୁଡ଼ିକ ଏବେ ଅବହେଳିତ ଅବସ୍ଥାରେ ପଡ଼ିରହିଛି। ସହରରେ ମୋଟ ୫୨ଟି ପାର୍କ ରହିଥିବା ବେଳେ ସେଥିମଧ୍ୟରୁ ୪୬ଟି କଟକ ମହାନଗର ନିଗମ (ସିଏମସି) ଦ୍ୱାରା ଏବଂ ଅନ୍ୟଗୁଡ଼ିକ ସିଡିଏ ଓ ପିପିପି ମୋଡ୍‌ରେ ପରିଚାଳିତ ହେଉଛି। ଏହି ପାର୍କଗୁଡ଼ିକର ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ପାଇଁ ପ୍ରତିବର୍ଷ ସରକାରୀ କୋଷାଗାରରୁ ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ କରାଯାଉଥିଲେ ହେଁ, ବାସ୍ତବ କ୍ଷେତ୍ରରେ ସାଧାରଣ ଜନତାଙ୍କ ପାଇଁ ସର୍ବନିମ୍ନ ସୁବିଧା ଟିକିଏ ମଧ୍ୟ ଉପଲବ୍ଧ ନାହିଁ।

ପାର୍କଗୁଡ଼ିକର ସବୁଠାରୁ ବଡ଼ ସମସ୍ୟା ହେଉଛି ଶୌଚାଳୟ। ଅଧିକାଂଶ ପାର୍କରେ ଶୌଚାଳୟ ନ ଥିବା ବେଳେ ଯେଉଁଠି ଅଛି, ସେଠାରେ ମହିଳାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ବ୍ୟବସ୍ଥା ନାହିଁ। ଏପରିକି ପାର୍କକୁ ଆସୁଥିବା ଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ ପାନୀୟଜଳର କୌଣସି ସୁବିଧା ନାହିଁ। କେତେକ ସ୍ଥାନରେ ଥଣ୍ଡା ପାନୀୟ ଜଳ ମେସିନ୍ ଲଗାଯାଇଥିଲେ ହେଁ ତାହା ଦୀର୍ଘ ଦିନ ଧରି ଅଚଳ ହୋଇ ପଡ଼ିରହିଛି। ମୌଳିକ ସୁବିଧାର ଏହି ଅଭାବକୁ ନେଇ ପୂର୍ବରୁ ମାନ୍ୟବର ହାଇକୋର୍ଟ ଅସନ୍ତୋଷ ବ୍ୟକ୍ତ କରିସାରିଛନ୍ତି। ସନ୍ଧ୍ୟା ସମୟରେ ପାର୍କଗୁଡ଼ିକୁ ଲୋକମାନେ ନିଜ ପରିବାର ସହ ଦୁଇଚକିଆ ବା ଚାରିଚକିଆ ଯାନରେ ଆସିଥାନ୍ତି। ମାତ୍ର ପାର୍କ ନିକଟରେ ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ପାର୍କିଂ ସ୍ଥଳ ନ ଥିବାରୁ ଲୋକେ ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ଗାଡ଼ି ରଖିବାକୁ ବାଧ୍ୟ ହେଉଛନ୍ତି। ଫଳରେ ମୁଖ୍ୟ ରାସ୍ତାଗୁଡ଼ିକରେ ପ୍ରବଳ ଟ୍ରାଫିକ ଭିଡ଼ ସୃଷ୍ଟି ହେଉଛି, ଯାହା ଯାତାୟାତରେ ବଡ଼ ବାଧା ସାଜିଛି। ପାର୍କଗୁଡ଼ିକର ଏହି ଶୋଚନୀୟ ସ୍ଥିତିକୁ ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ନେଇ ମାନ୍ୟବର ହାଇକୋର୍ଟ ସିଏମସିକୁ ଏକ ସବିଶେଷ ରିପୋର୍ଟ ଦାଖଲ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ପାର୍କ ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ଦାୟିତ୍ୱ କେଉଁ ଠିକାଦାରଙ୍କୁ ଦିଆଯାଇଛି ଏବଂ କେଉଁ ଅଧିକାରୀ ଏହାର ତଦାରଖ କରୁଛନ୍ତି, ସେ ନେଇ

- ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣରେ ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଖର୍ଚ୍ଚ
- ସ୍ପଷ୍ଟୀକରଣ ମାଗିଲେ ହାଇକୋର୍ଟ

ସ୍ପଷ୍ଟୀକରଣ ମଗାଯାଇଛି। ସରକାରୀ ଅର୍ଥର ବିନିଯୋଗ ହେଉଛି କିନ୍ତୁ ଜନସାଧାରଣ ସେବା ପାଉନାହାନ୍ତି, ଏହି ପ୍ରସଙ୍ଗ ଏବେ ପ୍ରଶାସନ ପାଇଁ ଚିନ୍ତାର ବିଷୟ ପାଲଟିଛି। ତୁରନ୍ତ ଏହି ମୌଳିକ ସମସ୍ୟାଗୁଡ଼ିକର ସମାଧାନ କରା ନ ଗଲେ ପାର୍କ ନିର୍ମାଣର ପ୍ରକୃତ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଫେଲ୍ ମାରିବ ବୋଲି ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ ମହଲରେ ମତ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି।

ଓଡ଼ିଶା ଯୁବ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଏକାଡେମୀର ସଫଳତା

ସରକାରୀ ଚାକିରି ପାଇଁ କୃତକାର୍ଯ୍ୟ ହେଲେ ଶତାଧିକ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ଓଡ଼ିଶାର ଯୁବପିଢ଼ିଙ୍କୁ ସ୍ୱାବଲମ୍ବୀ କରିବା ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଦେଶସେବା ମନୋଭାବ ଜାଗ୍ରତ କରିବା ଲକ୍ଷ୍ୟରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା "ଓଡ଼ିଶା ଯୁବ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଏକାଡେମୀ' ଏକ ଅନନ୍ୟ ଉଦାହରଣ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ଟ୍ରଷ୍ଟ ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ ଏହି ଏକାଡେମୀର ଶତାଧିକ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଚଳିତ ବର୍ଷ ବିଭିନ୍ନ ସରକାରୀ ପରୀକ୍ଷାରେ କୃତକାର୍ଯ୍ୟ ହୋଇ ସଫଳତାର ଶୀର୍ଷରେ ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି। ଏହି ଏକାଡେମୀର ସବୁଠାରୁ ବଡ଼ ବିଶେଷତ୍ୱ ହେଉଛି ଏଠାରେ ଆର୍ଥିକ ଅନଗ୍ରସର, ହରିଜନ, ଆଦିବାସୀ ଓ ମେଧାବୀ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ମାଗଣାରେ କୋଚିଂ ଏବଂ ଶାରୀରିକ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଉଛି। କେବଳ ସେତିକି ନୁହେଁ, ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ମାଗଣା ରହିବାର ସୁବିଧା ମଧ୍ୟ ଟ୍ରଷ୍ଟ ପକ୍ଷରୁ ଯୋଗାଇ ଦିଆଯାଉଛି। ଅଭିଜ୍ଞ ପ୍ରଶିକ୍ଷକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଅଗ୍ନିବୀର, ଭାରତୀୟ ସେନା, ନୌସେନା, ବାୟୁସେନା, ଓଡ଼ିଶା ପୁଲିସ, ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ, ବିଏସଏଫ ଏବଂ ସିଆରପିଏଫ ଭଳି ସମସ୍ତ ପ୍ରକାର ୟୁନିଫର୍ମ ସେବା ପାଇଁ ଏଠାରେ ଉପଯୁକ୍ତ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ଓ ଶାରୀରିକ ଟ୍ରେନିଂ ଦିଆଯାଉଛି। ଚଳିତ ବର୍ଷ ଜାନୁଆରୀରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ତୃତୀୟ ବ୍ୟାଚ୍‌ରୁ ମାତ୍ର ୪ ମାସର କଠିନ ପରିଶ୍ରମ ଫଳରେ ଅନେକ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ସଫଳତା ପାଇଛନ୍ତି। ଏବେ ସୁଦ୍ଧା ଏହି ଏକାଡେମୀରୁ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ନେଇ ୨୪୦ ଜଣ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ବିଭିନ୍ନ ଚାକିରିରେ ଯୋଗ ଦେଇସାରିଲେଣି। ଟ୍ରଷ୍ଟର ଚେୟାରମ୍ୟାନ ସୁରେନ୍ଦ୍ର କୁମାର ସ୍ୱାଇଁ ଏହି ସଫଳତା ପାଇଁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଇବା ସହ କହିଛନ୍ତି, "ଯୁବପିଢ଼ିଙ୍କୁ ଉପଯୁକ୍ତ ମାର୍ଗଦର୍ଶନ ଦେବା ଆମର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ। ଏହି ସଫଳତା ଆଗାମୀ ବ୍ୟାଚ୍‌ର ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ପ୍ରେରଣା ସାଜିବ'। ଆସନ୍ତା ଜୁଲାଇରୁ ଡିସେମ୍ବର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆରମ୍ଭ ହେବାକୁ ଥିବା ୪ର୍ଥ ବ୍ୟାଚ୍ ପାଇଁ ଓଡ଼ିଶାର ଯୁବପିଢ଼ି ବହୁ ସଂଖ୍ୟାରେ ଯୋଗଦେଇ ଏହି ମାଗଣା ସୁବିଧାର ଲାଭ ଉଠାଇବାକୁ ସେ ନିବେଦନ କରିଛନ୍ତି।

୪ କୋଟିରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଟଙ୍କାର ଗଞ୍ଜେଇ ଜବତ; ଦୁଇ ଗିରଫ

ବରଗଡ଼,୬।୫(ସମିସ): କାଜୁ ଛାଲି ଭର୍ତ୍ତି ଟ୍ରକ୍‌ରେ ଚାଲାଣ ହେଉଥିଲା ଗଞ୍ଜେଇ। ଏହାକୁ ଧରିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଛି ଝାରବନ୍ଧ ପୁଲିସ। ଛତିଶଗଡ଼ ସୀମାଠାରୁ ପାଞ୍ଚଶହ ମିଟର ପୂର୍ବରୁ ସରଗୁଲ ଛକରେ

ବୋଲୋରୋ, କାର୍ ଓ ୨ ମୋବାଇଲ ଜବତ

ଏକ ସନ୍ଦେହଜନକ ୧୨ ଚକିଆ ଟ୍ରକ୍‌କୁ ଅଟକ ରଖି ପୁଲିସ ତଲାସି କରିଥିଲା। ପ୍ରଥମେ ଟ୍ରକ୍‌ଟି କାଜୁ ଛାଲି ଭର୍ତ୍ତି ଥିବା ବୋଲି ଦେଖାଯାଉଥିଲା, କିନ୍ତୁ ମାଜିଷ୍ଟ୍ରେଟ ବିଶ୍ୱକେଶନ ପୁରୋହିତଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତିରେ ଯାଞ୍ଚ କରିବାପରେ ଭିତରେ ଲୁଚାଇ ରଖାଯାଇଥିବା ଗଞ୍ଜେଇ ବସ୍ତା ଧରାପଡ଼ିଥିଲା। ମୋଟ୍ ୬୭ଟି ପ୍ୟାକେଟ୍‌ରେ ୧୯ କ୍ୱିଣ୍ଟାଲ ୧୪ କେଜି ଗଞ୍ଜେଇ ପୁଲିସ ଜବତ କରିଛି। ଏହି ଘଟଣାରେ ଦୁଇ ଜଣ ଅଭିଯୁକ୍ତ ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶର କାଲୁ (୩୦) ଓ ଝାରବନ୍ଧ ସଲଡ଼ିହିର ଶଙ୍କର ନାଏକ (୨୮)କୁ ଗିରଫ କରାଯାଇଛି। ଜବତ୍ ଗଞ୍ଜେଇର ଆନୁମାନିକ ମୂଲ୍ୟ ୪ କୋଟି ଟଙ୍କାରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ହେବବୋଲି ବରଗଡ଼ ଏସ୍‌ପି ପ୍ରହ୍ଲାଦ ସହାୟ ମୀନା ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି। ପୁଲିସ ସେମାନଙ୍କଠାରୁ ଟ୍ରକ୍ ସହିତ ଗୋଟିଏ ବୋଲେରୋ, ଗୋଟିଏ କାର୍ ଓ ଦୁଇଟି ମୋବାଇଲ ଫୋନ ମଧ୍ୟ ଜବତ କରିଛି। ବରଗଡ଼ ଆରକ୍ଷୀ ଅଧୀକ୍ଷକ ପ୍ରହ୍ଲାଦ ସହାୟି ମୀନାଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶରେ ଚାଲିଥିବା ଏହି ଅଭିଯାନରେ ପଦ୍ମପୁର ଏସ୍‌ଡିପିଓ ପାଣ୍ଡବ ଶବର ନିଜେ ଘଟଣାସ୍ଥଳକୁ ପହଞ୍ଚି ତଦନ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନା ଦେଇଥିଲେ। ଏସ୍‌ଆଇ ବିଣା ତାର୍କୀ ଏହି ମାମଲାର ତଦନ୍ତକୁ ଆଗେଇ ନେଉଛନ୍ତି। ଏହି ରାକେଟ୍‌ର ପଛରେ ଆଉ କିଏ ଅଛନ୍ତି, ସେଥିପାଇଁ ପୁଲିସ ତଦନ୍ତକୁ ବିସ୍ତାର କରିଛି। କାଜୁ ଛାଲି ଆଡରେ ଏପରି ଚତୁର ଉପାୟରେ ଗଞ୍ଜେଇ ଚାଲାଣ ଘଟଣା ଏବେ ଝାରବନ୍ଧ ଅଞ୍ଚଳରେ ଚର୍ଚ୍ଚାର ବିଷୟ ହୋଇପଡ଼ିଛି।

ଭିଜିଲାନ୍ସ ଜାଲରେ ସରକାରୀ ଅଧିକାରୀ

ବିଜେପୁର,୬।୫(ସମିସ): ବରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲା ଶିଳ୍ପକେନ୍ଦ୍ର କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଅଧୀନରେ ଡିଆରପି ଭାବରେ କାର୍ଯ୍ୟରତ କର୍ମଚାରୀ ରାକ୍ଷୀ ମେହେର ଜଣେ ହିତାଧିକାରୀଙ୍କଠାରୁ ୩୦ ହଜାର ଟଙ୍କା ଲାଞ୍ଚ ନେଉଥିବାବେଳେ ବୁଧବାର ଭିଜିଲାନ୍ସ ହାତରେ ଧରା ପଡ଼ିଛନ୍ତି। ଜଣେ ହିତାଧିକାରୀଙ୍କୁ ୮ ଲକ୍ଷ ୬୪ ହଜାର ଋଣ ରାଶିର ୩୫ ପ୍ରତିଶତ ସବ୍‌ସିଡି କରାଇଦେବାକୁ ସେ ୩୦ ହଜାର ଟଙ୍କା ଆକାଉଣ୍ଟ ଜରିଆରେ ଲାଞ୍ଚ ନେଉଥିଲେ। ପୂର୍ବ ଯୋଜନା ମୁତାବକ ଭିଜିଲାନ୍ସ ଛକି ରହି ତାଙ୍କୁ କାବୁ କରିଥିଲା। ଏନେଇ ବରଗଡ଼ ଦୁର୍ନୀତି ନିବାରଣ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ତରଫରୁ ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି। ଏହାପରେ ବିଜେପୁର ସ୍ଥିତ ତାଙ୍କ ଘର ଓ ଗାଇସିଲେଟ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟରେ ଭିଜିଲାନ୍ସ ଟିମ୍ ଚଢ଼ଉ କରିଥିଲା।

ପାଟପୁରରେ ଜଣ୍ଡିସ୍ ଆତଙ୍କ, ୨୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଆକ୍ରାନ୍ତ

ଗ୍ରାମରେ ପହଞ୍ଚିଲା ଡାକ୍ତରୀ ଟିମ୍, ନମୁନା ସଂଗ୍ରହ

ମୋରଡ଼ା,୬।୫ (ସମିସ): ମୋରଡ଼ା ବ୍ଲକ୍ ଅଧୀନ ଚିତ୍ରଡ଼ା ପଞ୍ଚାୟତର ପାଟପୁର ଗ୍ରାମରେ ଜଣ୍ଡିସ ବ୍ୟାପିବାରେ ଲାଗିଛି। ଯାହାକୁ ନେଇ ଗ୍ରାମରେ ଆତଙ୍କ ଖେଳିଯାଇଛି। ତେବେ କେଉଁ କାରଣରୁ ରୋଗ ବ୍ୟାପୁଛି ତା'କୁ ନେଇ ସାଧାରଣରେ ବଡ଼ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠିଥିବାବେଳେ ଦିନକୁ ଦିନ ରୋଗୀଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି। ଗତ ତିନିଦିନ ଭିତରେ ଗ୍ରାମର ୨୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଲୋକ ଏହି ରୋଗରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇ ସାରିଲେଣି। କିଶାନତାଣ୍ଡି ଡାକ୍ତରଖାନା ପକ୍ଷରୁ ଡାକ୍ତରୀଦଳ ଗାଁକୁ ଯାଇ ସ୍ଥାନୀୟ ଆଶାକର୍ମୀ ମାଳତୀ ବେହେରାଙ୍କ ସହଯୋଗରେ ଘରକୁ ଘର ବୁଲି ଆକ୍ରାନ୍ତଙ୍କୁ ଭେଟିବା ସହ ଆବଶ୍ୟକ ଚିକିତ୍ସା ସେବା ଯୋଗାଇ ଦେଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଲୋକଙ୍କୁ ଖାଦ୍ୟ ପାନୀୟ ଜଳ ବ୍ୟବହାର ପ୍ରତି ସଚେତନ ରହିବାକୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ତେବେ ଗ୍ରାମବାସୀ ଜଣ୍ଡିସ ହେବାର କାରଣ ଦୂଷିତ ପାନୀୟଜଳ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ବସୁଧା ପାଣି ଯୋଗୁଁ ବ୍ୟାପିଥିବା କହିଛନ୍ତି।

ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ଅଞ୍ଚଳରେ 'ଜଳଭିତ୍ତିକ ଦୁଃସାହସିକ ପର୍ଯ୍ୟଟନ'କୁ ମିଳିବ ବଳ

୫ ଜିଲ୍ଲାରେ ହେବ ଜାଗା ଚିହ୍ନଟ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୬।୫(ସମିସ): ଓଡ଼ିଶାରେ ଜଳକ୍ରୀଡ଼ା ପାଇଁ ବ୍ୟାପକ ସୁଯୋଗ ଏବଂ ସମ୍ଭାବନା ରହିଥିବା ବେଳେ ଏହାକୁ ବ୍ୟବହାର କରି ରାଜ୍ୟର ପର୍ଯ୍ୟଟନ ଶିଳ୍ପକୁ ଆଗକୁ ନେବାକୁ ସରକାର ଚିନ୍ତା କରୁଛନ୍ତି। ଏହିକ୍ରମରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଦୁଃସାହସିକ ଜଳକ୍ରୀଡ଼ା ଭିତ୍ତିଭୂମିକୁ ବ୍ୟପକ କରିବା ପାଇଁ ସରକାର ସ୍ତରରେ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଆରମ୍ଭ କରାଯାଇଛି। ରାଜ୍ୟର ୫ ଜିଲ୍ଲାରେ ଏଥିପାଇଁ ରାଜ୍ୟ ସ୍ତରୀୟ ବୈଷୟିକ ଟିମ୍ ଖୁବଶୀଘ୍ର ଜାଗା ଚିହ୍ନଟ କରିବେ। ଓଡ଼ିଶାର ଅମୂଲ୍ୟ ପ୍ରାକୃତିକ ସମ୍ପଦ ଓ ଜଳରାଶିକୁ ପର୍ଯ୍ୟଟନର କ୍ଷେତ୍ରରେ ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଏକ ବଡ଼ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିଛନ୍ତି। ଓଡ଼ିଶା ଦୁଃସାହସିକ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ନିୟମାବଳୀ-୨୦୨୫ ଅନୁଯାୟୀ ଗୋ-ଆଡଭେଞ୍ଚର ପୋର୍ଟାଲ ଜରିଆରେ ଆସିଥିବା ନୂତନ ଆବେଦନଗୁଡ଼ିକର କ୍ଷେତ୍ର ପରିଦର୍ଶନ ଓ ବୈଷୟିକ ଯାଞ୍ଚ ପାଇଁ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଦୀପଙ୍କର ମହାପାତ୍ର ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ ମହାପାତ୍ରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଏନେଇ ପୁରୀ, ଗଞ୍ଜାମ, ଜଗତସିଂହପୁର, ସମ୍ବଲପୁର ଏବଂ ସୁନ୍ଦରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲାର ଜିଲ୍ଲାପାଳମାନଙ୍କୁ ଆବଶ୍ୟକୀୟ ସହଯୋଗ କରିବାକୁ ପତ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଅନୁରୋଧ କରାଯାଇଛି। ଗୋଆ ସ୍ଥିତ ଜାତୀୟ ଜଳକ୍ରୀଡ଼ା ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଏନଆଇଡବ୍ଲ୍ୟୁଏସ'ର ଜଣେ ବୈଷୟିକ ବିଶେଷଜ୍ଞ, ରାଜ୍ୟ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ବିଭାଗର ବୈଷୟିକ ପ୍ରକୋଷ୍ଠର ପ୍ରତିନିଧି ଏବଂ ସମ୍ପୃକ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ସ୍ତରୀୟ କମିଟିର ସଦସ୍ୟମାନଙ୍କୁ ନେଇ ଏକ ମିଳିତ ଦଳ ଗଠନ କରାଯାଇଛି । ଏହି ଦଳ ମେ' ୨୦ ତାରିଖ ମଧ୍ୟରେ ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନ ପରିଦର୍ଶନ କରିବେ। ଏଥିରେ ପୁରୀ ଜିଲ୍ଲାର ଚନ୍ଦ୍ରଭାଗା ବେଳାଭୂମି, ନୂଆନଇ ଏବଂ ପୁରୀ ସମୁଦ୍ରକୂଳ ରହିଥିବା ବେଳେ ସୁନ୍ଦରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲାର ରାଉରକେଲାର ପିତାମହଲ ଡ୍ୟାମ୍ ଏବଂ ସମ୍ବଲପୁରର ହୀରାକୁଦ ଜଳଭଣ୍ଡାର ରହିଛି। ସେହିଭଳି ଗଞ୍ଜାମ ଜିଲ୍ଲାର ଚିଲିକା ହ୍ରଦ, ତାମ୍ପରା ହ୍ରଦ ଏବଂ ଗୋପାଳପୁର ବେଳାଭୂମିର ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନ ସାମିଲ୍ ଅଛି । ଜଗତସିଂହପୁର ଜିଲ୍ଲାର ପାରାଦୀପ ଅଞ୍ଚଳ ମଧ୍ୟ ରହିଛି । କ୍ଷେତ୍ର ପରିଦର୍ଶନ ପରେ ଜିଲ୍ଲା ସ୍ତରୀୟ କମିଟି ନିଜର ରିପୋର୍ଟ ପ୍ରଦାନ କରିବେ, ଯାହାକୁ ଆଧାର କରି 'ରାଜ୍ୟ ସ୍ତରୀୟ ବୈଷୟିକ କମିଟି' ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ନିଷ୍ପତ୍ତି ଗ୍ରହଣ କରିବେ ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଛି।

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀରେ 'ସ୍କୁଲ ମ୍ୟାନେଜମେଣ୍ଟ କମିଟି ଗାଇଡଲାଇନ- ୨୦୨୬'ର ଶୁଭାରମ୍ଭ

ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନାକୁ ଅଧିକ ସ୍ୱଚ୍ଛ ଓ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ କରିବା ଲକ୍ଷ୍ୟ: ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୬।୫(ସମିସ): ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ ସ୍ଥିତ ବିଜ୍ଞାନ ଭବନ ଠାରେ ଆୟୋଜିତ ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ 'ସ୍କୁଲ ମ୍ୟାନେଜମେଣ୍ଟ କମିଟି -୨୦୨୬'ର ନୂତନ ମାର୍ଗଦର୍ଶିକା ଉନ୍ମୋଚନ କରିଛନ୍ତି କେନ୍ଦ୍ର ଶିକ୍ଷାମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ। ଏସଏମସି ଗାଇଡଲାଇନ ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ, ଅଭିଭାବକ ଏବଂ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏକ ସେତୁ ଭାବେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବ । ଏହା ସହ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନାକୁ ଅଧିକ ସ୍ୱଚ୍ଛ ଓ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ କରିବ ବୋଲି ସେ ଉଲ୍ଲେଖ କର ଆମେ ସମସ୍ତେ ବିଦ୍ୟାଳୟର ସାମଗ୍ରିକ ବିକାଶ, ଅନୁଶାସନ ଏବଂ ଗୁଣାତ୍ମକ ଶିକ୍ଷାର ତଦାରଖ ପାଇଁ ମିଳିମିଶି କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ପ୍ରଧାନ କହିଛନ୍ତି।

ସେ କହିଛନ୍ତି ଯେ ନୂତନ ପିଢ଼ିର ଆବଶ୍ୟକତାକୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି ତୃତୀୟ ଶ୍ରେଣୀରୁ କମ୍ପ୍ୟୁଟେସିଓନାଲ ଥିଙ୍କ ଓ ଏଆଇ ଆଧାରିତ ଶିକ୍ଷାର ଶୁଭାରମ୍ଭ କରାଯାଇଛି । ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା ଅଭିଯାନ, ପିଏମ୍ ଶ୍ରୀ, ପିଏମ୍ ପୋଷଣ, ଅଟଳ ଟିଙ୍କରିଂ ଲ୍ୟାବ୍ ଭଳି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ମାଧ୍ୟମରେ ଶିକ୍ଷା କ୍ଷେତ୍ରରେ ବ୍ୟାପକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଉଛି। ପ୍ରତ୍ୟେକ ଜିଲ୍ଲାରେ ୫୦୦ ଶଯ୍ୟା ବିଶିଷ୍ଟ ଛାତ୍ରୀନିବାସର ପଦକ୍ଷେପ ଏହି ଦିଗରେ ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ପଦକ୍ଷେପ । ଅଙ୍ଗନବାଡ଼ି ଓ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପିଲାମାନଙ୍କୁ ପୁଷ୍ଟିଯୁକ୍ତ ଆହାର ପ୍ରଦାନ କରିବା, ସେମାନଙ୍କର ମାନସିକ ଓ ଶାରୀରିକ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦେବା ଆମର ପ୍ରାଥମିକତା ହେବା ଉଚିତ। ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀଙ୍କ ମାର୍ଗଦର୍ଶନରେ ବିକଶିତ ଭାରତ ୨୦୪୭ ର ଲକ୍ଷ୍ୟ ହାସଲ ପାଇଁ 'ସ୍କୁଲ ମ୍ୟାନେଜମେଣ୍ଟ କମିଟି ଏକ ଜନ-ଆନ୍ଦୋଳନରେ ଭାବରେ ଉଭା ହେବା ହେବା ଉଚିତ୍। ଏହି ପଦକ୍ଷେପ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶିଶୁର ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ଭବିଷ୍ୟତ ନିର୍ମାଣ ଦିଗରେ ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ପଦକ୍ଷେପ ବୋଲି ପ୍ରମାଣିତ ହେବ ବୋଲି କେନ୍ଦ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ଆଶାବ୍ୟକ୍ତ କରିଛନ୍ତି।

■ ଦୁଷ୍କର୍ମ ପୀଡ଼ିତା ନାବାଳିକାଙ୍କ ଗର୍ଭପାତ ମାମଲା

ହାଇକୋର୍ଟରେ ଦାଖଲ ହେଲା ଏମ୍‌ସ ରିପୋର୍ଟ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ଜଣେ ୧୬ ବର୍ଷୀୟା ନାବାଳିକାଙ୍କ ଗର୍ଭପାତ ପ୍ରସଙ୍ଗକୁ ହାଇକୋର୍ଟ ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ଶୁଣାଣି କରୁଛନ୍ତି। ଏହି ମାମଲାରେ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ପୂର୍ବ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପୂର୍ବକ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଏମ୍ସର ମେଡିକାଲ ଅଧୀକ୍ଷକଙ୍କ ତରଫରୁ ଆଜି ଏକ ରିପୋର୍ଟ ଦାଖଲ କରାଯାଇଛି। ପୀଡ଼ିତାଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟାବସ୍ଥାର ଯାଞ୍ଚ ପାଇଁ ୯ ଜଣ ଡାକ୍ତରଙ୍କୁ ନେଇ ମେଡିକାଲ ବୋର୍ଡ ଗଠନ କରାଯାଇଥିଲା। ପୀଡିତାଙ୍କ ଗର୍ଭପାତ (ଏମଟିପି) ପ୍ରସଂଗରେ ପରୀକ୍ଷା କରି ଡାକ୍ତରମାନେ ସେମାନଙ୍କ ମତାମତ ଦେଇଥିବା ରିପୋର୍ଟରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଥିଲା। ୩୧ ସପ୍ତାହର ଗର୍ଭ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଏବେ ଗର୍ଭପାତ ଦ୍ୱାରା ପୀଡ଼ିତାଙ୍କ ଜୀବନ ଓ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ପ୍ରତି ବିପଦ ରହିଛି। ପ୍ରସୂତି ପୂର୍ବର ଯତ୍ନ ସହିତ ୪୦ ସପ୍ତାହ ପାଇଁ ଗର୍ଭଧାରଣ ଜାରି ରଖିବାକୁ ଦିଆଯାଇପାରେ ଓ ସୁରକ୍ଷିତ ଫଳାଫଳ ପାଇଁ ସେହି ସମୟରେ ପ୍ରସବ କରାଯାଇ ପାରିବ ବୋଲି ରିପୋର୍ଟରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ରିପୋର୍ଟର ଏକ ନକଲ ଆବେଦନକାରୀଙ୍କୁ ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ ହାଇକୋର୍ଟ କହିବା ସହିତ ମେ ୭କୁ ମାମଲାର ପରବର୍ତ୍ତୀ ଶୁଣାଣି ପାଇଁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ପୀଡ଼ିତାଙ୍କ ଅଭିଭାବକଙ୍କ ତରଫରୁ ଦାୟର ଆବେଦନର ଶୁଣାଣି କରି ଜଷ୍ଟିସ୍ ବି.ପି. ରାଉତରାୟ ଏପରି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ମାମଲାରୁ ପ୍ରକାଶ ଯେ ଜଣେ ଦୁଷ୍କର୍ମ ପୀଡିତା ଗର୍ଭବତୀ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ତାଙ୍କର ଗର୍ଭପାତ ପାଇଁ ଅନୁମତି ଦେବାକୁ ପରିବାର ସଦସ୍ୟ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ଦ୍ୱାରସ୍ଥ ହୋଇଥିଲେ। ଆବେଦନକାରୀଙ୍କ ତରଫରୁ ଆଇନଜୀବୀ ରମାକାନ୍ତ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ ମାମଲା ପରିଚାଳନା କରୁଛନ୍ତି।

ଜନଗଣନାରେ ବାଧା ଦେଉଥିବା ଘରୋଇ ବିଦ୍ୟାଳୟ ବିରୋଧରେ ହେବ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୬।୫(ସମିସ): ଘରୋଇ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନେ ଜନଗଣନା କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜିତ ଅଛନ୍ତି। ମାତ୍ର ଘରୋଇ ବିଦ୍ୟାଳୟ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ସେମାନଙ୍କୁ ଜନଗଣନା କାର୍ଯ୍ୟ ପାଇଁ ଛାଡୁ ନାହାଁନ୍ତି। ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରାନ୍ତରୁ ଏପରି ଅଭିଯୋଗ ଆସିବା ପରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ କଠୋର ହୋଇଛି। ଜନଗଣନା କାର୍ଯ୍ୟପାଇଁ ବାଧା ଦେଉଥିବା ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷଙ୍କ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ନିଆଯିବ ବୋଲି କଡ଼ା ଚେତାବନୀ ଦେଇଛି। ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି ଯେ, କିଛି ଘରୋଇ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ ଶିକ୍ଷକଙ୍କୁ ଅନିବାର୍ଯ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜିତ କରି ଜଣଗଣନା ପାଇଁ ଛାଡୁ ନାହାଁନ୍ତି। ଯାହା ଜନଗଣନାକୁ ସିଧାସଳଖ ପ୍ରଭାବିତ କରୁଛି। ଏହା ଆଇନର ଉଲଂଘନ ବୋଲି ଦର୍ଶାଇବା ସହିତ ଆଇନ ଉଲଂଘନକାରୀ ବିଦ୍ୟାଳୟ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷଙ୍କ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ନେବା ପାଇଁ ସମସ୍ତ ଜିଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି।

ଅପରାଧ ପ୍ରତିହତ କରିବାରେ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରଶାସନ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଫଳ: ମୋକିମ

ବିପର୍ଯ୍ୟସ୍ତ ଆଇନଶୃଙ୍ଖଳା, ମହିଳା ହିଂସା ବୃଦ୍ଧି ବିରୁଦ୍ଧରେ ଓଡିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସର ପ୍ରତିବାଦ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୬।୫(ସମିସ): ବିପର୍ଯ୍ୟସ୍ତ ଆଇନ ଶୃଙ୍ଖଳା, ଉଦ୍‌ବେଗଜନକ ମହିଳା ହିଂସା, ଖଣି ମାଫିଆଙ୍କ ଗୁଣ୍ଡାରାଜ, ଦଳିତ ଆଦିବାସୀଙ୍କ ଉପରେ ଦମନଲୀଳା ବିରୁଦ୍ଧରେ ଓଡିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସ ପାର୍ଟି ତରଫରୁ ଗାନ୍ଧୀମାର୍ଗରେ ପ୍ରତିବାଦ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ପ୍ରତିବାଦ ସଭାକୁ ଉଦ୍‌ବୋଧନ ଦେଇ ସଭାପତି ଇଂ ମହମ୍ମଦ ମୋକିମ କହିଲେ ଯେ ସରକାର କେବଳ ନିଜର ଆତ୍ମ ବଡ଼ିମା ପ୍ରଚାରରେ ଲାଗିଥିବା ବେଳେ ରାଜରାସ୍ତାରେ ମହିଳା ମାନେ ନିର୍ଯାତିତ ହେଉଛନ୍ତି। ସାଧାରଣ ଲୋକକୁ ନ୍ୟାୟ ଦେବାକୁ ଆଗାମୀ ଦିନରେ ବିପର୍ଯ୍ୟସ୍ତ ଆଇନ ଶୃଙ୍ଖଳାକୁ ନେଇ ରାଜ୍ୟ ସାରା ଲୋକଙ୍କ ସ୍ୱର ହୋଇ ଜୋରଦାର ଓ ତୀବ୍ର ଆନ୍ଦୋଳନ ହେବ। ଓଡ଼ିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସର ବରିଷ୍ଠ ନେତା ବାସୁଦେବ ଭଞ୍ଜ, ପ୍ରଦୀପ ପ୍ରଧାନ, ଗିରିବାଳା ବେହେରା, ନିକୁଞ୍ଜ ପଶକ୍ଷୟତ, ନଜିବୁର ରେହମାନ ଖାନଙ୍କୁ ନେଇ ଏକ ପ୍ରତିନିଧି ମଣ୍ଡଳୀ ବିପର୍ଯ୍ୟସ୍ତ ଆଇନ ଶୃଙ୍ଖଳା ପରିସ୍ଥିତିର ସମାଧାନ ପାଇଁ ତ୍ୱରିତ ପଦକ୍ଷେପ ନେବାକୁ ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସଚିବଙ୍କ ଅନୁପସ୍ଥିତରେ ତାଙ୍କ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଭେଟି ସ୍ମାରକପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ବରିଷ୍ଠ ନେତା ବଦ୍ରି ମହାନ୍ତିଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ପ୍ରତିବାଦ ସଭାରେ ଶହଶହ କର୍ମକର୍ତ୍ତାମାନେ ପ୍ଲାକାର୍ଡ ଓ ଫ୍ଲାଗ ଧରି ସ୍ଲୋଗାନ୍ ଦେଇ ଶୋଭାଯାତ୍ରାରେ ଯାଇଥିଲେ। ସୂଚନା ଅନୁସାରେ, ନିରୀହ ଦଳିତ ଆଦିବାସୀମାନଙ୍କ ଉପରେ ଅତ୍ୟାଚାର, ମହିଳା ଏବଂ ବାଳିକାମାନଙ୍କ କ୍ଷେତ୍ରରେ ହିଂସା ଓ ବ୍ୟଭିଚାର ତଥା ନିଖୋଜ ମହିଳାଙ୍କ ସଂଖ୍ୟାରେ ଅହେତୁକ ବୃଦ୍ଧି ଚିନ୍ତାଜନକ ପରିସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଏନ.ସି. ଆର.ବି ତଥ୍ୟ ଓ ଗୃହ ବିଭାଗ ଅନୁସାରେ ୨୦୨୦ ରୁ ୨୦୨୪ ମଧ୍ୟରେ, ଓଡ଼ିଶାରେ ମୋଟ୍ ୩୬,୪୨୦

ମହିଳା ଏବଂ ୮,୪୦୩ ଶିଶୁ ନିଖୋଜ ହୋଇଛନ୍ତି। ବାର୍ଷିକ ହାରାହାରି ପ୍ରାୟ ୭,୨୦୦ ମହିଳା ଏବଂ ୧,୬୦୦ ଶିଶୁ ନିଖୋଜ ହେଉଛନ୍ତି। ସେହିପରି ଆଦିବାସୀମାନଙ୍କ ଉପରେ ଅତ୍ୟାଚାର କ୍ଷେତ୍ରରେ ଦେଶରେ ୪ର୍ଥ ସ୍ଥାନରେ ଅଛି। ଓଡ଼ିଶା ଜନତା କଂଗ୍ରେସ ରାଜ୍ୟର ଆଇନ ଶୃଙ୍ଖଳା ପାଇଁ ଡିଜିପିଙ୍କୁ ନିରପେକ୍ଷ ଭାବେ ପୂର୍ଣ୍ଣ ଦାୟିତ୍ୱ ସହ ଉତ୍ତରଦାୟୀ କରିବା। ଏକ ମାସ ମଧ୍ୟରେ ଉଚ୍ଚସ୍ତରୀୟ ଟାସ୍କଫୋର୍ସ ଗଠନ କରି ଆଇନ ଶୃଙ୍ଖଳା ବ୍ୟବସ୍ଥାର ସମୀକ୍ଷା ଓ ସୁଧାର ଆଣିବା, ମହିଳା, ଶିଶୁ ଓ ଦଳିତ, ଆଦିବାସୀ ଅପରାଧ ମାମଲାରେ ସମୟବଦ୍ଧ ତଦନ୍ତ, ଚାର୍ଜସିଟ୍ ଓ ଦଣ୍ଡାଦେଶ ହାର ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ବିଶେଷ ଅଭିଯାନ ସହିତ ଅପରାଧ ରୋକିବାକୁ ଯଥେଷ୍ଟ ପୋଲିସ ନିଯୁକ୍ତ, ଫରେନ୍ସିକ୍ ସହାୟତା ଏବଂ ଆର୍ଥିକ ସମ୍ବଳ ପ୍ରଦାନ କରିବା, ଧର୍ଷଣ, ପୋକ୍‌ସୋ ଓ ଏସ୍‌ସି/ଏସ୍‌ଟି ଅତ୍ୟାଚାର ମାମଲା ପାଇଁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଫାଷ୍ଟଟ୍ରାକ୍ ଅଦାଲତ ସ୍ଥାପନ କରିବା, ମହିଳା, ନାବାଳିକା ଓ ଏସ୍‌ସି/ଏସ୍‌ଟି ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ବିରୋଧରେ ଶୂନ୍ୟ ସହନଶୀଳତା ପାଇଁ କଠୋର ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରିବା, ନିଖୋଜ ମହିଳାଙ୍କ ଅନ୍ୱେଷଣ ପାଇଁ ସର୍ବସାଧାରଣରେ ଫଟୋ ପ୍ରଦର୍ଶନ ସହ ତଦନ୍ତ ଅଗ୍ରଗତି ଦୈନିକ ସମୀକ୍ଷା କରିବା, ପୀଡ଼ିତା ଓ ପରିବାରକୁ ଉପଯୁକ୍ତ କ୍ଷତିପୂରଣ, ସୁରକ୍ଷା ଏବଂ ପୁନର୍ବାସ ପାଇଁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଯୋଜନା କରିବା ସହିତ ଜିଲ୍ଲା ଏସ୍‌ପି ଓ ପୋଲିସ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ନିୟମିତ ଅନୁଧ୍ୟାନ ସହ ଜବାବଦେହି ବ୍ୟବସ୍ଥା ପ୍ରଚଳନ ଆଦି ବିଷୟକୁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଗମ୍ଭୀରତାର ସହିତ ବିଚାର କରିବାକୁ ସରକାରଙ୍କ ନିକଟରେ ଓଜେସି ଦାବି କରିଛି।

FAKIR MOHAN UNIVERSITY

Vyasa Vihar, Nuapadhi, Balasore, Odisha, Pin.-756089
Phone: 06782-275787
email-id: registrarfmuniversity@gmail.com
Website: www.fmuniversity.nic.in

Letter No.: FMU-Estt.(T)-II-04/2026/4148 | Date: 02/05/2026

ADVERTISEMENT FOR RECRUITMENT OF FACULTY POSITIONS

Applications are invited from eligible candidates as per UGC eligibility criteria (UGC Notification dated 18th July 2018 and subsequent amendments) to fill up various regular faculty positions, including backlog vacancies, in the Post Graduate Departments of Fakir Mohan University.

Online Applications, through https://himsrecruitment.odisha.gov.in/home, are invited in prescribed application form from the eligible candidates for appointment to the following teaching positions on regular basis:

Subject	Name of the Post and No.of Vacant Position			
	Total No. of Posts	Professor	Associate Professor	Assistant Professor
Applied Geology	02	01-ST(W)	01-ST	--
Bioscience and Biotechnology	01	01-SC	--	--
Botany	06	01-SEBC(W)	01-SC,01-SEBC	01-UR,01-SC,01-SC(W)
Business Management	02	01-UR	01-ST	--
Chemistry	03	01-ST	--	01-SEBC, 01-UR
Commerce	06	01-UR	01-SC,01-ST(W)	01-SC, 01-UR, 01-UR(W)
Computer Science	01	01-SC	--	--
Economics	02	--	01-SEBC(W)*	01-SEBC
Education	01	01-UR(W)	--	--
Environmental Science	01	--	--	01-UR(W)
Geography	01	--	01-ST	--
History and Archeology	06	01-ST	01-SC(W),01-ST	02-UR,01-SC(W)
Journalism and Mass communication	03	01-UR	01-SC,01-SEBC**	--
Mathematics	01	01-SEBC	--	--
Odia	01	01-UR	--	--
Physics	02	01-ST	01-ST(W)	--
Political Science	02	--	01-SC	01-ST
Population Studies	04	01-UR(W)	01-ST(W), 01-SEBC	01-UR(W)*
Sociology	01	--	01-ST	--
Urdu	01	--	01-SC(W)	--
Zoology	06	01-SC(W)	01-UR,01-ST(W)	01-SEBC(W),01-UR,01-SC
Total	53	15	20	18

Abbreviation: [UR = Unreserved; SEBC = Socially and Educationally Backward Classes; SC = Scheduled Caste; ST = Scheduled Tribe; W = Woman]

* Lien vacancy: The post is likely to continue until the completion of the lien period of the lien holder. However, if the lien holder re-joins the post, the selected candidate will be relieved. Otherwise, the selected candidate may be absorbed into the post.

** Likely to be vacant due to superannuation on 31.05.2026

Note:

1) In case of non-availability of suitable women candidates, the posts shall be filled up by male candidates from the same category.

2) An appropriate number of posts for Assistant Professor, Associate Professor, and Professor shall be reserved for candidates under the PwD category, in accordance with the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016, subject to the availability of the eligible candidates.

IMPORTANT DATES

Link available for online application form from	**7th May, 2026.**
Last date for submission of online application form	**7th June, 2026**
Last date for hard copy of online generated application form with required documents	**17th June, 2026 up to 05:00 p.m.**

Application Fee

1. The application fee is Rs.1000/- for General and SEBC candidates.
2. The application fee is Rs.600/- for SC and ST candidates.
3. There is no application fee for PwD candidates.
4. The fee must be paid online through the portal and is non-refundable.

Candidates are required to send a hard copy of the downloaded completely filled up application form along with all relevant documents only through Speed Post addressed to:

The Registrar,
Fakir Mohan University
Vyasa Vihar, Balasore – 756089
Dist: Balasore (Odisha)

The University reserves the right to modify the posts, number of vacancies and to cancel or modify this notification without assigning any reason thereof.

Sd/- Registrar

ସମ୍ପାଦକୀୟ

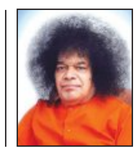

ଯଦି ଦୟା ଓ ଔଚିତ୍ୟ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିକୁ ବାଛିବାକୁ ପଡ଼େ,
ତେବେ ଦୟା ହିଁ ଦେଖାନ୍ତୁ, ତାହା ସର୍ବଦା ଉଚିତ୍ ମାର୍ଗ ହେବ !
-ସତ୍ୟସାଇ ବାବା

ସକାଳ
THE SAKALA

ଗଣତନ୍ତ୍ରର ବିବର୍ତ୍ତନ!

ଗତ ୪ ତାରିଖରେ ପ୍ରକାଶିତ ପାଞ୍ଚଟି ରାଜ୍ୟର ନିର୍ବାଚନ ଫଳାଫଳ ଭାରତର ବହୁଦଳୀୟ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଏକ ନୂଆ ସମୀକରଣ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି ଏବଂ ଏକ ଭିନ୍ନ ସଙ୍କେତ ଦେଇଛି। ଦେଶର ସାମଗ୍ରିକ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ଶାସନ କ୍ଷମତାରୁ ପୁଣି ଏକ ଆଞ୍ଚଳିକ ରାଜନୈତିକ ଦଳ(ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗର ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସ) ବାଦ୍ ପଡ଼ିଛି ଏବଂ (ତାମିଲନାଡୁରେ ଟିଭିକେ) ଏକ ନୂଆ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳର ଆବିର୍ଭାବ ଘଟିଛି। ଏଥିସହିତ ଦେଶର ପୁରୁଣା ଜାତୀୟ ଦଳ ସିପିଆଇ(ଏମ୍) ସ୍ୱାଧୀନୋତ୍ତର ଭାରତରେ ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ କୌଣସି ରାଜ୍ୟର କ୍ଷମତାରୁ ଅପ୍ସାରିତ ହୋଇଛି। ଅପରପକ୍ଷରେ ତାମିଲ୍ନାଡୁରେ କଂଗ୍ରେସ ଡିଏମ୍କେର ହାତ ଛାଡ଼ି ଟିଭିକେ ନେତା ଥାଲାପତି ବିଜୟଙ୍କ ସହିତ ମେଣ୍ଟ କରିବାକୁ ଯାଉଛି ଏବଂ କ୍ଷମତା ରାଜନୀତିରେ ସବୁକିଛି ସମ୍ଭବ ବୋଲି ପରୋକ୍ଷ ସଂକେତ ଦେଇଛି। କେନ୍ଦ୍ରରେ କ୍ଷମତାରେ ରହିବା ପାଇଁ ଏକଦା ବିଜେପି ତା'ର ଚିର ଆଦର୍ଶଗତ ବିରୋଧୀ ଏମ୍ କରୁଣାନିଧିଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ ଡିଏମ୍କେ ସହିତ ଏବଂ ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶରେ ମାୟାବତୀଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ ବିଏସ୍ପି ମେଣ୍ଟ କରି ରାଜନୀତିରେ କେହି ଚିର ଶତ୍ରୁ କିମ୍ବା ମିତ୍ର ନୁହନ୍ତି ବୋଲି ଯେଉଁ ଉଦାହରଣଟିଏ ସୃଷ୍ଟି କରିଥିଲା ଏବେ କଂଗ୍ରେସ ସେହି ଇତିହାସକୁ ଦୋହରାଇଛି।

୨୦୨୪ରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ଗଣତନ୍ତ୍ରର ବିବର୍ତ୍ତନ ଧାରାରେ ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳ ଯେପରି ବିଲୀନ ହୋଇ ଚାଲିଛନ୍ତି ତାହା ରାଜନୀତି ବିଶାରଦଙ୍କୁ ଚିନ୍ତାଗ୍ରସ୍ତ କରିଛି। ନିର୍ବାଚନରେ ଯେଉଁ ଦଳ ଅଧିକ ଜନାଦେଶ ପାଇବ ସେ କ୍ଷମତାରେ ରହିବ ଏହା ନିଃସନ୍ଦେହ। କିନ୍ତୁ ଏହି ଜାତୀୟ କ୍ଷମତା ସ୍ରୋତରେ ଯଦି ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନେ ବଳି ପଡ଼ନ୍ତି ବା କ୍ଷମତା କ୍ଷେତ୍ରରୁ ଦୂରେଇ ଯାଆନ୍ତି ତେବେ ତାହା ଆଞ୍ଚଳିକ ବିକାଶର ସନ୍ତୁଳନ ବିନିଷ୍ଟ କରିଦେବାର ଆଶଙ୍କା ଅଧିକ। ସ୍ୱାଧୀନୋତ୍ତର ଭାରତରେ ଜାତୀୟ ଦଳ ଦ୍ୱାରା କେନ୍ଦ୍ରରେ ଗଠିତ ସରକାରମାନଙ୍କର ବିଭିନ୍ନ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରତି ପାତରଅନ୍ତର ମନୋଭାବ ଓ ଭେଦଭାବ ଜନିତ ପୁଞ୍ଜିଭୂତ ଅସନ୍ତୋଷରୁ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନଙ୍କର ଉଦ୍ଭବ ହୋଇ ଅଭୂତପୂର୍ବ ଜନସମର୍ଥନ ଲାଭ କରିଥିଲା। ଆଞ୍ଚଳିକ ସ୍ୱାର୍ଥ, ସ୍ୱାଭିମାନର ସୁରକ୍ଷା ସହିତ ବିକାଶର ସମ୍ଭାବନା ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନଙ୍କୁ ନିରଙ୍କୁଶ ଓ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନ କ୍ଷମତା ସମର୍ପଣ କରିଥିଲା। ରାଜ୍ୟବାସୀଙ୍କ ଆଶା ଓ ଭରସାକୁ ଚରିତାର୍ଥ କରି ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳର ସରକାରମାନଙ୍କ ଅମଳରେ ରାଜ୍ୟର ବିକାଶ ମଧ୍ୟ ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ ହୋଇଥିଲା।

କେବଳ ଓଡ଼ିଶାର ଉଦାହରଣ ଦେଖାଯାଉ। ୨୦୦୦ ମସିହା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରାୟତଃ ଜାତୀୟ ଦଳ ଦ୍ୱାରା ନିରନ୍ତର ଶାସିତ ଓଡ଼ିଶା ଏକ ପଛୁଆ ଓ ଗରିବ ରାଜ୍ୟ ଭାବେ ପରିଗଣିତ ହେଉଥିଲା। କିନ୍ତୁ ସେହି ବର୍ଷ 'ବିଜୁ ଜନତା ଦଳ' କ୍ଷମତାକୁ ଆସିବା ପରେ କେବଳ ସେହି 'ଦାରିଦ୍ର୍ୟ-କଳଙ୍କ' ହଟିଲା ନାହିଁ, ବରଂ ଜାତୀୟ ଓ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ସ୍ତରରେ ଅନେକ ଉଦାହରଣୀୟ ଓ ଈର୍ଷଣୀୟ ସଫଳତା ହାସଲ କଲା। ଏବେ ପୁଣି ଥରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଜାତୀୟ ଦଳର ସରକାର ଅଛି। କେବଳ ଦଳର ସୁପ୍ରିମ୍ ଲିଡରଙ୍କ ପ୍ରଚାର ପ୍ରସାର ବ୍ୟତୀତ ବିକାଶର ଚକ କେତେ ଗଡ଼ୁଛି, ଗତି କେଉଁ ଦିଗକୁ ଯାଉଛି, ତାହା ଉଲ୍ଲେଖ ଅନାବଶ୍ୟକ। ଜାତୀୟ ଦଳର ରାଜ୍ୟ ସରକାରମାନେ(ଡବଲ୍ ଇଞ୍ଜିନ୍) କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ନେତା ଓ ସରକାରଙ୍କ ବଶମ୍ବଦ ଓ ବଚସ୍କର ହେବାକୁ ବାଧ୍ୟ। ସେମାନେ କଦାପି ରାଜ୍ୟ ସ୍ୱାର୍ଥ(ମାଟି) ପାଇଁ ନିଜ ଦଳୀୟ(ପାର୍ଟି) ସ୍ୱାର୍ଥକୁ ବଳି ଦେଇପାରିବେ ନାହିଁ। ଏହାର ଉଦାହରଣ ଗତ ୭୮ ବର୍ଷ ଧରି ଭାରତର ରାଜନୈତିକ ଇତିହାସ ଦେଖିଆସୁଛି ଏବଂ ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ଅନ୍ୟାୟ-ଅବହେଳା ବିଜଡ଼ିତ ଅଧ୍ୟାୟ ଲେଖିଯାଉଛି। ଏହି ପୃଷ୍ଠଭୂମିରେ ରାଜ୍ୟ ଓ ରାଜ୍ୟବାସୀଙ୍କ ସ୍ୱାର୍ଥ, ବିକାଶର ଦାବି କେନ୍ଦ୍ର ଆଗରେ ଉପସ୍ଥାପନ କରିବ କିଏ ଓ କେମିତି? ତେଣୁ ଡବଲ୍ ଇଞ୍ଜିନ(ଜାତୀୟ ଦଳର ରାଜ୍ୟର ସରକାର) ଓଡ଼ିଶାର ବିକାଶ ଗାଡ଼ିକୁ କେତେ ଆଗକୁ କିମ୍ବା ପଛକୁ ନେବ ତାହା ଆଉ ଦୁଇ/ତିନିବର୍ଷ ଭିତରେ ଲୋକେ ଦେଖି ବୁଝିଯିବେ। ଯାହା ଓଡ଼ିଶାରେ ହେଉଛି ତାହା ଆଗାମୀ ଦିନରେ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ହେବାକୁ ଯାଉଛି। ଡବଲ୍ ଇଞ୍ଜିନ୍କୁ ପସନ୍ଦ କରିଥିବା ଭୋଟରମାନେ ଏହା ବୁଝିବା ବେଳକୁ ବିକାଶର ଇଞ୍ଜିନ୍ ଦୃଷ୍ଟି ଆଢୁଆଳରୁ ବହୁ ପଛକୁ ଚାଲିଯାଇଥିବ। ସେତେବେଳକୁ ଅନୁତାପ କରିବାର ସମୟ ମଧ୍ୟ ନ ଥିବ।

ଆଜିର ଦିନର ବିଡ଼ମ୍ବନା ହେଲା କେବଳ ନାରା ବା ସ୍ଲୋଗାନ୍ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଉଥିବା ଡବଲ୍ ଇଞ୍ଜିନ୍ ସରକାରମାନେ ଭୁଲି ଯାଉଛନ୍ତି ଯେ ନ୍ୟସ୍ତସ୍ୱାର୍ଥ ବିଜଡ଼ିତ ଦୃଷ୍ଟିଭଙ୍ଗୀ ଏବଂ ରାଜନୈତିକ ଅଭିସନ୍ଧିର ମନସ୍ତତ୍ତ୍ୱରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ବିକାଶର ବାସ୍ତବତା ସାକାର ହୋଇପାରିବ ନାହିଁ ଏବଂ ଆଞ୍ଚଳିକ ବିକାଶ ବିନା ବିକଶିତ ଭାରତର ପରିକଳ୍ପନାର ମଧ୍ୟ କୌଣସି ଭିତ୍ତି ନାହିଁ। କିନ୍ତୁ ଏହି ବିଡ଼ମ୍ବନାକୁ ଭାରତୀୟ ଗଣତନ୍ତ୍ର ଗତ କିଛିବର୍ଷ ହେଲା ଦେଖି ଆସୁଛି ଏବଂ ଆହୁରି ଅନେକ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସହିବାକୁ ଯାଉଛି। ଏବେ ବିଶ୍ୱର ସର୍ବବୃହତ୍ ଗଣତନ୍ତ୍ର ଭାରତରେ କେବଳ ପଞ୍ଜାବ, ଝାଡ଼ଖଣ୍ଡ, ଜାମ୍ମୁ-କାଶ୍ମୀର ଓ ତାମିଲନାଡୁକୁ ଛାଡ଼ିଦେଲେ ଆଉ କୌଣସି ରାଜ୍ୟରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳ ଏକାକୀ ଶାସନ କ୍ଷମତାରେ ନାହିଁ। ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳ ଭାବେ ଦିଲ୍ଲୀରୁ ଜନ୍ମ ନେଇ ଜାତୀୟ ଦଳର ମାନ୍ୟତା ପାଇଥିବା ଆମ୍ ଆଦ୍ମୀ ପାର୍ଟି(ଆପ୍) କ୍ରମଶଃ ରାଜନୈତିକ ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ରରେ ଦୁର୍ବଳ ହୋଇ ଆଗାମୀ ଦିନରେ ପଞ୍ଜାବରୁ ମଧ୍ୟ କ୍ଷମତାଚ୍ୟୁତ ହେବା ଆଦୌ ଅବାନ୍ତର ପରିକଳ୍ପନା ନୁହେଁ।

୧୯୮୯ ମସିହା ପରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନେ ଜାତୀୟ ଓ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଗଠନରେ ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ ଭୂମିକା ନିର୍ବାହ କରିଆସିଥିଲେ। ଏପରିକି ଜାତୀୟ ଦଳ କଂଗ୍ରେସ ଓ ବିଜେପି ମଧ୍ୟ କ୍ଷମତା ରାଜନୀତିରେ ଅନେକ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳମାନଙ୍କ ଅନୁଗ୍ରହ ଓ ସହାୟତା ଲୋଡ଼ିଥିଲେ। ଏବେ ସମୟର ଚକ ଘୂରିଛି। ଜାତୀୟ ଦଳ ବିଜେପି ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ଆଞ୍ଚଳିକ ଦଳକୁ ସାମ-ଦାମ-ଦଣ୍ଡ-ଭେଦ ନୀତିରେ ନିଶ୍ଚିହ୍ନ କରି ଚାଲିଛି। ଏ କଥା କହିବାରେ ଆଦୌ ଭୁଲ୍ ହେବ ନାହିଁ ଯେ ୧୯୮୯ ମସିହା ପୂର୍ବରୁ କଂଗ୍ରେସ କ୍ଷମତାର ଅହଂରେ ଯେଉଁ ଭୁଲ୍ କରି ବସିଥିଲା ତାହାକୁ ଏବେ ବିଜେପି ଦୋହରାଉଛି। ଆଜି କଂଗ୍ରେସର ସ୍ଥିତି ଯାହା ଆସନ୍ତା କାଲି ବିଜେପି ସମଦଶା ଭୋଗିବା ଥୟ। କାରଣ ସବୁ ଉତ୍ଥାନର ଏକ ପତନ ସୁନିଶ୍ଚିତ। ସବୁ ଉଦୟର ଏକ ଅସ୍ତ ଅଛି। ଗଣତନ୍ତ୍ରର ଏହି ବିବର୍ତ୍ତନ ଧାରାରେ ଆଗାମୀ କାଲିର ନବପ୍ରଭାବରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ରାଜନୈତିକ ଦଳମାନଙ୍କ ନବଉନ୍ମେଷର ଆଉ ଏକ ସମ୍ଭାବନା ମଧ୍ୟ ଲୁଚି ରହିଛି। ହୁଏତ ଭାରତୀୟ ଗଣତନ୍ତ୍ର ପୁଣି ଏକ ନବଯୁଗର ସୂର୍ଯ୍ୟୋଦୟକୁ ଅପେକ୍ଷା କରିଛି। ●

ଗଣତନ୍ତ୍ର ଓ ଗଣମାଧ୍ୟମ

ସାରଦା ପ୍ରସାଦ ଆଚାର୍ଯ୍ୟ

ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ସମାଜ ପାଇଁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଦାୟିତ୍ୱ ନିର୍ବାହ କରିଥା'ନ୍ତି। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟଟିକୁ ନିଷ୍ଠାର ସହ ସୁଚାରୁ ରୂପେ ସମ୍ପନ୍ନ କରିବାକୁ ହେଲେ ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କର ସ୍ୱାଧୀନତା ଅତ୍ୟନ୍ତ ଜରୁରୀ। ଗୋଟିଏ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଘଟଣାକୁ ଲୋକଲୋଚନକୁ ଆଣିବାର ପ୍ରୟାସ ଓ ପ୍ରଚେଷ୍ଟା ସହିତ ସାମ୍ବାଦିକତାର କୌଶଳକୁ ଯେତିକି ତୀବ୍ର କରିହେବ, ଘଟଣାଟି ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ହେବା ସହିତ ସମପରିମାଣରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ବଜାୟ ରହିପାରିବ। ଖବରକାଗଜ ପୃଷ୍ଠା ହେଉ ଅବା ବୈଦ୍ୟୁତିକ ଗଣମାଧ୍ୟମ- ସବୁଠି ସାମ୍ବାଦିକତା ତା'ର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ପରିଚୟ ସୃଷ୍ଟି କରିପାରିବ। ସେହିଭଳି ସାମ୍ବାଦିକତା ଗୋଟିଏ ପବିତ୍ର ବୃତ୍ତି ଓ ପ୍ରବୃତ୍ତି ଭାବେ ଗୃହୀତ ହେଲେ ସର୍ବଦା ତାହା ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ପ୍ରେରଣାଦାୟକ ହୋଇଥାଏ। ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀ, ଗୋପବନ୍ଧୁଙ୍କ ସାମ୍ବାଦିକତା ଜୀବନଯାତ୍ରା ଆମ ପାଇଁ ସ୍ୱାଧୀନତାର ବୀଜ ବପନ କରିଥିଲା।

ସମ୍ବାଦପତ୍ର ଓ ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କ ଗୁରୁତ୍ୱକୁ ସମସ୍ତେ ଉପଲବ୍ଧି କରିଥା'ନ୍ତି। କିନ୍ତୁ କ୍ଷୋଭର ବିଷୟ, ସମ୍ପ୍ରତି ସମାଜ ପାଇଁ ସମ୍ବାଦର ଚାହିଦା ଅକ୍ଷୁର୍ଣ୍ଣ ରହିଥିବା ବେଳେ ସାମ୍ବାଦିକତା ଆଉ ଆଗ ଭଳି ଆକର୍ଷଣୀୟ ହୋଇପାରୁ ନ ଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହେଉଛି। ଅଧିକ ସମ୍ବାଦପତ୍ର ସୃଷ୍ଟି, ବୈଦ୍ୟୁତିକ ଗଣମାଧ୍ୟମର ବିବିଧତା ଆମ ସାମାଜିକ ଜୀବନରେ ଯେଉଁ ଅସହାୟତାକୁ ସମାଧାନ କରିବା କଥା, ସେ ଦିଗରେ ଏବେ ବି ଶତପ୍ରତିଶତ ସଫଳ ହୋଇ ପାରୁନାହିଁ। କିଛି ଚାନେଲ୍ ଗୁରୁତ୍ୱହୀନ ସମ୍ବାଦକୁ ପ୍ରାଧାନ୍ୟ ଦେଉଥିବା ବେଳେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ ହାରରେ ଫଳପ୍ରସୂ ସନ୍ତୋଷ ସାଉଁଟି ପାରୁନାହାଁନ୍ତି। କିଛି ସାମ୍ବାଦିକ ନିଜର ସ୍ୱାର୍ଥହାସଲ ପାଇଁ ବ୍ୟକ୍ତିକେନ୍ଦ୍ରିକ ବିଷୟବସ୍ତୁ ଉପରେ ଆଲୋଚନା କରି ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣରେ ବ୍ୟସ୍ତ ରହୁଛନ୍ତି। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ରାଜନୈତିକ ଦଳକୁ ସୁହାଇଲା ଭଳି ଖବର, ମନଗଢ଼ା କାହାଣୀ, ସତ୍ୟତା ଅନୁସନ୍ଧାନ ନକରି ଶୁଣାକଥାକୁ ଗ୍ରହଣ କରି ଖବରକାଗଜ ପୃଷ୍ଠାରେ ସ୍ଥାନ ଦେଇ ନିଜର ସାମ୍ବାଦିକତାକୁ ପ୍ରଚାର ଓ ପ୍ରସାର କରି ବାହାଦୂରୀ ନେବା ପାଇଁ ଆଗଭର ହେଉଛନ୍ତି।

ଚତୁର୍ଥ ସ୍ତମ୍ଭ ବିବେଚନା କରି ତୁଚ୍ଛା ଶ୍ରେୟତା ହାତେଇବା ଅପେକ୍ଷା କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ସୁଚାରୁ ରୂପେ ସମ୍ପନ୍ନ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ। କିନ୍ତୁ ଦୁଃଖର ବିଷୟ ଏଥିରେ କିଛିଟା ଅନୁପସ୍ଥିତି ଅନୁଭବ ହେଉଛି। ତେଣୁ ସାମ୍ବାଦିକତା କ୍ରମଶଃ ଜନକଲ୍ୟାଣକାରୀ କାର୍ଯ୍ୟରୁ ପଛକୁ ହଟୁଥିବା ମନେ ହେଉଛି। ଫଳରେ ସମାଜର ସାମୂହିକ ଉନ୍ନତି ଆଣିବା ଦିଗରେ ସମ୍ବାଦପତ୍ରର ଭୂମିକା ଆଶାଜନକ ସଫଳତା ହାସଲ କରିପାରୁନାହିଁ।

ଗଣତନ୍ତ୍ରରେ ଆଇନ ପ୍ରଣୟନ, ଏହାର କାର୍ଯ୍ୟକାରିତା ଓ ସଠିକ୍ ଉପାଦେୟତା ଆବଶ୍ୟକ। ଉପରୋକ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟଧାରାରେ ସାଧାରଣତଃ ତିନି ବର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ। ଯଥା- ଜନପ୍ରତିନିଧି, ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀ ଓ ଆଇନଜୀବୀ। ଚତୁର୍ଥ ବର୍ଗରେ ଥିବା ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ଗଣତନ୍ତ୍ର ପାଇଁ ଜାଗ୍ରତ ପ୍ରହରୀ ସଦୃଶ। ଏଣୁ ଏମାନଙ୍କ ପାଇଁ ସ୍ୱାଧୀନତା ଯେତିକି ଆବଶ୍ୟକ, ତତୋଧିକ ଦାୟିତ୍ୱବୋଧ ଜରୁରୀ। ବେଳେବେଳେ ସମାଜର ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କ ଆପରାଧିକ ମାନସିକତାକୁ ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ଲୋକଲୋଚନକୁ ଆଣିବାର ସଫଳ ହୋଇଛନ୍ତି; କିନ୍ତୁ ସେମାନଙ୍କ ରୋଷର ଶିକାର ହୋଇ ମୃତ୍ୟୁବରଣ ମଧ୍ୟ କରୁଥିବା ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତ ଅଛି। ଅସାଧୁ ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟଧାରାକୁ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ନିକଟରେ ପହଞ୍ଚାଇବାରେ ସଫଳ ହୋଇ ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ସମାଜର ଉନ୍ନତି ଆଣିବା ଦିଗରେ ନିଜର କର୍ମକୁଶଳତା ବଜାୟ ରଖିବା କ୍ଷେତ୍ରରେ ମଧ୍ୟ ଉଦାହରଣ ସୃଷ୍ଟି କରିଛନ୍ତି।

ସାମ୍ବାଦିକଙ୍କ ପ୍ରମୁଖ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ହେଉଛି ଖବର ମାଧ୍ୟମରେ ସଚେତନ କରାଇବା; କିନ୍ତୁ ଅସତ୍ୟ କି ଅସ୍ପଷ୍ଟ ଖବର ଦେଇ ନୁହେଁ। ପାଠକ ଓ ଶ୍ରୋତାମାନଙ୍କୁ ଭୁଲ୍ ଖବର ଦେବା ଏକ ଅସାଧୁ ଆଚରଣ ନିଶ୍ଚୟ। କାରଣ ଅନେକ ପାଠକ ଓ ଶ୍ରୋତାମାନେ ପ୍ରକାଶିତ ଖବରକୁ ହିଁ ବିଶ୍ୱାସ କରିନେଇଥା'ନ୍ତି। ମିଛ ଖବର ଦେଇ ଏମାନଙ୍କ ବିଶ୍ୱାସକୁ ଭାଙ୍ଗିବା ଏକ ଅପରାଧ ଓ ଘୋର ପାପାଚାର କାର୍ଯ୍ୟ। ଖବର ବିଚାର କରିବାର କ୍ଷମତା ବି ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କ ପାଖରେ ଅଛି। ସରକାର ଓ ପ୍ରଶାସନିକ କ୍ଷମତାର ତ୍ରୁଟିବିଚ୍ୟୁତିକୁ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖିବା ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କର ଧର୍ମ ଏବଂ ସାଧାରଣ ଜନତାଙ୍କ ଅଭାବ ଅସୁବିଧାକୁ ସରକାର ଓ ପ୍ରଶାସନ ପାଖରେ ପହଞ୍ଚାଇ ଏହାର ଆଶୁ ସମାଧାନ କରିବା ଦିଗରେ ସହାୟତା କରିବା ଜଣେ ପତ୍ରକାରର କର୍ତ୍ତବ୍ୟ। ଏହାଦ୍ୱାରା ସରକାରଙ୍କ ଜନପ୍ରିୟତା ମଧ୍ୟ ବଢ଼ିଥାଏ।

ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ସଂସଦୀୟ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଜଣେ ଖବରଦାତା ତା'ର ଧର୍ମପାଳନ ଓ କର୍ତ୍ତବ୍ୟବୋଧକୁ କେବେ ରାଜଦ୍ରୋହ ବୋଲି କହିହେବ ନାହିଁ। ଶାସନ ଓ ପ୍ରଶାସନର କାର୍ଯ୍ୟଧାରାକୁ ସମାଲୋଚନା କରିବା ଦ୍ୱାରା ସେମାନଙ୍କ ତ୍ରୁଟି ସୁଧାରିବାର ସୁଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି ହୁଏ ତଥା ଏହା ଏକ ଜନମଙ୍ଗଳ ରାଷ୍ଟ୍ର ମାନ୍ୟତାରେ ସହାୟକ ହୋଇଥାଏ। ଦୁଃଖର ବିଷୟ; ଏବେବି ସରକାରୀ ଦଳର ରୋଷର ଶିକାର ହେଉଛନ୍ତି କେତେକ ସାମ୍ବାଦିକ ଓ ଗଣମାଧ୍ୟମ। ସାମ୍ବାଦିକର ସ୍ୱାଧୀନତା ଓ ଗଣମାଧ୍ୟମର କଣ୍ଠରୋଧ କରିବା ପାଇଁ ଯେଉଁ ପ୍ରଚେଷ୍ଟା ଚାଲିଛି, ତାହା ଅତ୍ୟନ୍ତ ନିନ୍ଦନୀୟ। ତଥାପି ଅନେକ ସାମ୍ବାଦିକ ଓ ଗଣମାଧ୍ୟମ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଅନେକ ଘାତପ୍ରତିଘାତ ସତ୍ତ୍ୱେ ସେମାନଙ୍କର ଶ୍ରେଷ୍ଠତା ପ୍ରତିପାଦନ କରିବାରେ ସଫଳ ହୋଇପାରିଛନ୍ତି।

ଗଣତନ୍ତ୍ରରେ ଗଣମାଧ୍ୟମ ହେଉଛି ଚତୁର୍ଥ ଖୁଣ୍ଟ। ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ଚତୁର୍ଥ ଖୁଣ୍ଟରେ ବନ୍ଧା। ଅର୍ଥାତ୍ ଗଣମାଧ୍ୟମ ଯଦି ଅଣୁ ହୁଏ, ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ଜଣେଜଣେ ପରମାଣୁ। ଗଣମାଧ୍ୟମ ଓ ସାମ୍ବାଦିକମାନେ ସବୁବେଳେ ସମାଜ ପାଇଁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ। ସେମାନେ ଯେତେ ସଳଖ ଓ ସୁଦୃଢ଼ ରହିବେ, ଗଣତନ୍ତ୍ର ଘରଟି ସେତେ ସୁରକ୍ଷିତ ରହିବ। ମନ୍ତ୍ରୀ ବା ନେତାମାନେ ଆସିବେ ଯିବେ; ଅମଲାମାନେ ବୃତ୍ତି ବୟସ ସରିଲେ ଯିବେ। କିନ୍ତୁ ଗଣମାଧ୍ୟମ ଓ ସାମ୍ବାଦିକ ସବୁଦିନ ଯାଏ ସର୍ବଦା ଖମ୍ବ ଭଳି ଠିଆହୋଇ ରହିଥିବେ। ତିନି ଖୁଣ୍ଟକୁ ମଜବୁତ କରି ଟାଣିଧରେ ଏହି ଚତୁର୍ଥ ଖୁଣ୍ଟ ବା ଗଣମାଧ୍ୟମ। ଯଦି ଖୁଣ୍ଟ ହୁଗୁଳିବ, ଆମ ଗଣତନ୍ତ୍ର ଘରଟି ଭୁଶୁଡ଼ି ପଡ଼ିବ। ଏଣୁ ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀମାନେ ଗଣମାଧ୍ୟମ ସହିତ ଜଡ଼ିତ ରହିବା ଉଚିତ। ସାମ୍ବାଦିକତାର ସ୍ୱାଧୀନତା ଓ ସମ୍ବାଦିକତାର ଦାୟିତ୍ୱକୁ ସମତୁଲ କରି ସୁଚାରୁ ରୂପେ ପାଳନ କରିପାରିଲେ ଜଣେ ସାମ୍ବାଦିକ ହିସାବରେ ଶତପ୍ରତିଶତ ସଫଳ ହୋଇପାରିବ। ନିଜ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ସମ୍ପାଦନ କରି ଗଣତନ୍ତ୍ରକୁ ସୁଦୃଢ଼ କରିବାରେ ସହାୟକ ହେବ ଏବଂ ଗଣମାଧ୍ୟମ ପ୍ରଶଂସା ସାଉଁଟିବାରେ ସକ୍ଷମ ଓ ସମର୍ଥ ହେବ। ●

ଯୋଡ଼ା, ମୋ:୮୬୩୭୨୧୩୮୨୫

ଜଙ୍ଗଲ ନିଆଁ: ପ୍ରକାର, କାରଣ ଓ ସମାଧାନ

ଡ. ପ୍ରସନ୍ନ କୁମାର ଗନ୍ତାୟତ

ପୃଥିବୀର ସବୁଜ ଫୁସ୍ଫୁସ୍ ଭାବେ ପରିଚିତ ଜଙ୍ଗଲ ଏକ ନବୀକରଣଯୋଗ୍ୟ ପ୍ରାକୃତିକ ସମ୍ପଦ, ଯାହା ପୃଥିବୀ ଓ ଜୀବଜଗତ ପାଇଁ ଅନନ୍ୟ ବରଦାନ। ଏହା ବିବିଧ ଉଦ୍ଭିଦ ଓ ପ୍ରାଣୀମାନଙ୍କର ପ୍ରାକୃତିକ ଆବାସ ସ୍ଥଳୀ। ଜଳବାୟୁ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ, ପରିବେଶ ଓ ମୃତ୍ତିକା ସୁରକ୍ଷାରେ ଏହାର ଭୂମିକା ଉଲ୍ଲେଖଯୋଗ୍ୟ। ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟାତ୍ମକ ମୂଲ୍ୟବୋଧର ପରିପ୍ରକାଶ ମଧ୍ୟ ଜଙ୍ଗଲ ଦ୍ୱାରା ସମ୍ଭବ ହୋଇଥାଏ। ଏବେ କିନ୍ତୁ ଆମମାନଙ୍କ କେତେକ ଅବାଞ୍ଛିତ ପ୍ରଭାବ ବିସ୍ତାର ଏବଂ ପ୍ରାକୃତିକ କାରଣ ଯୋଗୁଁ ପୃଥିବୀର ଏହି ଅମୂଲ୍ୟ ସମ୍ପଦ ଘୋର ବିପର୍ଯ୍ୟୟଗ୍ରସ୍ତ। ଏହି ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ମଧ୍ୟରେ ସର୍ବାଗ୍ରେ ରହିଛି ଜଙ୍ଗଲ ନିଆଁ ବା ବନାଗ୍ନି।

ବନାଗ୍ନି ଏକ ଅନିୟନ୍ତ୍ରିତ ଓ ବିନାଶକାରୀ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ, ଯାହା ଶୀଘ୍ର ବ୍ୟାପିପାରେ, ଦିଗ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିପାରେ ଏବଂ ଉଦ୍ଭିଦ, ବନ୍ୟପ୍ରାଣୀ, ବାସସ୍ଥାନ ଓ ଜୈବ ବିବିଧତାର ପ୍ରଚୁର କ୍ଷତି ଘଟାଏ। ବନାଗ୍ନିର କାରଣ କେତେକାଂଶରେ ପ୍ରାକୃତିକ ଓ କେତେକାଂଶରେ ମନୁଷ୍ୟକୃତ। ବନାଗ୍ନିର ଭୟାବହତା ଓ ବ୍ୟାପକତା ଜଙ୍ଗଲର ଭୂରୂପ ଓ ପାଣିପାଗ ଉପରେ ନିର୍ଭର ହୋଇଥାଏ। ଏହି କାରଣଗୁଡ଼ିକର ପରିବର୍ତ୍ତନ ଯୋଗୁଁ ଭୂମିରେ ନିଆଁ ପୃଷ୍ଠାଗ୍ନିରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ ଏବଂ ପୃଷ୍ଠାଗ୍ନି ଶୀର୍ଷାଗ୍ନିରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ କିମ୍ବା ବିପରୀତ।

ଭୂମିଗତ ନିଆଁ(ଗ୍ରାଉଣ୍ଡ ଫାୟାର) ଜଙ୍ଗଲ ତଳେ ଥିବା ଜୈବିକ ପଦାର୍ଥର ଉପ୍ ସ୍ତର ଯେପରିକି ପିଟ୍, ମୂଳ ଓ ପଚିଯାଇଥିବା ଅଳିଆ ଆବର୍ଜନାରେ ଜଳେ। ଏଗୁଡ଼ିକ ବହୁତ ଧିରେ ଜଳେ ଏବଂ ମାସ ମାସ ଧରି ରହିପାରେ। ତେଣୁ ଚିହ୍ନଟ କରିବା କଷ୍ଟକର ହୋଇପଡ଼େ। ପୃଷ୍ଠଗତ ନିଆଁ(ସରଫେସ୍ ଫାୟାର) ସାଧାରଣ ପ୍ରକାରର। ଜଙ୍ଗଲର ତଳ ଭାଗରେ ଥିବା ପତ୍ର, ଡାଳ, ଛୋଟ ବୁଦା ଭଳି ନିମ୍ନ ଭାଗର ଉଦ୍ଭିଦକୁ ଜାଳି ଭୂମିରେ ବ୍ୟାପିଥାଏ। ଅପରପକ୍ଷରେ ଶୀର୍ଷ ନିଆଁ(କ୍ରାଉନ୍ ଫାୟାର) ସବୁଠାରୁ ବିପଜ୍ଜନକ ଓ ତୀବ୍ର। ଏଥିରେ ଗଛଗୁଡ଼ିକର ଅଗ୍ରଭାଗ ଜଳେ। ପାହାଡ଼ ଢାଲୁରେ ଯଦି ନିଆଁ ତଳକୁ ଖସିବାକୁ ଆରମ୍ଭ କରେ ତେବେ ଏହା ଦ୍ରୁତଗତିରେ ବ୍ୟାପିଥାଏ। ଆଉ ଜଙ୍ଗଲ କାଠରୁ ବାହାରୁଥିବା ରେଜିନ୍ ପଦାର୍ଥ ପ୍ରଚଣ୍ଡ ଭାବରେ ଜଳେ। ପ୍ରାୟତଃ ଏହା ପୃଷ୍ଠ ନିଆଁ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଜ୍ୱଳିତ ହୋଇ ସିଡ଼ି ଇନ୍ଧନ(ଲାଡର ଫୁଏଲ୍) ଉପରେ ଗଡ଼ି ଚାନ୍ଦୁଆ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପହଞ୍ଚିଥାଏ।

ଜଙ୍ଗଲ ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡରେ କିଛି ଅଗ୍ନି ଉଦ୍ଭିଦ(ପାଇରୋଫାଇଟ୍ସ)ର ସକ୍ରିୟ ଭୂମିକା ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ। ଏଗୁଡ଼ିକରେ ଉଚ୍ଚ ଦହନଶୀଳ ପଦାର୍ଥ ଥାଏ, ଯାହା ନିଆଁକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରେ ଏବଂ ପରେ ଶୀଘ୍ର ପୁନର୍ଜନ୍ମ ହୁଏ। ଏଗୁଡ଼ିକ ଶୁଖିଲା ଅଳିଆ ଉତ୍ପାଦନ କରନ୍ତି, ଯାହା ସହଜରେ ଜଳିଥାଏ ଏବଂ ନିଆଁ ବିସ୍ତାର କରିଥାଏ। ନୀଳଗିରି ଭଳି ସକ୍ରିୟ ଅଗ୍ନି ଉଦ୍ଭିଦ ପ୍ରଜାତିର ବୃକ୍ଷ ଅଗ୍ନିର ତୀବ୍ରତା ଏବଂ ପ୍ରସାରକୁ ବୃଦ୍ଧି କରିଥାଏ। ଏହି ସକ୍ରିୟ ପାଇରୋଫାଇଟ୍ସ, ତେଲ ନିର୍ଗତ କରି 'ସିଡ଼ି ଇନ୍ଧନ' ସୃଷ୍ଟି କରେ, ଯାହା ପୃଷ୍ଠ ନିଆଁକୁ ଉଚ୍ଚ ତୀବ୍ରତାଯୁକ୍ତ ଶୀର୍ଷ ଅଗ୍ନିରେ ପରିଣତ କରି ପରିସଂସ୍ଥାକୁ କ୍ଷତି ପହଞ୍ଚାଇଥାଏ। ତୀବ୍ର ଓ ଦ୍ରୁତ ଗତି କରୁଥିବା ନିଆଁ କାଠ ଭିତରେ ଥିବା ଆର୍ଦ୍ରତାକୁ ଉତ୍ତପ୍ତ କରାଏ, ଯାହା ଫଳରେ ବାଷ୍ପ ଜମା ହୁଏ ଆଉ ଗଣ୍ଡି ଫାଟିଯାଏ ଏବଂ ବାଷ୍ପୀଭୂତ ହୋଇ ଜଳିପାରେ। ପ୍ରାୟତଃ ଏହି ଗଛଗୁଡ଼ିକ 'ପେଟ୍ରୋଲ ଗଛ' ଭାବରେ ବିବେଚିତ ହୁଏ।

ପ୍ରାକୃତିକ କାରଣ ମଧ୍ୟରେ ଶୁଷ୍କ ଗଛଲତା ଉପରେ ବଜ୍ରପାତ, ଉଚ୍ଚ ତାପମାତ୍ରା, ଜ୍ୱାଳାମୁଖୀ ଉଦ୍ଗୀରଣ ଏବଂ ସ୍ୱତଃସ୍ଫୂର୍ତ୍ତ ଦହନ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ। ମାନବ ଅସାବଧାନତାରୁ ମଧ୍ୟ ଏହା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥାଏ, ଯେପରିକି କୌଣସି ବର୍ଜ୍ୟ ବା ଭଗ୍ନାବଶେଷରେ ନିଆଁ କିମ୍ବା ବୈଦ୍ୟୁତିକ ତାର ଘର୍ଷଣ ଇତ୍ୟାଦି। ଏହାଛଡ଼ା କୃଷି ପାଇଁ ଜମି ସଫା କରିବାରେ ଅଗ୍ନିର ସହାୟତା ନିଆଯାଏ, ଯାହା ଅନିୟନ୍ତ୍ରିତ ବନାଗ୍ନିରେ ପରିଣତ ହୋଇପାରେ। ମହୁଲ ଫୁଲ ରାତିରେ ଆପେ ଆପେ ଝଡ଼ିଯାଏ। ସଂଗ୍ରହକୁ ସହଜ କରିବା ପାଇଁ ଶୁଖିଲା ପତ୍ରକୁ ଜାଳି ଦେବାର ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତ ରହିଛି, ଯାହା ବନାଗ୍ନି ସୃଷ୍ଟି କରେ। ଏଥିପାଇଁ ଜାଲ ବ୍ୟବହାର ଭଳି ବିକଳ୍ପକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରିବା ଭଲ।

ଜଙ୍ଗଲ ନିଆଁ ବାରମ୍ବାର ଓ ତୀବ୍ରତା ସହ ଘଟିଲେ ପରିବେଶ ଓ ମାନବ ସଭ୍ୟତା ପାଇଁ ପ୍ରଚୁର କ୍ଷତିକାରକ ହୋଇପାରେ। ପ୍ରାଣୀ ସଂଖ୍ୟା ହ୍ରାସ ପାଏ, ପ୍ରବଳ ଉତ୍ତାପ ମାଟିର ଜୈବ ପଦାର୍ଥକୁ ପୋଡ଼ି ଦେଇଥାଏ, ମୃତ୍ତିକା କ୍ଷୟ ଓ ଭୂସ୍ଖଳନର ଆଶଙ୍କା ବୃଦ୍ଧି କରିଥାଏ, ଏହାର ପାଉଁଶ ଜଳପ୍ରତିରୋଧୀ ମାଟି ସ୍ତର ସୃଷ୍ଟି କରେ। ପାଉଁଶରେ ଥିବା ବିଷାକ୍ତ ଯୌଗିକଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରବାହରେ ଜଳର ଗୁଣବତ୍ତା ହ୍ରାସ ପାଏ। ଜଙ୍ଗଲ ନିଆଁ ଓ ଧୂଆଁର ସିଧାସଳଖ ପ୍ରଭାବରେ ଜନଜୀବନ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ, ସମ୍ପତ୍ତି ନଷ୍ଟ ସହ ପ୍ରଦୂଷଣ ବୃଦ୍ଧି ପାଏ।

ତେଣୁ ବନାଗ୍ନିର କାରଣ, ପ୍ରଭାବ ଓ ପ୍ରତିକାରକୁ ଭଲ ଭାବରେ ବୁଝିବା ଏବଂ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ଢଙ୍ଗରେ ପ୍ରଶମନ ରଣନୀତି କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଆମ ଜଙ୍ଗଲକୁ ସୁରକ୍ଷା ଦେବା ଏବଂ କ୍ଷତିକୁ କମ କରିବା ଅତ୍ୟନ୍ତ ଜରୁରୀ। ଅଗ୍ନି ନିର୍ବାପନ କୌଶଳ ଓ ଉପକରଣର ଉପଯୋଗ ଅଧିକ ଜରୁରୀ। ସବୁଠୁ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ସୁରକ୍ଷା ମଧ୍ୟରେ ଗଛକୁ ଏକ ଶ୍ୱାସକ୍ରିୟାଶୀଳ ସାମଗ୍ରୀ ସହିତ ଗୁଡ଼ାଇବାକୁ ପଡ଼ିବ, ଯାହା ଗଛର ଗଣ୍ଡିକୁ ଶୀଘ୍ର ଗରମ ହେବାରେ ରୋକିପାରିବ। ବିଶ୍ୱ ତାପମାତ୍ରା ବୃଦ୍ଧି, ଦୀର୍ଘକାଳୀନ ମରୁଡ଼ି ଏବଂ ଶୁଷ୍କତା ଯୋଗୁଁ ଶୁଷ୍କ ଉଦ୍ଭିଦ ସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ପାଉଛି। ଏଥିପାଇଁ ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ବି ସହଜରେ ଘଟୁଛି। ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ଘଟିଲେ ତୁରନ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟନୁଷ୍ଠାନ ପାଇଁ ତାଲିମପ୍ରାପ୍ତ, ସୁସଜ୍ଜିତ ଅଗ୍ନିଶମ କର୍ମଚାରୀ ନିୟୋଜିତ ରହିବା, ବନାଗ୍ନି ପ୍ରଶମନ ଯୋଜନା ଅଧିକ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ହେବା, ବେଆଇନ୍ ଜଙ୍ଗଲ ପୋଡ଼ିବା ପାଇଁ କଠୋର ଆଇନଗତ ଦଣ୍ଡବିଧାନ, ଉନ୍ନତ ବୈଷୟିକ ଜ୍ଞାନକୌଶଳ, ଉପଗ୍ରହ ସହାୟତାରେ ଜଙ୍ଗଲ ନିଆଁର ପୂର୍ବାନୁମାନ, ନିରୀକ୍ଷଣ, ଉନ୍ନତ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ପ୍ରହରା, ଅତ୍ୟାଧୁନିକ ଟ୍ରାକିଂ, ମ୍ୟାପିଂ ଓ ମନିଟରିଂ ଉପକରଣର ଅଧିକରୁ ଅଧିକ ଉପଯୋଗିତା ପ୍ରତି ଯଥେଷ୍ଟ ଧ୍ୟାନ ଦେବା ଉଚିତ। ଏଥିସହିତ ସମସ୍ତଙ୍କ ସହଯୋଗ ରହିଲେ ଆମେ ଭବିଷ୍ୟତ ପିଢ଼ି ପାଇଁ ଆମର ଜଙ୍ଗଲ ସମ୍ପଦକୁ ସୁରକ୍ଷିତ ରଖିପାରିବା। ●

ଅଧ୍ୟକ୍ଷ (ସେବା ନିବୃତ୍ତ)
ରାୟଗଡ଼, ମୋ: ୮୨୪୯୪୨୫୫୫୧

ସେବା ଓ ସାଧନାର ଅନ୍ତଃସ୍ୱର: କବିଭୂଷଣ ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର

ସାହିତ୍ୟ ସରିତ୍

ପ୍ରଫେସର ମଣୀନ୍ଦ୍ର କୁମାର ମେହେର

ଯେଉଁମାନେ ଦେଶ ଓ ଜାତି ସକାଶେ ଅସାମାନ୍ୟ ତ୍ୟାଗ ସ୍ୱୀକାର କରିଛନ୍ତି 'ସେମାନେ ଆମ ସାହିତ୍ୟ ଜଗତର ଏକ ଏକ ଅନ୍ତର୍ଭେଦୀ ଅନ୍ତଃସ୍ୱର' ବୋଲି ଅଭିହିତ କରିବା ହେବ ସେମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ପ୍ରକୃତ ସମ୍ମାନ। ସମଗ୍ର ଜୀବନ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ଓ ସାହିତ୍ୟର ସେବାରେ ନିଜକୁ ଉତ୍ସର୍ଗ କରିଯାଇଥିବା ସେହିପରି ଏକ ଅନ୍ତଃସଲୀଳା ଫଲଗୁର ପବିତ୍ର ପ୍ରବାହ ହେଉଛନ୍ତି କବିଭୂଷଣ ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର ଦାଶ। ତାଙ୍କ ବ୍ୟାପକ ସାଧନାର କ୍ଷେତ୍ରର ଗୌରବଦୀପ୍ତ ଅବଦାନର ସନ୍ତୋଷଜନକ ଆକଳନ କରିପାରିବା ସାଧ୍ୟାତୀତ ବ୍ୟାପାର। କେତେ ପତ୍ରପତ୍ରିକା ସହ ସେ ଜଡ଼ିତ ନଥିଲେ! ପୁଣି ସମ୍ପାଦନା କ୍ଷେତ୍ରରେ ସୃଷ୍ଟି କରିପାରିଥିଲେ ଅଭିନ୍ନ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତ। କେତେ ଯେ ଗ୍ରନ୍ଥର ରଚୟିତା ସେ! ତାଙ୍କ ଜୀବନର ଏଇ ପ୍ରତିଟି ଦିଗ ହେଉଛି ବିସ୍ମୟକର।

୧୯୧୩ ମସିହାରେ ତାଙ୍କ ସମ୍ପାଦନାରେ ପ୍ରକାଶିତ ହେଲା 'ଉତ୍କଳ ସେବକ'। ଏହା ପରେ 'ସେବା', 'ହୀରାଖଣ୍ଡ', 'ସାଧନା' ଆଦିର ସମ୍ପାଦନାରେ ସେ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିପାରିଛନ୍ତି ସ୍ୱକୀୟ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ପ୍ରତିଭାଦୀପ୍ତ ଚେତନା। ସମ୍ବଲପୁରରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ନବଯୁଗ', ବାମଣ୍ଡାରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ଉପହାର', ବାଲାଙ୍ଗୀରରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ହୀରାଖଣ୍ଡ ସମାଚାର', ବ୍ରହ୍ମପୁରରୁ ପ୍ରକାଶିତ 'ଓଡ଼ିଆ' ଓ 'ନବୀନ' ଆଦି ବହୁ ପତ୍ରପତ୍ରିକା ସହ ସେ ହୋଇଯାଇଥିଲେ କି ନିବିଡ଼ ଭାବରେ ସମ୍ପୃକ୍ତ ତାହା କଳ୍ପନା କଲେ ତାଙ୍କ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନ ଅବଦାନ ଚକିତ କରିଦେଇପାରେ ଯେକୌଣସି ଚିନ୍ତାଶୀଳ ସମୀକ୍ଷକଙ୍କୁ।

ଶିକ୍ଷକତାରୁ ତାଙ୍କ କର୍ମମୟ ଜୀବନର ଆରମ୍ଭ। ସାହିତ୍ୟ ସାଧନା ଓ ଧର୍ମାଲୋଚନାରେ ତାହା ହେଲା ସୁବିକଶିତ। ପତ୍ରିକା ସମ୍ପାଦନାରେ ସାମାଜିକ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତିବଦ୍ଧତା ପରିଗ୍ରହ କଲା ପରିପକ୍ୱ ଓ ପ୍ରୋଜ୍ୱଳ ରୂପ। ପୁଣି ପଣ୍ଡିତ ନୀଳକଣ୍ଠ ଦାସଙ୍କ ପ୍ରେରଣାରେ ସତ୍ୟବାଦୀ ଅନୁରୂପ ଏକ ଜାତୀୟ ଚେତନା ଉଦ୍ରେକକାରୀ ସ୍କୁଲ ସିଏ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ ସମ୍ବଲପୁରରେ। କିନ୍ତୁ କେଉଁ ଅନୁଷ୍ଠାନ, କେଉଁ ପତ୍ରିକା କେତେଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତିଷ୍ଠି ରହିପାରିବ ତାହା କେହି କହିପାରିବା ସମ୍ଭବ ନୁହେଁ। ଯେଉଁ ଉଚ୍ଚ ଆଦର୍ଶ ନେଇ ତାହା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ, ସେଇ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣରୁ ତାହାର ମର୍ଯ୍ୟାଦା ପ୍ରତିପାଦିତ ହେବା ହିଁ ବାସ୍ତବରେ ସେମାନଙ୍କ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ହୋଇପାରେ ଆମର ଯଥୋଚିତ ସମ୍ମାନ।

ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର ଦାଶଙ୍କ ମହନୀୟ ସାଧନାର ଏକ ସମୁଚ୍ଚ ସୋପାନ ହେଲା ଜୀବନକାଳ ମଧ୍ୟରେ ସେ ପ୍ରାୟ ୧୩୫ ଖଣ୍ଡ ଗ୍ରନ୍ଥ ପ୍ରଣୟନ କରିପାରିଛନ୍ତି। ତା' ମଧ୍ୟରେ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ହୋଇ ରହିଛି ଅନ୍ୟ ଭାଷାର ଉଚ୍ଚକୋଟୀର ଗ୍ରନ୍ଥର ସାର୍ଥକ ଅନୁବାଦ। ଆଉ ଶେଷରେ ଆୟୁର୍ବେଦ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ରଚନା କରନ୍ତି 'ବୈଦ୍ୟକଳ୍ପ ଦ୍ରୁମ'। 'ପ୍ରବଚନ-ତରଙ୍ଗ' ନାମକ ପୁସ୍ତକରେ ସଂଗୃହୀତ ହୋଇ ରହିଛି ୩୦୭୪ଟି ପ୍ରବଚନ। ମାତ୍ର ସେସବୁ ଯେ ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସୂର୍ଯ୍ୟାଲୋକ ଦେଖିବାରୁ ରହିଛନ୍ତି ବଞ୍ଚିତ ତାହା ଚିନ୍ତା କଲେ ଆମର ଅକ୍ଷମତା ହିଁ ସ୍ୱତଃ ପ୍ରମାଣିତ ହୋଇଯାଏ। ପ୍ରଫେସର ପ୍ରାଣକୃଷ୍ଣ ପରିଜା ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ଥିବା ବେଳେ କବିଙ୍କ ପ୍ରତିଭାର ଦ୍ୟୁତି ଆବିଷ୍କାର କରିପାରିଥିବା ଏକ୍ଷେତ୍ରରେ ଏକାନ୍ତ ସ୍ମରଣୀୟ। ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର ଦାଶଙ୍କ ଅନୂଦିତ 'ଶଙ୍କରାଚାର୍ଯ୍ୟ ଗ୍ରନ୍ଥାବଳୀ' ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ତରଫରୁ ପ୍ରକାଶିତ ହେବା ଥିଲା ଭବିଷ୍ୟତ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ମଧ୍ୟ ଏକ ଅର୍ଥପୂର୍ଣ୍ଣ ଇଙ୍ଗିତ। ବୀର ସୁରେନ୍ଦ୍ର ସାଏଙ୍କ ଜୀବନୀ, ତୁଳସୀ ଦାସଙ୍କ 'ରାମଚରିତ ମାନସ'ର ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାନ୍ତର, 'ଗାନ୍ଧୀବୋଲି', 'ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ କଥାମୃତ', 'ଜାତୀୟ ସଂଗୀତ' ଆଦିର ଯଶସ୍ୱୀ କବିଙ୍କ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାକୁ ଅବଦାନର ମହତ୍ତ୍ୱ ହୃଦୟଙ୍ଗମ କରିପାରିଥିଲେ ପାଟଣା ମହାରାଜା। ତେଣୁ ତାଙ୍କ ଦରବାରରୁ ସେ 'କବିଭୂଷଣ' ଉପାଧିରେ ବିଭୂଷିତ ହୋଇ ତଦନୁସାରେ ସର୍ବତ୍ର ହୋଇଛନ୍ତି ପୂଜିତ ଓ ସମ୍ମାନିତ। ବୀର ସୁରେନ୍ଦ୍ର ସାଏଙ୍କ ମହାସଂଗ୍ରାମ କବିଭୂଷଣ ଯେପରି ବର୍ଣ୍ଣନା କରିଛନ୍ତି ତାହାକୁ ହିଁ ପ୍ରାମାଣିକ ତଥ୍ୟ ବୋଲି ଗ୍ରହଣ କରିବା ସର୍ବୋତ୍ତମ। ଏପରି ଏକ ଗ୍ରନ୍ଥ ପ୍ରଣୟନ ନିମିତ୍ତ ସେ ଯେଉଁ ଶ୍ରମ ସ୍ୱୀକାର କରିଛନ୍ତି, ପ୍ରତ୍ୟେକ ଜୀବନୀ-ଲେଖକଙ୍କ ପାଇଁ ତାହା ନିଶ୍ଚିତ ଭାବରେ ଅତୁଳନୀୟ ପ୍ରେରଣାର ଏକ ଜ୍ୟୋତିସ୍ତମ୍ଭ।

ସ୍ୱପ୍ନେଶ୍ୱର ଦାଶଙ୍କ ଆବିର୍ଭାବ ବର୍ତ୍ତମାନର ବରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲାରେ। ଅଥଚ ଦିଗବିଦିଗରେ ତାଙ୍କ ଅବିଶ୍ରାନ୍ତ ଯାତ୍ରା କି ରୋମାଞ୍ଚକର। ଏହା ତାଙ୍କ ବିସ୍ତୃତ ଚେତନାର ହିଁ ଏକ ସଂକେତ। କେଉଁ ସୁବିଶାଳ ତେଜର ବିକିରଣକୁ ବା ହୃଦୟରେ ସେ ଧାରଣ କରିନାହାନ୍ତି! ତାଙ୍କ ସାହିତ୍ୟ ଓ ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱର ପୁନଃମନ୍ଥନ ନୂତନ ଶତାବ୍ଦୀର ହେଉଛି ଆନ୍ତରିକ ଆହ୍ୱାନ। ●

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ମୋ: ୭୦୭୭୫୫୩୭୦୭

ଲେଖକ/ଲେଖିକାଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ସୂଚନା

୧. 'ସକାଳ'ର ସମ୍ପାଦକୀୟ ପୃଷ୍ଠା ପାଇଁ ପ୍ରଥମ ଲେଖା ସର୍ବାଧିକ ୯୦୦ ଶବ୍ଦ ଏବଂ ଦ୍ୱିତୀୟ ଲେଖା ସର୍ବାଧିକ ୫୦୦ ଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରେ ସୀମିତ ରଖିବା ବାଞ୍ଛନୀୟ।
୨. ଲେଖା ପ୍ରକାଶନ ସମ୍ପର୍କରେ ସମ୍ପାଦନା ମଣ୍ଡଳିର ନିଷ୍ପତ୍ତି ଚୂଡ଼ାନ୍ତ। ଲେଖାର କେବଳ ସମ୍ପାଦିତ ଅଂଶ ହିଁ ପ୍ରକାଶିତ ହେବ।
୩. 'ସକାଳ'କୁ ପଠାଇଥିବା ସମାନ ଲେଖା ଏକାଧିକ ଖବରକାଗଜ/ପତ୍ରପତ୍ରିକାରେ ପ୍ରକାଶିତ ହେଲେ ଏବଂ ଅତୀତରେ ପ୍ରକାଶିତ ଲେଖାକୁ ପୁଣି ଥରେ ପଠାଇବା ଜଣାପଡ଼ିଲେ ଭବିଷ୍ୟତରେ ସମ୍ପୃକ୍ତ ଲେଖକ/ଲେଖିକାଙ୍କ ଲେଖା ଆଉ ବିଚାରକୁ ନିଆଯିବ ନାହିଁ।
୪. ଲେଖା ପଠାଇବାର ୭ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରକାଶିତ ନ ହେଲେ ଲେଖକ/ଲେଖିକା ତାହାକୁ ଅନ୍ୟ ଖବରକାଗଜ/ପତ୍ରପତ୍ରିକାକୁ ପଠାଇ ପାରିବେ।
୫. ସାମ୍ପ୍ରଦାୟିକ ଉତ୍ତେଜନା ସୃଷ୍ଟିକାରୀ, ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଆକ୍ରୋଶମୂଳକ ଓ ପ୍ରଶଂସାସୂଚକ ଲେଖା ପ୍ରକାଶିତ ହେବ ନାହିଁ। ପ୍ରସଙ୍ଗଭିତ୍ତିକ, ସୁସ୍ଥ ଓ ବୌଦ୍ଧିକ ସମାଲୋଚନାମୂଳକ ଲେଖାକୁ ଅଗ୍ରାଧିକାର ଦିଆଯିବ।
୬. ଲେଖା ପ୍ରକାଶନର ଅନ୍ତର ଅନ୍ୟୁନ ୧୫ ଦିନ ରହିବ।
୭. 'ସକାଳ' ଓଡ଼ିଶାର ବୃହତ୍ ପାଠକବର୍ଗଙ୍କର। ସେମାନଙ୍କ ରୁଚି, ଆଗ୍ରହ ଓ ଚାହିଦାକୁ ସମ୍ମାନ ଜଣାଇବା ଆମ ସମସ୍ତଙ୍କର କର୍ତ୍ତବ୍ୟ। ଏହାକୁ ହୃଦୟଙ୍ଗମ କରି ଉପରୋକ୍ତ ମାର୍ଗଦର୍ଶିକାକୁ ସଯତ୍ନ ଅନୁପାଳନ ପାଇଁ ଲେଖକ/ଲେଖିକାଙ୍କୁ ପୁଣି ଥରେ ବିନମ୍ର ଓ ସଶ୍ରଦ୍ଧ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ସମ୍ପାଦକ

ଦୈନିକ 'ସକାଳ' ଓ ଏହାର ବିଶେଷ ଅଧିପତ୍ର, ପତ୍ରିକା ଆଦିରେ ପ୍ରକାଶିତ ଆଲେଖ୍ୟର ଉଦ୍ଧୃତି, ତଥ୍ୟ, ମତାମତ, ବିଶ୍ଳେଷଣ ସମ୍ପୃକ୍ତ ଲେଖକଙ୍କ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିଜସ୍ୱ। ସେଥିପାଇଁ 'ସକାଳ' କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ଉତ୍ତରଦାୟୀ ହେବେ ନାହିଁ।

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପଦକୁ ନେଇ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ଛକାପଞ୍ଝା

କୋଲକାତା, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ବିଜେପିର ଐତିହାସିକ ବିଜୟ ପରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଚୟନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଛି । ଆସନ୍ତା ୮ ତାରିଖରେ ନବନିର୍ବାଚିତ ବିଧାୟକ ଦଳ ବୈଠକରେ ନେତା ନିର୍ବାଚିତ ହେବେ ଏବଂ ୯ ତାରିଖେରେ ନୂଆ ସରକାର ଶପଥ ଗ୍ରହଣ କରିବ । ବିଜେପି ନେତା ତଥା ସ୍ୱରାଷ୍ଟ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ଅମିତ ଶାହ କୋଲକାତାରେ ରହି ବିଚାରବିମର୍ଶ ଚଳାଇଛନ୍ତି । ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପଦ ଲାଗି ଅନେକ ନେତାଙ୍କ ନାମକୁ ନେଇ ଚର୍ଚ୍ଚା ଚାଲିଥିବା ବେଳେ ଏହା ଆସନ୍ତା ୮ ତାରିଖରେ ହିଁ ସ୍ପଷ୍ଟ ହେବ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି । ସେପଟେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପଦରୁ ଇସ୍ତଫା ଦେବାକୁ ମନା କରିଥିବା ମମତା ବାନାର୍ଜୀ କହିଛନ୍ତି ଯେ ରାଜ୍ୟପାଳ ଚାହିଁଲେ ତାଙ୍କୁ ବରଖାସ୍ତ କରିପାରନ୍ତି । କିନ୍ତୁ ସେ ଇସ୍ତଫା ଦେବେନାହିଁ । ନିର୍ବାଚନରେ ଭୀଷଣ ଅନିୟମିତତା ହୋଇଥିବାରୁ ଫଳାଫଳକୁ ବେଆଇନ ଦର୍ଶାଇ ଏହା ବିରୋଧରେ ସୁପ୍ରିମ କୋର୍ଟ ଯିବେ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି ମମତା । ସୁପ୍ରିମ କୋର୍ଟରେ ସେ ନିଜେ ଲଢ଼ିବେ ବୋଲି ଘୋଷଣା କରିଛନ୍ତି ।

ସ୍ପଷ୍ଟ କଲା ରେଳ ବିଭାଗ

ସାଉଥ୍ କୋଷ୍ଟ ରେଲୱେ ଯୋଗୁ ଓଡ଼ିଶାର କିଛି ହରାଇବାର ନାହିଁ

- ଆନ୍ଧ୍ରର ଶ୍ରୀକାକୁଲମ ଜିଲ୍ଲାରେ ପଲାସା-ଇଛାପୁରମ୍ ରୁଟ୍‌ର ୭ଟି ଷ୍ଟେସନ ରହିଛି, ଓଡ଼ିଶାର କିଛି କ୍ଷତି ନାହିଁ
- ୱାଲଟିୟର ଡିଭିଜନ୍‌ର ୬୯୬ କିଲୋମିଟର ରୁଟ୍ ରାୟଗଡା ଡିଭିଜନ ଅଧିନରେ ରହିବ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିସ): ନୂଆ କରି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିବା ସାଉଥ କୋଷ୍ଟ ରେଲୱେ ଯୋଗୁ ଓଡ଼ିଶାର ଅନେକ କ୍ଷତି ହେଉଛି ବୋଲି ବିଭିନ୍ନ ମହଲରେ ଆଶଙ୍କା ପ୍ରକାଶ ପାଉଛି । ତେବେ ଏଭଳି ଆଶଙ୍କାକୁ ଖଣ୍ଡନ କରିଛି ରେଳ ବିଭାଗ । ଏପରିକି ଏଭଳି ତଥ୍ୟକୁ ଭ୍ରମାତ୍ମକ ଓ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ପ୍ରଣୋଦିତ ବୋଲି ରେଳ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ପାଲଟା ସ୍ପଷ୍ଟୀକରଣ ଦିଆଯାଇଛି ।

ସୂଚନା ଯୋଗ୍ୟ ଯେ ନୂଆକରି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିବା ସାଉଥକୋଷ୍ଟ ରେଲୱେର ବିଶାଖାପାଟଣା ଡିଭିଜନରେ ପଲାସାରୁ ଇଛାପୁରମ୍ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ୫୩ କିଲୋମିଟର ରୁଟ୍‌ର ୭ଟି ଯାକ ଷ୍ଟେସନ ଆନ୍ଧ୍ରପ୍ରଦେଶର ଶ୍ରୀକାକୁଲମ୍ ଜିଲ୍ଲାରେ ରହିଛି । ଏହି ଷ୍ଟେସନ ଗୁଡିକ ହେଉଛି ପଲାସା, ସୁମାଦେବୀ, ମଣ୍ଡାସା ରୋଡ୍, ବାରୁଭା, ସୋମପେଟା, ଝାଡୁପୁଡି ଏବଂ ଇଛାପୁରମ୍ । ଏହାଦ୍ୱାରା ଓଡ଼ିଶାର କୌଣସି ଅଞ୍ଚଳ ଆନ୍ଧ୍ରକୁ ଯାଉନାହିଁ । ତେଣୁ ଓଡ଼ିଶାର କ୍ଷତି ହେଉଥିବା ପ୍ରଚାର ତଥ୍ୟଗତ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଭ୍ରମାତ୍ମକ । କୋରାପୁଟ୍-ସିଂଗାପୁର ରୋଡ, କୋଟାଭଲାସା-କିରାଣ୍ଡୁଲ୍ଲ, କୁନେରୁ-ଥେରୁବାଲି ଏବଂ ଗୁଣୁପୁର-ପାରଳାଖେମୁଣ୍ଡି ସେକ୍ସନର ୬୯୬ କିଲୋମିଟର ଇଷ୍ଟକୋଷ୍ଟ ରେଲୱେ ଅଧୀନରେ ଥିବା ନୂଆ ରାୟଗଡା ଡିଭିଜନ ଅଧୀନରେ ରହିବ । ତେଣୁ କୌଣସି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଓଡ଼ିଶାର କୌଣସି ଅଞ୍ଚଳ ଆନ୍ଧ୍ରପ୍ରଦେଶ ଅଧୀନକୁ ଯାଉନାହିଁ । ଏଭଳି ସନ୍ଦେହ ଅମୂଳକ ଏବଂ ଏଭଳି ଭ୍ରମାତ୍ମକ ତଥ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରି ଜନସାଧାରଣଙ୍କୁ ବିଭ୍ରାନ୍ତ ନ କରିବା ପାଇଁ ରେଳ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ଅନୁରୋଧ କରାଯାଇଛି ।

NOTICE

By virtue of an affidavit sworn before the Notary Public, Cuttack, dated 05.05.2026 I Batakrushna Sahoo S/o. Achhuti Sahoo resident of At- Aenda, P.O- Sukarapada, Dist- Cuttack, Odisha, Pin- 754209 have changed my name from Babaji Charan Sahoo to Batakrushna Sahoo. Henceforth, I shall be known as **Batakrushna Sahoo** for all purposes.

Bata krushna sahoo

ତୃତୀୟ ପୃଷ୍ଠାର ଅବଶିଷ୍ଟାଂଶ

ଶୁଭେନ୍ଦୁଙ୍କ ପିଏଙ୍କୁ...

ଭିତରେ ଏଭଳି ହିଂସାକାଣ୍ଡରେ ୫ ଜଣ ନିହତ ହୋଇଛନ୍ତି । ଆକ୍ରମଣକାରୀ ପୁଲିସକୁ ମଧ୍ୟ ଛାଡୁ ନାହାନ୍ତି । ସେମାନେ ପୁଲିସ ଉପରକୁ ମଧ୍ୟ ଗୁଳିମାଡ଼ କରୁଛନ୍ତି । ବିଜେପିର ବିପୁଳ ବିଜୟ ପରେ ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସ (ଟିଏମ୍‌ସି) କର୍ମୀଙ୍କୁ ଟାର୍ଗେଟ୍ କରାଯାଉଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି । କୋଲକାତାର ବେଲିଆଘାଟା ଅଞ୍ଚଳରେ ବିଶ୍ୱଜିତ ପଟ୍ଟନାୟକ ନାମକ ଜଣେ ଟିଏମ୍‌ସି କର୍ମୀଙ୍କ ମୃତଦେହ ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇଛି । ସେହିଭଳି ବୀରଭୂମର ନାନୁର ଅଞ୍ଚଳରେ ମଧ୍ୟ ଜଣେ ଟିଏମ୍‌ସି କର୍ମୀଙ୍କୁ ହତ୍ୟା କରାଯାଇଥିବା ଦଳ ପକ୍ଷରୁ ଦାବି କରାଯାଇଛି । ଟଲିଗଞ୍ଜ ଏବଂ କସବା ଅଞ୍ଚଳରେ ଥିବା ତୃଣମୂଳ କଂଗ୍ରେସ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟଗୁଡ଼ିକୁ ଭଙ୍ଗାରୁଜା କରିବା ସହ ନିଆଁ ଲଗାଇ ଦିଆଯାଇଛି । ହାଓଡ଼ା, ମୁର୍ଶିଦାବାଦ, ବାରୁଇପୁର ଏବଂ କମରହାଟୀ ଭଳି ସ୍ଥାନରେ ହିଂସାକାଣ୍ଡ ଘଟିଛି । ସୋସିଆଲ ମିଡିଆରେ ଭାଇରାଲ ହେଉଥିବା ଭିଡିଓରେ ଲୋକଙ୍କୁ ବାଡ଼ି ଓ ଲାଠିରେ ଗୋଡ଼ାଇ ପିଟାଯାଉଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳୁଛି । ଟିଏମ୍‌ସି ଏହି ଘଟଣାଗୁଡ଼ିକୁ "ମଧ୍ୟଯୁଗୀୟ ବର୍ବରତା' ବୋଲି କହିଛି । ବିଜେପି ନେତୃତ୍ୱ ଶାନ୍ତି ରକ୍ଷା ପାଇଁ ଅପିଲ୍ କରିଥିଲେ ହେଁ, ସେମାନଙ୍କ ସମର୍ଥକମାନେ ହିଂସାରେ ସାମିଲ ଥିବା ନେଇ ଅଭିଯୋଗ ହେଉଛି । ବଙ୍ଗଳାରେ ସତ୍ତା ପରିବର୍ତ୍ତନ ସହ ରାଜନୈତିକ ହିଂସା ଏବେ ଚିନ୍ତାର ବିଷୟ ପାଲଟିଛି, ଯେଉଁଥିରେ ସାଧାରଣ କର୍ମୀମାନେ ବଳି ପଡୁଛନ୍ତି ।

ପୋଲିସ ସୂଚନା ଅନୁସାରେ, ଏପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ୨ ଜଣଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ୪୩୩ ଜଣଙ୍କୁ ଗିରଫ କରାଗଲାଣି । ବିଜେପି କହିଛି ଯେ ହିଂସାରେ ଏହାର କୌଣସି ହାତ ନାହିଁ । ଟିଏମ୍‌ସିର କର୍ମକର୍ତ୍ତାମାନେ ବିଜେପି କର୍ମୀଙ୍କ ଛଦ୍ମବେଶ ।।ରେ ଅରାଜକତା ସୃଷ୍ଟି କରୁଛନ୍ତି । ଗଣ୍ଡଗୋଳକାରୀଙ୍କ ବିରୋଧରେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ପାଇଁ ପାର୍ଟି ଦାବି କରିଛି । ଇତିମଧ୍ୟରେ ମୁଖ୍ୟ ନିର୍ବାଚନ କମିସନର ଜ୍ଞାନେଶ କୁମାର ହିଂସାକାଣ୍ଡରେ ଜଡ଼ିତ ସମସ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ ତୁରନ୍ତ ଗିରଫ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି ।

ଅପରାଧୀଙ୍କ ଆଗରେ...

ଏଭଳି ଘଟଣାର ପୁନରାବୃତ୍ତି ନହେବ, ସେଥିପାଇଁ ନବୀନ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ହସ୍ତକ୍ଷେପ ଲୋଡ଼ିଛନ୍ତି । ଏହାସହ ନବୀନ ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମ ଏକ୍ସରେ ମଧ୍ୟ କ୍ଷୋଭ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି । ଏପରି ନାରକୀୟ କାଣ୍ଡ ବାରମ୍ବାର ଘଟୁଥିଲେ ବି ପୁଲିସ ପ୍ରଶାସନ, ଆଇନର ବ୍ୟବସ୍ଥା କ'ଣ କରୁଛି? ଅପରାଧୀଙ୍କ ଆଗରେ ଓଡ଼ିଶାର ଶାସନ ବ୍ୟବସ୍ଥା କାହିଁକି ଏତେ ଅସହାୟ ହୋଇପଡୁଛି? ଆଇନଶୃଙ୍ଖଳା ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ କଡ଼ାକଡ଼ି ଲାଗୁ କରିବାରେ ସରକାର କାହିଁକି ପଛଘୁଞ୍ଚା ଦେଉଛନ୍ତି ବୋଲି ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛନ୍ତି ନବୀନ ।

ବନ୍ଦରଭିତ୍ତିକ ବିକାଶ...

ହାସଲ କରିପାରିବ, ସେଥିପାଇଁ ସନ୍ତୁଳିତ ଉପକୂଳ ବିକାଶ ଅପରିହାର୍ଯ୍ୟ ବୋଲି ଉଲ୍ଲେଖ କରି ଓଡିଶାକୁ ଦେଶର ପରବର୍ତ୍ତୀ ଶିଳ୍ପ ଅଭିବୃଦ୍ଧିର ପ୍ରବେଶପଥ ରୂପେ ଦର୍ଶାଇଛନ୍ତି । ଏହି ଅବସରରେ ଦକ୍ଷିଣ-ପୂର୍ବ ଏସିଆ, ପୂର୍ବ ଏସିଆ ଏବଂ ଇଣ୍ଡୋ-ପାସିଫିକ ଅଞ୍ଚଳ ସହିତ ଓଡିଶାର ସାମୁଦ୍ରିକ ବାଣିଜ୍ୟର ବିକାଶ ଉପରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଛନ୍ତି । ବର୍ତ୍ତମାନ ସୁଦ୍ଧା ୮.୩୭ କୋଟି ଟଙ୍କାର ୪୩୩ ନିବେଶ ପ୍ରସ୍ତାବକୁ ଓଡ଼ିଶା ସରକାର ଅନୁମୋଦନ କରିଥିବା ଉଲ୍ଲେଖ କରି ୨.୮୬ ଲକ୍ଷ କୋଟି ଟଙ୍କାର ୧୪୮ଟି ପ୍ରକଳ୍ପର କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ କହିଛନ୍ତି । ଏହି ଅବସରରେ ଶିଳ୍ପ ମନ୍ତ୍ରୀ ସମ୍ପଦ ଚନ୍ଦ୍ର ସ୍ୱାଇଁ କହିଛନ୍ତି ଯେ ପାରାଦୀପ କିଭଳି ଓଡିଶାର ଅର୍ଥନୈତିକ ଅଭିବୃଦ୍ଧିରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣିଛି ତାହା ମୁଁ ନିଜେ ଦେଖିଛି । ଆଜି ଆମେ ସେହି ମୂଳଦୁଆ ଉପରେ ବନ୍ଦର-ଭିତ୍ତିକ ଶିଳ୍ପାୟନର ଏକ ନୂତନ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ଆରମ୍ଭ କରୁଛୁ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି । ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଶିଳ୍ପ ବିଭାଗର ଅତିରିକ୍ତ ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସଚିବ ହେମନ୍ତ ଶର୍ମା ଏବଂ ଅନ୍ୟ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀମାନେ ଏହି ଗସ୍ତରେ ସାମିଲ ହୋଇଛନ୍ତି ।

ନାତୁଣୀ ସହ...

ଯାଇଥିବା ସାଇକଲ, ପ୍ଲାଇ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଦହନଶୀଳ ସାମଗ୍ରୀକୁ ବ୍ୟାପିଥିଲା । ନିଆଁର ପ୍ରକୋପ ଏତେ ଥିଲା ଯେ ବିଶ୍ୱନାଥଙ୍କ ଘର ଭିତରେ ଥିବା ସୋଫା, ଗଦିର ପଲିଥିନ ଓ ପ୍ଲାଷ୍ଟିକ ସାମଗ୍ରୀ ତରଳି ଯାଇଥିଲା । ଘର ଭିତରେ ମଧ୍ୟ କିଛିମାତ୍ରାର ନିଆଁ ଲାଗି ଯାଇଥିଲା । ଘର ଭିତର ତାପମାତ୍ରା ବଢ଼ିଯିବା ସହ ଧୂଆଁମୟ ହୋଇଯିବା ପରେ ଅଣନିଃଶ୍ୱାସୀ ହୋଇ ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ସୁଲଭା ନିଦରୁ ଉଠି ପଡ଼ିଥିଲେ । ଘରେ ନିଆଁ ଲାଗିଥିବା ଦେଖି ନାତୁଣୀକୁ ଧରି ବାହାରକୁ ଯିବାକୁ ଉଦ୍ୟମ କରୁଥିବା ବେଳେ ଦୁଆର ମୁହଁରେ ଲାଗିଥିବା ନିଆଁରେ ପଡ଼ି ଯାଇଥିଲେ । ଶରୀରରେ ନିଆଁ ଲାଗିବା ସହ ସେମାନେ ଅଣନିଶ୍ୱାସୀ ହୋଇ ଯାଇଥିଲେ । ଅର୍ଦ୍ଧଦଗ୍ଧ ଅବସ୍ଥାରେ ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ତାଙ୍କ ପତ୍ନୀ ନାତୁଣୀକୁ ଧରି ଜୀବନ ବଞ୍ଚାଇବାକୁ ବହୁ କଷ୍ଟରେ ଉପର ମହଲାକୁ ଉଠି ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟର ଫ୍ଲାଟରେ ରହୁଥିବା ବାବୁମାନଙ୍କ କବାଟ ବାଡ଼େଇ ଥିଲେ । ହେଲେ କେହି ତାଙ୍କ ସ୍ୱର ଶୁଣି ପାରି ନ ଥିଲେ । ସେପଟେ ପାଖ ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟ ଲୋକଙ୍କଠାରୁ ଖବରପାଇ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀର କର୍ମଚାରୀମାନେ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିଥିଲେ । ସେତେବେଳକୁ ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ସୁଲଭା ଚେତାଶୂନ୍ୟ ହୋଇ ପଡ଼ିଥିବାବେଳେ ତେଜସ୍ୱିନୀ ଚିତ୍କାର କରୁଥିଲେ । ଚିତ୍କାର ଶୁଣି ଅଗ୍ନିଶମ କର୍ମଚାରୀମାନେ ଉପର ମହଲାରୁ ୩ ଜଣଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରି ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଯୋଗେ କ୍ୟାପିଟାଲ ହସ୍ପିଟାଲକୁ ପଠାଇଥିଲେ । ସେଠାରେ ଡାକ୍ତର ବିଶ୍ୱନାଥ ଓ ସୁଲଭାଙ୍କୁ ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିବା ବେଳେ ତେଜସ୍ୱିନୀକୁ ଉନ୍ନତ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ କଟକ ବଡ଼ ଡାକ୍ତରଖାନାକୁ ସ୍ଥାନାନ୍ତର କରିଥିଲେ । ହେଲେ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ତେଜସ୍ୱିନୀ ମଧ୍ୟ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିଲେ । ଭୁବନେଶ୍ୱର ଓ କଳ୍ପନା ଫାୟାର ଷ୍ଟେସନ କର୍ମଚାରୀମାନେ ନିଆଁକୁ ଆୟତ୍ତ କରିଥିଲେ । ଆପାର୍ଟମେଣ୍ଟରେ ଅଗ୍ନି ନିରାପତ୍ତା ବ୍ୟବସ୍ଥା ନ ଥିବା ଅଗ୍ନିକାଣ୍ଡ ପରେ ଜଣାପଡ଼ିଛି । ଲକ୍ଷ୍ମୀସାଗର ଥାନା ପୁଲିସ ଏକ ଅପମୃତ୍ୟୁ ମାମଲା ରୁଜୁ କରିବା ସହ ମୃତଦେହ ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ କରି ପରିବାର ଲୋକଙ୍କୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରିଛି ।

୨୦୦ ଟଙ୍କା ବଢ଼ିପାରେ...

ତିନି ବର୍ଷର ସର୍ବୋଚ୍ଚ ସ୍ତରରେ ପହଞ୍ଚିଛି । ଏପରିସ୍ଥିତିରେ ଦେଶରେ ଏଲ୍‌ପିଜି ସିଲିଣ୍ଡର ବୃଦ୍ଧି ଘଟିବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି । ଚଳିତବର୍ଷ ଏପ୍ରିଲରେ ସ୍ପଟ୍ ବଜାରରେ ଏଲ୍‌ଏନ୍‌ଜି ମୂଲ୍ୟ ପ୍ରତି ଏମ୍‌ଏମ୍‌ବିଟିୟୁ ୧୭-୧୮ ଡଲାର ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି, ଯାହା ପଶ୍ଚିମ ଏସୀୟ ସଂଘର୍ଷ ପୂର୍ବରୁ ୧-୧୧ ଡଲାର ରହିଥିଲା । ଏହି ମୂଲ୍ୟ ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଯୋଗାଣ ଅଭାବ ଭାରତରେ ରନ୍ଧନ ଗ୍ୟାସ୍ ବ୍ୟବହାରକୁ ସିଧାସଳଖ ପ୍ରଭାବିତ କରିଛି । ଯାହାର ଉଦାହରଣ ହେଉଛି, ମାର୍ଚ୍ଚ ମାସରେ ଦେଶରେ ଗ୍ୟାସ୍ ଚାହିଦା ବାର୍ଷିକ ଭିତ୍ତିରେ ୧୫% ହ୍ରାସ ପାଇଛି, ଯେତେବେଳେ କି ମାସିକ ଆଧାରରେ ଚାହିଦା ୨୦% କମିଛି । ଏଲ୍‌ଏନ୍‌ଜି ଆମଦାନୀ ମଧ୍ୟ ୩୪% ହ୍ରାସ ପାଇଛି । କାତାରର ଦୀର୍ଘକାଳୀନ ଚୁକ୍ତିନାମା ଉପରେ କଟକଣା ଲାଗୁ ହେବା ଦ୍ୱାରା ବିଶ୍ୱ ବଜାରରେ ପ୍ରତି ମାସରେ ୬ ରୁ ୮ ନିୟୁତ ଟନ୍ ଏଲ୍‌ଏନ୍‌ଜି ଅଭାବ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି । ଅପରପକ୍ଷେ ୟୁରୋପର ଗ୍ୟାସ ଭଣ୍ଡାର ୩୨%ର ସର୍ବନିମ୍ନ ସ୍ତରରେ ପହଞ୍ଚିଛି । ଫଳସ୍ୱରୂପ, ଦେଶରେ ଘରୋଇ ସିଲିଣ୍ଡର ମୂଲ୍ୟ ମଧ୍ୟ ବୃଦ୍ଧି ହେବାର ବୋଲି ଆଶଙ୍କା ରହିଛି । ତଥାପି, ସରକାର ବର୍ତ୍ତମାନ ଗ୍ୟାସ୍ ମୂଲ୍ୟରେ କୌଣସି ବୃଦ୍ଧିକୁ ଅସ୍ୱୀକାର କରିଛନ୍ତି ।

ସଂଖ୍ୟାରେ ...

କହିଛି ଯେ କୌଣସି ବି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଟିଭିକେକୁ ସମର୍ଥନ ଦିଆଯିବ ନାହିଁ । ତେବେ ଦଳ ଭିତରେ ଏହାକୁ ନେଇ ଗୁରୁତର ମତଭେଦ ଦେଖାଦେଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି । ଅନ୍ୟ ଏକ ଅସମର୍ଥିତ ସୂତ୍ରରୁ ଖବର ମିଳିଛି ଯେ ସରକାର ଗଠନ ପାଇଁ ଡିଏମ୍‌କେ ଏବଂ ଆନ୍ନାଡିଏମ୍‌କେ ହାତ ମିଳାଇପାରନ୍ତି । ଇତିମଧ୍ୟରେ ଖବର ମିଳିଛି ଯେ, ମିଳିତ ସରକାର ଗଠନ ପାଇଁ ଉଦ୍ୟମ ଆରମ୍ଭ କରିଛନ୍ତି ଆନ୍ନାଡିଏମ୍‌କେ ଓ ଡିଏମ୍‌କେ । ଦୁଇ ଦଳର ନେତାମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏ ନେଇ ଗୁପ୍ତ ଆଲୋଚନା ଚାଲିଛି । ନିର୍ବାଚନରେ ଡିଏମ୍‌କେକୁ ୫୯ ଏବଂ ଆନ୍ନାଡିଏମ୍‌କେକୁ ୪୭ ଆସନ ମିଳିଛି । ତେବେ ଏହି ଗୁପ୍ତ ଆଲୋଚନା ସମ୍ପର୍କରେ କୌଣସି ଦଳ ମୁହଁ ଖୋଲୁନାହାନ୍ତି ।

୮ ଘଣ୍ଟା ପରେ...

ସହଯୋଗୀମାନେ ଅନେକ ଚେଷ୍ଟା କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ତାକୁ ବାହାର କରିବାରେ ବିଫଳ ହୋଇଥିଲେ । ଖବର ପାଇ ଓଡ଼ଗାଁ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚି ଉଦ୍ଧାର କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ । ପରେ ନୟାଗଡ଼ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ମଧ୍ୟ ପହଞ୍ଚି ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ । କିନ୍ତୁ ଆବଶ୍ୟକ ସରଞ୍ଜାମ ଅଭାବ ହେତୁ ଭୁବନେଶ୍ୱରରୁ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଉଦ୍ଧାରକାରୀ ଦଳକୁ ଡକାଯାଇଥିଲା । ଅପରାହ୍ନ ୩ଟାରେ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଟିମ୍ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ଉଦ୍ଧାର ଅଭିଯାନକୁ ଜୋରଦାର କରାଯାଇଥିଲା । ଦୀର୍ଘ ୮ ଘଣ୍ଟାର ଅପରେସନ ପରେ ଅପରାହ୍ନ ପ୍ରାୟ ସାଢ଼େ ୪ଟା ଟାରେ ଶିବୁକୁ ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବେ ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇଛି । ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଅପରେସନ ସମୟରେ ଶିବୁ ଅସାଧାରଣ ଧୈର୍ଯ୍ୟ ଦେଖାଇ ଉଦ୍ଧାରକାରୀ ଦଳକୁ ସହଯୋଗ କରିଥିଲା । "ଅପରେସନ ଶିବୁ' ସଫଳ ହେବା ଖବର ପାଇ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ଡିଜି ଡ. ସୁଧାଂଶୁ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ ଓଡ଼ଗାଁ ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ କେନ୍ଦ୍ରରେ ପହଞ୍ଚି ଶିବୁକୁ ଭେଟିବା ସହ ତା' ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟାବସ୍ଥା ସମ୍ପର୍କରେ ଡାକ୍ତରଙ୍କଠାରୁ ସୂଚନା ନେଇଥିଲେ । ଏହି ସଫଳ ଉଦ୍ଧାର ଅଭିଯାନ ପାଇଁ ସେ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀଙ୍କୁ ଅଭିନନ୍ଦନ ଜଣାଇବା ସହ ସମ୍ପୃକ୍ତ ଟିମ୍‌କୁ ପୁରସ୍କୃତ କରାଯିବ ବୋଲି କହିଥିଲେ । ଅନ୍ୟପଟେ ଶିବୁର ସାହସ ଓ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀର ତତ୍ପରତାକୁ ସବୁମହଲରେ ପ୍ରଶଂସା କରାଯାଇଛି । ଉଦ୍ଧାର କାର୍ଯ୍ୟ ବେଳେ ବ୍ଲକ୍ ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ ଓଡ଼ଗାଁ ତହସିଲ୍‌ଦାର ଡ. ମାନସ ରଞ୍ଜନ ଭୋଇ, ଶରଧାପୁର ଆର୍‌ଆଇ ଅଜିତ୍ କୁମାର ଡାକୁଆ, ଓଡ଼ଗାଁ ଥାନା ଆଇଆଇସି ସତ୍ୟନାରାୟଣ ବାରିକ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ । ସୂଚନାଯୋଗ୍ୟ ଶିବୁର ବାପା ପରିବାରକୁ ଛାଡ଼ି ଦୀର୍ଘଦିନ ଧରି କେଉଁଆଡ଼େ ଚାଲିଯାଇଛନ୍ତି ।

ନୟାଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲା ଓଡ଼ଗାଁ କାଣିପଦା ଜଙ୍ଗଲରେ ପଥର ସନ୍ଧିରେ ଫସି ରହିଥିବା ଶିଶୁଟିକୁ ସୁରକ୍ଷିତ ଉଦ୍ଧାର କରିଥିବା ସମସ୍ତ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ମୋର ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଉଛି । ସଭିଙ୍କ ସମୟୋଚିତ ପ୍ରୟାସ ଏବଂ ନିଷ୍ଠା ଶିଶୁଟିର ଜୀବନ ବଞ୍ଚାଇପାରିଛି । ଏପରି କାର୍ଯ୍ୟ ଓଡ଼ିଶା ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀଙ୍କ ଅସୀମ ଦକ୍ଷତାର ନିଦର୍ଶନ ।

ସର୍ବସାଧାରଣ ବିଜ୍ଞପ୍ତି

ମୋର ମାତା ଶ୍ରୀମତୀ ପଙ୍କଜିନୀ ପଣ୍ଡାଙ୍କର ୭ ଅକ୍ଟୋବର ୨୦୨୦ ତାରିଖରେ ତାଙ୍କର ବାସସ୍ଥାନ ରାମଜୀ ମନ୍ଦିର, ବାଲିବନ୍ଧା, ସମ୍ବଲପୁରରେ ଦେହାନ୍ତ ଘଟିଥିଲା । ତାଙ୍କ ନାମରେ ଏମ୍ଆରଜି ଅଲ୍ଟିମସ ପ୍ରୋଜେକ୍ଟ, ସେକ୍ଟର-୯୦, ଗୁରୁଗ୍ରାମ, ହରିୟାଣା ରେ ଥିବା ଏଫର୍ଡେବଲ୍ ୟୁନିଟ୍ ନଂ. ଏ୩-୧୦୨ ରହିଛି । ମୁଁ ଆନନ୍ଦ ବର୍ଦ୍ଧନ ପଣ୍ଡା, ପଙ୍କଜିନୀ ପଣ୍ଡାଙ୍କ ପୁତ୍ର, ଏହି ଉକ୍ତ ଫ୍ଲାଟ ବିରୁଦ୍ଧରେ ଏଚ୍‌ଡିଏଫ୍‌ସି ବ୍ୟାଙ୍କ ଠାରୁ ଋଣ ଗ୍ରହଣ କରିଛି ଏବଂ ନିୟମିତ କିସ୍ତି ଓ ବିଲ୍ଡରଙ୍କର ବକେୟା ରାଶି ପରିଶୋଧ କରିସାରିଛି । ବର୍ତ୍ତମାନ ମୁଁ ଏହି ୟୁନିଟ୍ ର ମାଲିକାନା ମୋର ନାମକୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରୁଛି । ଏହା ସମ୍ବନ୍ଧରେ କାହାରି କୌଣସି ଆପତ୍ତି ଥିଲେ, ଆଜିର ତାରିଖରୁ ୩୦ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ନିକଟସ୍ଥ ପୋଲିସଥାନାରେ ଅବଗତ କରିବେ ।

ଆନନ୍ଦ ବର୍ଦ୍ଧନ ପଣ୍ଡା, ମାତା - ପଙ୍କଜିନୀ ପଣ୍ଡା

ଉପ-ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ : କେନ୍ଦୁଝର

ପତ୍ର ସଂଖ୍ୟା : 5615 ତା.୦୪.୦୫.୨୦୨୬

ନୋଟିସ

ପ୍ରାପ୍ତେଷୁ,
ଶ୍ରୀମତୀ ସରସ୍ୱତୀ ମୁଣ୍ଡା, ଅଙ୍ଗନବାଡି କର୍ମୀ, ବୀରକିଶୋରପୁର-୨ A.W.C.
ଥାନା-ସଦର, ଜିଲ୍ଲା-କେନ୍ଦୁଝର-୭୫୮୦୧୩

ବିଷୟ:- ବୀରକିଶୋରପୁର-୨ ଅଙ୍ଗନବାଡି କେନ୍ଦ୍ରର ଅଙ୍ଗନବାଡି କର୍ମୀ ପଦବୀରୁ ବହିଷ୍କାର ନିମନ୍ତେ ।

ଏତଦ୍ୱାରା ଆପଣଙ୍କୁ ଜଣାଇ ଦିଆଯାଉଅଛି କି ବାରମ୍ବାର ନୋଟିସ କରିବା ସତ୍ତ୍ୱେ ଆପଣ ନିଜ ଘର ଠିକଣା ରେ ରହୁ ନଥିବାରୁ ଆପଣଙ୍କ ବର୍ତ୍ତମାନ ର ବାସସ୍ଥାନ ବିଷୟରେ କୌଣସି ଖବର ନ ମିଳିବା ହେତୁ, ଖବରକାଗଜ ମାଧ୍ୟମରେ ଆପଣଙ୍କୁ ନୋଟିସ କରାଯାଉଅଛି କି ଆପଣ ଅତ୍ର କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ରେ ତା.୨୮.୦୫.୨୦୨୬ରିଖ, ସମୟ : ସକାଳ ୦୯:୩୦ ସମୟରେ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଭାବେ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଆପଣଙ୍କ ପକ୍ଷ ରଖିବା ହେବେ, ଅନ୍ୟଥା, ଆପଣଙ୍କୁ ବୀରକିଶୋରପୁର-୨ ଅଙ୍ଗନବାଡି କେନ୍ଦ୍ର ଅଙ୍ଗନବାଡି କର୍ମୀ ପଦବୀରୁ ନିୟମାନୁଯାୟୀ ବହିଷ୍କାର କରିବା ପାଇଁ ବିଧିବଦ୍ଧ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରାଯିବ ।

ଅଧ୍ୟକ୍ଷ, ସମନ୍ୱିତ ଶିଶୁ ବିକାଶ ପ୍ରକଳ୍ପ ତଥା
ଉପ-ଜିଲ୍ଲାପାଳ, କେନ୍ଦୁଝର

OFFICE OF THE DIVISIONAL FOREST OFFICER
CHILIKA WILDLIFE DIVISION,
AT / PO- BALUGAON , DIST. - KHORDHA - 752030
Email-dfo.chilikawl@odisha.gov.in, Ph-06756-251125
Advt.No. 01/26 Date: 04.05.2026
8001/60/2627

TENDER CALL NOTICE FOR SELECTION OF AN AGENCY FOR HIRING OF COMMERCIAL LIGHT VEHICLES

Sealed tenders are invited from registered travel agencies for hiring of commercial light vehicles on a monthly basis. Details regarding eligibility criteria, terms & conditions and the formats of submission of tender (Technical & Price bid) are mentioned in the tender document which may be downloaded from the website: **www.odishaforest.in and www.wildlife.odisha.gov.in ("Tender section").** Interested agencies may submit their tenders in a sealed envelope super-scribing on the top of the sealed envelope as **"Tender for Selection of an agency for hiring of Commercial Light Vehicles on Monthly Basis in reference to Advertisement No.01/26 dtd.04.05.2026".** A pre-bid meeting shall be held on 19.05.2026, 11.00 AM. Any amendments in the tender document due to decision in the pre-bid meeting shall only be notified in the website mentioned above.

The tenders should reach the office of the undersigned by **25.05.2026 (till 12 NOON).** The tenders will be opened at **01PM on 25.05.2026.** The undersigned reserves the right to reject any or all the tenders without assigning any reason thereof.

OIPR-8001/8015/1/26-27/0001

DIVISIONAL FOREST OFFICER
CHILIKA WILDLIFE DIVISION

GOVERNMENT OF ODISHA
"e" PROCUREMENT NOTICE
32001/148/2627
Bid Identification No: SE, KIP-(KCD-I)-02/2026-27
(Kanpur Canal Division-I, Jhumpura)

1.	No Of the Work	8
2	Paper Cost	Rs.4000.00 /Each
3	Period of completion	03 (Three) Calendar Months
4	Date & time of availability of bid document in the portal	08.05.2026 from 10.00 Hours to 22.05.2026 up to 17.00 Hours.
5	Last date / Time for receipt of bids in the portal	22.05.2026 up to 17.00 Hours.
6	Date & Time of opening of tender	25.05.2026 at11.00 Hours.
7	Name and address of the Officer Inviting Bid	Er Duryodhan Kisan Superintending Engineer, Kanupur Canal Division-I, At-Arsala PO- Jhumpura, Dist- Keonjhar, Odisha-758031

Further details can be seen from the e-Procurement portal "https://www.tendersodisha.gov.in."

Er. Duryodhan Kisan
Superintending Engineer
Kanupur Canal Division-I,
Jhumpura, Keonjhar, Odisha

OIPR-32001/32157/1/26-27/0001

OFFICE OF THE DIVISIONAL FOREST OFFICER
ATHGARH FOREST DIVISION, ATHGARH
At/Po/PS- Athgarh, Dist- Cuttack, State-Odisha, PIN-754029
e-mail- dfo.athagarh@odisha.gov.in
Notice No. 2588 /1F (Account), Dated, Athgarh the 5th May, 2026
8001/59/2627

SHORT TENDER CALL NOTICE
FOR SUPPLY OF VEHICLE ON HIRE BASIS FOR OFFICIAL PURPOSE
TO BE DEPLOYED IN ATHAGARH RANGE

Quotations in plain paper /letter pad are invited from the intending supplier / Vehicle owner for supply of Bolero vehicle within 3 Years of registration for use in patrolling and other duty in Athgarh Forest Range during the FY-2026-27 with following terms and condition.

The quotation should reach this office on or before **18.05.2026 at 11.00 A.M** through Registered / Speed Post, Courier Service and can also be dropped in Tender Box placed in office of the Divisional Forest Officer, Athgarh Forest Division. The tenders will be opened in the office of the undersigned on **dt. 19.05.2026 at 12 P.M** by submitting a non-refundable Demand Draft to be drawn in favour of Divisional Forest Officer, Athgarh from **06.05.2026 to 18.05.2026 payable at Athgarh for 1180/- (Cost 1000/- +GST 18% -Rs.180/-)** (Rupees One Thousand One hundred Eighty) only towards cost of tender paper, which will be placed before the Purchase Committee of this office for approval. The amount quoted should include the cost of Driver and all taxes (excluding the cost of Fuel). The incomplete quotation or quotation received after the scheduled date and time shall be summarily rejected. The undersigned reserves all rights to reject any or all quotation without showing any reason therof.

1. BOLERO (Diesel Make) – 2 Nos.

(Dr. Biswal Chichilichi, OFS)
Divisional Forest Officer,
Athgarh Forest Division, Athgarh

OIPR-8001/8063/1/26-27/0001

OFFICE OF THE REGULATED MARKET COMMITTEE, KORAPUT.
At/Po- Koraput, Dist.: -Koraput (Odisha), PIN- 764020
TENDER CALL NOTICE NO. 1086 / RMC dated: - 02.05.2026.
Bid Identification no. 01/RMC-Koraput /2026-27
E-procurement notice IFB (Invitation for bids)
7001/21/2627

Sr. No.	Item	Details
1	The Sub-Collector Koraput-cum-Chairman, RMC Koraput invites percentage rate bids in **Single cover system** in ONLINE MODE only for work as detailed below:	
2	Nature of the work	Construction of different developmental works at 04 Market Yards of RMC Koraput.
3	No of work	04 Nos
4	Bid Cost	Rs 6000.00 online transfer.
5	Value of Tender	Rs 17.80 to 37.93 lakhs
6	Class of Contractor	D, C & B Class
7	Availability of BID Documents in the website	Dt 05.05.2026 to 13.05.2026
8	Last date/time of Receipt of bids in the portal	Dt 13.05.2026 up to 5.00 P.M
9	Date of opening of bid	Dt 15.05.2026 at 11.00 A.M
10	The Bidders have to participate in ONLINE bidding only. Further details can be seen from the website: https://tendersorissa.gov.in. Any Addendum/Corrigendum/Cancellation of the Tender etc can also be seen in the website: https://tendersorissa.gov.in.	

OIPR-7001/7022/1/26-27/0001

Sub- Collector Koraput-cum chairman
Regulated Market Committee, Koraput.

AFFIDAVIT

I, KUPPILI SRIVIDYA, W/o KUPPILI SANTOSH JANKIRAM PATNAIK resident of At - P.R.Peta, 2nd Lane, PO - P.R.Peta, PS - Jeypore, Dist - Koraput - 764003, Odisha declare by this Affidavit No.1804, Dated - 06/05/2026, that now onwards I shall be known as **KUPPILI SRIDIVYA** for all future purpose.

AFFIDAVIT

By virtue of an affidavit (Sl No. A/20, dtd-27/02/2026) sworn before The Executive Magistrate, Panposh at Uditnagar, Rourkela. I, **Avinas Tanty,** S/o- Late Debendra Tanty, resident of At: Sector-D, Gundichapalli, PO/PS: Bondamunda, Dist: Sundargarh, Odisha, PIN: 770032 declare that, my actual name is **Avinas Tanty** which is mentioned in my Aadhaar Card No: 2988 0550 6912, but in my in my parents **postal Saving A/C** vide No. **4552874867,** Bondamunda S.O. as nominee my name mentioned as **Panchanan Tanty.**

That, both the names **Panchanan Tanty** and **Avinas Tanty** stands for one and same person i.e. myself.

AFFIDAVIT

By virtue of an affidavit sworn before the Executive Magistrate, Nabarangpur, Vide No.: 795, dated: 06.05.2026, I, Biswajeeta Padhy, wife of Mukteswar Padhy, resident of Village: Janiguda, P.O.: Koraput, P.S.: Koraput Town, District.: Koraput, Odisha, PIN-764020, hereby declare that my former name was Biswajeeta Bagh. I have changed my name to **Biswajeeta Padhy** with effect from 29 April 2026, and henceforth I shall be known and identified by the name **Biswajeeta Padhy** for all purposes.

Sd/- Biswajeeta Padhy

AFFIDAVIT

By virtue of an affidavit sworn before the Executive Magistrate, Nabarangpur, Vide no - 790, dated 05.05.2026, I, KAMALU CHOUDHURY, S/o - Bishu Choudhury, permanent resident of Village - Badamasigam, PO - Bhatigaon, PS - Kodinga, Dist - Nabarangpur, Odisha, Pin - 764063, declare that I have changed the name of my Daughter from DIPILI CHOUDHURY to DIPALI CHOUDHURY. Henceforth, she shall be known as **DIPALI CHOUDHURY** for all purposes.

Sd/- Kamalu Choudhury

DOCUMENT LOST

ମୁଁ, କୃଷ୍ଣ ପ୍ରସାଦ ମଣ୍ଡଳ, ପିତା- ସ୍ୱର୍ଗତ ଅଚ୍ୟୁତାନନ୍ଦ ମଣ୍ଡଳ, ଠିକଣା- ୱାର୍ଡ ନଂ-୨୬, ପି.ଓ/ପି.ଏସ୍- ଭଞ୍ଜପୁର, ବାରିପଦା, ଜିଲ୍ଲା- ମୟୂରଭଞ୍ଜ, ଓଡ଼ିଶା, ଏଠାରେ ଘୋଷଣା କରୁଛି ଯେ, ସବ-ରେଜିଷ୍ଟ୍ରାର, ବାରିପଦାଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରେ ମୌଜା ଯମୁନାଦେଇପୁର, ଖାତା ନଂ.୭୯, ପ୍ଲଟ ନଂ.୭୮୯, ବିକ୍ରୟ ଦଲିଲ ନଂ.୧୫, ଖଣ୍ଡ-୧ ପୃଷ୍ଠା ୧୫୯ ରୁ ୧୭୨ ତାରିଖ- ୩୧/୦୧/୧୯୯୨ରେ ପଞ୍ଜିକୃତ ବିକ୍ରୟ ଦଲିଲ, ମୋ ଭଞ୍ଜପୁର ବାସଭବନ ୱାର୍ଡ ନଂ-୨୬ ରେ ୨୫/୦୪/୨୦୨୬ ରେ ହଜିଯାଇଛି । ଯଦି କେହି ଏହାକୁ ପାଆନ୍ତି, ଦୟାକରି ଭଞ୍ଜପୁର ପୋଲିସ ଷ୍ଟେସନ, ବାରିପଦାକୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରନ୍ତୁ । ଯଦି କେହି ଏହାର ଅପବ୍ୟବହାର କରନ୍ତି ତେବେ ଆମେ ଦାୟୀ ରହିବୁ ନାହିଁ ।

AFFIDAVIT

By virtue of an affidavit (CF No.113, dtd- 05/05/2026) sworn before the Executive Magistrate, Bhuabaneswar. I, **Rajendra Prasad Satapathy,** S/o- Dibakar Satapathy, resident of Plot No.640-1877/3412, Aerodrome Area, PO: Aerodrome, Bhubaneswar, Dist- Khordha, Odisha, PIN-751020 , I do here by declare that both parents name as **Rajendra Pradas Satapathy** instead of **Rajendra Prasad Satapathy** and **Rosalin Satapathy** Instead of **Rosaline Satapathy** has wrongly reflected in my son's **(Sashibhusan Satapathy)** CBSE Certificate.

AFFIDAVIT

By virtue of an affidavit sworn before the Executive Magistrate, Nabarangpur, Vide no - 791, dated. 05.05.2026, I, RICHA GUPTA, D/o - Santosh Prasad Gupta, permanent resident of Village - Sikadaguda, PO - Temera, PS - Kodinga, Dist- Nabarangpur, Odisha, Pin - 764061, declare that I have changed my name from LICHA GUPTA to RICHA GUPTA. Henceforth, I shall be known as **RICHA GUPTA** for all purposes.

Sd/- Richa Gupta

AFFIDAVIT

By virtue of an affidavit sworn before the Executive Magistrate, Nabarangpur, Vide no - 789, dated 05.05.2026, I, BHAGABATI BHATRA, W/o - Raghu Bhatra, permanent resident of Village - Nuaguda, PO - Kangra, PS - Tentulikhunti, Dist - Nabarangpur, Odisha, Pin - 764059, declare that I have changed the name of my Daughter from MUKTA BHATRA to SANGITA BHATRA. Henceforth, she shall be known as **SANGITA BHATRA** for all purposes.

Sd/- Bhagabati Bhatra

ସକାଳ THE SAKALA

www.sakalaepaper.com

ମୁଦ୍ରା ବିନିମୟ ମୂଲ୍ୟ

ମୁଦ୍ରା ବିନିମୟ ମୂଲ୍ୟ (ଟଙ୍କାରେ)
- ଡଲାର ୯୫.୦୯
- ପାଉଣ୍ଡ ୧୨୮.୯୩
- ୟୁରୋ ୧୧୧.୩୭
- ୟେନ୍ ୦.୬୦

ସୁନା, ରୁପା ଦର (ଟଙ୍କାରେ)

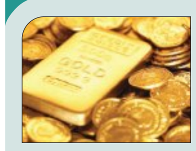

୧୦ ଗ୍ରାମ ପିଛା (୨୨ କ୍ୟାରେଟ୍)
- ସୁନା: ୧,୩୯,୪୫୦ (ଭୁବନେଶ୍ୱର)
- ରୁପା : ୨,୭୫,୦୦୦ (କେଜି)

ଷ୍ଟକ୍ ମାର୍କେଟ୍

ବଜାର କାରବାର (ପଏଣ୍ଟରେ)
- ସେନ୍‌ସେକ୍ସ ୭୭,୯୫୮.୦୦
- ନିଫ୍ଟି ୨୪,୩୩୦.୦୦

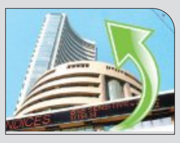

ପେଟ୍ରୋଲ-ଡିଜେଲ୍

ଲିଟର ପିଛା (ଟଙ୍କାରେ)
- ପେଟ୍ରୋଲ୍- ୧୦୧.୨୯ (ଭୁବନେଶ୍ୱର)
- ଡିଜେଲ୍ - ୯୨.୮୦

ଭାରତୀୟ ବଜାର ପାଇଁ ଟଙ୍କା ବଡ଼ ଖଳନାୟକ

ଦୃଢ଼ ତ୍ରୈମାସିକ ଫଳାଫଳ ସତ୍ତ୍ୱେ ଖସୁଛି ବଜାର

ମୁମ୍ବଇ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ସମ୍ପ୍ରତି ପ୍ରକାଶିତ ଅଧିକାଂଶ ତାଲିକାଭୁକ୍ତ କମ୍ପାନୀ ତ୍ରୈମାସିକ ଫଳାଫଳ ଆଶାଠାରୁ ଭଲ ରହିଛି। ହେଲେ ଏହା ସତ୍ତ୍ୱେ ଭାରତୀୟ ପୁଞ୍ଜି ବଜାରର ବେଞ୍ଚମାର୍କ ସୂଚକାଙ୍କ (ସେନ୍‌ସେକ୍ସ ଏବଂ ନିଫ୍ଟି) ଆଶାନୁରୂପ ବୃଦ୍ଧି ପାଇନାହିଁ। ଆମେରିକୀୟ ଡଲାର ତୁଳନାରେ ଭାରତୀୟ ମୁଦ୍ରା ଟଙ୍କାର ବିନିମୟ ମୂଲ୍ୟରେ ରେକର୍ଡ ହ୍ରାସ ଧାରା ଜାରି ରହିଛି। ଯାହା ଫଳରେ ଟଙ୍କା ଦିନକୁ ଦିନ ଦୁର୍ବଳ ହେବାରେ ଲାଗିଛି। ଘରୋଇ ମୁଦ୍ରା ଦୁର୍ବଳ ହେବା ଯୋଗୁ ଦେଶକୁ ଆମଦାନୀ ମହଙ୍ଗା ହୋଇଯାଇଛି। ଏସିଆର ଅନ୍ୟ ମୁଦ୍ରା ତୁଳନାରେ ଟଙ୍କା ଅଧିକ ଦୁର୍ବଳ ମନେହେଉଛି। ତେଣୁ ଭାରତୀୟ ମୁଦ୍ରା ଚାପଗ୍ରସ୍ତ ହେଉଛି। ଟଙ୍କା ଦୁର୍ବଳ ହେବା ଯୋଗୁ ବର୍ଦ୍ଧିତ ଆମଦାନୀ ବିଲ୍ ଦେଶ ଉପରେ ବଡ଼ ବୋଝ ପାଲଟିଛି। ଏହାର ପ୍ରଭାବ ଭାରତୀୟ ପୁଞ୍ଜି ବଜାରରେ ଦେଖିବାକୁ ମିଳୁଛି। ତେଣୁ ଟଙ୍କା ଘୋରାଇ ସେୟାର ବଜାର ପାଇଁ ବଡ଼ ଖଳନାୟକ ପାଲଟିଛି।

ଚଳିତ ସପ୍ତାହରେ ଟଙ୍କା ରେକର୍ଡ ସର୍ବନିମ୍ନ ସ୍ତରକୁ ଖସିଆସିଛି। ଫେବୃଆରୀ ୨୮ ରେ ଇରାନ ଯୁଦ୍ଧ ଆରମ୍ଭ ହେବା ପରଠାରୁ ଟଙ୍କା ମୂଲ୍ୟରେ ୪.୫% ହ୍ରାସ ହୋଇଛି, ଯାହା ଏସିଆର ଅନ୍ୟ ତୈଳ-ଆମଦାନୀକାରୀ ଦେଶଗୁଡ଼ିକର ମୁଦ୍ରା ହ୍ରାସ ସହିତ ସମାନ। ଟଙ୍କାର ବର୍ଷ ଶେଷ ଆଡକୁ ପ୍ରତି ଡଲାର ୯୬ ଟଙ୍କା ସ୍ତର ଛୁଇଁବ ବୋଲି ୟୁବିଏସ୍ ପକ୍ଷରୁ ପୂର୍ବାନୁମାନ କରାଯାଇଛି, ଯାହା ଏହାର ପୂର୍ବ ଆକଳନ ୯୪ ସ୍ତରଠାରୁ ଅଧିକ ହ୍ରାସକୁ ସୂଚାଉଛି। ଅନ୍ୟ ବଜାର ବିଶେଷଜ୍ଞଙ୍କ ମତରେ ଯାହା ଆଶା କରାଯାଉଛି, ୨୦୨୭ ମାର୍ଚ୍ଚ ସୁଦ୍ଧା ଟଙ୍କାର ବିନିମୟ ମୂଲ୍ୟ ୯୮ ସ୍ତରକୁ ଆସିଯିବ। ଭାରତୀୟ ଟଙ୍କା ପାଇଁ ମୂଳ ସମସ୍ୟା ହେଉଛି ପେମେଣ୍ଟ ସନ୍ତୁଳନ। ଆମେରିକାର ୧୦ ବର୍ଷିଆ ବଣ୍ଡ ଇଲ୍ଡ ୪.୪% କୁ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି। ଫଳରେ ଟଙ୍କା ଏହାର ନୂତନ ରେକର୍ଡ ନିମ୍ନ ସ୍ତରକୁ ଖସିଯିବା ବିଦେଶୀ ନିବେଶ ପ୍ରବାହ ପାଇଁ ପ୍ରତିକୂଳ ସଙ୍କେତ। ଅପରପକ୍ଷେ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ବଜାରରେ ଅଶୋଧିତ ତୈଳ

ମୂଲ୍ୟରେ ବୃଦ୍ଧି ଷ୍ଟକ୍ ବଜାର ଉପରେ ଚାପ ପକାଉଛି। ବିଦେଶୀ ନିବେଶକମାନେ ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଭାରତୀୟ ସେୟାର ବଜାରରୁ ୧.୯୭ ଲକ୍ଷ କୋଟିରୁ ଅଧିକ ଟଙ୍କା ପ୍ରତ୍ୟାହାର କରିନେଇଛନ୍ତି।

ସାମ୍ପ୍ରତିକ ତ୍ରୈମାସିକ ଫଳାଫଳରେ କମ୍ପାନୀଗୁଡିକର ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ ଉନ୍ନତି ହୋଇଛି। ଏଚ୍‌ଡିଏଫ୍‌ସି ବ୍ୟାଙ୍କ, ଆଇସିଆଇସିଆଇ ବ୍ୟାଙ୍କ ଏବଂ କୋଟାକ୍ ମହିନ୍ଦ୍ରା ବ୍ୟାଙ୍କ ସମେତ ଘରୋଇ ବ୍ୟାଙ୍କଗୁଡ଼ିକ ବିଶେଷ ଭାବରେ ଲାଭରେ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ ବୃଦ୍ଧି ରିପୋର୍ଟ କରିଛନ୍ତି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ମହିନ୍ଦ୍ରା ଏବଂ ମହିନ୍ଦ୍ରା, ଅମ୍ବୁଜା ସିମେଣ୍ଟ୍ସ, କଫୋର୍ଜ, ଜିନ୍ଦଲ ଷ୍ଟେନଲେସ୍, ଟାଟା ଟେକ୍, ଗୋଦରେଜ୍ ପ୍ରପର୍ଟିଜ୍, ଆଦିତ୍ୟ ବିର୍ଲା କ୍ୟାପିଟାଲ୍, ଏକ୍ସାଇଡ୍ ଇଣ୍ଡଷ୍ଟ୍ରିଜ୍, ଭେଲ୍, ହିରୋ ମୋଟୋକର୍ପ, ପୁନାୱାଲା ଫିନକର୍ପ, ମାରିକୋ, ଅଜନ୍ତା ଫାର୍ମା ସମେତ ଦୁଇ ଡଜନରୁ ଅଧିକ କମ୍ପାନୀଙ୍କ ତ୍ରୈମାସିକ ଫଳାଫଳ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ହୋଇଛି। ଏହା ସତ୍ତ୍ୱେ, ଷ୍ଟକ୍ ବଜାର ଠିକ୍ ଭାବରେ ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ପ୍ରକାଶ କରିନାହିଁ। ଚଳିତମାସ ୪ର ବାଣିଜ୍ୟ ଅଧିବେଶନ ସମୟରେ ଷ୍ଟକ୍ ବଜାରରେ ୧୦୦୦ ପଏଣ୍ଟ ବୃଦ୍ଧି ହୋଇଥିଲା ଏବଂ ଶେଷରେ ଏହା ପ୍ରାୟ ୩୫୦ ପଏଣ୍ଟ ବୃଦ୍ଧି ସହିତ ବନ୍ଦ ହୋଇଥିଲା। ସେହିପରି ମଙ୍ଗଳବାର ସେନସେକ୍ସ ଏବଂ ନିଫ୍ଟି ଉଭୟ ଚାପଗ୍ରସ୍ତ ଥିବା ଦେଖାଯାଇଥିଲା। ବିଶେଷଜ୍ଞଙ୍କ ମତରେ ମେ ମାସରେ ଉଭୟ ବାଣିଜ୍ୟ ଅଧିବେଶନରେ ଟଙ୍କା ମୂଲ୍ୟରେ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ହ୍ରାସ ଘଟି ଏହା ୯୫ ଟଙ୍କା ସ୍ତର ଅତିକ୍ରମ କରିଛି। ଏହି ସମୟରେ, ଅଶୋଧିତ ତୈଳ ମୂଲ୍ୟ ପ୍ରତି ବ୍ୟାରେଲ ପ୍ରାୟ ୧୧୦ ଡଲାର ରହିଛି। ଚଳିତ ବର୍ଷ, ବିଦେଶୀ ନିବେଶକମାନେ ଭାରତୀୟ ବଜାରରୁ ୧.୯୭ ଲକ୍ଷ କୋଟିରୁ ଅଧିକ ପାଣ୍ଠି ପ୍ରତ୍ୟାହାର କରିଛନ୍ତି। ଏହି ସମୟରେ, ଚଳିତ ମାସରେ ବିଦେଶୀ ପୋର୍ଟଫୋଲିଓ ନିବେଶକମାନେ ୫,୦୦୦ କୋଟିରୁ ଅଧିକ ପାଣ୍ଠି ପ୍ରତ୍ୟାହାର କରିଛନ୍ତି।

ହର୍ମୁଜ୍ ପ୍ରଣାଳୀରେ ଉତ୍ତେଜନା ହ୍ରାସ ହେବାର କୌଣସି ସଙ୍କେତ ଦେଖାଯାଉନାହିଁ। କେତେକ ସମୟରେ ଆଶ୍ୱସ୍ତିର ରିପୋର୍ଟ ଆସୁଛି, ତଥାପି ଉତ୍ତେଜନା ପୁଣି ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି। ଫଳସ୍ୱରୂପ, ଅଶୋଧିତ ତୈଳ ମୂଲ୍ୟ କେବଳ ୧୦୦ ଡଲାର ନୁହେଁ ବରଂ ପ୍ରତି ବ୍ୟାରେଲ ୧୧୦ ଡଲାର ଉପରେ ରହିଛି। ଯାହା ଷ୍ଟକ୍ ବଜାରରେ ଚାପ ସୃଷ୍ଟି କରୁଛି। ଜିଓଜିତ ଇନଭେଷ୍ଟମେଣ୍ଟସ୍ ଲିମିଟେଡର ମୁଖ୍ୟ ନିବେଶ ରଣନୀତିଜ୍ଞ ଡକ୍ଟର ଭିକେ ବିଜୟକୁମାର ଏକ ରିପୋର୍ଟରେ କହିଛନ୍ତି ଯେ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ବିଜେପିର ନିର୍ବାଚନ ବିଜୟ ଏବଂ ଦୃଢ଼ ତ୍ରୈମାସିକ ଫଳାଫଳରୁ ବଜାରର ଉଲ୍ଲାସ ଅଧିକ ସମୟ ପାଇଁ ରହିବ ହିଁ। ସେ କହିଛନ୍ତି ଯେ ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆର ଘଟଣାଗୁଡ଼ିକ ଦ୍ୱାରା ବଜାର ଭାବନା ନିର୍ଣ୍ଣୟ ହେବ। ଏଠାରେ ଉଲ୍ଲେଖଯୋଗ୍ୟ ଯେ, ଦେଶର ଅନେକ ବଡ଼ କମ୍ପାନୀର ତ୍ରୈମାସିକ ଫଳାଫଳରେ ପ୍ରକାଶିତ ଦୃଢ଼ ଲାଭକୁ ନିବେଶକମାନେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଅଣଦେଖା କରିଛନ୍ତି। ସେମାନେ ବିଶ୍ୱାସ କରନ୍ତି ଯେ ବର୍ଦ୍ଧିତ ଆମଦାନୀ ବିଲ୍ ଦେଶର ସାମଗ୍ରିକ ଅର୍ଥନୈତିକ ମୌଳିକତାକୁ ଦୁର୍ବଳ କରିପାରେ, ଯାହା କ୍ରୟ ଶକ୍ତି ଏବଂ କର୍ପୋରେଟ୍ ଆୟରେ ହ୍ରାସ ଆଣିବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି। ଯଦିଓ ସୋମବାର ବାଣିଜ୍ୟ ଅଧିବେଶନରେ ବିଦେଶୀ ନିବେଶକମାନେ ୨୮୦୦ କୋଟିରୁ ଅଧିକ ମୂଲ୍ୟର ସେୟାର କିଣିଛନ୍ତି, ବିଶ୍ଳେଷକମାନେ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଏହା ଥରେ ଘଟିପାରେ। ସାମ୍ପ୍ରତିକ ସପ୍ତାହଗୁଡ଼ିକରେ, ଏଚ୍‌ଏସ୍‌ବିସି ଏବଂ ଜେପି ମୋର୍ଗାନ୍ ଭାରତୀୟ ଷ୍ଟକଗୁଡ଼ିକୁ ହ୍ରାସ କରିଛନ୍ତି। ଆକ୍ସିସ୍ ସିକ୍ୟୁରିଟିଜ୍‌ର ବୈଷୟିକ ଏବଂ ଡେରିଭେଟିଭ୍ସ ଗବେଷଣା ମୁଖ୍ୟ ରାଜେଶ ପାଲଭିଆ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଯଦିଓ ସୋମବାରର ନିର୍ବାଚନ ଫଳାଫଳ ଏବଂ କର୍ପୋରେଟ୍ ତ୍ରୈମାସିକ ଆୟ ବଜାର ଭାବନାକୁ ବୃଦ୍ଧି କରିଛି, ହେଲେ ନିବେଶକମାନେ ଭୂ-ରାଜନୈତିକ ବିକାଶ ଉପରେ ଧ୍ୟାନ ଦେଇଛନ୍ତି। ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆ ବିବାଦ ସମାଧାନ ହୋଇନାହିଁ ଏବଂ ଅଶୋଧିତ ତୈଳ ମୂଲ୍ୟ ଉଚ୍ଚ ରହିଛି। ବର୍ତ୍ତମାନ, ଅଧିକାଂଶ ଲାର୍ଜ-କ୍ୟାପ୍ କମ୍ପାନୀଗୁଡ଼ିକ ମାନ୍ଦାବସ୍ଥାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେଉଛନ୍ତି।

ଆମେରିକାରେ ପହଞ୍ଚିଲା ଇରାନ ଯୁଦ୍ଧର ନିଆଁ

ପେଟ୍ରୋଲ ମୂଲ୍ୟରେ ୫୦% ବୃଦ୍ଧି

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ଇରାନକୁ ଧ୍ୱଂସ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଥିବା ଆମେରିକା ନିଜେ ଏହି ନିଆଁରେ ପୋଡିହେଉଛି। କାରଣ ଏବେ ଇରାନ ଯୁଦ୍ଧର ନିଆଁ ଆମେରିକାରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ପ୍ରକୃତରେ, ଇରାନ ଯୁଦ୍ଧ ଏବଂ ହର୍ମୁଜ ପ୍ରଣାଳୀରେ ଚାଲିଥିବା ଉତ୍ତେଜନା ଆମେରିକାରେ ଇନ୍ଧନ ମୂଲ୍ୟକୁ ବଢ଼ାଇବାରେ ଲାଗିଛି। ଗତ ଦୁଇ ମାସରେ ଆମେରିକାରେ ପେଟ୍ରୋଲ ମୂଲ୍ୟ ୫୦% ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି। ଯୁଦ୍ଧ ଆରମ୍ଭ ହେବା ପରଠାରୁ ଆମେରିକାରେ ପେଟ୍ରୋଲ ମୂଲ୍ୟ ଏଭଳି ମହଙ୍ଗା ହୋଇଛି। ରିପୋର୍ଟ ଅନୁଯାୟୀ, ଗତ ସପ୍ତାହରେ ଆମେରିକାରେ ପେଟ୍ରୋଲର ହାରାହାରି ମୂଲ୍ୟ ୩୧ ସେଣ୍ଟ ବୃଦ୍ଧି ପାଇ ପ୍ରତି ଗ୍ୟାଲନ ୪.୪୮ ଡଲାର ହୋଇଛି, ଯାହା ଗତ ଚାରି ବର୍ଷର ରେକର୍ଡ ଭାଙ୍ଗିଛି। ମଙ୍ଗଳବାର ଆମେରିକାରେ ପେଟ୍ରୋଲର ହାରାହାରି ମୂଲ୍ୟ ୪.୫୧ ଡଲାର ପ୍ରତି ଗ୍ୟାଲନ ରେକର୍ଡ କରାଯାଇଥିଲା।

ଆମେରିକୀୟ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଡୋନାଲ୍ଡ ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ଜିଦ୍ ଆମେରିକୀୟମାନଙ୍କ ଉପରେ ପ୍ରଭାବ ପକାଉଛି। ପ୍ରଥମେ, ଶୁଳ୍କ ଏବଂ

ଏବେ ଇରାନ ଯୁଦ୍ଧ ଆମେରିକୀୟମାନଙ୍କୁ ମୁଦ୍ରାସ୍ଫୀତିର ନିଆଁକୁ ଠେଲିଦେଇଛି। ଆମେରିକୀୟମାନେ ଶୁଳ୍କ ଏବଂ ଏବେ ଇରାନ ଯୁଦ୍ଧ ବିରୁଦ୍ଧରେ ପ୍ରତିବାଦ କରିଥିଲେ, କିନ୍ତୁ ଏହାର କୌଣସି ପ୍ରଭାବ ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ଉପରେ ପଡ଼ି ନ ଥିଲା। ଆମେରିକା କୋର୍ଟଙ୍କ ଆଦେଶ ପରେ ଶୁଳ୍କ ପ୍ରାୟ ଉଠାଇ ଦିଆଯାଇଛି, କିନ୍ତୁ ଯୁଦ୍ଧ ଶେଷ ହେବାର କୌଣସି ସଙ୍କେତ ଦେଖାଯାଉନାହିଁ। ଯଦି ଟ୍ରମ୍ପ ଏଭଳି ଜିଦ୍ ଧରି ରହନ୍ତି, ତେବେ ଭବିଷ୍ୟତରେ ଆମେରିକୀୟମାନେ ଆହୁରି ମହଙ୍ଗା ମାଡ଼ର ଯନ୍ତ୍ରଣା ଭୋଗିବେ। ଏକ ରିପୋର୍ଟ ଅନୁଯାୟୀ, ଜୁଲାଇ ୨୦୨୨ ପରଠାରୁ ଏହା ଆମେରିକାର ପେଟ୍ରୋଲ ମୂଲ୍ୟର ସର୍ବୋଚ୍ଚ ସ୍ତର। ଫେବୃଆରୀ ୨୮ରେ ଯୁଦ୍ଧ ଆରମ୍ଭ ହେବା ପରଠାରୁ ଦେଶରେ ଜାତୀୟ ସ୍ତରରେ ହାରାହାରି ମୂଲ୍ୟ ପ୍ରତି ଗ୍ୟାଲନ ପିଛା ୧.୫୪% ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି। ବିଶ୍ୱର ପ୍ରାୟ ଏକ-ପଞ୍ଚମାଂଶ ଅଶୋଧିତ ତୈଳ ସଂକୀର୍ଣ୍ଣ ଷ୍ଟ୍ରେଟ ଅଫ୍ ହର୍ମୁଜ୍ ଦେଇ ଗତି କରେ। ବର୍ତ୍ତମାନ, ଏହି ମାର୍ଗ ଗୁରୁତର ଭାବରେ ଅବରୋଧିତ। ସେଠାରେ ତେଲ ଟ୍ୟାଙ୍କରଗୁଡିକ ଫସି ରହିଛି। ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ଶକ୍ତି ଏଜେନ୍ସି ଏହାକୁ ତୈଳ ବଜାରର ଇତିହାସରେ ସର୍ବବୃହତ ଯୋଗାଣ ଜନିତ ବାଧା ଭାବରେ ବର୍ଣ୍ଣନା କରିଛି। ଏହି ସଙ୍କଟ ଯୋଗୁଁ, ଏପ୍ରିଲ ମାସ ଆରମ୍ଭରେ ଅଶୋଧିତ ତୈଳ ମୂଲ୍ୟ ପ୍ରତି ବ୍ୟାରେଲ ୧୧୨ ଡଲାର ଅତିକ୍ରମ କରିଥିଲା।

ପବ୍ଲିକ୍ ୱାଇ-ଫାଇ ପାଇଁ ହେବ ଗୋଟିଏ ପାସ୍‌ୱାର୍ଡ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ପିଏମ୍-ୱାନିର ବିଫଳତାରୁ ଶିକ୍ଷା ଲାଭ କରି ସରକାର ଏକ ନୂତନ ଏବଂ ଉନ୍ନତ ସାର୍ବଜନୀନ ୱାଇ-ଫାଇ ସିଷ୍ଟମ୍ ପ୍ରଚଳନ କରିବାକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହେଉଛନ୍ତି। ଏହି ନୂତନ ସିଷ୍ଟମର ଲକ୍ଷ୍ୟ ହେଉଛି ଉପଭୋକ୍ତା ଅଭିଜ୍ଞତାକୁ ଉନ୍ନତ କରିବା ଏବଂ ଡିଜିଟାଲ୍ ପେମେଣ୍ଟକୁ ଅଧିକ ସୁରକ୍ଷିତ କରିବା। ଉପଭୋକ୍ତାମାନଙ୍କୁ ଆଉ ପ୍ରତ୍ୟେକ ହଟସ୍ପଟ୍ ପାଇଁ ପୃଥକ ଓଟିପି ଆବଶ୍ୟକ ହେବ ନାହିଁ। ଗୋଟିଏ ଓଟିପି କିମ୍ବା ପାସୱାର୍ଡ ସାହାଯ୍ୟରେ ଦେଶସାରା ୪ ଲକ୍ଷ ହଟସ୍ପଟ୍‌ରେ ଲଗଇନ୍ ସମ୍ଭବ ହେବ। ଭାରତୀୟ ଟେଲିକମ୍ ନିୟାମକ ପ୍ରାଧିକରଣ (ଟ୍ରାଇ) ଏକ ପରାମର୍ଶ ପତ୍ର ଜାରି କରି ଜନସାଧାରଣଙ୍କଠାରୁ ଏ ନେଇ ପରାମର୍ଶ ଲୋଡିଛି। ଏଥିରେ ସାର୍ବଜନୀନ ୱାଇ-ଫାଇକୁ ସୁରକ୍ଷିତ କରିବା ପାଇଁ 'ୱାଇ-ଫାଇ ପ୍ରୋଟେକ୍ଟେଡ୍ ଆକ୍ସେସ୍ ୩' ଭଳି ମାନଦଣ୍ଡ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରାଯିବ। ଏହା ଜନଗହଳିପୂର୍ଣ୍ଣ ଅଞ୍ଚଳରେ ମଧ୍ୟ ସୁରକ୍ଷିତ ୟୁପିଆଇ ଏବଂ ଡିଜିଟାଲ୍ ପେମେଣ୍ଟ ପାଇଁ ଅତିରିକ୍ତ ସୁରକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ କରିବ।

ପରାମର୍ଶପତ୍ର ଅନୁଯାୟୀ, ବର୍ତ୍ତମାନର ୱାଇ-ଫାଇ ସିଷ୍ଟମ୍ ବିଫଳ ହୋଇଛି। କାରଣ ଏହା ଉପଭୋକ୍ତାଙ୍କ ଆବଶ୍ୟକତା ପୂରଣ କରିନାହିଁ ଏବଂ ଅପରେଟରମାନଙ୍କ ପାଇଁ ରାଜସ୍ୱ ସୃଷ୍ଟି କରିନାହିଁ। ତେଣୁ,

ରହିବନି ବାରମ୍ବାର ଓଟିପି ଦେବାର ଝିନ୍‌ଝଟ୍
୪ ଲକ୍ଷ ହଟ୍‌ସ୍ପଟ୍‌ରେ ହେବ ଲଗ୍‌ଇନ୍
ସର୍ବସାଧାରଣଙ୍କଠୁ ଟ୍ରାଇ ମାଗିଲା ପରାମର୍ଶ

ସରକାର ପ୍ରସ୍ତାବିତ ୱାଇ-ଫାଇ ସିଷ୍ଟମକୁ ଅପରେଟରମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ରାଜସ୍ୱ ସୃଷ୍ଟିକାରୀ ମଡେଲ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛନ୍ତି। ଏଥିରେ ବିଜ୍ଞାପନ-ଭିତ୍ତିକ ମଡେଲ, ଦେୟଯୁକ୍ତ ଯୋଜନା ଏବଂ ସବ୍‌ସିଡି (ବ୍ୟବହାରଯୋଗ୍ୟତା ଗ୍ୟାପ୍ ପାଣ୍ଠି) ଭଳି ବିକଳ୍ପ ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ।

ଏଡି ନୂଆ ପ୍ରକଳ୍ପରେ ସହରଗୁଡ଼ିକରେ ହାଇ-ସ୍ପିଡ୍ ଇଣ୍ଟରନେଟ୍ ଯୋଗାଇ ଦିଆଯିବ। ଗାଁ ମାନଙ୍କରେ ଏକ କମ୍ ମୂଲ୍ୟର 'ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ୱାଇ-ଫାଇ' ମଡେଲ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରାଯିବ। ବର୍ତ୍ତମାନ, ଭାରତର ୧୪୦ କୋଟି ଜନସଂଖ୍ୟାର କେବଳ ୨% ଲୋକ ସାର୍ବଜନୀନ ୱାଇ-ଫାଇ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତି। ଦକ୍ଷିଣ କୋରିଆରେ ୮୦%, ଆମେରିକାରେ ୭୦%, ୟୁରୋପ ଏବଂ ଚୀନରେ ୬୦% ଏବଂ ଇଂଲଣ୍ଡରେ ୫୦% ଲୋକ ସାର୍ବଜନୀନ ୱାଇ-ଫାଇ ବ୍ୟବହାର କରିଥାନ୍ତି। ଟ୍ରାଇ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରସ୍ତାବିତ ଏହି ନୂତନ ଢାଞ୍ଚା କେବଳ ଇଣ୍ଟରନେଟ୍ ପ୍ରବେଶ ବୃଦ୍ଧି କରିବ ନାହିଁ ବରଂ ମୋବାଇଲ୍ ନେଟୱାର୍କ ଉପରେ ବଢୁଥିବା ଡାଟା ଚାପକୁ ମଧ୍ୟ ହ୍ରାସ କରିବ।

ବିଏସ୍‌ଏନ୍‌ଏଲ୍‌ର ପୂର୍ବତନ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଅରୁଣ ଶ୍ରୀବାସ୍ତବଙ୍କ ଅନୁଯାୟୀ, ଏହା କେବଳ ସଂଯୋଗର ଗୁଣବତ୍ତା ଉନ୍ନତ କରେ ନାହିଁ ବରଂ ସୁଲଭ ଇଣ୍ଟରନେଟ୍ ପ୍ରଦାନ କରି ଡିଜିଟାଲ୍ ଭିତ୍ତିଭୂମିକୁ ମଧ୍ୟ ମଜବୁତ କରେ, ବିଶେଷକରି ଯେଉଁମାନେ ମହଙ୍ଗା ଡାଟା ଯୋଜନା କିଣିପାରନ୍ତି ନାହିଁ। ସେ କହିଥିଲେ ଯେ ଭିଡିଓ, କ୍ଲାଉଡ୍ ଏବଂ ଏଆଇ-ଆଧାରିତ ସେବା ଭଳି ଉଚ୍ଚ-ଡାଟା ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ୱାଇ-ଫାଇ ଏକ ଉତ୍ତମ ବିକଳ୍ପ ପ୍ରଦାନ କରେ। ଏହା ଇ-ଗଭର୍ଣ୍ଣାନ୍ସ ଭଳି ସେବାର ପ୍ରବେଶ ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ।

ଏନ୍‌ଏସ୍‌ଇ ପକ୍ଷରୁ ଇଲେକ୍‌ଟ୍ରୋନିକ ଗୋଲ୍ଡ ରିସିପ୍ଟର ଶୁଭାରମ୍ଭ

ମୁମ୍ବଇ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ନ୍ୟାଶନାଲ ଷ୍ଟକ୍ ଏକ୍ସଚେଞ୍ଜ ଅଫ୍ ଇଣ୍ଡିଆ ଲିମିଟେଡ (ଏନଏସଇ) ପକ୍ଷରୁ ଏକ ନୂଆ ଟ୍ରେଡିଙ୍ଗ ସେଗମେଣ୍ଟ ଭାବେ ଇଲେକ୍‌ଟ୍ରୋନିକ୍ସ ଗୋଲ୍ଡ ରିସିପ୍ଟ (ଇଜିଆର)ର ଶୁଭାରମ୍ଭ କରାଯାଇଛି। ଏହା ଭାରତର ସୁନାର ବଜାରକୁ ଅଧିକ ସ୍ୱଚ୍ଛ, ଦକ୍ଷ ଓ ସଂଗଠିତ କରିବା ଦିଗରେ ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ପଦକ୍ଷେପକୁ ସୂଚିତ କରୁଛି। ଏହି ଶୁଭାରମ୍ଭ ସହିତ ଏନଏସଇ ସୁନା କାରବାର ପାଇଁ ଏକ ସୁରକ୍ଷିତ, ନିୟମିତ ଓ ଟେକ୍ନୋଲୋଜି-ଚାଳିତ ପ୍ଲାଟଫର୍ମ ପ୍ରଦାନକରି ଭୌତିକ ସୁନା ଓ ଆର୍ଥିକ ବଜାର ମଧ୍ୟରେ ଦୀର୍ଘ ଦିନରୁ ରହିଥିବା ଅନ୍ତରକୁ ଦୂର କରିବା ପାଇଁ ଲକ୍ଷ୍ୟ ରଖିଛି। ଇଲେକ୍‌ଟ୍ରୋନିକ ଗୋଲ୍ଡ ରିସିପ୍ଟ (ଇଜିଆର) ହେଉଛି ଡିଜିଟାଲ ସାର୍ଟିଫିକେଟ ଯାହା ଭୌତିକ ସୁନାର ମାଲିକାନାର ପ୍ରତିନିଧିତ୍ୱ କରିଥାଏ। ପ୍ରକୃତ ସୁନା ସେବି-ସ୍ୱୀକୃତିପ୍ରାପ୍ତ ଭଲ୍ଟଗୁଡିକରେ ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବେ ସଂରକ୍ଷିତ ରହିଥିବାବେଳେ ନିବେଶକମାନେ ଏହାକୁ ନିଜର ଡିମାଟ ଆକାଉଣ୍ଟ ମାଧ୍ୟମରେ ବୈଦ୍ୟୁତିକ ଭାବେ ରଖିପାରିବେ ଓ ଟ୍ରେଡ୍ କରିପାରିବେ। ଇଜିଆର ନିବେଶକଙ୍କୁ ସୁନା ବଜାରରେ ଖୁବ୍ କମ୍ ପରିମାଣରେ ନିବେଶ କରିବାକୁ ମଧ୍ୟ ସକ୍ଷମ କରିଥାଏ। ପ୍ରତ୍ୟେକ ଇଜିଆର ପ୍ରକୃତ ସୁନା ଦ୍ୱାରା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ରୂପେ ସମର୍ଥିତ, ଯାହା ବିଶ୍ୱାସ ଓ ପ୍ରାମାଣିକତା ନିଶ୍ଚିତ କରିଥାଏ। ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ଏନଏସଇର ମୁଖ୍ୟ ବାଣିଜ୍ୟ ବିକାଶ ଅଧିକାରୀ (ସିବିଡିଓ) ଶ୍ରୀରାମ କ୍ରିଷ୍ଣନ କହିଛନ୍ତି, ଏନଏସଇରେ ଇଲେକ୍‌ଟ୍ରୋନିକ ଗୋଲ୍ଡ ରିସିପ୍ଟର ଶୁଭାରମ୍ଭ ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ବିବର୍ତ୍ତନକୁ ସୂଚିତ କରୁଛି। ଏନଏସଇର ଦୃଢ଼ ଟେକ୍ନୋଲୋଜି ଓ ତରଳତା ଢାଂଚାର ବ୍ୟବହାର କରି ଆମେ ସୁନା ପାଇଁ ପହଞ୍ଚକୁ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ କରିଛୁ, ଯାହା ଦେଶବ୍ୟାପୀ ନିବେଶକଙ୍କୁ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଓ ଆତ୍ମବିଶ୍ୱାସ ସହ କାରବାର କରିବା ପାଇଁ ସକ୍ଷମ କରିବ।

ସିଜିମାଳିରେ ଜଳ କଷ୍ଟ ଦୂରକଲା ବେଦାନ୍ତ ଆଲୁମିନିୟମ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିସ): ସିଜିମାଳି ପାହାଡ଼ ଶୃଙ୍ଖଳା, ଯାହା ବକ୍ସାଇଟ୍‌ରେ ସମୃଦ୍ଧ ଐତିହାସିକ ଭାବରେ ଦୀର୍ଘକାଳୀନ ଜଳ କ୍ଳିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳ ଭାବେ ଚିହ୍ନିତ। ପୂର୍ବ ଘାଟର ଏହି ମାଳଭୂମି ଅଞ୍ଚଳର ଅଧିକାଂଶ ବକ୍ସାଇଟ୍ ସମୃଦ୍ଧ ଅଞ୍ଚଳ, ପ୍ରାୟତଃ ଅଭେଦ୍ୟ, ଯାହା ଫଳରେ ବର୍ଷା ଜଳ ଭୂମିରେ ମିଶିବା ପରିବର୍ତ୍ତେ ଦ୍ରୁତ ଗତିରେ ବହିଯାଏ। ଭୂତଳ ଜଳ ସ୍ତର ୭୫୦ ଫୁଟ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଗଭୀରତାକୁ ଖସିଯାଏ, ଯାହା ପାରମ୍ପରିକ ଖୋଳାଯାଇଥିବା କୂଅର ଗଭୀରତା ଠାରୁ ବେଶ ଅଧିକ। ବେଦାନ୍ତ ଆଲୁମିନିୟମ ଏହାର ସାମୁଦାୟିକ ବିକାଶ ପ୍ରୟାସ ଅଧୀନରେ ନିର୍ମଳ ପ୍ରକଳ୍ପର ଅଂଶ ଭାବରେ ସୌର- ଚାଳିତ ପମ୍ପିଂ ସିଷ୍ଟମ ଦ୍ୱାରା ସମର୍ଥିତ ଗଭୀର-ବୋର୍ ଡ୍ରିଲିଂ ନିୟୋଜିତ କରିଛି। ଏହି ପାନୀୟ ଜଳ ପ୍ରଣାଳୀଗୁଡ଼ିକ ବର୍ତ୍ତମାନ ୭ ଟି ଗ୍ରାମରେ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ, ଯାହାଦ୍ୱାରା ୩୦୦୦ରୁ ଅଧିକ ଲୋକଙ୍କୁ ଉପକୃତ ହେଉଛନ୍ତି ଏବଂ ଏହା ବର୍ଷସାରା ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ନିରାପଦ ପାନୀୟ ଜଳ ପ୍ରଦାନ ସୁନିଶ୍ଚିତ କରୁଛି। ଏହାଦ୍ୱାରା ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କର ଜଳବାୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନଜନିତ ସମ୍ବେଦନଶୀଳ ଜଳଉତ୍ସଗୁଡ଼ିକ ଉପରେ ନିର୍ଭରଶୀଳତା ହ୍ରାସ ହେଉଛି। ସିଜିମାଳି ଅଞ୍ଚଳରେ ଏବଂ ଏହାର ଆଖପାଖରେ ବେଦାନ୍ତର ପ୍ରୟାସଗୁଡ଼ିକ ଉଲ୍ଲେଖ କରେ ଯେ ସ୍ଥାନୀୟ ଆବଶ୍ୟକତାକୁ କିପରି ସଫଳତା ଏବଂ ଆବଶ୍ୟକତା ଭିତ୍ତିରେ ତୁରନ୍ତ ସମାଧାନ କରାଯାଇପାରିବ।

ଏୟାରଲାଇନ୍ସ ପାଇଁ ୫ ହଜାର କୋଟିର ଜରୁରୀ କ୍ରେଡିଟ ପ୍ୟାକେଜ୍

ଋଣ ପାଇଁ ଗ୍ୟାରେଣ୍ଟର ପଡ଼ିବେ ସରକାର

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୬।୫ (ଏଜେନ୍ସି): ଭାରତର ବିମାନ ଉଦ୍ୟୋଗ ଉପରେ ବିମାନ ଇନ୍ଧନ (ଏଟିଏଫ୍) ମୂଲ୍ୟ ବୃଦ୍ଧି ଓ ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆ ସଂକଟର ଚାପ କ୍ରମେ ବଢ଼ିବଢ଼ି ଚାଲିଛି। ଏହାକୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି ଭାରତ ସରକାର ଏୟାରଲାଇନ୍ସଙ୍କ ଲାଗି ବୁଧବାର ୫ ହଜାର କୋଟି ଟଙ୍କାର ଜରୁରୀକାଳୀନ କ୍ରେଡିଟ୍ ପ୍ୟାକେଜ୍ ମଞ୍ଜୁର କରିଛନ୍ତି। ଏଣୁ ସଙ୍କଟରେ ପଡିଥିବା ବିମାନ କମ୍ପାନୀଗୁଡିକ ଆଶ୍ୱସ୍ତି ମିଳିବ ବୋଲି ଆଶା କରାଯାଉଛି। ହେଲେ ଏବେ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠୁଛି ଏଥିରୁ ଯାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଲାଭ ମିଳିବ କି ନାହିଁ। ସରକାର ଏମାର୍ଜେନ୍ସି କ୍ରେଡିଟ ଲାଇନ ଗ୍ୟାରେଣ୍ଟିରେ ଏହି ଆଶ୍ୱସ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ଏଥିରେ ବିମାନ କମ୍ପାନୀଗୁଡ଼ିକୁ ବ୍ୟାଙ୍କମାନଙ୍କରୁ ଋଣ ମିଳିପାରିବ।

ସରକାରଙ୍କ ପ୍ୟାକେଜ୍ ଅନୁସାରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଏୟାରଲାଇନକୁ ୧,୫୦୦ କୋଟି ଟଙ୍କା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଋଣ ମିଳିପାରିବ। ଏହା ଦ୍ୱାରା ସେମାନେ ନିଜର ଖର୍ଚ୍ଚ ତୁଲାଇପାରିବେ। ଏୟାରଲାଇନ୍ସର ସବୁଠୁ ଅଧିକ ବ୍ୟୟ ଜେଟ୍ ଫୁଏଲ ପାଇଁ ହୋଇଥାଏ। ଏହା ସାଧାରଣତଃ ୩୦-୪୦% ମଧ୍ୟରେ ଥାଏ। ହେଲେ ଏବେ କିଛି ମାସ ହେବ ଏହା ୫୦%କୁ ପାର

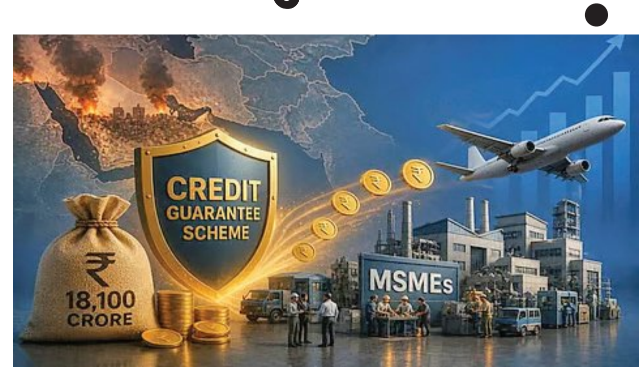

କରିଯାଇଛି। ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆରେ ଯୁଦ୍ଧ, ଆକାଶପଥ ବନ୍ଦ ରହିବା ଓ ଦୀର୍ଘ ଉଡାଣ କାରଣରୁ କମ୍ପାନୀଙ୍କ ଖର୍ଚ୍ଚ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି। କେବଳ ଖର୍ଚ୍ଚ ବୃଦ୍ଧି ନୁହେଁ ଯାତ୍ରୀଙ୍କ ସଂଖ୍ୟାରେ ମଧ୍ୟ ହ୍ରାସ ଦେଖାଦେଇଛି। ଏଣୁ ୨୦୨୬ ଆର୍ଥିକ ବର୍ଷରେ ଘରୋଇ ବିମାନ ଯାତ୍ରା ବୃଦ୍ଧି ହ୍ରାସ ହୋଇ ୧.୩%କୁ ପହଞ୍ଚିଛି। ଏହା ପୂର୍ବରୁ ୭%ରୁ ବି ଅଧିକ ହେଉଥିଲା। ଏହା ଦ୍ୱାରା ଏୟାରଲାଇନ୍ସଙ୍କ ଆୟ ଉପରେ ନକରାତ୍ମକ ପ୍ରଭାବ ପଡୁଛି। ଏହି ଯୋଜନା ଅନୁଯାୟୀ, ଋଣ ପରିଶୋଧ ଅବଧି ୭ ବର୍ଷ ରହିବ। ପ୍ରଥମ ୨ ବର୍ଷ ଇଏମଆଇ ପୈଠ କରିବାକୁ ପଡିବନି। ଅତିରିକ୍ତ ଋଣ ଉପରେ ସରକାର ଗ୍ୟାରେଣ୍ଟି ଦେବେ।

ବଢୁଥିବା ଖର୍ଚ୍ଚ ଯୋଗୁ ଏୟାରଲାଇନ୍ସଗୁଡିକ ଟିକଟ୍ ମୂଲ୍ୟ ବଢାଇବା ସହିତ ଫୁଏଲ ସରଚାର୍ଜ ମଧ୍ୟ ଅସୁଲ କରୁଛନ୍ତି। ଏହି ପ୍ୟାକେଜ୍ କମ୍ପାନୀଙ୍କୁ ଆଶ୍ୱସ୍ତି କରିବ ନିଶ୍ଚିତ ହେଲେ ଟିକଟ ଶସ୍ତା ହେବାର ସମ୍ଭାବନା କମ୍। ଯଦି ପରିସ୍ଥିତିରେ ସୁଧାର ଆସେ ତେବେ ଭବିଷ୍ୟତରେ ବିମାନ ଭଡ଼ା କମିପାରେ। ତେବେ ଏୟାରଲାଇନ୍ସ ଉପୁଜିଥିବା ପରିସ୍ଥିତିରେ ସହାୟତା ନିମନ୍ତେ ସରକାରଙ୍କୁ ନିବେଦନ କରିଥିଲେ। କାରଣ ପରିସ୍ଥିତି ଏପରି ହୋଇପଡିଥିଲା ଯେ କିଛି ମାର୍ଗରେ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ଉଡାଣ ରୋକିବାକୁ ପଡିଥିଲା। ଫେଡେରେସନ ଅଫ ଇଣ୍ଡିଆନ ଏୟାରଲାଇନ୍ସ ମାଧ୍ୟମରେ କମ୍ପାନୀମାନେ ସରକାରଙ୍କ ନିକଟରେ ନିଜ ଚିନ୍ତା ପ୍ରକଟ କରିଥିଲେ।

ସାଲେପୁର ଶିକ୍ଷାମଣ୍ଡଳ ପକ୍ଷରୁ ମାଟ୍ରିକ୍ ଏ-୧ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା

ସାଲେପୁର, ୬।୫(ସମିସ): ଆଜି ସାଲେପୁର ମଣ୍ଡଳ ଶିକ୍ଷାଅଧିକାରୀଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଚଳିତ ବର୍ଷ ମାଟ୍ରିକ୍ ପରୀକ୍ଷାରେ ଏ-୧ ଗ୍ରେଡ୍‌ରେ ଉତ୍ତୀର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଥିବା ସାଲେପୁର ଶିକ୍ଷା ମଣ୍ଡଳରେ ଥିବା ବିଭିନ୍ନ ବିଦ୍ୟାଳୟର ୨୨ଜଣ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ମଣ୍ଡଳସ୍ତରୀୟ ମେଧା ପ୍ରତିଭା ସମ୍ମାନ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି। ସାଲେପୁର ମଣ୍ଡଳ ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ କୁନ୍ତଳା ଖଟୁଆଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ସାଲେପୁର ବିଧାୟକ ପ୍ରଶାନ୍ତ ବେହେରା ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ରୂପେ ଯୋଗଦେଇ କୃତି ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ସମ୍ମାନିତ କରିଥିବାବେଳେ ସାଲେପୁର ଶିକ୍ଷାମଣ୍ଡଳରେ ୨୨ ଜଣ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଏ-୧ଗ୍ରେଡ୍‌ରେ ଉତ୍ତୀର୍ଣ୍ଣ ହୋଇ ସାଲେପୁରର ଗାରିମାକୁ ଦ୍ୱିଗୁଣିତ କରିଛନ୍ତି ବୋଲି ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ ସାଲେପୁର ତହସିଲଦାର ଉର୍ମିଳା ପ୍ରଧାନ, ସାଲେପୁର ଗୋଷ୍ଠୀ ଉନ୍ନୟନ ଅଧିକାରୀ ଲୋପାମୁଦ୍ରା ନାୟକ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ବ୍ଲକ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ଭୋଇ, ଅତିରିକ୍ତ ମଣ୍ଡଳ ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ ଫିରୋଜ ଅହମ୍ମଦ ଖାଁ, ସିଆରସିସି ରଞ୍ଜନ ସାମଲ, ପୂର୍ବତନ ବିଇଓ ଜଗବନ୍ଧୁ ଶତପଥି, ସାଲେପୁର ହାଇସ୍କୁଲ ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ଶ୍ରୀକାନ୍ତ ପରିଡ଼ା, ଏକ୍ରାମ ରସୁଲ ହାଇସ୍କୁଲ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ କିରଣବାଳା ଦାଶ, କଲ୍ୟାଣପୁର ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ସୁଲୋଚନା ଦାସଙ୍କ ସମେତ ବହୁ ବିଶିଷ୍ଟ ବ୍ୟକ୍ତି ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଯୋଗଦେଇ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ମାନପତ୍ର, ଉତ୍ତରୀୟ ଦେଇ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ଦେବା ସହ ପିତାମାତା ତଥା ଗୁରୁଜନଙ୍କୁ ଭକ୍ତି ପ୍ରଦର୍ଶନ କରି ଆଗକୁ ବଢ଼ିବା ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ। ଶେଷରେ ସିଆରସିସିଙ୍କୁ ଅତିଥିମାନଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା।

ମିଶନ ଶକ୍ତି କାଫେରେ ଝୁଲୁଛି ତାଲା

ସେବାରୁ ବଞ୍ଚିତ ଜନସାଧାରଣ, ଅସହାୟ ମହିଳା ଗୋଷ୍ଠୀ

ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି, ୬।୫(ସମିସ)

ସରକାର ବଦଳିବା ସହ ବଦଳି ଯାଇଛି କି ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି ବ୍ଲକ ପ୍ରଶାସନର ମାନସିକତା? ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି ବ୍ଲକ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପରିସରରେ ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟରେ ନିର୍ମିତ ହୋଇଥିବା 'ମହିଳା ମିଶନ ଶକ୍ତି କାଫେ'ରେ ଏବେ ଦୀର୍ଘ ଦିନ ହେବ ତାଲା ଝୁଲୁଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଯେଉଁ କାଫେ ଦିନେ ଶହ ଶହ ଲୋକଙ୍କ କ୍ଷୁଧା ମେଣ୍ଟାଉଥିଲା ଏବଂ ମହିଳାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ସ୍ୱରୋଜଗାରର ମାଧ୍ୟମ ସାଜିଥିଲା, ତାହା ଆଜି ପ୍ରଶାସନିକ ଅବହେଳା ଓ ଅସହଯୋଗ ଯୋଗୁଁ ଭୂତକୋଠି ସଦୃଶ ପଡ଼ିରହିଛି। ଏହାକୁ ନେଇ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳବାସୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ତୀବ୍ର ଅସନ୍ତୋଷ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି।

ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି ବ୍ଲକର ପ୍ରାୟ ୪୧ଟି ଗ୍ରାମପଞ୍ଚାୟତରୁ ପ୍ରତିଦିନ ବିଭିନ୍ନ ସରକାରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ପାଇଁ ଶହ ଶହ ଲୋକ ବ୍ଲକ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟକୁ ଆସିଥାନ୍ତି। ଦୂର ଦୂରାନ୍ତରୁ ଆସୁଥିବା ଏହି ଲୋକମାନଙ୍କ ପାଇଁ ମିଶନ ଶକ୍ତି କାଫେ ହିଁ ସୁଲଭ ମୂଲ୍ୟରେ ସୁସ୍ୱାଦୁ ଜଳଖିଆ, ଚା' ଏବଂ ମଧ୍ୟାହ୍ନ ଭୋଜନ ପାଇବାର ଏକମାତ୍ର ଭରସାଯୋଗ୍ୟ ସ୍ଥାନ ଥିଲା। ମାତ୍ର କାଫେ ବନ୍ଦ ରହିବା ଫଳରେ ଲୋକମାନେ ଖାଦ୍ୟ ଟିକିଏ ପାଇଁ ବାହାରକୁ ଯାଇ ହଇରାଣ ହେଉଛନ୍ତି। ବିଶେଷ କରି ଖରା ସମୟରେ ବ୍ଲକକୁ ଆସୁଥିବା ବୟସ୍କ ଓ ସାଧାରଣ ଜନତା ଏହି ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଯୋଗୁଁ ନାହିଁ ନ ଥିବା ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଭୋଗୁଛନ୍ତି। ମହିଳାମାନଙ୍କୁ ଆର୍ଥିକ ଭାବେ ସ୍ୱାବଲମ୍ବୀ କରିବା ଲକ୍ଷ୍ୟରେ ପୂର୍ବତନ ମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରତାପ ଜେନା ଓ ଚନ୍ଦ୍ରସାରଥି ବେହେରାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଉଦଘାଟିତ ଏହି କାଫେ ଏବେ ମହିଳାଙ୍କ ପାଇଁ ବୋଝ ପାଲଟିଛି। ସ୍ଥାନୀୟ ମହିଳା ସ୍ୱୟଂ ସହାୟିକା ଗୋଷ୍ଠୀର ସଦସ୍ୟାମାନେ ଏଠାରେ କାମ କରି ନିଜ ପରିବାର ପ୍ରତିପୋଷଣ କରୁଥିଲେ। ସରକାର ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେବା ପରେ ପ୍ରଶାସନିକସ୍ତରରେ ଅସହଯୋଗ କାରଣରୁ କାଫେରେ ତାଲା ପଡ଼ିବା ଫଳରେ ଏହି ମହିଳାମାନେ ନିଜର ରୋଜଗାର ହରାଇ ହତାଶ ହୋଇପଡ଼ିଛନ୍ତି। ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କାର ସରକାରୀ ସମ୍ପତ୍ତିକୁ ଏଭଳି ଭାବେ ଅଚଳ କରି ରଖିବା କାହା ସ୍ୱାର୍ଥରେ ବୋଲି ସାଧାରଣରେ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠୁଛି। ବ୍ଲକ ପ୍ରଶାସନର ଜ୍ଞାତସାରରେ ଏହି ବନ୍ଦ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଚାଲିଥିବା ନେଇ ଚର୍ଚ୍ଚା ଜୋର ଧରିଛି। ସାଧାରଣ ଜନତା ଓ ମହିଳା ଗୋଷ୍ଠୀଙ୍କ ସ୍ୱାର୍ଥକୁ ଦୃଷ୍ଟିରେ ରଖି ଏହି କାଫେକୁ ତୁରନ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ କରିବା ପାଇଁ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳବାସୀ ଦୃଢ଼ ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ଯଦି ଆଗାମୀ ଦିନରେ ଏହି ସମସ୍ୟାର ସମାଧାନ ନହୁଏ, ତେବେ ବ୍ଲକ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ସମ୍ମୁଖରେ ଜନ ଅସନ୍ତୋଷ ତୀବ୍ର ହେବାର ଆଶଙ୍କା ରହିଛି।

ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ସ୍କୁଟି ଚାଳକ ମୃତ

ସାଲେପୁର, ୬।୫(ସମିସ): ଆଜି ଏକ ସଡ଼କ ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟି ଜଣେ ସ୍କୁଟି ଚାଳକର ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥିବା ଜଣାଯାଇଛି। ଆଜି ଦିନ ପ୍ରାୟ ୨ଟା ସମୟରେ କଟକ ସାଲେପୁର ରାସ୍ତାର କଣ୍ଟାସାହି ନିକଟରେ ନଇଗୁଆଁ ଅଞ୍ଚଳର ସୁବ୍ରତ ବେହେରା ନିଜ ଗାଁକୁ ଫେରୁଥିବାବେଳେ କଟକରୁ ସାଲେପୁର ଅଭିମୁଖେ ଆସୁଥିବା ଏକ ସୁଇଫ୍ଟ ଡିଜାୟାର କାର ନଂ-ଓଡି.୦୫ ବିଇ ୪୦୯୭ ଗାଡ଼ିଟି ଆସୁଥିବାବେଳେ ଅନ୍ୟ ଏକ କାର ତାକୁ ସାଇଡ୍ ମାରିବାରୁ ଏହି ଗାଡ଼ିଟି ଭାରସାମ୍ୟ ହରାଇ ସ୍କୁଟି ଚାଳକ ସୁବ୍ରତକୁ ସମ୍ମୁଖରୁ ଧକ୍କା ଦେଇଥିଲା। ଫଳରେ ସୁବ୍ରତ ଗୁରୁତର ଆହତ ହୋଇ ରାସ୍ତା ଉପରେ ପଡ଼ିଥିବାବେଳେ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ତାଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରି ପ୍ରଥମେ ଚିକିତ୍ସା ନିମନ୍ତେ ପ୍ରଥମେ ସାଲେପୁର ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରକୁ ପଠାଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ତାଙ୍କର ଅବସ୍ଥା ଗୁରୁତର ହେବାରୁ ତାଙ୍କୁ କଟକ ବଡ଼ ମେଡ଼ିକାଲକୁ ପଠାଯାଇଥିଲା। ଚିକିତ୍ସାଧୀନ ଅବସ୍ଥାରେ ଆଜି ଅପରାହ୍ଣରେ ତାଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ଜଣାଯାଇଛି। ପ୍ରକାଶ ଥାଉକି, ସୁବ୍ରତ ବେହେରା ରୋଷେୟା ଭାବେ ସ୍ଥାନୀୟଅଞ୍ଚଳରେ ଥିବା ବିଭିନ୍ନ ମେସ୍‌ରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରି ନିଜ ପରିବାର ଚଳାଉଥିଲେ। ତାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁରେ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳରେ ଶୋକ ପ୍ରକାଶ ପାଇବା ସହ ସମ୍ପୃକ୍ତ ପରିବାରକୁ ସହାୟତା ପ୍ରଦାନ ପାଇଁ ଦାବି ହୋଇଛି। ଅପରପକ୍ଷରେ ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟାଇଥିବା କାରଟିକୁ ସାଲେପୁର ପୁଲିସ ଜବତ କରି ତଦନ୍ତ ଚାଲୁରଖିଛି।

କୁରାଙ୍ଗଶାସନ ପଞ୍ଚାୟତ ବିଜେପିର ନୂତନ ସଭାପତି

କଟକ, ୬।୫(ସମିସ): ବରିଷ୍ଠ ସଂଗଠକ ଜନାର୍ଦ୍ଦନ ପାତ୍ର ବାରଙ୍ଗ ବ୍ଲକ କୁରାଙ୍ଗଶାସନ ପଞ୍ଚାୟତ ବିଜେପିର ନୂତନ ସଭାପତି ଭାବେ ନିଯୁକ୍ତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଗତ ସାଧାରଣ ନିର୍ବାଚନରେ ସମଗ୍ର ନିଆଳି ନିର୍ବାଚନ ମଣ୍ଡଳୀ ମଧ୍ୟରେ କୁରାଙ୍ଗଶାସନ ପଞ୍ଚାୟତରେ ବିଜେପି ସପକ୍ଷରେ ସର୍ବାଧିକ ମତଦାନ ହୋଇଥିଲା। ନିଜର ନୂତନ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇଁ ଶ୍ରୀ ପାତ୍ର ଗୋବରସ୍ତ ମଣ୍ଡଳ ସଭାପତି ଅଶ୍ୱିନୀ କୁମାର କାଣ୍ଡି ଏବଂ ଜିଲ୍ଲା ସଭାପତି ସୁକାନ୍ତ କୁମାର ବିଶ୍ୱାଳଙ୍କ ସମେତ ଦଳୀୟ ନେତୃବୃନ୍ଦଙ୍କୁ କୃତଜ୍ଞତା ଜଣାଇଛନ୍ତି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ସୁବୋଧ ପାତ୍ର, ପ୍ରତାପ ଚନ୍ଦ୍ର ପଣ୍ଡା, ଅଶୋକ ସାହୁ, ଅଜିତ ରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ନରେନ୍ଦ୍ର ପାତ୍ର, ସିଦ୍ଧେଶ୍ୱର ରାଉତ ଏବଂ ସୁବାସ ପାତ୍ର ପ୍ରମୁଖ ତାଙ୍କୁ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଇଛନ୍ତି।

ଟାଙ୍ଗୀ ବିଜେପିର ବିଜୟ ଉତ୍ସବ

ଟାଙ୍ଗୀ, ୬।୫(ସମିସ): ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ, ଆସାମ ଓ ପୁଡୁଚେରୀ ଦଖଲକୁ ନେଇ ସାଲେପୁର ନିର୍ବାଚନମଣ୍ଡଳୀ ଟାଙ୍ଗୀ ମଣ୍ଡଳ ବିଜେପି ପକ୍ଷରୁ ବିଜୟ ଉତ୍ସବ ପାଳିତ ହୋଇଛି। ମଣ୍ଡଳ ସଭାପତି ହୃଷିକେଶ ସାମଲଙ୍କ ପୌରୋହିତ୍ୟରେ ଟେଟ୍ରାହେଡ୍ରନ ଗ୍ରୁପ ଅଫ ଇନଷ୍ଟିଚ୍ୟୁସନର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ତ୍ରିଦେବ ବେହେରା, ବିଜେପି ନେତା ଆକାଶ ପାତ୍ର, ରୋହିତ ମହାନ୍ତି, ଅନନ୍ତ ପାତ୍ର, ଚିନ୍ମୟ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, ହେମନ୍ତ ମହାରଣା, ଲୋକନାଥ ସାହୁ, ଗଙ୍ଗାଧର ବାଇ, କୁନା ସାହୁ ଓ ଜିତେନ୍ଦ୍ର ବାଇ ପ୍ରମୁଖ ଶତାଧିକ କର୍ମୀ ମା' ହାଟଚଉରାଙ୍କ ପୀଠରେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱକୁ ପ୍ରଶଂସା କରିଥିଲେ।

ମାଟ୍ରିକ୍ ବ୍ଲକ ଟପ୍ପରଙ୍କୁ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା

ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି, ୬।୫(ସମିସ): ଚଳିତ ମାଟ୍ରିକ ପରୀକ୍ଷାରେ ବ୍ଲକସ୍ତରରେ ୬୦୦ ନମ୍ବରରୁ ୫୬୭ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ନମ୍ବର ରଖି ଆଦ୍ୟାଶା ଦାଶ ବ୍ଲକସ୍ତରରେ ଟପ୍ପର ହୋଇଛନ୍ତି। ସାନ୍ତପୁର ଓରିକଣାସ୍ଥିତ ମାଧବାନନ୍ଦ ସେବା ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ପକ୍ଷରୁ ତାଙ୍କୁ ସ୍ୱାଗତ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ଜ୍ଞାପନ କରାଯାଇଛି। ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ସଭାପତି ବୈକୁଣ୍ଠ ଚରଣ ବରାଳଙ୍କ ସଂଯୋଜନାରେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ଅମୂଲ୍ୟ ମହାନ୍ତି, ରୋହିତ ମହାନ୍ତି, ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ଭୈରବ ଚନ୍ଦ୍ର ଜେନାଙ୍କ ସମେତ ବହୁ ସଭ୍ୟ ତାଙ୍କ ଉତ୍ତୋରତ୍ତର ଉନ୍ନତି କାମନା କରିଥିଲେ। ସେ ସାନ୍ତପୁର ସରସ୍ୱତୀ ଶିଶୁ ବିଦ୍ୟାମନ୍ଦିରରେ ପ୍ରାରମ୍ଭରୁ ଅଷ୍ଟମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କୃତିତ୍ୱର ସହ ଶିକ୍ଷା ଅର୍ଜନ କରିଥିଲା ବେଳେ ନବମ ଓ ଦଶମ ଶ୍ରେଣୀ ଚନ୍ଦ୍ରଶେଖର ବିଦ୍ୟାପୀଠ ଦେମାଣ୍ଡୋରେ ପଢ଼ି ମାଟ୍ରିକ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିଲେ। ଶିଶୁ ମନ୍ଦିରର ଗୁରୁଜୀ ସୁରଥ କୁମାର ରାଉତ, ରାଜୀବ ଲୋଚନ ମହାନ୍ତିଙ୍କ ସମେତ ସମସ୍ତ ଗୁରୁଜୀ ଗୁରୁମା ତାଙ୍କୁ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଇଛନ୍ତି।

ଉଦ୍ୟୋଗୀ ବିକାଶ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଉଦ୍‌ଯାପିତ

ଟାଙ୍ଗୀ, ୬।୫(ସମିସ): ଟାଙ୍ଗୀ ଚୌଦ୍ୱାର ବ୍ଲକ ମୁଖ୍ୟାଳୟ କୋଟସାହି ଠାରେ ଜିଲ୍ଲା ଶିଳ୍ପ କେନ୍ଦ୍ର ଓ ଭରସା ଅନୁଷ୍ଠାନର ମିଳିତ ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ଉଦ୍ୟୋଗୀ ବିକାଶ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଉଦଯାପିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଭରସାର ସମ୍ପାଦିକା ପ୍ରତିଭା କୁଅଁରଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଜିଲ୍ଲା ଶିଳ୍ପ କେନ୍ଦ୍ର ଅଧିକାରୀ ଇଂ ମନୋଜ ମହାପାତ୍ର, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ସହଅଧିକାରୀ ସମୀର ବାରିକ, ବ୍ଲକ ଏବିଡିଓ ଶାଶ୍ୱତ ଜେନା ଓ ବିଶ୍ୱନାହାକାଣୀ କଲେଜର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଡ଼ ସଚ୍ଚିଦାନନ୍ଦ ପ୍ରଧାନ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ଉକ୍ତ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ବ୍ୟବସାୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ସୃଷ୍ଟି କରିବାରେ ସହାୟକ ହେବ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ପ୍ରଶିକ୍ଷଣରେ ଆତ୍ମନିର୍ଭରଶୀଳ ନିମନ୍ତେ ସରକାରଙ୍କ ବିଭିନ୍ନ ଯୋଜନା ଉପରେ ଶିକ୍ଷା ଦିଆଯାଉଥିଲା। ଟାଙ୍ଗୀ ଅଞ୍ଚଳର ୩୦ ଜଣ ପ୍ରଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ନେଇ ଅତିଥିଙ୍କଠାରୁ ପ୍ରମାଣପତ୍ର ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ।

ଶିକ୍ଷକ ଭରତଚନ୍ଦ୍ର ଲେଙ୍କାଙ୍କ ସ୍ମୃତିଚାରଣ

ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି, ୬।୫(ସମିସ): ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି ବ୍ଲକ ଅଧୀନ ପାଟପୁର ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରବୀଣ ଇଂରାଜୀ ଶିକ୍ଷକ ଭରତଚନ୍ଦ୍ର ଲେଙ୍କାଙ୍କ ଏକାଦଶାହ ଦିବସ ଅବସରରେ ତାଙ୍କ ବାସଭବନରେ ଏକ ସ୍ମୃତିଚାରଣ ସଭା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ଶିକ୍ଷାବିତ୍ କବି ସଚ୍ଚିଦାନନ୍ଦ ମିଶ୍ରଙ୍କ ପୌରୋହିତ୍ୟରେ ଏଥିରେ ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ଦେବପ୍ରସାଦ କର, ଡ. ଭାବଗ୍ରାହୀ ରାଉତ, ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ସୁଧୀରଚନ୍ଦ୍ର ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, ସାହିତ୍ୟିକ ଜୟରାମ ସାହୁ, ପୁରାତନ ଛାତ୍ରୀ ବୀଣାପାଣି ଦାସ, ମଳୟ ମଲ୍ଲ, ଅମୀୟ ରଞ୍ଜନ ସ୍ୱାଇଁ, ଲକ୍ଷ୍ମଣ ସାହୁ, ରାମଚନ୍ଦ୍ର ନାୟକ, ସୁବାଷ ଚନ୍ଦ୍ର ସାମନ୍ତରାୟ, ସରୋଜକାନ୍ତ ଲେଙ୍କା, କଳ୍ପନା ଲେଙ୍କା, ରେଣୁକା ପ୍ରଧାନ, ଅର୍ଚ୍ଚନା ସାହୁ, କିରଣବାଳା ପରିଜା, ସଂଘମିତ୍ରା ସାମନ୍ତରାୟ, ଅକ୍ଷୟ ପରିଡ଼ା, ସୁରେଶ ବଳ, ସଞ୍ଜିତ୍ ସେଠୀଙ୍କ ସମେତ ବହୁ ଶିକ୍ଷାପ୍ରେମୀ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ପୁତ୍ର ସମ୍ବିତ୍ କୁମାର ଲେଙ୍କା ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ।

ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀଙ୍କୁ ବିଦାୟ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା

ଭଦ୍ରେଶ୍ୱର, ୬।୫(ସମିସ): ମାହାଙ୍ଗା ବ୍ଲକ ଗୋତରା ଭବାନୀ ସରକାରୀ ବାଳିକା ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ନମିତା ମିଶ୍ରଙ୍କୁ ଅବସରକାଳୀନ ବିଦାୟ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ଜ୍ଞାପନ କରାଯାଇଛି। ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନା କମିଟି ତରଫରୁ ଆୟୋଜିତ ଏହି ଉତ୍ସବରେ ବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ତଥା ସାମ୍ବାଦିକ ଶଶିଭୂଷଣ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ ସଭାପତିତ୍ୱ କରିଥିଲେ। ଅତିଥି ଭାବେ ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ଅକ୍ଷୟ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, ଜୟନ୍ତୀ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, ସିଆରସିସି ଭାଗବତ ବେହେରା ଓ ଶଶିଭୂଷଣ ପ୍ରହରାଜ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ସୁବ୍ରତ ପ୍ରଧାନ ସ୍ୱାଗତ ଭାଷଣ ଓ ଅତିଥି ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ଶିକ୍ଷକ ଅକ୍ଷୟ ସାହୁ, ରଶ୍ମିରାଣୀ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, କ୍ରୀଡ଼ା ଶିକ୍ଷକ ଅମରେନ୍ଦ୍ର ଭଞ୍ଜ ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଓ କର୍ମଚାରୀ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ। ରଶ୍ମିରାଣୀ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ।

କଂଗ୍ରେସ କର୍ମୀଙ୍କ ସ୍ମୃତିରେ ସଭା

ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି, ୬।୫(ସମିସ): ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି ବ୍ଲକ ଅଧୀନ ନତକାଇ ପଞ୍ଚାୟତର କଂଗ୍ରେସ ନେତା ନରେନ୍ଦ୍ର ରାଉତଙ୍କ ଏକାଦଶାହରେ ଏକ ସ୍ମୃତିଚାରଣ ସଭା ତାଙ୍କ ବାସଭବନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ସ୍ମୃତି କମିଟିର ସଂଯୋଜକ ତପନ କୁମାର ଜତିଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଏଥିରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ମାହାଙ୍ଗା କଂଗ୍ରେସ ନେତା ଦେବେନ୍ଦ୍ର ସାହୁ ଯୋଗଦେଇ ସ୍ୱର୍ଗତ ରାଉତଙ୍କ ସଂକ୍ରାନ୍ତରେ ଆଲୋକପାତ କରିଥିଲେ। ଏଥିରେ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥିଭାବେ ଆଇନଜୀବୀ ଭାସ୍କରଚନ୍ଦ୍ର ବେହେରା, ସରପଞ୍ଚ ଜୟଦେବ ରାଉତ, ପୂର୍ବତନ ସରପଞ୍ଚ ପର୍ଶୁରାମ ବେହେରା, ମାହାଙ୍ଗା ବ୍ଲକ କଂଗ୍ରେସ କମିଟି ପୂର୍ବତନ ସଭାପତି ଅଲେଖ ପ୍ରସାଦ ସ୍ୱାଇଁ, ଶିକ୍ଷାବିତ୍ କୈଳାସ ଚନ୍ଦ୍ର ସାହୁ, ପରିବେଶବିତ୍ ତ୍ରିଲୋଚନ ବେହେରା, ଯୁବ ସଂଗଠକ ପ୍ରଭାତ କୁମାର ଦାସ, ରଞ୍ଜନ କୁମାର ଜତି, ଚନ୍ଦ୍ରକାନ୍ତ ଦାସ, ଉତ୍ତମ ବେହେରା, ଦେବେନ୍ଦ୍ର ପରିଡ଼ା ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ନାରାୟଣ ରାଉତ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ।

ବରପଦାରେ ବିଜୟ ଉତ୍ସବ ପ୍ରସ୍ତୁତି

କଟକ, ୬।୫(ସମିସ): ଟାଙ୍ଗୀ ଚୌଦ୍ୱାର ବ୍ଲକ କନ୍ହେଇପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ବରପଦାଠାରେ ଭାରତୀୟ ଜାତୀୟ ପାର୍ଟିର ବିଭିନ୍ନ ରାଜ୍ୟରେ ବିଜୟ ଲାଭ ଅବସରରେ ବିଜୟ ଉତ୍ସବ ସହ ସାଂଗଠନିକ ସଭା ନିମନ୍ତେ ପ୍ରସ୍ତୁତି ବୈଠକ ବୁଧବାର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ମହଣ ପଞ୍ଚାୟତର ଯୁବ ନେତା ମନୋଜ ବିଶ୍ୱାଳଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ବୈଠକରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଜିଲ୍ଲା ବିଜେପି ଗ୍ରାମୀଣ ଉପସଭାପତି ହିମାଂଶୁ କୁମାର ମହାନ୍ତି ଯୋଗଦେଇ ବିଜେପିର ବିଜୟ ଉତ୍ସବ ନିମନ୍ତେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ସ୍ଥାନୀୟ ପଞ୍ଚାୟତ ସଭାପତି ଅନନ୍ତ ପାତ୍ର, ବହୁଗ୍ରାମ ସଭାପତି ମାନସ କରଣ, କୋଟସାହି ସଭାପତି ସମରେନ୍ଦ୍ର ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ, ପ୍ରାକ୍ତନ ସମିତିସଭ୍ୟ ଦେବାଶିଷ ମଲ୍ଲିକ, ଗଗନ ଲେଙ୍କା, ଶାନ୍ତନୁ ମହାନ୍ତି, ଅଜୟ ସ୍ୱାଇଁ, ବେଣୁଧର ଦାସ, ବିଜୟ ମହାନ୍ତି, ରାଜୀବ ଦ୍ୱିବେଦୀ, ଅରୁଣ ଲେଙ୍କା ଓ ରିତେଶ ଦାସଙ୍କ ସମେତ ବିଭିନ୍ନ ପଞ୍ଚାୟତର କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତା ଯୋଗଦେଇଥିଲେ।

କେନାଲ ସଂସ୍କାର ନାଁରେ କୋଟି କୋଟି ଟଙ୍କାର ହରିଲୁଟ୍

ଗାଏବ ସୂଚନା ଫଳକ; ଅନ୍ଧାରରେ ଜନସାଧାରଣ

ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି, ୬।୫(ସମିସ)

- ନିମ୍ନମାନର କାର୍ଯ୍ୟକୁ ନେଇ ଚାଷୀ ଅସନ୍ତୋଷ
- ବିଭାଗୀୟ ଯନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଅନୁପସ୍ଥିତିରେ ଠିକାଦାରଙ୍କ ମନମୁଖୀ

ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଚାଷୀଙ୍କ ଜମିକୁ ପାଣି ଯୋଗାଇବା ପାଇଁ କୋଟି କୋଟି ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ ବରାଦ କରୁଥିବା ବେଳେ, ନିଶ୍ଚିନ୍ତକୋଇଲି ବ୍ଲକ ଅଞ୍ଚଳରେ ଏହାର ବାସ୍ତବ ଚିତ୍ର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଓଲଟା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଜଳସମ୍ପଦ ବିଭାଗର କେନ୍ଦୁପାଟଣା ସହକାରୀ ନିର୍ବାହୀ ଯନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଅଧୀନରେ ଥିବା ୮-ନମ୍ବର 'ସି' ହାଫ୍ କେନାଲର ସଂସ୍କାର କାର୍ଯ୍ୟରେ ବ୍ୟାପକ ଅନିୟମିତତା ହେଉଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଭୁବନ ପୋଲ ଠାରୁ ସୁନାଇଲୋ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚାଲିଥିବା ଏହି କଂକ୍ରିଟ ଓ ଲାଇନିଂ କାର୍ଯ୍ୟରେ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଓ ସ୍ଥାୟୀତ୍ୱକୁ ନେଇ ଏବେ ସାଧାରଣରେ ବଡ଼ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ସରକାରୀ ନିୟମ ଅନୁସାରେ ଯେକୌଣସି ପ୍ରକଳ୍ପ କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ ହେବା ପୂର୍ବରୁ ସେଠାରେ ଅଟକଳ ମୂଲ୍ୟ, କାର୍ଯ୍ୟର ସମୟସୀମା ଓ ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସୂଚନା ସମ୍ବଳିତ ଏକ ଫଳକ ଲଗାଯିବା ଅନିବାର୍ଯ୍ୟ। ମାତ୍ର ଏଠାରେ ଠିକାଦାର କୌଣସି ସୂଚନା ଫଳକ ଲଗାଇ ନାହାନ୍ତି। ଫଳରେ ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପ ପାଇଁ କେତେ ଟଙ୍କା ମଞ୍ଜୁର ହୋଇଛି ଏବଂ କେଉଁ ମାନଦଣ୍ଡରେ କାର୍ଯ୍ୟ ହେଉଛି, ସେ ସମ୍ପର୍କରେ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଅନ୍ଧାରରେ ରହିଛନ୍ତି। ଏହି ଗୋପନୀୟତା ପଛରେ ଏକ ବଡ଼ ଧରଣର ଦୁର୍ନୀତି ଲୁଚି ରହିଥିବା ସ୍ଥାନୀୟ ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀମାନେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ଅଭିଯୋଗ ଅନୁଯାୟୀ, ପ୍ରକଳ୍ପ ନିର୍ମାଣରେ ଅତ୍ୟନ୍ତ ନିମ୍ନମାନର ସିମେଣ୍ଟ, ବାଲି ଓ ଚିପ୍ସ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। କାର୍ଯ୍ୟସ୍ଥଳରେ କୌଣସି ବିଭାଗୀୟ ଯନ୍ତ୍ରୀ ତଦାରଖ ପାଇଁ ଉପସ୍ଥିତ ରହୁ ନ ଥିବାରୁ ଠିକାଦାର ନିଜ ଇଚ୍ଛା ମୁତାବକ ଅଟକଳ ବାହାରେ କାମ କରୁଛନ୍ତି। ନିର୍ମାଣର କିଛି ଦିନ ମଧ୍ୟରେ କଂକ୍ରିଟ୍ ଫାଟିଯିବାର ଆଶଙ୍କା ଦେଖାଦେଇଥିବାରୁ ଏହାର ସ୍ଥାୟୀତ୍ୱକୁ ନେଇ ଚାଷୀମାନେ ସନ୍ଦେହ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି। କେବଳ ନିର୍ମାଣରେ ଅନିୟମିତତା ନୁହେଁ, ବରଂ ଶ୍ରମିକମାନଙ୍କ ପ୍ରତି ମଧ୍ୟ ଅମାନୁଷିକତା ପ୍ରଦର୍ଶନ କରାଯାଉଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ପ୍ରବଳ ଗ୍ରୀଷ୍ମ ପ୍ରବାହ ଓ ତୁ ତୁ ଖରା ସମୟରେ କାମ ବନ୍ଦ ରଖିବା ପାଇଁ ସରକାରୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଥିଲେ ହେଁ, ଠିକାଦାର ଶ୍ରମିକମାନଙ୍କୁ ଖରାବେଳେ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜିତ କରୁଛନ୍ତି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ, କେନାଲରେ ଆବଶ୍ୟକ ସୁଠ ନିର୍ମାଣ କରାଯାଉ ନ ଥିବାରୁ ବୁହାଲୋ ଓ ସରପଡ଼ା ପଞ୍ଚାୟତର ଶହ ଶହ ଚାଷୀ ଆତଙ୍କିତ ହୋଇପଡ଼ିଛନ୍ତି। ସୁଠ ନିର୍ମାଣ ନ ହେଲେ ଜମିକୁ ପାଣି ଯିବାରେ ସମସ୍ୟା ଉପୁଜିବ, ଯାହା ଚାଷ କାର୍ଯ୍ୟକୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭାବେ ପ୍ରଭାବିତ କରିବ।

ଶିକ୍ଷକ ପ୍ରତାପ ନାୟକଙ୍କୁ ଅବସରକାଳୀନ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା

ମାହାଙ୍ଗା, ୬।୫(ସମିସ): 'ଗୁରୁ ହିଁ ଛାତ୍ର ଜୀବନର ଶ୍ରେଷ୍ଠ ମାର୍ଗଦର୍ଶକ' ମର୍ମରେ ମାହାଙ୍ଗା ବ୍ଲକ କୋଠପଦାସ୍ଥିତ ରଘୁନାଥ ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାପୀଠର ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ପ୍ରତାପ କିଶୋର ନାୟକଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ବିଦାୟକାଳୀନ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ସଭା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ପୁରାତନ ଛାତ୍ର ସଂଘର ସଭାପତି ତଥା ବରିଷ୍ଠ ସାମ୍ବାଦିକ ଅଖିଳେଶ ପଦ ମହାନ୍ତିଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଆୟୋଜିତ ଏହି ଉତ୍ସବକୁ ଶତାୟୁ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ସୁନାକର ନାୟକ ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରିଥିଲେ। ଏହି ସମାରୋହରେ ମାହାଙ୍ଗା ବିଡିଓ ତିଳୋତ୍ତମା ପୃଷ୍ଟି ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ ଡକ୍ଟର ଅଜିତ କୁମାର ମହାପାତ୍ର, ବିଶିଷ୍ଟ ଅତିଥି ଭାବେ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ବଟ କିଶୋର ପଣ୍ଡା, ଶାନ୍ତିଲତା ରାୟ, କ୍ଷୀରୋଦ ଚନ୍ଦ୍ର ପତି, କିଶୋର ଚନ୍ଦ୍ର ଦାଶ ଏବଂ ସାହିତ୍ୟିକ ଡ. ଭାବଗ୍ରାହୀ ରାଉତ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ଶ୍ରୀ ନାୟକଙ୍କ ଆଦର୍ଶ ଶିକ୍ଷକତା ଓ ଅନୁଷ୍ଠାନ ପ୍ରତି ତାଙ୍କର ତ୍ୟାଗକୁ ପ୍ରଶଂସା କରିଥିଲେ। ପୁରାତନ ଛାତ୍ର ସଂଘ, ବଜାର କମିଟି ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ମହିଳା ଫେଡେରେସନ ପକ୍ଷରୁ ଶ୍ରୀ ନାୟକ ଓ ତାଙ୍କ ସହଧର୍ମିଣୀ ଜୟନ୍ତୀ ନାୟକଙ୍କୁ ଉତ୍ତରୀୟ, ମାନପତ୍ର ଓ ଉପଢୌକନ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇ ସମ୍ମାନିତ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ଅବସରରେ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଛାତ୍ରୀମାନେ ସ୍ୱାଗତ ସଙ୍ଗୀତ ଗାନ କରିଥିବା ବେଳେ ପଣ୍ଡିତ ଦିଲ୍ଲୀପ କୁମାର ପଣ୍ଡା ବେଦ ପାଠ କରିଥିଲେ। ସଭା ଶେଷରେ ଏକ ବିରାଟ ଶୋଭାଯାତ୍ରାରେ ଶ୍ରୀ ନାୟକଙ୍କୁ ନଗର ପରିକ୍ରମା କରାଇ ତାଙ୍କ ଜନ୍ମମାଟି କୁହୁଣ୍ଡା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପାଛୋଟି ନିଆଯାଇଥିଲା। ବିଦ୍ୟାଳୟର ଭାରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ପ୍ରୀତି ପଲ୍ଲବୀ ସ୍ୱାଇଁଙ୍କ ସମେତ ସମସ୍ତ ଶିକ୍ଷକଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ, ଅଭିଭାବକ ଓ ଗ୍ରାମବାସୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିଚାଳନାରେ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

ରଥଖଳାରୁ...

ପ୍ରଭା ଅପ୍‌ସରା ଏବଂ ବେଦୀ ସିଂହାସନ ନିର୍ମାଣ ଶେଷ

ପୁରୀ,୬।୫(ସମିସ): ରଥଯାତ୍ରା ପାଇଁ ରଥଖଳା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଚଳଚଞ୍ଚଳ। ବିଧି ମୁତାବକ ତିନିରଥ ନିର୍ମାଣ କାର୍ଯ୍ୟ ଆଗେଇ ଚାଲିଛି। ଆସନ୍ତା ଶନିବାର ଭଉଁରୀ। ପରମ୍ପରା ଅନୁଯାୟୀ, ଭଉଁରୀ ତିଥିରେ ତିନିରଥର ଚକ ଡେରା କାର୍ଯ୍ୟ ସମ୍ପନ୍ନ ହେବ। ଏହାକୁ ନଜରରେ ରଖି ମହାରଣା ସେବକମାନେ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଯାଇଛନ୍ତି। ବୁଧବାର ସୁଦ୍ଧା ତିନିରଥର ୧୬ଟି ଚକ ନିର୍ମାଣ ଶେଷ ହୋଇଛି। ତାଳଧ୍ୱଜ ଓ ଦର୍ପଦଳନ ରଥର ୫ଟି ଲେଖାଏଁ ଚକ ସରିଥିବାବେଳେ ନନ୍ଦିଘୋଷ ରଥର ୬ଟି ଚକ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଛି। ତିନି ରଥର ଆଉ ଦୁଇଟି ଲେଖାଏଁ ତୁମ୍ବରେ ଭୋଇ ସେବକ ସିଙ୍ଗଡ଼ା ବାଡ଼ିଆ ଶେଷ କରିଛନ୍ତି। ଏହାପରେ ସେହି ତୁମ୍ବରେ ଅଖ ବିନ୍ଧ ପାଇଁ ରଥ ଚାଳିକୁ ଯୋଗାଇ ଦେଇଛନ୍ତି। ତିନି ରଥର ପ୍ରଭା ଅପ୍‌ସରା ଏବଂ ବେଦୀ ସିଂହାସନ ନିର୍ମାଣ ଶେଷ ହୋଇଛି। ଏଥିସହ ଆଜିସୁଦ୍ଧା ତିନିରଥର ୪ଟି ଲେଖାଏଁ ପ୍ରଥମ ଭୂଇଁ ଓ ମଝି ଭୂଇଁ ଖମ୍ବ ନିର୍ମାଣ ଶେଷ ହୋଇଛି। ରୂପକାର ସେବକମାନେ ତିନିରଥର ସାଲ ଗୁଜ ରେ ନୃସିଂହ ରୂପ ଖୋଦେଇ ଜାରୀ ରଖିଛନ୍ତି। ଦୋଳବେଦୀ ଅସ୍ଥାୟୀ କମାର ଶାଳରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ରଥର ୧୦ଟି ଲେଖାଏଁ ଚକ ପାଇଁ ଆବଶ୍ୟକ ଅର କଣ୍ଟା ନିର୍ମାଣ ଶେଷ ହୋଇଛି। ବାକି ଚକଗୁଡ଼ିକ ପାଇଁ ଅର କଣ୍ଟା ନିର୍ମାଣ ସହ ତୁମ୍ବ ପାଇଁ ପଦାରି ବଳା, ତୁମ୍ବ ବାହ୍ୟ ବଳା ଏବଂ ପଦାରି ଚାବି ନିର୍ମାଣ ଚାଲିଛି।

ଆଗାମୀ ସପ୍ତାହରେ +୨ ପରୀକ୍ଷା ଫଳ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫ (ସମିସ): ଆଉ ସପ୍ତାହେ ପରେ ଅର୍ଥାତ୍ ଚଳିତ ମାସ ତୃତୀୟ ସପ୍ତାହରେ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ (ସିଏଚ୍‌ଏସ୍‌ଇ) ପରିଚାଳିତ ଯୁକ୍ତ ୨ ପରୀକ୍ଷା ଫଳ ପ୍ରକାଶ ପାଇବ। ଏକ ସମୟରେ କଳା, ବିଜ୍ଞାନ, ବାଣିଜ୍ୟ ଓ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷାର ରେଜଲ୍ଟ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଜାରି ରହିଛି ଓ ଦୁଇଟି ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଖାତାଦେଖା ସରିଥିବାବେଳେ ଟେବୁଲେସନ୍ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ସୂଚନା ମିଳିଛି। ଚଳିତ ବର୍ଷ ସମୁଦାୟ ୩ ଲକ୍ଷ ୯୬ ହଜାର ୫୯୨ ଜଣ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଛନ୍ତି। କଳାରେ ସର୍ବାଧିକ ୨ଲକ୍ଷ ୫୩ହଜାର ୫୫୦ ଜଣ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିବା ବେଳେ ବିଜ୍ଞାନରେ ୧,୧୩,୪୩୯, ବାଣିଜ୍ୟରେ ୨୪,୦୭୨ ଓ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷାରେ ୫,୫୩୧ ଜଣ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଛନ୍ତି। ଗୋଟିଏ ପରୀକ୍ଷାରେ ଫେଲ୍ ହୋଇଥିବା ପିଲାମାନେ ଇନଷ୍ଟାଣ୍ଟ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇପାରିବେ। ସେହିପରି ଚଳିତ ବର୍ଷ ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ ଗୋଟିଏ ବିଷୟରେ ମାର୍କ ବଢ଼ାଇବାକୁ ଇମ୍ପ୍ରୁଭମେଣ୍ଟ ପରୀକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା କରାଯାଇଛି। କେବଳ ପରୀକ୍ଷାରେ ପାସ୍ କରିଥିବା ପିଲାମାନେ ଗୋଟିଏ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ମାର୍କ ରଖିବା ପାଇଁ ଏହି ଇମ୍ପ୍ରୁଭମେଣ୍ଟ (ଉନ୍ନତି) ପରୀକ୍ଷା ଦେଇପାରିବେ। ନିଜ ଇଚ୍ଛା ମୁତାବକ କେବଳ ଗୋଟିଏ ବିଷୟରେ ହିଁ ଏହି ପରୀକ୍ଷା ଦେବାକୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ସୁଯୋଗ ମିଳିବ। ଏକାଧିକ ବିଷୟରେ ଇମ୍ପ୍ରୁଭମେଣ୍ଟ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇପାରିବେ ନାହିଁ। ଇନଷ୍ଟାଣ୍ଟ ପରୀକ୍ଷା ସହ ଇମ୍ପ୍ରୁଭମେଣ୍ଟ ପରୀକ୍ଷା ହେବ। ଏକା ସାଙ୍ଗରେ ହିଁ ପରୀକ୍ଷା ଫଳ ପ୍ରକାଶ ପାଇବ। ନିୟମିତ ପରୀକ୍ଷାର ଫଳ ପ୍ରକାଶ ପାଇବାର ୬୦ ଦିନ ବା ୨ ମାସ ମଧ୍ୟରେ ଏହି ପ୍ରକ୍ରିୟା ଶେଷ ହେବ।

ରାଜସ୍ୱ ସେବା ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଚେତାବନୀ

ବଦଳିର ୭ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯୋଗ ନ ଦେଲେ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୬।୫(ସମିସ): ରାଜସ୍ୱ ବିଭାଗ ଅଧୀନରେ ଥିବା ସମସ୍ତ ଓଏଏସ୍ ଏବଂ ଓଆରଏସ୍ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ବଦଳି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଆସିବାର ସାତ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ନୂତନ ନିଯୁକ୍ତି ସ୍ଥାନରେ ଯୋଗ ଦେବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି ମନ୍ତ୍ରୀ ସୁରେଶ ପୂଜାରୀ। ଯେଉଁ ଅଧିକାରୀମାନେ ବଦଳି ଆଦେଶ ଅବମାନନା କରିବେ, ସେମାନଙ୍କ ବିରୋଧରେ

- ବେବନ୍ଦୋବସ୍ତ ଜମିର ସମାଧାନ ପାଇଁ ଖୁବ୍ ଶୀଘ୍ର ଜାରୀ ହେବ ଏସ୍‌ଓପି
- ସରକାରୀ ଜମି ଜବରଦଖଲ କରିଥିଲେ କଠୋର କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଧମକ

କଠୋର କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରାଯିବ ବୋଲି ମନ୍ତ୍ରୀ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହା ସହ ସମସ୍ତ ବେବନ୍ଦୋବସ୍ତ ଜମିର ସମାଧାନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ କରିବା ସହ ସମସ୍ତ ଜମିପଟ୍ଟାର ୨ ଖାନା ବା କଲମ୍ ୨ ସଂଶୋଧନ ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ କରିବା ପାଇଁ ରାଜସ୍ୱ ଓ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ପରିଚାଳନା ମନ୍ତ୍ରୀ ସୁରେଶ ପୂଜାରୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି।

ଆଜି ଲୋକସେବା ଭବନରେ ଆୟୋଜିତ ଏକ ଉଚ୍ଚସ୍ତରୀୟ ବୈଠକରେ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତା କରି ମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ପୂଜାରୀ କଟକ, ପୁରୀ, ଭଦ୍ରକ, ବଲାଙ୍ଗୀର ଏବଂ ଜଗତସିଂହପୁର ଆଦି ଜିଲ୍ଲାମାନଙ୍କରେ ଅଧିକ ବକେୟା ଥିବା ମାମଲାଗୁଡିକର ବନ୍ଦୋବସ୍ତ ପ୍ରକ୍ରିୟା ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ କରିବା ସହ ଯୋଗ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତିମାନଙ୍କ ସପକ୍ଷରେ ଜମିପଟ୍ଟା ଜାରି କରିବା ନିମନ୍ତେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାସହ ଯେଉଁଠି ସମ୍ପୃକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତିବିଶେଷ ବେବନ୍ଦୋବସ୍ତ ଜମି ନିମନ୍ତେ ସଲାମି ଦେଉ ନାହାଁନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କୁ କାରଣ ଦର୍ଶାଅ ନୋଟିସ୍ ଦେଇ ଏକ ମାସ

ମଧ୍ୟରେ ଶୀଘ୍ର ଫଇସଲା କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି। ଜମି ରେକର୍ଡ ସଠିକ୍ ରଖିବା, ଅନଧିକୃତ ଦଖଲ ରୋକିବା ଏବଂ ରାଜସ୍ୱ ବୃଦ୍ଧି କରିବା ପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେ ବେବନ୍ଦୋବସ୍ତ ଜମିର ସେଟେଲମେଣ୍ଟ ନିମନ୍ତେ ବିଭିନ୍ନ ସମୟରେ ରାଜ୍ୟସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ସର୍କୁଲାର୍ ଜାରି ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଖୁବ୍ ଶୀଘ୍ର ଏ ସମ୍ପର୍କିତ ସମସ୍ତ ସର୍କୁଲାର, ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ଆଦିକୁ ସଂକଳିତ କରି ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଏସ୍‌ଓପି ପୁସ୍ତିକା ଜାରି କରାଯିବ ବୋଲି ବୈଠକରେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନିଆଯାଇଛି। ସେହିପରି ରାଜସ୍ୱ ନିରୀକ୍ଷକ (ଆର୍‌ଆଇ) ମାନଙ୍କୁ ପ୍ରତି ମାସରେ ୨୫୦ରୁ ୩୦୦ ଖାତାର ସର୍ଭେ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଲକ୍ଷ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ କରି ତଦନୁଯାୟୀ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯିବା ସହ କୃଷକ ପଞ୍ଜିକରଣ (ଫାର୍ମର୍ ରେଜିଷ୍ଟ୍ରି) ପ୍ରକ୍ରିୟାକୁ ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ କରିବା, ସଂଶୋଧିତ ଖାତା ଗୁଡ଼ିକରେ କୃଷକ ମାନଙ୍କୁ ସଠିକ୍ ଭାବେ ପଞ୍ଜୀକୃତ କରିବା, ଆଧାର ଲିଙ୍କ୍ ସଂଯୋଗୀକରଣ କରିବାକୁ କୃଷି ବିଭାଗର ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି। ବୈଠକରେ ଅତିରିକ୍ତ ମୁଖ୍ୟ ଶାସନ ସଚିବ ଡ. ଅରବିନ୍ଦ ପାଢ଼ୀ, ବିଭାଗର ଅନ୍ୟ ଅଧିକାରୀମାନେ ଉପସ୍ଥିତ ଥିବା ବେଳେ ଆଭାସୀ ମାଧ୍ୟମରେ ସମସ୍ତ ଡିଭିଜନର ଆରଡିସି, ସମସ୍ତ ଜିଲ୍ଲାର ଏଡିଏମ୍ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ଯୁବକ ମୃତ

ସମ୍ବଲପୁର, ୬।୫ (ସମିସ): ସମ୍ବଲପୁର ଜିଲ୍ଲା ପଡ଼ିଆବାହାଲ ରେଞ୍ଜରେ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ଜଣେ ଯୁବକଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ସୂଚନା ମିଳିଛି। ରାତିରେ ଶୌଚ ପାଇଁ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ତାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିଲା। ବୁଧବାର ସକାଳେ ଖବର ପାଇ ବନବିଭାଗ ଓ ପୁଲିସ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିଥିଲେ। ଉଲ୍ଲେଖଯୋଗ୍ୟ ଯେ, ଗତ ଏପ୍ରିଲ ମାସରେ ଏହି ରେଞ୍ଜ ଅନ୍ତର୍ଗତ କୁଲଚର ସଂରକ୍ଷିତ ଜଙ୍ଗଲରେ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ମେଘପାଲ ଦାଉପଡ଼ାର ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିଲା। ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ, ପଡ଼ିଆବାହାଲ ରେଞ୍ଜ ବେହେରାମାଲ ସେକ୍ସନ ଅନ୍ତର୍ଗତ ପତରଫଡ଼ି ନିକଟରେ ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ବେହେରାମାଲ, ଟାମ୍ପରଗଡ଼ର ଶ୍ରୀଧର ବେହେରା (୩୫)ଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଛି। ସୋମବାର ରାତିରେ ସେ ଶୌଚ ପାଇଁ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ହାତୀ ହାବୁଡ଼ରେ ପଡିଯାଇଥିଲେ। ହାତୀ ଆକ୍ରମଣରେ ତାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିଲା। ବୁଧବାର ସକାଳେ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ବନବିଭାଗ ଓ ପୁଲିସକୁ ଖବର ଦେଇଥିଲେ। ବନବିଭାଗ କର୍ମଚାରୀ ଓ ଯୁଯୋମୁରା ପୁଲିସ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିଥିଲେ। ମୃତଦେହକୁ ପୁଲିସ ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ ପାଇଁ ପଠାଇଛି।

ହିଞ୍ଜିଳି ବୀଭତ୍ସ ହତ୍ୟାକାଣ୍ଡ ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ବିଜେଡିର ପ୍ରଶ୍ନ

ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତାଙ୍କ ଚିଠିକୁ ନେଇ ଏତେ ଉତ୍‌କ୍ଷିପ୍ତ କାହିଁକି

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫(ସମିସ): ହିଞ୍ଜିଳି ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଖରିଡା ଗ୍ରାମରେ ଜଣେ ଗର୍ଭବତୀ ମହିଳାଙ୍କୁ ତାଙ୍କ ତିନି ବର୍ଷର ଝିଅ ସମ୍ମୁଖରେ ବୀଭତ୍ସ ହତ୍ୟା ସାରା ରାଜ୍ୟରେ ଆଲୋଡ଼ନ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ଘଟଣାକୁ ନେଇ ବିରୋଧୀ ଦଳର ନେତା ତଥା ହିଞ୍ଜିଳି ବିଧାୟକ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ଉଦବେଗ ପ୍ରକାଶ କରି ଗୃହ ବିଭାଗ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀଙ୍କୁ ଚିଠି ଲେଖି ଘଟଣାରେ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ମାତ୍ର ଏହି ଚିଠିକୁ ନେଇ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାକୁ ନେଇ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠାଇଛି ବିଜେଡି। ହତ୍ୟା ଅଭିଯୁକ୍ତଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଦାବିକୁ ନେଇ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ଯେପରି ଉତ୍‌କ୍ଷିପ୍ତ ହୋଇଛନ୍ତି ତାହା ଅତ୍ୟନ୍ତ ଦୁଃଖର ବିଷୟ ବୋଲି ବିଜେଡି ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛି।

ବୁଧବାର ଶଙ୍ଖଭବନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ସାମ୍ବାଦିକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ବିଜେଡି ମୁଖପାତ୍ର ତଥା ଗଣମାଧ୍ୟମ ସଂଯୋଜକ ଡ. ଲେନିନ ମହାନ୍ତି ଓ ବିଜୁ ଛାତ୍ର ଜନତା ଦଳ ସଭାନେତ୍ରୀ ଇପ୍ସିତା ସାହୁ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାକୁ ନେଇ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠାଇଛନ୍ତି। ଡ. ମହାନ୍ତି କହିଛନ୍ତି ଯେ ଗତ

ସପ୍ତାହ ମଧ୍ୟରେ ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରାନ୍ତରେ ଆଇନ ଶୃଙ୍ଖଳାର ଚରମ ଅଧୋଗତି ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ବିରୋଧୀ ଦଳ ନେତା ହିସାବରେ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀଙ୍କୁ ଚିଠି ଲେଖି ଚିନ୍ତାବ୍ୟକ୍ତ କରିବା ସହ ତ୍ୱରିତ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ପାଇଁ କହିଥିଲେ। ମାତ୍ର ରାଜ୍ୟରେ ଆଇନଶୃଙ୍ଖଳା ଭୁଶୁଡିପଡିଥିଲା ବେଳେ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ଦୃଢ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରିବା ପରିବର୍ତ୍ତେ ଦାୟିତ୍ୱହୀନ

ଦୃଢ଼ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ପରିବର୍ତ୍ତେ ଦେଉଛନ୍ତି ଦାୟିତ୍ୱହୀନ ମନ୍ତବ୍ୟ

ମନ୍ତବ୍ୟ ସ୍ୱାଭାବିକ ଭାବରେ ଅନେକ ପ୍ରଶ୍ନକୁ ଜନ୍ମ ଦେଇଛ। ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ଚିଠି କାହିଁକି ଲେଖିଲେ ବୋଲି ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରଶ୍ନ ତାଙ୍କ ଅହଂଭାବକୁ ପରିଚୟକୁ ଦର୍ଶାଉଛି। ନିଜ ନିର୍ବାଚନମଣ୍ଡଳୀରେ ଘଟିଥିବା ବର୍ବର ଘଟଣା ସମ୍ପର୍କରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଚିଠି ଲେଖିବା ଓ ଜଣେ ଅପରାଧୀକୁ ଦଣ୍ଡ ଦେବାକୁ ଦାବି କରିବା କେଉଁ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଭୁଲ ବୋଲି ବିଜେଡି ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛି।

ଇପ୍ସିତା ସାହୁ କହିଥିଲେ ଯେ ଯେଉଁ ତିନି ବର୍ଷର ଛୁଆ ସାମ୍ନାରେ ତା'ର ଗର୍ଭବତୀ ମାଆଙ୍କୁ ସ୍ପଷ୍ଟ ଦିବାଲୋକରେ ହତ୍ୟା କରାଗଲା, ସେ ଛୁଆର ଦାୟିତ୍ୱ ନେବା ପାଇଁ ସରକାରଙ୍କୁ ବିରୋଧୀ ଦଳର ନେତା ଅନୁରୋଧ କରିବା ଯଥାର୍ଥ ନୁହେଁ କି? ଯେତେବେଳେ ବି କୌଣସି ପ୍ରଶ୍ନ ଗୃହ ବିଭାଗ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ କରାଯାଏ, ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାଶୀଳ ହୋଇ ସାମ୍ନାକୁ କାହିଁକି ଆସୁଛନ୍ତି ? ଅଘୋଷିତ ଭାବେ ଆଇନମନ୍ତ୍ରୀ ଗୃହ ବିଭାଗର ଦାୟିତ୍ୱରେ ଅଛନ୍ତି କି? ଏଭଳି ପ୍ରତିକ୍ରିୟାଶୀଳ ହୋଇ ମନ୍ତବ୍ୟ ଦେବା ଅପେକ୍ଷା, ଅନୁଗୁଳ, କଣାସ ଏବେ ଖରିଡା ଘଟଣାରୁ ସରକାର କିଛି ଶିକ୍ଷା ଲାଭ କରି ରାଜ୍ୟରେ ଆଇନର ଶାସନ ପ୍ରତିଷ୍ଠା କରିବା ପାଇଁ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ ବୋଲି ବିଜେଡି ଦାବି କରିଛି।

■ ପୀତବାସ ପଣ୍ଡା ହତ୍ୟା ଘଟଣା

ଅଭିଯୁକ୍ତ ମଦନମୋହନଙ୍କ ଅନ୍ତରୀଣ ଜାମିନ ଆବେଦନ ଖାରଜ

କଟକ, ୬।୫(ସମିସ): ବ୍ରହ୍ମପୁରର ଆଇନଜୀବୀ ପୀତବାସ ପଣ୍ଡାଙ୍କ ହତ୍ୟା ଘଟଣାରେ ଅନ୍ୟତମ ଅଭିଯୁକ୍ତ ମଦନ ମୋହନ ଦଳାଇଙ୍କ ଅନ୍ତରୀଣ ଜାମିନ ଆବେଦନକୁ ଆଜି ହାଇକୋର୍ଟ ଖାରଜ କରିଦେଇଛନ୍ତି। ଜଷ୍ଟିସ ଗୌରୀଶଙ୍କର ଶତପଥୀ ଏପରି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ଅସୁସ୍ଥ ଥିବା ଦର୍ଶାଇ ଶ୍ରୀ ଦଳାଇ ଅନ୍ତରୀଣ ଜାମିନ ପାଇଁ ଆବେଦନ କରିଥିଲେ। ତାଙ୍କର ନିୟମିତ ଜାମିନ ଆବେଦନର ଶୁଣାଣି ଆସନ୍ତା ମେ ୧୯ ତାରିଖକୁ ଧାର୍ଯ୍ୟ କରାଯାଇଛି। ପ୍ରକାଶଥାଉକି, ପୂର୍ବରୁ ଏହି ହତ୍ୟା ମାମଲାରେ ପୂର୍ବତନ ବିଧାୟକ ବିକ୍ରମ ପଣ୍ଡାଙ୍କ ଜାମିନ ଆବେଦନର ଶୁଣାଣି ଶେଷ ହୋଇ ରାୟ ସଂରକ୍ଷିତ ରହିଛି।

୩ ବର୍ଷ ହେଲା ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଖାଲି ପଡ଼ିଛି ଲୋକପାଳ ପଦବୀ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଲୋକପାଳ ପଦବୀ ଖାଲି ପଡ଼ିଥିବା ବେଳେ ଏହାକୁ ପୂରଣ କରାଯାଉ ନଥିବା ପ୍ରସଂଗରେ ରୁଜୁ ଜନସ୍ୱାର୍ଥ ମାମଲାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ଗ୍ରହଣ କରି ଶୁଣାଣି କରିଛନ୍ତି ହାଇକୋର୍ଟ। ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳସଚିବ (ରେଜିଷ୍ଟ୍ରାର)ଙ୍କୁ ହାଇକୋର୍ଟ ନୋଟିସ ଜାରି କରିବା ସହ ଆସନ୍ତା ଦୁଇସପ୍ତାହ ମଧ୍ୟରେ ଜବାବ ଦାଖଲ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ମୁଖ୍ୟ ବିଚାରପତି ଜଷ୍ଟିସ ହରିଶ ଟଣ୍ଡନ ଓ ଜଷ୍ଟିସ ଏମଏସ ରମଣଙ୍କ ଖଣ୍ଡପୀଠ ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପୁରାତନ ଛାତ୍ର ଓ ଆଇନଜୀବୀ ପ୍ରବୀର କୁମାର ଦାସଙ୍କ ଆବେଦନର ଶୁଣାଣି କରି ଏପରି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ମାମଲାର ବିବରଣୀରୁ ପ୍ରକାଶ ଯେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଅନୁଦାନ ଆୟୋଗ (ୟୁଜିସି) ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଣିତ ଛାତ୍ର ଅଭିଯୋଗ ସମାଧାନ ନିୟମାବଳୀ-୨୦୨୩ର ଧାରା ୬ ଅନୁସାରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଲୋକପାଳ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇଁ ନିୟମ ଅଛି। ସେହିଭଳି ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ନାମଲେଖାଠାରୁ ପରୀକ୍ଷା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସମସ୍ତ ଅଭିଯୋଗର ସମାଧାନ ପାଇଁ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଅନୁଦାନ ଆୟୋଗ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଣିତ

ଜବାବ ଦାଖଲ ପାଇଁ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ

ଛାତ୍ର ଅଭିଯୋଗ ସମାଧାନ ନିୟମାବଳୀର ଧାରା ୫ ଅନୁସାରେ ଏକ ଅଭିଯୋଗ ସମାଧାନ କମିଟି ଗଠନ କରାଯିବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା ରହିଛି। ଏହି କମିଟିର ନିଷ୍ପତ୍ତି ବିରୋଧରେ ଅପିଲ ଶୁଣାଣି କରିବାକୁ ଧାରା-୬ ଅନୁସାରେ ଜଣେ ଲୋକପାଳ ନିଯୁକ୍ତ ହେବାର ପ୍ରାବଧାନ ରହିଛି। ଜଣେ ପୂର୍ବତନ କୁଳପତି କିମ୍ବା ୧୦ ବର୍ଷର ଅଭିଜ୍ଞତା ଥିବା ପ୍ରଫେସର ତଥା ଜଣେ ପୂର୍ବତନ ଜିଲ୍ଲାଜଜ୍ ଏହି ପଦରେ ତିନିବର୍ଷ ଅବା ସତୁରି ବର୍ଷ ବୟସ ଯାଏଁ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା ରହିଛି। କିନ୍ତୁ ୨୦୨୩ ମସିହା ମେ ମାସରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଲୋକପାଳ ନିଯୁକ୍ତ ହୋଇନାହାନ୍ତି। ୨୦୨୫ ଫେବ୍ରୁଆରୀ ୬ ତାରିଖରେ ଝାଡଖଣ୍ଡ ହାଇକୋର୍ଟର ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ମୁଖ୍ୟ ବିଚାରପତି ଜଷ୍ଟିସ ବି ଆର୍ ଷଡ଼ଙ୍ଗୀଙ୍କୁ ଲୋକପାଳ ଭାବେ ନିଯୁକ୍ତି ଆଦେଶ ଜାରି ହୋଇଥିଲେ ସୁଦ୍ଧା ସେ ଜାତୀୟ ମାନବାଧିକାର କମିସନର ସଦସ୍ୟ ଭାବରେ ନିଯୁକ୍ତ ହୋଇଥିବାରୁ ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଯୋଗ ଦେଇ ନଥିଲେ। ଏହାପରେ ମଧ୍ୟ ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ଲୋକପାଳ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇଁ କୌଣସି ପଦକ୍ଷେପ ନେଇନାହାନ୍ତି ବୋଲି ଅଭିଯୋଗ କରି ଏହି ଜନସ୍ୱାର୍ଥ ମାମଲା ରୁଜୁ ହୋଇଛି।

ବଢ଼ିଲା ଚୌଦ୍ୱାର ଜେଲ୍ ଅଧୀକ୍ଷକ ସୁଜିତ ରାଉଳଙ୍କ ଅଡୁଆ

ଅନ୍ତରୀଣ ସୁରକ୍ଷା ହଟାଇବା ପାଇଁ ହାଇକୋର୍ଟଙ୍କ ଚେତାବନୀ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ଚୌଦ୍ୱାର ସର୍କଲ ଜେଲ ଅଧୀକ୍ଷକ ସୁଜିତ ରାଉଳଙ୍କ ଅଡୁଆ ବଢିଛି। ଜେଲ୍‌ର ପ୍ରବେଶ ପ୍ରସ୍ଥାନ ରେଜିଷ୍ଟର ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଦସ୍ତାବିଜ ପୁଲିସକୁ ପ୍ରଦାନ କରୁ ନଥିବା ପ୍ରସଂଗକୁ ହାଇକୋର୍ଟ ଗୁରୁତ୍ୱର ସହ ଗ୍ରହଣ କରିଛନ୍ତି। ତଦନ୍ତକାରୀ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ମଗାଯାଇଥିବା ସମସ୍ତ ସମ୍ପୃକ୍ତ କାଗଜପତ୍ର ଅଭିଯୁକ୍ତ ବିନା କୌଣସି ଅବହେଳାରେ ଜେଲ ଅଧୀକ୍ଷକ ତୁରନ୍ତ ଦାଖଲ କରିବେ। ଯଦି ସେ ତଦନ୍ତରେ ଅସହଯୋଗ କରନ୍ତି, ତେବେ ଗତ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୩ରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଅନ୍ତରୀଣ ସୁରକ୍ଷା ଆଦେଶକୁ ହଟାଇ ଦିଆଯିବ ବୋଲି ହାଇକୋର୍ଟ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି। ସୁଜିତ କୁମାର ରାଉଳଙ୍କ ଆଗୁଆ ଜାମିନ ଆବେଦନର ଶୁଣାଣି କରି ଜଷ୍ଟିସ୍ ରାଧାକ୍ରିଷ୍ଣ ପଟ୍ଟନାୟକ ଏପରି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ପ୍ରକାଶଥାଉକି କଟକ ରେଞ୍ଜ ଡିଆଇଜି (କାରାଗାର)ଙ୍କ ତଦନ୍ତ ରିପୋର୍ଟରୁ ଚୌଦ୍ୱାର ଜେଲର ପ୍ରବେଶ ଓ ପ୍ରସ୍ଥାନ ରେଜିଷ୍ଟରରେ ହେରଫେର କରାଯାଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଅଭିଯୁକ୍ତଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶରେ ଏହି ଜାଲିଆତି କରାଯାଇଥିବା ଏବଂ ଏଥିପାଇଁ ସୂଚନାଦାତାଙ୍କୁ ମିଥ୍ୟା ଭାବେ ଫସାଯାଇଥିବା ଅଦାଲତରେ ଦର୍ଶାଯାଇଛି। ଜଣେ ମହିଳା ବନ୍ଦୀଙ୍କଠାରୁ ଜେଲ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ସୁନାଗହଣା କାଢି ରଖିଥିଲେ ବି ସେ ଜାମିନ ପାଇବା ପରେ ଏହି ସୁନାଗହଣା ଗାଏବ ହୋଇଯାଇଥିଲା। ଏହି ଘଟଣାରେ ଜଣେ ଜେଲ ୱାର୍ଡର ଗିରଫ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ପୂର୍ବତନ ଜେଲର ଓ ଅଧୀକ୍ଷକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପରସ୍ପରକୁ ଦୋଷାରୋପ ଆରମ୍ଭ ହୋଇ ମାମଲା ଥାନାକୁ ଯାଇଥିଲା। ଏହି ଘଟଣା ଯୋଗୁଁ ଅଭିଯୋଗକାରୀ ଜଣକ ବର୍ତ୍ତମାନ ବିଭାଗୀୟ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେଉଛନ୍ତି। ତେବେ ଅଭିଯୁକ୍ତ ସୁଜିତ କୁମାର ରାଉଳ ତଦନ୍ତ ପ୍ରକ୍ରିୟାରେ ସହଯୋଗ କରୁନାହାନ୍ତି କିମ୍ବା ଆବଶ୍ୟକ ଦସ୍ତାବିଜ ପ୍ରଦାନ କରୁନାହାନ୍ତି ବୋଲି ତଦନ୍ତକାରୀ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ତରଫରୁ ଅଦାଲତଙ୍କୁ ଅବଗତ କରାଯାଇଥିଲା। ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ତଦନ୍ତର ଅଗ୍ରଗତି ସମ୍ପର୍କିତ ରିପୋର୍ଟକୁ ଆଧାର କରି ମାମଲାର ପରବର୍ତ୍ତୀ ଶୁଣାଣି ଆସନ୍ତା ମଇ ୨୧ତାରିଖରେ ହେବ।

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଅନ୍ଧାରରେ ରଖି ଗ୍ରୁପ-ଏ ପଦ ସୃଷ୍ଟି ଷଡଯନ୍ତ୍ର

ବିନା କ୍ୟାବିନେଟ ମଞ୍ଜୁରୀରେ କେମିତି ସୃଷ୍ଟି ହେଲା ନୂଆ ପଦ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୬।୫(ସମିସ): ମତ୍ସ୍ୟ ଓ ପଶୁ ପାଳନ ବିଭାଗରେ ବ୍ଲକ୍ ମତ୍ସ୍ୟ ଅଫିସର (ବିଏଫ୍‌ଓ) ପରି ନୂତନ ପଦ ସୃଷ୍ଟି କରି ତହିଁରେ ନିଯୁକ୍ତି ଦେବାକୁ ଚାଲିଥିବା ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ରର ଗୁମର ଖୋଲିବା ପରେ ଗୋଟିକ ପରେ ଗୋଟିଏ ରୋଚକ ତଥ୍ୟ ପଦାକୁ ଆସିବାରେ ଲାଗିଛି । ବିଭାଗରେ ବ୍ଲକ୍‌ସ୍ତରରେ ଗ୍ରୁପ-ଏ ପଦ ସୃଷ୍ଟି କରି ସେହି ପଦରେ ଗ୍ରୁପ୍-ବି ପଦ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ନିଯୁକ୍ତି ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଅନ୍ଧାରରେ ରଖାଯାଇଛି। ପଦୋନ୍ନତି ଭିତ୍ତିରେ ପୂରଣ କରିବାକୁ ଫାଇଲ୍ କାର୍ଯ୍ୟ ଚାଲିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଏ ସଂକ୍ରାନ୍ତରେ କୌଣସି ପ୍ରସ୍ତାବ କ୍ୟାବିନେଟ୍ ଅନୁମୋଦନ ପାଇନାହିଁ ଓ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ଅବଗତ କରାଯାଇ ନାହିଁ; ଯାହା ବିଭାଗସ୍ତରରେ ଚାଲିଥିବା ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ରକୁ ଉଜାଗର କରିଛି।

ଅଭିଯୋଗ ଅନୁଯାୟୀ, ବ୍ଲକ୍‌ସ୍ତରରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ସହକାରୀ ମତ୍ସ୍ୟ ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କୁ ବ୍ଲକ୍ ମତ୍ସ୍ୟ ଅଧିକାରୀ (ଗ୍ରୁପ୍-୧) ପଦକୁ ପଦୋନ୍ନତି କରିବା ପାଇଁ ଗୋଟିଏ ଗୋଷ୍ଠୀ ଯୋଜନା କରିଛନ୍ତି। ବିଭାଗୀୟ ଉଚ୍ଚ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ତୁଷ୍ଟୀକରଣ କରି ଏହି ଯୋଜନାକୁ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରିବା ଲାଗି ଜଗତସିଂହପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ଜଣେ ଏଏଫ୍‌ଓ ଓ ବିଭାଗର ଅନ୍ୟ ଦୁଇ କର୍ମଚାରୀ ରାଜ୍ୟରରେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ଏଏଫ୍‌ଓମାନଙ୍କଠାରୁ ବିପୁଳ ଅର୍ଥ ଆଦାୟ କରିଛନ୍ତି । ବିଏଫ୍‌ଓ ପଦରେ 'ଏ' ବର୍ଗିକୃତ

- ■ ବ୍ଲକ୍ ସହକାରୀ ମତ୍ସ୍ୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଗୋପନ ବୈଠକ
- ■ ପୃଥକ ବୈଠକରେ ଡିଏଫ୍‌ଓ ଓ ଏଡିଏଫ୍‌ଓ ବିଚାରବିମର୍ଶ
- ■ ଖବର ପ୍ରକାଶ ପରେ ମତ୍ସ୍ୟ ଓ ପ୍ରାଣୀସମ୍ପଦ ବିଭାଗରେ ହଲ୍‌ଚଲ୍

ଦରମା ପାଇବା ପାଇଁ ନୂତନ ପଦ ସୃଷ୍ଟି କରିବାକୁ ପ୍ରାୟ ୨କୋଟି ଟଙ୍କା ଲାଞ୍ଚ ଦିଆଯାଇଥିବା ମଧ୍ୟ ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଏହି ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ବିଭାଗୀୟ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଅଧିକାରୀମାନେ ଅର୍ଦ୍ଧ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି ଓ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଅନ୍ଧାରରେ ରଖାଯାଇଛି। ନୂତନ ଗ୍ରୁପ-ଏ ପଦ ସୃଷ୍ଟି ପ୍ରସ୍ତାବ କ୍ୟାବିନେଟରେ ଅନୁମୋଦନ ଲାଭ କରି ନଥିବା ସତ୍ତ୍ୱେ ବିଭାଗର କିଛି ବଡ଼ ଅଧିକାରୀ ଏହି ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ରରେ ସାମିଲ ହୋଇଥିବା ମଧ୍ୟ ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି ।

ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଏପରି ଷଡ଼ଯନ୍ତ୍ର ସଂକ୍ରାନ୍ତ ଖବର ଆଜି 'ସକାଳ'ରେ ପ୍ରକାଶ ପାଇବା ପରେ ମତ୍ସ୍ୟ ଓ ପ୍ରାଣୀସମ୍ପଦ ବିଭାଗରେ ହଲଚଲ୍ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ବିଭାଗୀୟ ବଡ଼ ଅଧିକାରୀ ଏହି ପ୍ରସଙ୍ଗ କିପରି ବାହାରକୁ ଗଲା ବୋଲି କନିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କୁ ପ୍ରଶ୍ନ କରିଛନ୍ତି । ସେହିପରି ଜିଲ୍ଲା ମତ୍ସ୍ୟ ଅଧିକାରୀ (ଡିଏଫ୍‌ଓ) ଓ ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ମତ୍ସ୍ୟ ଅଧିକାରୀମାନେ (ଏଡିଏଫ୍‌ଓ) ପୃଥକ ପୃଥକ ଭାବେ ଦୁଇଟି ବୈଠକ କରିଛନ୍ତି। ପୁନଶ୍ଚ ଲାଞ୍ଚ କାରବାରରେ ସମ୍ପୃକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଏଏଫ୍‌ଓମାନଙ୍କର ଏକ ଗୋପନ ବୈଠକ ଜଗତସିଂହପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। କିଛିଦିନ ପାଇଁ ସମସ୍ତେ ଏହି ପ୍ରସଙ୍ଗରେ ନିରବ ରହିବା ପାଇଁ ବୈଠକରେ ପରାମର୍ଶ ଦିଆଯାଇଛି ଏବଂ ଏହି ଖବର କିପରି ଲିକ୍ ହେଲା ଓ କିଏ ବାହାରେ ଖବର ଦେଲା ତାଙ୍କୁ ଖୋଜି ବାହାର କରିବାକୁ ମଧ୍ୟ ଆଲୋଚନା ହୋଇଥିବା ସୂଚନା ମିଳିଛି ।

ଡ୍ରିମ୍‌ସ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିଚାଳନାମଣ୍ଡଳୀ ବୈଠକ

ନବସୃଜନ ଓ ବିକାଶମୁଖୀ ଗବେଷଣାକୁ ପ୍ରାଧାନ୍ୟ

କଟକ,୬।୫(ସମିସ): ଡ୍ରିମ୍‌ସ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ୫ମ ପରିଚାଳନା ମଣ୍ଡଳୀ ବୈଠକ ବୁଧବାର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଡ. ପ୍ରମୋଦ ଚନ୍ଦ୍ର ରଥ ବୈଠକରେ ପୌରୋହିତ୍ୟ କରି ବୃତ୍ତିଗତ ଶିକ୍ଷା, ଗବେଷଣା ଓ ନବସୃଜନରେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ଉନ୍ନତି, ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳର ବିକାଶକୁ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ ସର୍ବଦା ପ୍ରାଧାନ୍ୟ ଦେଇ ଆସିଥିବା ପ୍ରକାଶ କରିଥିଲେ। ପ୍ରାରମ୍ଭରେ କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ଡ. ପ୍ରକାଶ କୁମାର ହୋତା ଉପସ୍ଥିତ ସଦସ୍ୟମାନଙ୍କୁ ସ୍ୱାଗତ କରିବା ସହ ବିଭିନ୍ନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଗ୍ରଗତି ଓ ଉତ୍କର୍ଷ ସଂପର୍କରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରିଥିଲେ। ଓଡିଶା ବିଧାନସଭା ଦ୍ୱାରା ମନୋନୀତ ସଦସ୍ୟ ବିଧାୟକ ଛବି ମଲ୍ଲିକ 'ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷାନୀତି-୨୦୨୦'ର ସଫଳ ରୂପାୟନରେ ଡ୍ରିମ୍‌ସ ସଂକଳ୍ପିତ ଅଭିମୁଖ୍ୟ ସ୍ୱାଗତଯୋଗ୍ୟ ବୋଲି ବର୍ଣ୍ଣନା କରି ଏହାର ସଂପୃକ୍ତି ଦିଗରେ ବିଭିନ୍ନ ଗଠନମୂଳକ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ। ସହ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଇଂ ଦୁର୍ଗାପ୍ରସାଦ ରଥ ଆଗାମୀ ଦିନରେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ତାର ପାଠ୍ୟକ୍ରମରେ ଡ୍ରୋନ୍ ଓ ମହାକାଶ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟାକୁ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ କରିବା ଲକ୍ଷ୍ୟ ରଖିଥିବା କହିଥିଲେ। ରାଜ୍ୟ

ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ମନୋନୀତ ବିଶେଷଜ୍ଞ ସଦସ୍ୟ ଭାରତୀୟ ବନ ସେବାର ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ କୁମାର ଷଡଙ୍ଗୀ ଓ ପ୍ରଫେସର ଡା. ଶକ୍ତି ପ୍ରସାଦ ଦାସଙ୍କ ସମେତ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ଇଂ ଡ. ପ୍ରଭାକର ସ୍ୱାଇଁ, ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ ଇଂ ଅଶୋକ କୁମାର ବାସା, ଡ୍ରିମ୍‌ସ ମେଡିକାଲ କଲେଜର 'ଡିନ୍' ପ୍ରଫେସର ଡା. ଗଂଜନ କୁମାର ଦାସ ଏବଂ ଅଭାସୀ ମାଧ୍ୟମରେ ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ପ୍ରଫେସର ଡ. ବିଜୟାନନ୍ଦ ସିଂହ ବୈଠକରେ ଯୋଗଦେଇ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରସ୍ତାବ ଉପରେ ସୁଚିନ୍ତିତ ଅଭିମତ ଉପସ୍ଥାପନ କରିଥିଲେ। ପରିଚାଳନା ମଣ୍ଡଳୀର ଅନ୍ୟତମ ସଦସ୍ୟା ଚିନ୍ମୟୀ ରଥ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ କର୍ମ ନିୟୋଜନ ସଂକ୍ରାନ୍ତ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ ସଫଳତା ଉପରେ ଆଲୋକପାତ କରିଥିଲେ। ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରଶାସନିକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବଳରାମ କର, ପ୍ରଦୀପ୍ତ ଚନ୍ଦ୍ର ରଥ, 'ଡିନ୍' ଡ. ନୟନ ରଞ୍ଜନ ସାମଲ, ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ପ୍ରଫେସର ସୁଶାନ୍ତ ଦାସ, ପ୍ରଫେସର ଡ. ଆଲୋକ ରଞ୍ଜନ ବିଶ୍ୱାଳ, ଡେପୁଟୀ ରେଜିଷ୍ଟ୍ରାର ଶିଶିର ସାହୁ, ଅର୍ଥ ବିଭାଗର ଅଧିକାରୀ ସୁଦର୍ଶନ ସାହୁ, ପ୍ରସନ୍ନ ସାହୁ, ସଚିବ ସୁଧାଂଶୁ ଭୂଷଣ କର ପ୍ରମୁଖ ବୈଠକରେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ରେଜିଷ୍ଟ୍ରାର କୃଷ୍ଣ ପ୍ରସାଦ ପତି ଗତ ବୈଠକର ବିବରଣୀ ଉପସ୍ଥାପନ ସହ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ। ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରସ୍ତାବ ଆଲୋଚନା ପରେ ସର୍ବସମ୍ମତକ୍ରମରେ ଗୃହୀତ ହୋଇଥିଲା।

ଆଜିର ରାଶିଫଳ

ମେଷ: ଆଜି ଦିନଟି ଆପଣଙ୍କ ପାଇଁ ବହୁତ ଭଲ। ଅଫିସ୍ ସହକର୍ମୀଙ୍କ ସହଯୋଗ ମିଳିପାରେ। ଗୁରୁଜନଙ୍କ ସହ ଉତ୍ତମ ବୁଝାମଣା ରହିବ। ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଦିନଟି ଉତ୍ତମ। ରୋଜଗାର ବୃଦ୍ଧି ହେବ।

ବୃଷ: ଦିନଟି ମିଶ୍ରଫଳ ପ୍ରଦାନ କରିବ। ଆଶା କରିଥିବା ଦିଗରୁ ନିରାଶ ହୋଇପାରନ୍ତି। ଧାର୍ମିକ କାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରତି ଆଗ୍ରହ ବଢ଼ିବ। ସଫଳତା ପାଇବା ପାଇଁ କଠିନ ପରିଶ୍ରମ କରିବେ।

ମିଥୁନ: କୋର୍ଟ କଚେରୀ ମାମଲାର ଶୁଣାଣି ହେବ। ପୁରୁଣା ବନ୍ଧୁଙ୍କ ସହ ଭେଟ ହୋଇପାରେ। ବିରୋଧୀଙ୍କ ସହ ମତାନ୍ତର ଦୂର ହେବ। ପାରିବାରିକ ଜୀବନ ସୁଖଶାନ୍ତିରେ ବିତିବ।

କର୍କଟ: ଦାନଧର୍ମରେ ଦିନଟି ଅତିବାହିତ କରିବେ। ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ ବିଦେଶ ଯାତ୍ରା କରିବେ। ଗରିବଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେ। ମାନସିକ ଶାନ୍ତି ମିଳିବ। ନୂତନ ବ୍ୟବସାୟ ଆରମ୍ଭ କରିପାରନ୍ତି।

ସିଂହ: ଆର୍ଥିକ ସମସ୍ୟା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇପାରେ। ଆଇଟି କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ପାଇଁ ଦିନଟି ଭଲ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷେତ୍ରରେ ବିଶେଷ ଧ୍ୟାନ ଦେବେ। କୌଣସି କଥାକୁ ନେଇ ମନ ଉଣା ହୋଇପାରେ।

କନ୍ୟା: ସମାଜରେ ମାନ ସମ୍ମାନ ବୃଦ୍ଧି ପାଇବ। ବନ୍ଧୁଙ୍କ ସହାୟତାରେ କାମ ପୂରା କରିବେ। ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ପଢ଼ାକୁ ନେଇ ଚିନ୍ତାରେ ରହିବେ। ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସମସ୍ୟା ଉପୁଜିବ। ଦାମ୍ପତ୍ୟ ଜୀବନ ସୁଖମୟ ହେବ।

ତୁଳା: ଦିନଟିରେ ସଫଳତା ମିଳିବ। ପୈତୃକ ବ୍ୟବସାୟରୁ ଲାଭବାନ ହେବେ। ସକାରାତ୍ମକ ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବେ। ଆର୍ଥିକ ଲାଭ ମିଳିବ। କ୍ରୋଧ ଉପରେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରଖନ୍ତୁ।

ବିଛା: ବାଦବିବାଦରୁ ଦୂରେଇ ରହିବେ। ତରବରିଆ ଭାବେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବେ ନାହିଁ। ବ୍ୟବସାୟରେ ଦୂରସ୍ଥାନକୁ ଯାତ୍ରା କରିବେ। ପ୍ରେମିକ-ପ୍ରେମିକାଙ୍କ ପାଇଁ ଦିନଟି ଭଲ।

ଧନୁ: ଆଜି ଦିନଟି ଶୁଭଫଳ ପ୍ରଦାନ କରିବ। ଆୟ ବ୍ୟୟ ସମାନ ରହିବ। ମାପିଚୁପି କଥା କୁହନ୍ତୁ। ପିଲାମାନେ ଖେଳକୁଦରେ ସମୟ ଅତିବାହିତ କରିବେ। ରାଜନେତାଙ୍କ ପାଇଁ ଦିନଟି ବହୁତ ଭଲ।

ମକର: ବିବାହ ପ୍ରସ୍ତାବ ଆସିପାରେ। ଧନଲାଭ ଯୋଗ ଅଛି। ଯାନବାହନ କିଣିପାରନ୍ତି। ପରିବାର ସହ ହସ ଖୁସିରେ ଦିନ କାଟିବେ। ଯୋଜନା ମୁତାବକ କାମ କରନ୍ତୁ।

କୁମ୍ଭ: ପରନିନ୍ଦାରୁ ଦୂରେଇ ରହିବା ଭଲ। ଦାମ୍ପତ୍ୟ ଜୀବନ ସୁଖମୟ ହେବ। ପିଲାମାନେ ଖେଳକୁଦରେ ସମୟ ଅତିବାହିତ କରିବେ। ଆୟ ଅନୁସାରେ ବ୍ୟୟ ହେବ। ବ୍ୟବସାୟରୁ ଲାଭବାନ ହେବେ।

ମୀନ: ମାନସିକ ଶାନ୍ତି ମିଳିବ। ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଦିନଟି ଶୁଭ। ଗୁରୁଜନଙ୍କ ପରାମର୍ଶ ନେଇ ନୂତନ କାମ ଆରମ୍ଭ କରିପାରନ୍ତି। ବ୍ୟକ୍ତିଗତ କଥା ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ଆଗେ ପ୍ରକାଶ କରନ୍ତୁନି।

ଆଜିର ଇତିହାସ

- ୧୯୦୭- ବମ୍ବେରେ ପ୍ରଥମ ଇଲେକ୍ଟ୍ରିକ୍ ଟ୍ରାମ୍ ଚାଲିଲା।
- ୧୯୨୮ - ବ୍ରିଟେନ୍‌ରେ ମତଦାନ ଅଧିକାର ୩୦ ବର୍ଷରୁ ହ୍ରାସ କରି ୨୧ ବର୍ଷ କରି ଦିଆଗଲା।
- ୧୯୪୦-ୱିନଷ୍ଟନ ଚର୍ଚ୍ଚିଲ ବ୍ରିଟେନର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ହେଲେ।
- ୨୦୦୦- ଭ୍ଲାଦିମିର୍ ପୁଟିନ୍ ରୁଷ୍‌ର ଦଶମ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ହେଲେ।
- ୨୦୦୪- ନେପାଳର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ସୂର୍ଯ୍ୟ ବାହାଦୁର ଥାପ୍ପା ଇସ୍ତଫା ଦେଲେ।

ବାହା ହେବେ ହୁମା

ବଲିଉଡ୍ ଅଭିନେତ୍ରୀ ହୁମା କ୍ୟୁରୋସି ଖୁବ୍ ଶୀଘ୍ର ବିବାହ ବନ୍ଧନରେ ବାନ୍ଧି ହେବାକୁ ଯାଉଛନ୍ତି। ହୁମା ତାଙ୍କ ଦୀର୍ଘଦିନର ପ୍ରେମିକ ରଚିତ ସିଂହଙ୍କୁ ବିବାହ କରିବେ। କିଛି ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ଉଭୟଙ୍କର ଆମେରିକାରେ ନିର୍ବନ୍ଧ ପର୍ବ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିବା ଖବର ପ୍ରକାଶ ପାଇଥିଲା। ଏଇ ବର୍ଷ ଉଭୟ ବିବାହ ବନ୍ଧନରେ ବାନ୍ଧି ହେବାକୁ ଯାଉଥିବା ନେଇ ଏବେ ଖବର ଆସିଛି। ଉଭୟ ଅକ୍ଟୋବର କିମ୍ବା ନଭେମ୍ବରରେ ବିବାହ କରିବା ପାଇଁ ଯୋଜନା କରିଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି। ଏଥିପାଇଁ ସେମାନେ ପ୍ରସ୍ତୁତି ମଧ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କରି ଦେଇଛନ୍ତି। ଅବଶ୍ୟ ଏହାକୁ ନେଇ ଏଯାବତ୍ ବିଧିବଦ୍ଧ ଭାବେ ଉଭୟ କିଛି କହି ନାହାନ୍ତି। କିଛି ନିକଟ ସମ୍ପର୍କୀୟଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତିରେ ଏହି ବାହାଘର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ। ଏହାପରେ ସେମାନେ ମୁମ୍ବାଇରେ ଏକ ରିସେପସନ୍ ପାର୍ଟି ରଖିବେ। ଏଥିରେ ବଲିଉଡ୍‌ର ଅନେକ ସେଲିବ୍ରିଟି ଯୋଗ ଦେବେ। 'ଆମା'ର ସ୍କ୍ରିନିଂ ସମୟରେ ହୁମା ଓ ରଚିତଙ୍କୁ ଏକାଠି ଦେଖାଯିବା ପରେ ଉଭୟଙ୍କ ପ୍ରେମ ସମ୍ପର୍କକୁ ନେଇ ଚର୍ଚ୍ଚା ହେବାକୁ ଲାଗିଲା। ରଚିତ ଜଣେ ଆକ୍ଟିଂ କୋଚ୍ ଓ ଟ୍ରେନର୍। ସେ ଭିକି କୌଶଲ, ରଣବୀର ସିଂହ, ତାପସୀ ପନ୍ନୁଙ୍କ ସହ କାମ କରିଛନ୍ତି। ହୁମାଙ୍କ କାମ କଥା କହିବାକୁ ଗଲେ ସେ ଶେଷ ଥର ପାଇଁ 'ଜଲି ଏଲ୍‌ଏଲ୍‌ବି ୩ 'ରେ ନଜର ଆସିଥିଲେ। ଏବେ ସେ ୟଶ୍‌ଙ୍କ ସହ 'ଟକ୍ସିକ୍: ଏ ଫ୍ୟାରି ଟେଲ୍ ଫର୍ ଗ୍ରୋନ୍‌ଅପ୍ସ'ରେ ନଜର ଆସିବେ।

ବିଶ୍ୱକବି ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥ

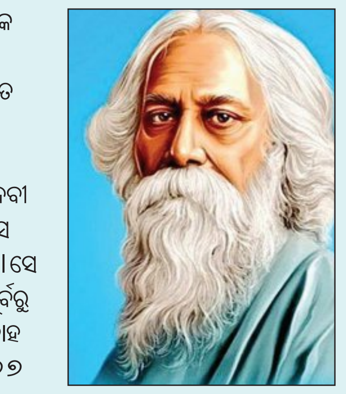

ବିଶ୍ୱକବି ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥ ଟାଗୋର ଏକାଧାରରେ ଥିଲେ ଜଣେ କବି, ଚିତ୍ରଶିଳ୍ପୀ, ସଙ୍ଗୀତଜ୍ଞ, ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ଗାଳ୍ପିକ ଓ ଦାର୍ଶନିକ। ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କୁ ବିଂଶ ଶତାବ୍ଦୀର ଭାରତର ବିଶିଷ୍ଟ ସୃଜନଶୀଳ ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱ ଭାବରେ ଗଣନା କରାଯାଏ। ତାଙ୍କର ଉଚ୍ଚକୋଟୀର ସାହିତ୍ୟ ଓ ବିଶ୍ୱ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣ ପାଇଁ ତାଙ୍କୁ 'ବିଶ୍ୱକବି' ଭାବେ ସମ୍ମାନିତ କରାଯାଇଛି। ଭାରତୀୟ ସାହିତ୍ୟ, ସଙ୍ଗୀତ ତଥା କଳା କ୍ଷେତ୍ରକୁ ତାଙ୍କର ବହୁ ଅବଦାନ ରହିଛି। ୧୯୧୩ ମସିହାରେ ସେ ସାହିତ୍ୟ ପାଇଁ ନୋବେଲ ପୁରସ୍କାର ପାଇଥିଲେ। କଲିକତାଠାରେ ୧୮୬୧ ମସିହା ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥ ଟାଗୋର ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ପିତା ଦେବେନ୍ଦ୍ରନାଥ ଟାଗୋର ଓ ମାତା ଶାରଦା ଦେବୀ ତାଙ୍କୁ ଖୁବ୍ ଆଦର କରୁଥିଲେ। ପିଲାଟି ବେଳୁ ହିଁ ତାଙ୍କର ପ୍ରତିଭା, ଛନ୍ଦ ଓ ଭାଷାର ଅଦ୍ଭୁତ ଆଭାସ ମିଳିଥିଲା। ସ୍କୁଲ ଶିକ୍ଷା ସମାପ୍ତ କରିବା ପରେ ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥ ଇଂଲଣ୍ଡରେ ନାମ ଲେଖାଇଥିଲେ। ସେ ଲଣ୍ଡନ ୟୁନିଭରସିଟି କଲେଜରୁ ଆଇନ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରାପ୍ତ କରିଥିଲେ। ଡିଗ୍ରୀ ଗ୍ରହଣ କରିବା ପୂର୍ବରୁ ସେ ଭାରତ ଫେରି ଆସିଥିଲେ। ୧୮୮୩ ମସିହାରେ ସେ ମୃଣାଳିନୀ ଦେବୀଙ୍କୁ ବିବାହ କରିଥିଲେ। ସେ ତାଙ୍କର ପ୍ରଥମ କବିତା ୮ ବର୍ଷ ବୟସରେ ଲେଖିଥିଲେ। ୧୮୭୭ ମସିହାରେ ଯେତେବେଳେ ତାଙ୍କୁ ୧୬ ବର୍ଷ ବୟସ ହୋଇଥିଲା ସେତେବେଳେ ତାଙ୍କର ପ୍ରଥମ କ୍ଷୁଦ୍ର ଗଳ୍ପ ପ୍ରକାଶିତ ହୋଇଥିଲା। 'ଗୀତାଞ୍ଜଳି' ପାଇଁ ଗୁରୁଦେବଙ୍କୁ ୧୯୧୩ ମସିହାରେ ନୋବେଲ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା। ସେ ଏ ପୁରସ୍କାର ପାଇବାରେ ପ୍ରଥମ ଅଣୟୁରୋପୀୟ ଥିଲେ। ସେ ମଧ୍ୟ 'ନାଇଟହୁଡ୍' ଉପାଧି ପାଇଥିଲେ। ସେ ସବୁବେଳେ ଶିକ୍ଷାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଉଥିଲେ। ଉପଯୁକ୍ତ ଶିକ୍ଷା ବିନା ଯେ, କିଛି ସମ୍ଭବ ନୁହେଁ ବୋଲି ସେ କହୁଥିଲେ। ଯେଉଁକାରଣରୁ ହିଁ ସେତେବେଳେ ଭାରତରେ ପ୍ରଚଳିତ ଶିକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ପଞ୍ଜୁରୀ ଭିତରେ ବନ୍ଦୀ ଶୁଆକୁ ତାଲିମ ସହ ସେ ତୁଳନା କରିଥିଲେ। ଶିକ୍ଷାକୁ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ଓ ପୁସ୍ତକ ବାହାରକୁ ନେବାପାଇଁ ସେ ଶାନ୍ତିନିକେତନରେ 'ବିଶ୍ୱ ଭାରତୀ' ସ୍ଥାପନା କରିଥିଲେ। ପ୍ରକୃତିପ୍ରେମୀ ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ଶାନ୍ତି ନିକେତନ ସାହିତ୍ୟ, ସଙ୍ଗୀତ ଏବଂ କଳା ଶିକ୍ଷା କ୍ଷେତ୍ରରେ ସମଗ୍ର ଦେଶରେ ଏକ ଆଦର୍ଶ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଭାବରେ ସ୍ୱୀକୃତିପ୍ରାପ୍ତ। ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କ ରଚିତ ଦୁଇଟି କବିତା 'ଜନଗଣମନ' ଓ 'ଆମାର ସୋନାର ବାଂଲା'କୁ ଯଥାକ୍ରମେ ଭାରତ ଓ ବାଂଲାଦେଶର ଜାତୀୟ ସଙ୍ଗୀତ ଭାବେ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଇଛି। ସେ ତାଙ୍କ ଜୀବନକାଳରେ ୨୨୩୦ ଗୀତ ରଚନା କରିଛନ୍ତି। ରବୀନ୍ଦ୍ର ସଙ୍ଗୀତ ବଙ୍ଗଳା ସାହିତ୍ୟର ଏକ ଅବିଚ୍ଛେଦ ଅଂଶ। ସେ ୧୮୭୮ରୁ ୧୯୩୨ ମଧ୍ୟରେ ପାଞ୍ଚଟି ମହାଦେଶରେ ଥିବା ୩୦ରୁ ଅଧିକ ଦେଶ ଭ୍ରମଣ କରିଥିଲେ। ତାଙ୍କର ଏହି ଯାତ୍ରା ସମୟରେ ସେ ଆଲବର୍ଟ ଆଇନଷ୍ଟାଇନଙ୍କୁ ଭେଟି ସଙ୍ଗୀତକୁ ନେଇ ତାଙ୍କ ଆଗ୍ରହ ବିଷୟରେ କହିଥିଲେ। ତାଙ୍କର 'ଏକଲା ଚଲୋରେ' କବିତା ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କୁ ଗଭୀର ଭାବେ ପ୍ରଭାବିତ କରିଥିଲା। ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ ପ୍ରତି ତାଙ୍କର ବହୁତ ସମ୍ମାନ ଓ ଶ୍ରଦ୍ଧା ରହିଥିଲା। ଗାନ୍ଧିଜୀଙ୍କୁ ସେ 'ମହାତ୍ମା' ଉପାଧି ଦେଇଥିଲେ। ୧୯୪୧ ମସିହା ଅଗଷ୍ଟ ୭ ତାରିଖରେ ସେ ଇହଧାମ ତ୍ୟାଗ କରିଥିଲେ। ତାଙ୍କର କୃତି ଓ ଦର୍ଶନ ଆଜି ମଧ୍ୟ ବିଶ୍ୱବାସୀଙ୍କୁ ପ୍ରେରଣା ଯୋଗାଇଥାଏ।

ବିଶ୍ୱର ସବୁଠୁ ବଡ଼ ସ୍ନାକ୍ସ ଦୋକାନ

ଆଜିକାଲି ପ୍ରତ୍ୟେକ ଛୋଟ ବଡ଼ ଦୋକାନରେ ଚିପ୍‌ସ, ଚକୋଲେଟ୍, ନୁଡଲ୍ସ ଆଦି ମିଳୁଛି। ବିଶ୍ୱର ସବୁଠୁ ବଡ଼ ସ୍ନାକ୍ସ ଦୋକାନ ଏବେ ଚୀନ୍‌ର ଚାଙ୍ଗସା ସହରରେ ଖୋଲିଛି। ଏହି ଦୋକାନଟି ଏତେ ବଡ଼ ଯେ, ଏହାକୁ 'ସ୍ନାକ୍ସ କିଙ୍ଗଡମ୍' କୁହାଯାଉଛି। ଦୋକାନର କ୍ଷେତ୍ରଫଳ ୧୨,୦୦୦ ବର୍ଗମିଟରରୁ ଅଧିକ। ୧୭ ଏପ୍ରିଲ୍‌ରେ ଖୋଲିବା ପରେ ଏହା ବିଶ୍ୱର ସବୁଠୁ ବଡ଼ ସ୍ନାକ୍ସ ଦୋକାନ ଭାବେ ଗିନିଜ୍ ବିଶ୍ୱ ରେକର୍ଡରେ ମଧ୍ୟ ସ୍ଥାନ ପାଇଛି। ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ କଥାଟି ହେଲା, ଏହି ବିଶାଳକାୟ ଦୋକାନରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ସ୍ଥାନୀୟ ଏବଂ ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ସ୍ତରର ସ୍ନାକ୍ସ ମିଳୁଛି, ଯାହା ଗ୍ରାହକଙ୍କୁ ଏକ ଭିନ୍ନ ଅନୁଭୂତି ଦେଉଛି। ମିଙ୍ଗ୍ ମିଙ୍ଗ୍ ହେନ୍‌ମାଙ୍ଗ ଗ୍ରୁପ୍ ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ ଏହି ଷ୍ଟୋର୍‌ରେ ୭୦ଟି ଦେଶର ୩୫,୦୦୦ରୁ ଅଧିକ ପ୍ରକାର ସ୍ନାକ୍ସ ମିଳୁଛି। ୬୫୦୦ରୁ ଅଧିକ ବିଶ୍ୱ ସ୍ତରର ଓ ଘରୋଇ ବ୍ରାଣ୍ଡର ସ୍ନାକ୍ସ ମଧ୍ୟ ଏଠାରେ ମିଳୁଛି। ଷ୍ଟୋର ଭିତରେ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ବିଭାଗମାନ ମଧ୍ୟ ରହିଛି। ଏଠାରେ ଥିବା 'ଇନ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଟ ନୁଡଲ ସିଟି' ବିଭାଗରେ ବିଶ୍ୱର ବିଭିନ୍ନ ଦେଶର ପାଖାପାଖି ୩,୫୦୦ରୁ ଅଧିକ ପ୍ରକାର ନୁଡୁଲ୍ସ ରହିଛି। ଏହି ବିଭାଗଟି ସବୁଠୁ ଲୋକପ୍ରିୟ। ଏହାବାଦ୍ ଏହା ଭିତରେ ଥିବା କୋଲା ବିଭାଗଟି ମଧ୍ୟ ବହୁତ ବଡ଼। ଏଠାରେ ୨୦ଟି ଦେଶର କୋଲା ବ୍ରାଣ୍ଡସ୍ ମିଳିଥାଏ। ଏଠାରେ କ୍ଲାସିକ୍ କୋଲା ସହ ସଲ୍‌ଟେଡ୍ କୋଲା ମଧ୍ୟ ମିଳିଥାଏ। ଦୋକାନର ଯେଉଁପାର୍ଶ୍ୱକୁ ଚାହିଁଲେ ସବୁଆଡ଼େ କେବଳ ଚିପ୍‌ସ ପ୍ୟାକେଟ୍, ଚକୋଲେଟ୍ ନୁଡଲ୍ସ ଆଦି ଦେଖାଯାଏ। ଏହି ସ୍ନାକ୍ସ କିଙ୍ଗଡମ୍ ସାରା ବିଶ୍ୱର ପର୍ଯ୍ୟଟକ ଏବଂ ଖାଦ୍ୟପ୍ରେମୀଙ୍କ ପାଇଁ ଆକର୍ଷଣର କେନ୍ଦ୍ର ହୋଇ ରହିଛି।

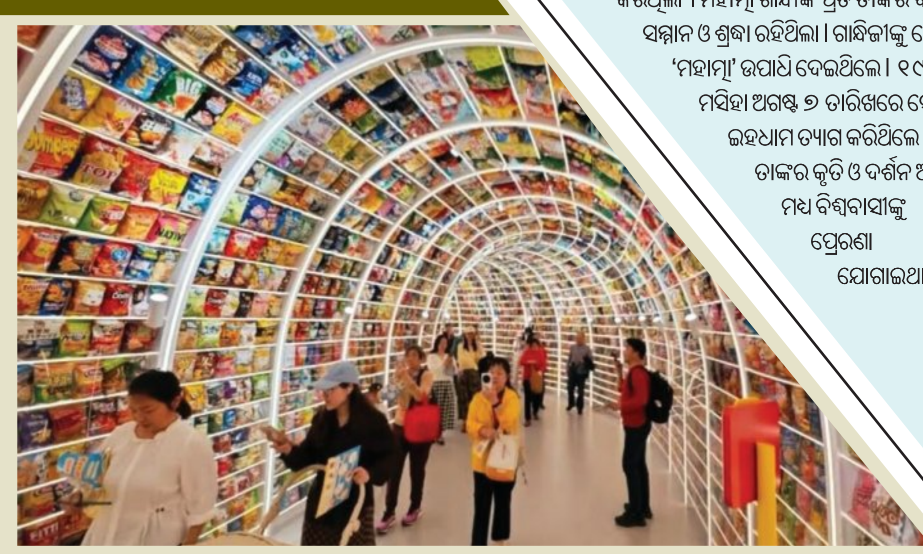

ପରଦାରେ ମା'

ମାଆ ନାହିଁ ଯାହାର, ସାହା ନାହିଁ ତାହାର। କୁହାଯାଏ, ଜଣେ ମାଆ ସମସ୍ତଙ୍କ ସ୍ଥାନ ନେଇପାରେ, ହେଲେ ମାଆର ସ୍ଥାନ କେହି ନେଇ ପାରିବେନି। ଏହି ଧାଡ଼ି କେବଳ ବାସ୍ତବ ଜୀବନ ନୁହେଁ, ସିନେମାରେ ମଧ୍ୟ ପ୍ରମାଣିତ ହୋଇଛି। ବଲିଉଡ୍‌ର ଅନେକ ଅଭିନେତ୍ରୀ ମାଆ ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରି ଘରେ ଘରେ ପରିଚିତ ହୋଇପାରିଛନ୍ତି। ସେମାନଙ୍କର ଅଭିନୟ ଏତେ ଜୀବନ୍ତ ହୋଇଛି ଯେ, ଫିଲ୍ମ ଦେଖୁ ଦେଖୁ ଦର୍ଶକଙ୍କ ଆଖିରୁ ଲୁହ ଝରିଯାଏ। ପରଦାରେ ମା' ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ କରି ଦର୍ଶକଙ୍କ ଭଲ ପାଇବା ସାଉଁଟିଥିବା କିଛି ଅନ୍‌ସ୍କ୍ରିନ୍ ମା'ଙ୍କୁ ନେଇ ଆମର ଏଇ ଆଲେଖ୍ୟ।

ରାକ୍ଷୀ ଗୁଲଜାର୍

ହିନ୍ଦୀ ସିନେମାର ଆଇକନିକ୍ - ମଦର ଭାବେ ରାକ୍ଷୀ ଗୁଲଜାର୍ ବେଶ୍ ପ୍ରସିଦ୍ଧି ଲାଭ କରିଥିଲେ। ୧୯୯୫ ମସିହାରେ ମୁକ୍ତିଲାଭ କରିଥିବା 'କରନ-ଅର୍ଜୁନ' ଫିଲ୍ମରେ ମା' ଭୂମିକାରେ ତାଙ୍କ ଅଭିନୟକୁ ଦର୍ଶକେ ବେଶ୍ ପ୍ରଶଂସା କରିଥିଲେ। ପରଦାରେ ସ୍ୱାଭିମାନୀ, ସାହସୀ ମା'ର ଚରିତ୍ର ସେ ନିଖୁଣ ଭାବେ ଦର୍ଶାଇଥିଲେ। ବିଶେଷ କରି ୯୦ ଦଶକରେ ଅଧିକାଂଶ ଫିଲ୍ମରେ ମା' ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରି ସେ ଘରେ ଘରେ ପରିଚିତ ହୋଇଥିଲେ।

ଫରିଦା ଜଲାଲ୍

ଫରିଦା ଜଲାଲ୍ ହିନ୍ଦୀ ଫିଲ୍ମ ଜଗତର ଜଣେ ଜଣାଶୁଣା ଅଭିନେତ୍ରୀ। ୧୯୯୨ ମସିହାରେ 'ଗର୍ଦିଶ' ଫିଲ୍ମରେ ସେ ପ୍ରଥମେ ମାଆ ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରିଥିଲେ। ସେ 'କୁଛ୍ କୁଛ୍ ହୋତାହୈ', 'ଦିଲବାଲେ ଦୁଲହନିଆ ଲେ ଯାଏଙ୍ଗେ', 'ଚୋରି ଚୋରି ଚୁପ୍‌କେ ଚୁପ୍‌କେ' ଭଳି ୩୦ରୁ ଉର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଫିଲ୍ମରେ ମା' ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ କରି ଢେର ପ୍ରଶଂସା ସାଉଣ୍ଟିଥିଲେ। ବିଶେଷକରି ତାଙ୍କର ସୁମଧୁର ସ୍ୱର ଓ ହସହସ ଚେହେରା ମା ଭୂମିକାକୁ ଅଧିକ ଜୀବନ୍ତ କରିଥିଲା।

ନିରୂପା ରାୟ

ହିନ୍ଦୀ ସିନେମା ଜଗତର ଲୋକପ୍ରିୟ ଅଭିନେତ୍ରୀ ଭାବେ ନିରୂପା ରାୟ ବେଶ୍ ପରିଚିତ। ସେ ମୁଖ୍ୟତଃ 'ମା' ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ ପାଇଁ ପ୍ରସିଦ୍ଧି ଲାଭ କରିଥିଲେ। ବିଶେଷ କରି ହିନ୍ଦୀ ଫିଲ୍ମରେ କାନ୍ଦୁରୀ ମା'ର ଭୂମିକା ଆଜି ବି ଦର୍ଶକଙ୍କୁ ଆକୃଷ୍ଟ କରିଛି। ୭୦-୮୦ ଦଶକରେ ଅନେକ ଫିଲ୍ମରେ ସେ ଅମିତାଭଙ୍କ ମାଆ ଭୂମିକାରେ ଅଭିନୟ କରି ନିଜର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଛାପ ଛାଡ଼ିଛନ୍ତି।

ରିମା ଲାଗୁ

ରିମା ଲାଗୁ ହିନ୍ଦୀ ସିନେମା ଜଗତରେ ଅନ୍‌ସ୍କ୍ରିନ୍ - ମା' ଭାବେ ବେଶ୍ ଲୋକପ୍ରିୟ। ଅନେକ ଚଳଚ୍ଚିତ୍ରରେ ସେ ଆଧୁନିକ, ସରଳ ସ୍ୱଭାବ ମା' ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରି ଦର୍ଶକଙ୍କ ନିକଟତର ହୋଇଥିଲେ। ମାତ୍ର ୩୦ ବର୍ଷ ବୟସରେ ସେ ମା' ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ। ୯୦ ଦଶକ ସିନେମାରେ ପାରମ୍ପରିକ ମାଆର ପ୍ରତିଛବିକୁ ସେ ଏକ ନୂଆ ରୂପ ଦେଇଥିଲେ। 'ମୈନେ ପ୍ୟାର୍ କିୟା', 'ହମ୍ ଆପ୍‌କେ ହୈ କୌନ' ଭଳି ଫିଲ୍ମରେ ଅଭିନୟ କରି ସେ ଖୁବ୍ ପ୍ରଶଂସା ସାଉଁଟିଥିଲେ।

ସୁଶ୍ରୀ

ସୁନ୍ଦର ଆକର୍ଷଣୀୟ ତ୍ୱଚା ପାଇଁ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଜରୁରି

ମହିଳାମାନେ ସୁନ୍ଦର ଓ ଆକର୍ଷଣୀୟ ତ୍ୱଚା ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରସାଧନ ସାମଗ୍ରୀ ଲଗାଇଥାନ୍ତି। ହେଲେ ଅଧିକ ରସାୟନଯୁକ୍ତ ପ୍ରସାଧନ ଲଗାଇଲେ ଏହା ତ୍ୱଚାର ଉଜ୍ଜ୍ୱଳତା କମ୍ କରିବା ସହ ଏଥିଯୋଗୁ ତ୍ୱଚା ସଂକ୍ରମଣ ଆଶଙ୍କା ରହିଥାଏ। ତେଣୁ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରସାଧନ ସାମଗ୍ରୀ ନ ଲଗାଇ ତ୍ୱଚା, ତ୍ୱଚା, ନଖ, କେଶ ଓ ଆଖିକୁ ପ୍ରଥମେ ସଫା ରଖିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଏପରି କଲେ ତ୍ୱଚା ସୁସ୍ଥ ଏବଂ ଆକର୍ଷଣୀୟ ରହିଥାଏ। ଏଥି ସହ ମେକ୍‌ଅପ୍ ସାମଗ୍ରୀକୁ ମଧ୍ୟ ସଫା ସୁତୁରା ରଖିବା ଆବଶ୍ୟକ।

କ'ଣ କରିବେ:

- ମୁହଁରେ ବ୍ରଣ ହୋଇଥିଲେ ବାରମ୍ବାର ହାତ ଲଗାନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଏହା ଦ୍ୱାରା ବ୍ରଣ ଅଧିକ ହୁଏ।
- ମୁହଁକୁ ସଫା କରିବା ବେଳେ ପରିଷ୍କାର ଟିସୁ ନଚେତ୍ ରୁମାଲ୍ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ।
- ସପ୍ତାହକୁ ଥରେ ମେକଅପ୍ ବ୍ରଶ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜିନିଷ ଆଦିକୁ ସଫା କରନ୍ତୁ। ଗରମ ପାଣି ଓ ସାବୁନରେ ଏସବୁ ସଫା ହୋଇପାରିବ।
- କାହା ସହ ମେକ୍‌ଅପ୍ ସେୟାର୍ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଏହା ଦ୍ୱାରା ସଂକ୍ରମଣ ଆଶଙ୍କା ବେଶି ରହେ।
- ସାଧାରଣତଃ ନଖରେ ମଇଳା ରହିଲେ ରୋଗ ହୋଇଥାଏ। ସେଥିପାଇଁ ନଖ ଠିକ୍ ସମୟରେ କାଟନ୍ତୁ।
- ସପ୍ତାହକୁ ୨-୩ ଥର କେଶ ସଫା କରନ୍ତୁ। ସେହିପରି ପାନିଆକୁ ମଧ୍ୟ ନିତିଦିନ ସଫା ରଖନ୍ତୁ।

ହଜିଯାଉଥିବା ସ୍ୱାଦ

ମାଟିହାଣ୍ଡି ମାଂସ ବେସର

ଆବଶ୍ୟକ ସାମଗ୍ରୀ

ଖାସି ମାଂସ – ୫୦୦ ଗ୍ରାମ୍, କଟା ପିଆଜ – ଦୁଇ କପ୍, କଟା ଟମାଟୋ – ଏକ କପ୍, ହଳଦୀ ଗୁଣ୍ଡ – ଏକ ଚାମଚ, ଲଙ୍କା ଗୁଣ୍ଡ – ଏକ ଚାମଚ, ଗରମ ମସଲା ଗୁଣ୍ଡ– ଏକ ଚାମଚ, ସୋରିଷ - ଦୁଇ ଚାମଚ, ଅଦା ରସୁଣ ବଟା – ଦୁଇ ଚାମଚ, ଧନିଆ ଗୁଣ୍ଡ– ଏକ ଚାମଚ, କଞ୍ଚାଲଙ୍କା- ତିନି ଚାରୋଟି, ସୋରିଷ ତେଲ– ଆବଶ୍ୟକତା ଅନୁସାରେ, ଲୁଣ – ସ୍ୱାଦ ଅନୁସାରେ।

ପ୍ରସ୍ତୁତି ପ୍ରଣାଳି

ଏକ ବାଉଲ୍ ନେଇ ମଟନକୁ ଧୋଇ ରଖନ୍ତୁ। ଏହାପରେ ଜାରରେ ସୋରିଷ ହଳଦୀ ମିଶାଇ ଗ୍ରାଇଣ୍ଡିଂ କରନ୍ତୁ। ଏହାପରେ ଗ୍ୟାସ୍‌ରେ ମାଟିହାଣ୍ଡି ବସାଇ ତେଲ ଦିଅନ୍ତୁ। ଏଥିରେ ଗୋଟାମସଲା ପକାଇ କଟାପିଆଜ ଦେଇ ଭାଜନ୍ତୁ। ସାମାନ୍ୟ ନାଲି ହୋଇଆସିଲେ ଏଥିରେ ଗୋଟା କଞ୍ଚାଲଙ୍କା, ଲୁଣ, ପିଆଜ ରସୁଣ ବଟା, ହଳଦୀ, ଲଙ୍କା, ଜୀରା ଧନିଆ ଗୁଣ୍ଡ ସମେତ ଗରମ ମସଲା ଦେଇ କଷନ୍ତୁ। ମସଲା ଅଳ୍ପ କଷି ହେବା ପରେ ସେଥିରେ ଗରମ ମସଲା ଏବଂ ଖାସି ମାଂସ ଦେଇ କଷନ୍ତୁ। ଭଲରେ କଷି ହୋଇଗଲେ ପାଣି ଦେଇ ଢାଙ୍କୁଣି ଘୋଡ଼ାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। ମାଂସ ସିଝି ଆସିଲେ ସେଥିରେ ବେସର ବଟା ଦିଅନ୍ତୁ। ଏହାପରେ କଟା ଧନିଆ ପତ୍ର ଦେଇ ଗ୍ୟାସ୍ ବନ୍ଦ କରି ଦିଅନ୍ତୁ। ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଗଲା ସ୍ୱାଦିଷ୍ଟ 'ମାଟିହାଣ୍ଡି ମାଂସ ବେସର'।

ଖରାଦିନିଆ ଜୋତା

ଖରାଦିନେ ଆରାମଦାୟକ ଏବଂ ଷ୍ଟାଇଲିଶ୍ ଫୁଟ୍‌ୱେର୍ ପିନ୍ଧିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଏହା ପାଦକୁ ଆରାମଦେବା ସହ ଖରାରୁ ସୁରକ୍ଷା ଦେଇଥାଏ।

ବେଲିଜ୍

ପାଦକୁ ଘୋଡ଼ାଇ ରଖିବାକୁ ଚାହୁଁଥିଲେ ବେଲିଜ୍ ଜୋତା ପିନ୍ଧିପାରିବେ। ଏହା ବଜାରରେ ସୁଲଭ ମୂଲ୍ୟରେ ଉପଲବ୍ଧ।

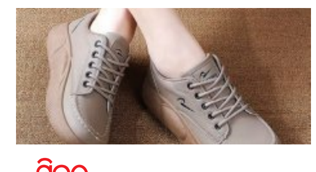

ସ୍ନିକର୍

ଖରାଦିନେ ପତଳା ସ୍ନିକର ଆରାମଦାୟକ ହୋଇଥାଏ। ଏହା ଉଭୟ ଆଧୁନିକ ଏବଂ ପାରମ୍ପରିକ ଆଉଟ୍‌ଫିଟ୍‌କୁ ଭଲ ମାନିଥାଏ।

କିଶାନ- କ୍ଲାସେନ୍‌ଙ୍କ ବିସ୍ଫୋରକ ବ୍ୟାଟିଂ ଆଗରେ କନୋଲିଙ୍କ ଶତକ ବ୍ୟର୍ଥ

ପଞ୍ଜାବକୁ ହରାଇ ଟେବୁଲ ଶୀର୍ଷରେ ହାଇଦରାବାଦ୍

ହାଇଦରାବାଦ୍,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି)

ଇଶାନ କିଶାନ (୩୨ବଲ୍‌ରେ ୫୫) ଓ ହେନ୍‌ରିକ୍ କ୍ଲାସେନ (୪୩ବଲ୍‌ରେ ୬୯)ଙ୍କ ବିସ୍ଫୋରକ ଅର୍ଦ୍ଧଶତକ ବଳରେ ପଞ୍ଜାବ କିଙ୍ଗ୍‌ସକୁ ୩୩ରନ୍‌ରେ ହରାଇ ସନ୍‌ରାଇଜର୍ସ ହାଇଦରାବାଦ୍ ଚଳିତ ଆଇପିଏଲ୍ ପଏଣ୍ଟ ଟେବୁଲର ଶୀର୍ଷସ୍ଥାନ ହାସଲ କରିଛି। ଏଠାରେ ଆଜି ଖେଳାଯାଇଥିବା ଆଇପିଏଲ୍‌ର ୪୯ତମ ଲିଗ୍ ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ପ୍ରଥମେ ବ୍ୟାଟିଂ କରି ହାଇଦରାବାଦ୍ ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ୨୦ ଓଭରରେ ୪ଓ୍ବିକେଟ ହରାଇ ୨୩୫ରନ୍ କରିଥିଲା। ଜବାବରେ କୁପର କନୋଲିଙ୍କ ଅପରାଜିତ ୧୦୭ ରନ୍ ବଳରେ ପଞ୍ଜାବ ୭ ଓ୍ବିକେଟରେ ୨୦୨ ରନ୍ କରିଥିଲା। ଆଜିର ମ୍ୟାଚ୍ ପରେ ହାଇଦରାବାଦ୍ ଏକାଦଶ ମୁକାବିଲାରୁ ୭ମ ବିଜୟ ସହ ୧୪ ପଏଣ୍ଟ ସଂଗ୍ରହ କରି ଟେବୁଲର ପ୍ରଥମ ସ୍ଥାନକୁ ଉନ୍ନୀତ ହୋଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ହ୍ୟାଟ୍ରିକ୍ ପରାଜୟ ସହ ପଞ୍ଜାବ ୧୩ ପଏଣ୍ଟ ସହ ଦ୍ୱିତୀୟ ସ୍ଥାନକୁ ଖସି ଆସିଛି।

ଏହି ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ହାଇଦରାବାଦ୍ ପ୍ରଦତ୍ତ ୨୩୬ ରନ୍‌ର ବିଶାଳ ଲକ୍ଷ୍ୟକୁ ପିଛା କରି ପଞ୍ଜାବର ୩ ତାରକା ଖେଳାଳି ପ୍ରିୟାଂଶ ଆର୍ଯ୍ୟ ୧, ପ୍ରଭସିମରନ ସିଂହ ୩ ଓ ଶ୍ରେୟସ ଆୟର ୫ରନ୍ କରି ପ୍ରଥମ ୪ ଓଭରରେ ଆଉଟ ହେବା ପରେ ଦଳ ବ୍ୟାକ୍‌ଫୁଟ୍‌କୁ ଆସିଯାଇଥିଲା। ଯୁବ ଖେଳାଳି କୁପର କନୋଲି ଦମ୍‌ର ସହ ବ୍ୟାଟିଂ କରି ୫୭ବଲ୍‌ରେ ୧୦୦ ରନ୍ ପୂରଣ କରିଥିଲେ। ସେ ମୋଟରେ ୫୯ବଲ୍‌ର ସାମ୍ନା କରି ୭ଚୌକା ଓ ୮ଛକା ସହ ୧୦୭ରନ୍‌ରେ ଅପରାଜିତ ରହିଥିଲେ। ଷ୍ଟୋଇନିସ୍ ୨୮, ଶେଦ୍‌ଜେଙ୍କ ୨୫ କିଛି କାମ ଦେଇ ନଥିଲା। ବିଜୟୀ ଦଳ ପକ୍ଷରୁ ପ୍ୟାଟ କମିନ୍ସ ଓ ଶିବାଙ୍ଗ କୁମାର ୨ଟି ଲେଖାଏଁ ଓ୍ବିକେଟ ପାଇଥିଲେ।

ପୂର୍ବରୁ ଟସ୍‌ହାରି ପ୍ରଥମେ ବ୍ୟାଟିଂ କରିଥିବା ହାଇଦରାବାଦ୍ ପକ୍ଷରୁ କ୍ଲାସେନ ୪୩ବଲ୍‌ରେ ୩ଚୌକା ଓ ୪ଛକା ସହ ସର୍ବାଧିକ ୬୯ ଓ କିଶାନ ୩୨ବଲ୍‌ରେ ୨ଚୌକା ଓ ୪ଛକା ସହ ୫୫ ରନ୍ କରିଥିଲେ। କିଶାନ ଓ କ୍ଲାସେନ ତୃତୀୟ ଓ୍ବିକେଟ ଭାଗୀଦାରିରେ ୪୮ବଲ୍‌ରୁ ୮୮ ରନ୍ ଉଠାଇ ଦଳକୁ ଏକ ବିଶାଳ ସ୍କୋର ଆଡେ ନେଇଯାଇଥିଲେ। କିଶାନଙ୍କ ଆଉଟ ପରେ କ୍ଲାସେନ ଓ ନୀତୀଶ କୁମାର ରେଡ୍ଡୀ (୧୩ବଲ୍‌ରେ ଅପରାଜିତ ୨୯ ରନ୍) ଚତୁର୍ଥ ଓ୍ବିକେଟ ଭାଗୀଦାରିରେ ୩୨ବଲ୍‌ରୁ ୬୩ରନ୍ ଉଠାଇ ଦଳକୁ ୨୩୫ରନ୍‌ରେ ପହଞ୍ଚାଇଥିଲେ। ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅଭିଷେକ ଶର୍ମା ମାତ୍ର ୧୩ବଲ୍‌ରେ ୩୫, ଟ୍ରାଭିସ ହେଡ୍ ୧୯ବଲ୍‌ରେ ୩୮ ରନ୍ କରିଥିଲେ। ପଞ୍ଜାବ ପକ୍ଷରୁ ଅର୍ଶଦୀପ ସିଂହ, ଲକି ଫର୍ଗୁସନ, ଯୁଜବେନ୍ଦ୍ର ଚହଲ ଓ ବିଜୟ କୁମାର ବ୍ୟାସକ ଜଣେ ଲେଖାଏଁ ଖେଳାଳିଙ୍କୁ ଆଉଟ କରିଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ଦଳର ଫିଲ୍ଡରମାନେ ଅତିକମ୍‌ରେ ୪ଟି କ୍ୟାଚ୍ ହାତଛଡ଼ା କରିବା ଫଳରେ ହାଇଦରାବାଦ୍ ଏତେ ବଡ଼ ସ୍କୋର କରିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଥିଲା। ଯୁଜବେନ୍ଦ୍ର ଚହଲଙ୍କ ବୋଲିଂରେ ଉଭୟ କିଶାନ ଓ କ୍ଲାସେନଙ୍କ କ୍ୟାଚ୍ ଡ୍ରପ୍ ହୋଇଥିଲା।

ଆଇପିଏଲ୍ ପଏଣ୍ଟ ଟେବୁଲ୍

ଦଳ	ମ୍ୟା.	ବି.	ପ.	ବା.	ପ.	ଏନ୍‌ଆର୍‌ଆର୍
୨-ପଞ୍ଜାବ	୧୦	୬	୩	୧	୧୩	+୦.୫୭୧
୩-ବେଙ୍ଗାଲୁରୁ	୯	୬	୩	୦	୧୨	+୧.୪୨୦
୧-ହାଇଦରାବାଦ	୧୧	୭	୪	୦	୧୪	+୦.୭୩୭
୪- ରାଜସ୍ଥାନ	୧୦	୬	୪	୦	୧୨	+୦.୫୧୦
ଗୁଜରାଟ	୧୦	୬	୪	୦	୧୨	-୦.୧୪୭
ଚେନ୍ନଇ	୧୦	୫	୫	୦	୧୦	+୦.୧୫୧
ଦିଲ୍ଲୀ	୧୦	୪	୬	୦	୮	-୦.୯୪୯
କୋଲକାତା	୯	୩	୫	୧	୭	-୦.୫୩୯
ମୁମ୍ବଇ	୧୦	୩	୭	୦	୬	-୦.୬୪୯
ଲକ୍ଷ୍ନୌ	୯	୨	୭	୦	୪	-୧.୦୭୬

ବି.ଦ୍ର.: ମ୍ୟା-ମ୍ୟାଚ୍, ବି- ବିଜୟ, ପ- ପରାଜୟ, ବା- ବାତିଲ, ପ- ପଏଣ୍ଟ

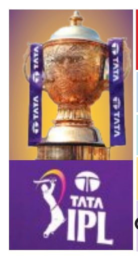

ଆଜିର ଆଇପିଏଲ୍ ମ୍ୟାଚ୍

ଲକ୍ଷ୍ନୌ ବନାମ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁ
ଭେନ୍ୟୁ - ଲକ୍ଷ୍ନୌ
ଖେଳ ଆରମ୍ଭ : ରାତି ୭.୩୦
ପ୍ରସାରଣ : ଷ୍ଟାର ସ୍ପୋର୍ଟ୍ସ, ଜିଓହଟ୍‌ଷ୍ଟାର

ଟିମ୍ ସହ ପାଣ୍ଡ୍ୟାଙ୍କ ଅନୁପସ୍ଥିତିକୁ ନେଇ ସନ୍ଦେହ

ମୁମ୍ବଇ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ମୁମ୍ବଇ ଇଣ୍ଡିଆନସ ଓ ରୟାଲ ଚ୍ୟାଲେଞ୍ଜର୍ସ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁ ମଧ୍ୟରେ ଆଇପିଏଲ୍‌ର ଏକ ଲିଗ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ମୁକାବିଲା ଛତିଶଗଡ଼ର ରାୟପୁରରେ ମେ ୬ ତାରିଖ ବୁଧବାର ଖେଳାଯିବ। ଏହି ମୁକାବିଲା ଲାଗି ଆଜି ମୁମ୍ବଇ ଇଣ୍ଡିଆନ୍ସର ଖେଳାଳି ଓ କର୍ମକର୍ତ୍ତା ରାୟପୁର ଅଭିମୁଖେ ଯାତ୍ରା କରିଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ଟିମ୍ ସହ ଯାଇ ନାହାନ୍ତି ଅଧିନାୟକ ହାର୍ଦ୍ଦିକ ପାଣ୍ଡ୍ୟା। ବିମାନବନ୍ଦରରେ ତାଙ୍କ ଅନୁପସ୍ଥିତିକୁ ନେଇ ସନ୍ଦେହ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଏହା ମଧ୍ୟରେ ସେ ଦଳ ସହ ଯୋଗଦେବେ ବୋଲି କିଛି ସ୍ପଷ୍ଟ ସୂଚନା ମିଳିପାରି ନାହିଁ। ୱାଙ୍ଖେଡେ ଷ୍ଟାଡିୟମ୍‌ରେ ମେ ୪ ତାରିଖରେ ଲକ୍ଷ୍ନୌ ସୁପର ଜାଏଣ୍ଟସ (ଏଲ୍‌ଏସ୍‌ଜି) ସହ ହୋଇଥିବା ମୁକାବିଲାରେ ପାଣ୍ଡ୍ୟା ଖେଳି ନ ଥିଲେ। ତାଙ୍କ ସ୍ଥାନରେ ଦଳର ନେତୃତ୍ୱ ନେଇଥିବା ସୂର୍ଯ୍ୟକୁମାର ଯାଦବଙ୍କ କହିବା ଅନୁଯାୟୀ ଅସୁସ୍ଥତା କାରଣରୁ ପାଣ୍ଡ୍ୟା ଏହି ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳୁ ନାହାନ୍ତି। ତାଙ୍କ ସ୍ଥାନରେ ମୁଁ ଏହି ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ଦଳର ନେତୃତ୍ୱ ନେଉଛି। ପିଠିରେ ଆଘାତ ଲାଗିଥିବାରୁ ପାଣ୍ଡ୍ୟାଙ୍କୁ ଏହି ମ୍ୟାଚ୍ ଲାଗି ବିଶ୍ରାମ ଦିଆଯାଇଛି ବୋଲି ମୁମ୍ବଇ ଇଣ୍ଡିଆନ୍ସ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଥିଲା। କିନ୍ତୁ ଏହି ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ତାଙ୍କର ଅନୁପସ୍ଥିତି ନେଇ ଅନେକ କଥା ଶୁଣିବାକୁ ମିଳୁଛି। ବିଶେଷ କରି ପାଣ୍ଡ୍ୟା ଚଳିତ ସିଜନରେ ଭଲ ଫର୍ମରେ ନାହାନ୍ତି। ଅଧିନାୟକ ଦାୟିତ୍ୱ ହେଉ, ବ୍ୟାଟିଂ କିମ୍ବା ବୋଲିଂ କୌଣସି ବିଭାଗରେ ପାଣ୍ଡ୍ୟା ସଫଳ ହୋଇନାହାନ୍ତି। ଏଣୁ ତାଙ୍କୁ ଦଳରେ ସ୍ଥାନ ଦିଆଯାଇନାହିଁ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି। ସେ ଯାହା ହେଉ ତାଙ୍କ ଅନୁପସ୍ଥିତି ନେଇ ଯେଉଁ ସନ୍ଦେହ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି ତାହା ଏହି ରିପୋର୍ଟ ଲେଖା ହେଲାବେଳକୁ ବଳବତ୍ତର ରହିଛି।

ପାକିସ୍ତାନ ସହ ଦ୍ୱିପାକ୍ଷିକ କ୍ରୀଡ଼ା ଖେଳିବନି ଭାରତ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ କ୍ରୀଡ଼ା ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ପାକିସ୍ତାନ ସହ କ୍ରୀଡ଼ା ସମ୍ପର୍କକୁ ନେଇ ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ନୀତି ସ୍ପଷ୍ଟ କରାଯାଇଛି। ପାକିସ୍ତାନ ସହ କୌଣସି ପ୍ରକାରର ଦ୍ୱିପାକ୍ଷିକ କ୍ରୀଡ଼ା ସମ୍ପର୍କ ସ୍ଥାପନ କରାଯିବ ନାହିଁ, କିନ୍ତୁ ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ବହୁରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ପାଇଁ କୋହଳ ନୀତି ଆପଣାଯିବ। ଭାରତୀୟ ଦଳ ପାକିସ୍ତାନ ଗସ୍ତ କରିବେ ନାହିଁ କିମ୍ବା ପାକିସ୍ତାନୀ ଦଳକୁ ଭାରତରେ ଖେଳିବାକୁ ଅନୁମତି ଦିଆଯିବ ନାହିଁ। ତେବେ ବିଶ୍ୱକପ୍, ଅଲିମ୍ପିକ୍ସ କିମ୍ବା ଏସିଆ କପ୍ ଭଳି ବହୁରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ପାଇଁ ପାକିସ୍ତାନୀ ଖେଳାଳିମାନେ ଭାରତ ଆସିପାରିବେ। ସେହିଭଳି ଏହିସବୁ ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ ଭାରତ ମଧ୍ୟ ପାକିସ୍ତାନ ସହ ମୁହାଁମୁହିଁ ହେବ। ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ କ୍ରୀଡ଼ା ସଂଗଠନର କର୍ମକର୍ତ୍ତା ଏବଂ ଖେଳାଳିଙ୍କ ପାଇଁ ଭିସା ପ୍ରକ୍ରିୟାକୁ ସରଳ କରାଯାଇଛି। ଗତବର୍ଷ ପହଲଗାମ ଆତଙ୍କବାଦୀ ଆକ୍ରମଣ ପରେ ଭାରତ ଏହି କଠୋର ଆଭିମୁଖ୍ୟ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲା। ଭାରତ ୨୦୩୦ କମନୱେଲଥ ଗେମ୍ସ ଏବଂ ୨୦୩୬ ଅଲିମ୍ପିକ୍ସ ଆୟୋଜନ କରିବାକୁ ଲକ୍ଷ୍ୟ ରଖିଛି। ତେଣୁ ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ଅଲିମ୍ପିକ୍ ଚାର୍ଟର ଅନୁସାରେ ସମସ୍ତ ଦେଶକୁ ଅନୁମତି ଦେବା ପାଇଁ ଭାରତ ନିଜର 'ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତିକରଣ' (ଇନ୍‌କ୍ଲୁସିଭିଟି) ନୀତି ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛି।

■ ଫ୍ରେଞ୍ଚ୍ ଓପନ୍ ପାଉଣା ବିବାଦ

ସାବାଲେଙ୍କା, ସିନର୍‌ଙ୍କ ବଏକଟ୍ ଧମକ

ରୋମ୍,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ବର୍ଷର ଦ୍ୱିତୀୟ ଗ୍ରାଣ୍ଡସ୍ଲାମ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଫ୍ରେଞ୍ଚ୍ ଓପନ ଟେନିସ୍ ଆରମ୍ଭ ହେବା ପୂର୍ବରୁ ବିଶ୍ୱର ଶୀର୍ଷ ମାନ୍ୟତାପ୍ରାପ୍ତ ମହିଳା ଖେଳାଳି ବେଲାରୁଷର ଅରିନା ସାବାଲେଙ୍କା ଏବଂ ଇଟାଲି ତାରକା ଜାନିକ୍ ସିନର ଗ୍ରାଣ୍ଡସ୍ଲାମ୍ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ବଏକଟ୍ କରିବାକୁ ଧମକ ଦେଇଛନ୍ତି। ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରୁ ମିଳୁଥିବା ମୋଟ ରାଜସ୍ୱର ଅଧିକ ଅଂଶ ଖେଳାଳିଙ୍କୁ ଦେବା ପାଇଁ ସେମାନେ ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ଖେଳାଳିଙ୍କ ଅନୁସାରେ, ଫ୍ରେଞ୍ଚ୍ ଓପନର ମୋଟ ରାଜସ୍ୱରେ ଖେଳାଳିଙ୍କ ଭାଗ ୨୦୨୪ରେ ୧୫.୫% ଥିବାବେଳେ ୨୦୨୬ରେ ଏହା ୧୪.୯% କୁ ହ୍ରାସ ପାଇଛି। ସାବାଲେଙ୍କା କହିଛନ୍ତି, ଆମ ବିନା କୌଣସି ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ବା ମନୋରଞ୍ଜନ ସମ୍ଭବ ନୁହେଁ। ଆମ ଅଧିକାର ପାଇଁ ଲଢ଼ିବାକୁ ହେଲେ ବଏକଟ୍ ହିଁ ଏକମାତ୍ର ରାସ୍ତା। ପାଉଣା ବୃଦ୍ଧି ସହ ଉନ୍ନତ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସୁବିଧା, ପେନସନ ଏବଂ ସଠିକ୍ ପ୍ରତିନିଧିତ୍ୱ ପାଇଁ ଖେଳାଳିମାନେ ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ଆସନ୍ତା ମେ' ୨୪ରୁ ଫ୍ରେଞ୍ଚ୍ ଓପନ ଆରମ୍ଭ ହେବାକୁ ଥିବାବେଳେ, ଟେନିସ୍ ଷ୍ଟାର୍‌ମାନଙ୍କ ଏହି ଆଭିମୁଖ୍ୟ ଆୟୋଜକଙ୍କ ପାଇଁ ବଡ଼ ଚ୍ୟାଲେଞ୍ଜ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। କିନ୍ତୁ ଇଗା ସ୍ୱିଟେକ୍‌ଙ୍କ ଭଳି ଖେଳାଳି ବଏକଟ୍‌କୁ ଏକ ଚରମ ପଦକ୍ଷେପ ବୋଲି କହି ଆଲୋଚନା ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଛନ୍ତି।

■ ଚାମ୍ପିଅନ୍ସ ଲିଗ୍‌ରେ ଐତିହାସିକ ସଫଳତା

୨୦ ବର୍ଷ ପରେ ଫାଇନାଲ୍‌ରେ ଆର୍ସେନାଲ୍

ଲଣ୍ଡନ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ବୁଧବାର ଖେଳାଯାଇଥିବା ଏକ ରୋମାଞ୍ଚକର ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ଆର୍ସେନାଲ୍ ଆଟଲେଟିକୋ ମାଡ୍ରିଡ୍‌କୁ ପରାସ୍ତ କରି ୨୦୨୫-୨୬ ୟୁଇଏଫ୍‌ଏ ଚାମ୍ପିଅନ୍ସ ଲିଗ୍ ଫାଇନାଲ୍‌ରେ ପ୍ରବେଶ କରିଛି। ଦୀର୍ଘ ୨୦ ବର୍ଷର ପ୍ରତୀକ୍ଷା ପରେ ଆର୍ସେନାଲ ପୁଣିଥରେ ଏହି ବଡ଼ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟର ଶୀର୍ଷ ମୁକାବିଲାରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ସେମିଫାଇନାଲର ଦ୍ୱିତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଆର୍ସେନାଲ୍ ୧-୦ ଗୋଲ୍‌ରେ ବିଜୟୀ ହୋଇଥିଲା। ସାମଗ୍ରିକ ଭାବେ (ଏଗ୍ରିଗେଟ୍) ଦଳ ୨-୧ ବ୍ୟବଧାନରେ ଆଟଲେଟିକୋକୁ ମାତ୍ ଦେଇଛି। ମ୍ୟାଚ୍‌ର ୪୪ତମ ମିନିଟ୍‌ରେ ଷ୍ଟାର୍ ଖେଳାଳି ବୁକାୟୋ ସାକା ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ ଗୋଲ୍ ଦେଇଥିଲେ। ଚାମ୍ପିଅନ୍ସ ଲିଗ୍‌ରେ ସାକାଙ୍କର ଏହା ୧୩ତମ ଗୋଲ୍। ମିକେଲ୍ ଆର୍ଟେଟାଙ୍କ ରଣନୀତି ଏବଂ ଦଳର ଶକ୍ତିଶାଳୀ ରକ୍ଷଣଭାଗ ଯୋଗୁଁ ଆଟଲେଟିକୋ ମାଡ୍ରିଡ୍ ଗୋଟିଏ ବି ଗୋଲ୍ ପରିଶୋଧ କରିପାରିନଥିଲା। ଆର୍ସେନାଲ୍ ଶେଷଥର ପାଇଁ ୨୦୦୬ ମସିହାରେ ଚାମ୍ପିଅନ୍ସ ଲିଗ୍ ଫାଇନାଲ୍ ଖେଳିଥିଲା। ସେହି ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ଦଳ ବାର୍ସିଲୋନାଠାରୁ ପରାସ୍ତ ହୋଇଥିଲା। ଏବେ ଦୁଇ ଦଶନ୍ଧି ପରେ ଦଳ ନିକଟରେ ଟାଇଟଲ୍ ଜିତିବାକୁ ଏକ ବଡ଼ ସୁଯୋଗ ରହିଛି। ଫାଇନାଲ ମୁକାବିଲା ମେ ୩୦ରେ ହଙ୍ଗେରୀ ରାଜଧାନୀ ବୁଡାପେଷ୍ଟର ପୁସ୍କାସ ଏରିନାରେ ଆୟୋଜନ ହେବ। ଟାଇଟଲ ପାଇଁ ଅର୍ସେନାଲ ଫାଇନାଲରେ ପ୍ୟାରସ ସେଣ୍ଟ ଜର୍ମେନ କିମ୍ବା ବେୟର୍ଣ୍ଣ ମ୍ୟୁନିକକୁ ଭେଟିବ।

ଫିଫା ବିଶ୍ୱକପ୍ ୨୦୨୬

ଟିକଟ୍ ମୂଲ୍ୟ ବୃଦ୍ଧିକୁ ଇନ୍‌ଫାଣ୍ଟିନୋଙ୍କ ସମର୍ଥନ

ବେଭର୍ଲି ହିଲ୍ସ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ୨୦୨୬ ଫିଫା ବିଶ୍ୱକପ୍ ଟିକଟର ଆକାଶଛୁଆଁ ମୂଲ୍ୟକୁ ନେଇ ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଚର୍ଚ୍ଚା ଚାଲିଥିବା ବେଳେ ଫିଫା ସଭାପତି ଜିଆନି ଇନଫାଣ୍ଟିନୋ ଏହାକୁ ସମର୍ଥନ କରିଛନ୍ତି। ପ୍ରଶଂସକ ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ସଂଗଠନ ଏହି ମୂଲ୍ୟକୁ ଅତ୍ୟଧିକ ଏବଂ ବିଶ୍ୱାସଘାତକତା ବୋଲି କହି ସମାଲୋଚନା କରୁଛନ୍ତି। ଇନଫାଣ୍ଟିନୋ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଆମେରିକା ହେଉଛି ବିଶ୍ୱର ସବୁଠାରୁ ବଡ଼ ମନୋରଞ୍ଜନ ବଜାର। ଏଠାରେ ଟିକଟ୍‌ର ଚାହିଦା ଅଧିକ ଥିବାରୁ ବଜାର ଦର ଅନୁସାରେ ମୂଲ୍ୟ ରଖାଯାଇଛି। ଯଦି ଫିଫା କମ୍ ଦରରେ ଟିକେଟ୍ ବିକ୍ରି କରିବ, ତେବେ ଲୋକମାନେ ତାକୁ କିଣି ପୁଣିଥରେ ଚଢ଼ା ଦରରେ ରିସେଲ୍ ମାର୍କେଟରେ ବିକ୍ରି କରିବେ। ଏହାକୁ ରୋକିବା ପାଇଁ ମୂଲ୍ୟ ବଢ଼ାଯାଇଛି। ୨୦୧୮ ଏବଂ ୨୦୨୨ ବିଶ୍ୱକପ୍ ତୁଳନାରେ ଏଥର ଟିକଟ୍ ପାଇଁ ୧୦ ଗୁଣ ଅଧିକ (ପ୍ରାୟ ୫୦ କୋଟି) ଆବେଦନ ଆସିଛି। ୨୦୨୨ କାତାର ବିଶ୍ୱକପ୍ ଫାଇନାଲ୍ ଟିକଟର ସର୍ବାଧିକ ମୂଲ୍ୟ ପ୍ରାୟ ୧,୬୦୦ (୧.୩ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା) ଥିବାବେଳେ, ୨୦୨୬ରେ ଏହାର ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ମୂଲ୍ୟ ୧୧,୦୦୦ ଡଲାର (ପ୍ରାୟ ୯ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା) ରଖାଯାଇଛି। ଫିଫା ମାର୍କେଟପ୍ଲେସ୍‌ରେ ଫାଇନାଲ୍ ମ୍ୟାଚ୍‌ର ଗୋଟିଏ ଟିକଟ୍ ମୂଲ୍ୟ ୨୦ ଲକ୍ଷ ଡଲାର (ପ୍ରାୟ ୧୬ କୋଟି ଟଙ୍କା) ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦର୍ଶାଯାଇଥିଲା। ଏହା ଉପରେ କଟାକ୍ଷ କରି ଇନଫାଣ୍ଟିନୋ କହିଛନ୍ତି, ଯଦି କେହି ଏତେ ଟଙ୍କାରେ ଟିକଟ୍ କିଣିବେ, ମୁଁ ନିଜେ ତାଙ୍କୁ ହଟ୍-ଡଗ୍ ଏବଂ କୋକ୍ ଦେଇ ସ୍ୱାଗତ କରିବି। 'ଫୁଟବଲ୍ ସପୋର୍ଟର୍ସ ୟୁରୋପ' (ଏଫ୍‌ଏସ୍‌ଇ) ଏହି ଦର ବୃଦ୍ଧି ବିରୋଧରେ ୟୁରୋପୀୟ କମିଶନଙ୍କ ନିକଟରେ ମାମଲା ଦାୟର କରିଛି। ସାଧାରଣ ପ୍ରଶଂସକଙ୍କ ପାଇଁ ଏହି ମୂଲ୍ୟ ଅପହଞ୍ଚ ବୋଲି ସେମାନେ ଦାବି କରିଛନ୍ତି। ତେବେ ଇନଫାଣ୍ଟିନୋଙ୍କ ଅନୁସାରେ, ଗ୍ରୁପ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟର ୨୫ ପ୍ରତିଶତ ଟିକଟ୍ ୩୦୦ ଡଲାର (ପ୍ରାୟ ୨୫ ହଜାର ଟଙ୍କା) ରୁ କମ୍ ମୂଲ୍ୟରେ ଉପଲବ୍ଧ ଅଛି। ପ୍ରବଳ ଚାହିଦା ଏବଂ ଆମେରିକାର ବଜାର ନୀତି ଯୋଗୁଁ ଫିଫା ଟିକଟ୍ ମୂଲ୍ୟ ବୃଦ୍ଧିକୁ ଯଥାର୍ଥ ବୋଲି ଦର୍ଶାଇଛି।

ଡୋପ୍ ଟେଷ୍ଟରେ ଅନୁପସ୍ଥିତ: ବିନେଶ ଫୋଗଟଙ୍କୁ ନୋଟିସ୍

ଚଣ୍ଡିଗଡ଼,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି): ଅଭିଜ୍ଞ ଭାରତୀୟ ମହିଳା କୁସ୍ତିଯୋଦ୍ଧା ବିନେଶ ଫୋଗଟଙ୍କୁ ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ଟେଷ୍ଟିଂ ଏଜେନ୍ସି (ଆଇଟିଏ) ପକ୍ଷରୁ ନୋଟିସ୍ ଜାରି କରାଯାଇଛି। ଡୋପ୍ ଟେଷ୍ଟ ପାଇଁ ଉପଲବ୍ଧ ନହେବା କାରଣରୁ ଏହି ନୋଟିସ୍ ଦିଆଯାଇଛି। ୧୮ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୨୫ରେ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁଠାରେ ବିନେଶଙ୍କର ଡୋପ୍ ଟେଷ୍ଟ ହେବାର ଥିଲା, କିନ୍ତୁ ସେ ସେଠାରେ ଅନୁପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ବିନେଶଙ୍କ ଅନୁସାରେ, ସେହି ସମୟରେ ସେ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁରୁ ଚଣ୍ଡିଗଡ଼ ଯାତ୍ରା କରୁଥିଲେ। ହରିୟାଣା ବିଧାନସଭାର ଶୀତକାଳୀନ ଅଧିବେଶନ ଏବଂ ପରିବାରରେ ଶିଶୁ ଜନ୍ମ କାରଣରୁ ସେ ନିଜର ଲୋକେସନ ଅପଡେଟ୍ କରିପାରିନଥିଲେ। ମେ' ୪ ତାରିଖରେ ଏହି ନୋଟିସ୍ ଜାରି କରାଯାଇଛି ଏବଂ ଆସନ୍ତା ମେ' ୭ ତାରିଖ ସୁଦ୍ଧା ଜବାବ ଦେବାକୁ କୁହାଯାଇଛି। ଖେଳାଳିମାନଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କର ଅବସ୍ଥିତି (ଲୋକେସନ) ବିଷୟରେ ପୂର୍ବରୁ ସୂଚନା ଦେବାକୁ ପଡିଥାଏ। ଯଦି ଜଣେ ଖେଳାଳି ବର୍ଷକ ମଧ୍ୟରେ ୩ ଥର ଏଥିରେ ବିଫଳ ହୁଅନ୍ତି, ତେବେ ତାଙ୍କୁ ୨ ବର୍ଷ ପାଇଁ ବ୍ୟାନ୍ କରାଯାଇପାରେ। ୨୦୨୪ ପ୍ୟାରିସ୍ ଅଲିମ୍ପିକ୍ସ ପରେ ଅବସର ଘୋଷଣା କରିଥିବା ବିନେଶ, ନିକଟରେ ୨୦୨୮ ଲସ୍ ଏଞ୍ଜେଲସ୍ ଅଲିମ୍ପିକ୍ସ ପାଇଁ କୁସ୍ତିକୁ ଫେରିବାକୁ ଘୋଷଣା କରିଛନ୍ତି। ମେ' ୩ ତାରିଖରେ ଏକ ଭିଡିଓ ଜାରି କରି ସେ ପୁଣିଥରେ ବ୍ରିଜଭୂଷଣ ଶରଣ ସିଂଙ୍କ ବିରୋଧରେ ଗୁରୁତର ଅଭିଯୋଗ ଆଣିଛନ୍ତି। ଗୋଣ୍ଡାଠାରେ ହେବାକୁ ଥିବା ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ସୁରକ୍ଷାକୁ ନେଇ ସେ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠାଇଛନ୍ତି। ବିନେଶଙ୍କୁ ଏବେ କେବଳ ଚେତାବନୀ ଦିଆଯାଇଛି, କିନ୍ତୁ ସଠିକ୍ ଜବାବ ନଦେଲେ କିମ୍ବା ଆଗକୁ ଏଭଳି ଭୁଲ୍ ହେଲେ ତାଙ୍କ କ୍ୟାରିୟର ଉପରେ ବିପଦ ଆସିପାରେ।

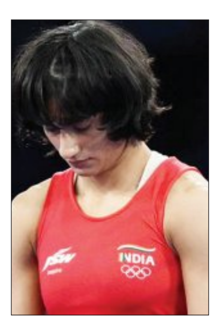

■ ରାଜ୍ୟ ଶିଶୁ ଚେସ୍ ପ୍ରତିଯୋଗିତା

ଖୋର୍ଦ୍ଧାର ଏଲିନା ଏକକ ଆଗୁଆ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୬।୫(ସମିସ): ଖୋର୍ଦ୍ଧାର ୪ ବର୍ଷର ବାଳିକା ରାଜ୍ୟ ଶିଶୁ ବା ୭ବର୍ଷରୁ କମ୍ ଚେସ୍ ପ୍ରତିଯୋଗିତାର ୫ମ ରାଉଣ୍ଡ ଶେଷସୁଦ୍ଧା ୫ ପଏଣ୍ଟ ସଂଗ୍ରହ କରି ଏକକ ଆଗୁଆ ରହିଛନ୍ତି। ତାଙ୍କ ପଛକୁ ଦେବାଂଶୀ ସାହୁ ଓ ଗାରିମା ସ୍ୱାଇଁ ୪ପଏଣ୍ଟ ଲେଖାଏଁ ସଂଗ୍ରହ କରି ମିଳିତଭାବେ ଦ୍ୱିତୀୟ ସ୍ଥାନରେ ରହିଛନ୍ତି।

ସେହିପରି ଓପନ ବିଭାଗରେ ଖୋର୍ଦ୍ଧାର ରିୟାଂଶ ରାଜ ଓ ମୟୂରଭଞ୍ଜର ବୀରଭଦ୍ର ବ୍ରହ୍ମା ୫ ରାଉଣ୍ଡରୁ ୫ପଏଣ୍ଟ ଲେଖାଏଁ ସଂଗ୍ରହ କରି ମିଳିତଭାବେ ପ୍ରଥମ ସ୍ଥାନରେ ରହିଛନ୍ତି। ଏମାନଙ୍କ ପଛକୁ ପ୍ରୟାଂଶ କୁମାର ଦାଶ, ଜିଜ୍ଞାସା କୁମାର ସାହୁ ଓ ଶିଭାଂଶ ମହାନ୍ତି ୪ ପଏଣ୍ଟ ଲେଖାଏଁ ସଂଗ୍ରହ କରି ମିଳିତଭାବେ ଦ୍ୱିତୀୟ ସ୍ଥାନରେ ରହିଛନ୍ତି। ଏହି ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ଆସନ୍ତାକାଲି ଆଉ ୨ ରାଉଣ୍ଡ ଖେଳ ପରେ ଉଦ୍‌ଯାପିତ ହେବ ବୋଲି ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲା ଚେସ ସଂଘ ସମ୍ପାଦକ ଶୁଭାଶିଷ ପଟ୍ଟନାୟକ ଜଣାଇଛନ୍ତି।

ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦ ଟ୍ରଫି

ଓଡ଼ିଶା- ବେଙ୍ଗଲ ମ୍ୟାଚ୍ ଅମୀମାଂସିତ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୬।୫ (ସମିସ): ଛତିଶଗଡ଼ର ନାରିନପୁରରେ ଚାଲିଥିବା ୨୦ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦ ଜାତୀୟ ପୁରୁଷ ଫୁଟ୍‌ବଲ ଚାମ୍ପଅନସିପ୍‌ର ଦ୍ୱିତୀୟ ମୁକାବିଲାରେ ଓଡ଼ିଶା ଦଳ ଶକ୍ତିଶାଳୀ ବେଙ୍ଗଲ ସହ ମ୍ୟାଚ୍ ଅମୀମାଂସିତ ରଖିଛି। ଆରମ୍ଭରୁ ଶେଷ ଯାଏ ଜୋରଦାର ଲଢ଼େଇ ହୋଇଥିବା ଏହି ମ୍ୟାଚ୍‌ର ଖେଳ ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ସମୟ ଶେଷରେ ୨-୨ ଗୋଲ୍‌ରେ ସମାନସ୍ତରରେ ରହିଥିଲା। ଏହା ପୂର୍ବରୁ ଖେଳାଯାଇଥିବା ମ୍ୟାଚରେ କର୍ଣ୍ଣାଟକ ୪-୨ ଗୋଲ୍‌ରେ ଓଡ଼ିଶାକୁ ହରାଇଥିଲା। ଏହା ଫଳରେ ଓଭରଅଲ ପଏଣ୍ଟ ତାଲିକାରେ ଓଡ଼ିଶା ଶେଷ ସ୍ଥାନରେ ରହି ପ୍ରତିଯୋଗିତାରୁ ବିଦାୟ ନେଇଛି। ବେଙ୍ଗଲ ବିପକ୍ଷରେ ଓଡ଼ିଶା ପକ୍ଷରୁ ଶଙ୍ଖ ଶେଖର ହେମ୍ବ୍ରମ ଓ ବାରିଆଲ ଟୁଡୁ ଗୋଲ ସ୍କୋର କରିଥିଲେ। କର୍ଣ୍ଣାଟକ ବିପକ୍ଷରେ ଅଧିନାୟକ ରୋନିକ ମାଝୀ ଓ ପଙ୍କଜ ତନ୍ତୀ ଗୋଟିଏ ଲେଖାଏ ଗୋଲ୍ ଦେଇଥିଲେ।

ଓଡ଼ିଶା ନାଇନ୍-ଏ-ସାଇଡ୍ ଦଳର କେରଳ ଯାତ୍ରା

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୬।୫(ସମିସ): ଅଧିନାୟକ ସୌମ୍ୟ ସ୍ୱରୂପ ନାୟକଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଏକ ୧୬ଜଣିଆ ଓଡ଼ିଶା ଫୁଟବଲ ଦଳ ୧୫ତମ ନ୍ୟାସନାଲ ନାଇନ୍-ଏ-ସାଇଡ୍ ଫୁଟବଲ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଖେଳିବାକୁ କେରଳ ଯାତ୍ରା କରିଛି। ଏହି ଦଳରେ ଆୟାନ ସାହୁ, ବିଶାଳଦୀପ ନାୟକ, ପ୍ରିୟମ ମଞ୍ଜିତ ମାଟିଆ, ସୁଜିତ ନାୟକ, କୁନାଲ ଏନ୍, ସ୍ୱୟମ ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ରାଉତ, ଯଶୋବନ୍ତ ଓରାମ, ସତ୍ୟଜିତ ସାହୁ, ଦେବପ୍ରସାଦ ମାଝୀ, ପ୍ରଦ୍ୟୁମ୍ନ ସ୍ୱାଇଁ, ଦିବ୍ୟରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ସନ୍ଦୀପ ସାହୁ, ବିଶ୍ୱନାଥ ମହନ୍ତ ଓ ଆଦର୍ଶ ତ୍ରିପାଠୀ। କେରଳରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ଓଡ଼ିଶା କାହା ସହ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳିବ ତାହା ଜଣାପଡ଼ିବ। ଏହି ଦଳ ସହ ଓଡ଼ିଶା ନାଇନ୍-ଏ-ସାଇଡ ସଂଘର ସମ୍ପାଦକ ମହମ୍ମଦ୍ ଆଜାଦ୍ ଓ କୋଚ୍ ଅଶୋକ ରାଉତରାୟ କେରଳ ଯାଇଛନ୍ତି।

ବେଙ୍ଗାଲୁରୁ ଭେନ୍ୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନରେ କର୍ଣ୍ଣାଟକ ରାଜ୍ୟ ସଂଘ ନିରାଶ

ଅହମଦାବାଦରେ ହେବ ଆଇପିଏଲ୍ ଫାଇନାଲ

ମୁମ୍ବଇ,୬।୫(ଏଜେନ୍ସି)

ଇଣ୍ଡିଆନ୍ ପ୍ରିମିୟର ଲିଗ୍ (ଆଇପିଏଲ୍)-୨୦୨୬ର ପ୍ଲେ ଅଫ୍ ଖେଳସୂଚୀ ଘୋଷିତ ହୋଇଛି। ବିସିସିଆଇ ପକ୍ଷରୁ ଘୋଷଣା କରାଯାଇଥିବା ଏହି ସୂଚୀ ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ଲେ ଅଫ୍ ମ୍ୟାଚ୍ ଗୁଡିକ ଧର୍ମଶାଳା, ନ୍ୟୁ ଚଣ୍ଡିଗଡ (ମୁଲାନପୁର) ଓ ଅହମ୍ମଦାବାଦ୍‌ରେ ଖେଳାଯିବ। କିଛି ଅପରେସନାଲ ଓ ଲଜିଷ୍ଟିକ୍ କାରଣ ଯୋଗୁଁ ଆଇପିଏଲ୍ ପ୍ଲେ ଅଫ୍‌ର ଖେଳସୂଚୀ ଚଳିତବର୍ଷ ୩ଟି ଭେନ୍ୟୁରେ ଆୟୋଜନ କରାଯିବାକୁ ନିଷ୍ପତ୍ତି ହୋଇଛି। ଘୋଷିତ ଖେଳସୂଚୀ ଅନୁଯାୟୀ ଆଇପିଏଲ୍‌ର ପ୍ରଥମ କ୍ୱାଲିଫାୟର ଧର୍ମଶାଳାରେ ମେ ୨୬ ତାରିଖରେ ଖେଳାଯିବ। ଏଥିରେ ଗ୍ରୁପ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ପ୍ରଥମ ଦୁଇଟି ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଥିବା ଦଳ ପରସ୍ପର ସହ ମୁକାବିଲା କରିବେ। ଏହି ମ୍ୟାଚ୍‌ର ବିଜେତା ସିଧାସଳଖ ଫାଇନାଲ ଖେଳିବାକୁ ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନ କରିବ। ଏହା ପରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ପ୍ଲେ ଅଫ୍ ମ୍ୟାଚ୍ ବା ଏଲିମିନେଟର ନ୍ୟୁ ଚଣ୍ଡିଗଡ ବା ମୁଲାନପୁରରେ ମେ ୨୭ରେ ଖେଳାଯିବ। ଏଥିରେ ପଏଣ୍ଟ ଟେବଲର ତୃତୀୟ ଓ ଚତୁର୍ଥ ସ୍ଥାନିତ ଦଳ ପରସ୍ପର ସହ ଲଢ଼ିବେ। ଏହିଠାରେ ମେ ୨୯ ତାରିଖରେ କ୍ୱାଲିଫାୟର-୨ ଖେଳାଯିବ। ଏହି ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ପ୍ରଥମ କ୍ୱାଲିଫାୟରର ପରାଜିତ ଦଳ ଓ ଏଲିମିନେଟରରେ ବିଜୟୀ ହୋଇଥିବା ଦଳ ମଧ୍ୟରେ ଖେଳାଯିବ। ଏହାର ବିଜେତା ଦ୍ୱିତୀୟ ଦଳ ଭାବେ ଫାଇନାଲ ଖେଳିବାକୁ ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନ କରିବ। ଅହମ୍ମଦାବାଦ୍‌ର ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀ ଷ୍ଟାଡିୟମ୍‌ରେ ମେ ୩୧ ତାରିଖଦିନ ଫାଇନାଲ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳାଯିବ।

ବେଙ୍ଗାଲୁରୁରେ ଫାଇନାଲ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳାଯିବ ବୋଲି ପ୍ରଥମେ ସ୍ଥିର ହୋଇଥିଲା। କିନ୍ତୁ ମ୍ୟାଚ୍ ଆୟୋଜନ ନେଇ ବିସିସିଆଇ ରଖିଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ଓ ଆବଶ୍ୟକତା ପୂରଣ କରିବାରେ ଆୟୋଜକ ରାଜ୍ୟ କର୍ଣ୍ଣାଟକ ରାଜ୍ୟ କ୍ରିକେଟ ସଂଘ ପୂରଣ କରିବାରେ ଅସମର୍ଥ ହେବାରୁ ଭେନ୍ୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିବାକୁ ବାଧ ହୋଇଛି ବୋଲି ବିସିସିଆଇ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି। କିନ୍ତୁ ଭେନ୍ୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନରେ କର୍ଣ୍ଣାଟକ ରାଜ୍ୟ କ୍ରିକେଟ ସଂଘ କର୍ମକର୍ତ୍ତା ନିରାଶ ହୋଇଛନ୍ତି। ବେଙ୍ଗାଲୁରୁରେ ଫାଇନାଲ ମ୍ୟାଚ୍ ଆୟୋଜନ ଘୋଷଣା ନେଇ ବିସିସିଆଇ ପକ୍ଷରୁ ଅନେକ ବିଳମ୍ବ କରାଯାଇଥିଲା। ସଂଘ ପକ୍ଷରୁ ଦିଆଯାଇଥିବା ବିବୃତି ଅନୁଯାୟୀ, ଫାଇନାଲ ମ୍ୟାଚ୍ ଆୟୋଜନ ନେଇ ଆମେ ସମସ୍ତ ପ୍ରକାର ପ୍ରସ୍ତୁତି ଶେଷ କରିଥିଲୁ। ମ୍ୟାଚ୍ ଆୟୋଜନ ନେଇ ସଭାପତି ଭେଙ୍କଟେଶ ପ୍ରସାଦ ବିସିସିଆଇ ସହ ସର୍ବଦା ସମ୍ପର୍କରେ ରହିଥିଲେ। ଏପରିକି ଚଳିତ ସିଜନରେ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁରେ ୫ଟି ଲିଗ୍ ମ୍ୟାଚ୍ ସଫଳତାର ସହ ଆୟୋଜିତ ହୋଇପାରିଛି। ଏହି ମ୍ୟାଚ୍ ସଫଳତାର ସହ ଆୟୋଜନ, ଦର୍ଶକ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ, ମ୍ୟାଚ୍ ପରିଚାଳନାରେ ଦକ୍ଷତା ଓ ଦର୍ଶକଙ୍କ ଶୃଙ୍ଖଳିତ ଆଚରଣକୁ ନେଇ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁକୁ ବେଶ ପ୍ରଶଂସା କରାଯାଇଛି। ଏହା ସତ୍ତ୍ୱେ ଶେଷ ମୁହୂର୍ତ୍ତରେ ଭେନ୍ୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିବା କର୍ଣ୍ଣାଟକ ରାଜ୍ୟ କ୍ରିକେଟ ସଂଘକୁ ଅଡୁଆ ପରିସ୍ଥିତିରେ ପକାଇଦେଇଛି।

ପ୍ଲେ ଅଫ୍ ଖେଳସୂଚୀ

ମେ-୨୬: କ୍ୱାଲିଫାୟର-୧, ଧର୍ମଶାଳା
ମେ-୨୭: ଏଲିମିନେଟର, ମୁଲାନପୁର
ମେ-୨୯: କ୍ୱାଲିଫାୟର-୨, ମୁଲାନପୁର
ମେ-୩୧ : ଫାଇନାଲ, ଅହମ୍ମଦାବାଦ୍।

PRINTED & PUBLISHED BY AMIT KUMAR MALLICK FOR 'THE SAKALA' A UNIT OF NANDIGHOSHA NETWORK PRIVATE LIMITED IN ITS PRESS AT IDCO
PLOT NO.90 & 91, BHAGABANPUR INDUSTRIAL ESTATE, BHUBANESWAR-751019, DIST: KHORDHA, ODISHA
କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ସମ୍ପାଦକ : ସମରେନ୍ଦ୍ର ଦାସ
EXECUTIVE EDITOR: SAMARENDU DAS